

श्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

मई विल्ली, शनिवार, विसम्बर 18, 1982/प्रप्रहायण 27, 1904

No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 18, 1982/AGRAHAYANA 27, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या यो जाती है जिससे कि यह अलग संख्या के क्य में रखा का सखी Beparate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

> भाग II—वाध 3—जन-वाध (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंद्रालय को छोड़कर) णारत सरकार के मंतालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक धावेश और धिसूचनाएं Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

विक्त संज्ञालय

(राजस्व विभाग)

नई विल्ली, 7 जुलाई, 1982

# आय-कर

का. आ. 4172.—सर्व साधारण की जानकारी के लिए अधिन्षित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर नियम, 1962 के नियम 6 के साथ पठित, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उप-धारा (1) के खण्ड (2) के प्रयोजनों के लिए प्राकृतिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान को क्षेत्र में 'संगम'' प्रवर्ग के अधीन, निम्नलिखित कातों पर अनुगीदित किया है, अर्थात् :—

(1) यह कि कृष्णमृति फाउ छेशन इण्डिया, मद्रास प्राकृतिक या अनुप्रयुक्त (कृषि/पश्-पालन/मात्स्यकी और अषिध से भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का प्रथक सेखा रखेगा और जैसा कि उनके पत्र स. 11/2/81 के एफ आई तारीस 13-3-1982 से निवेशित है, उनको केवल सूक्ष्म संसाधित के अनुप्रयोग के लिए केन्द्र में अनुसंधान के लिए ही उपयोजन किया आएगा।

(2) यह कि उक्षत फाउं छेशन प्रत्येक वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी क्रियाकलाणों की वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 30 अप्रैल, तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किए जाए और उसे सृचित किए जाए ।

REGISTERED No. D.

(3) यह कि उक्त फाउंडेशन प्रत्येक वर्ष के लिए प्रवर्ग लेखाओं का वार्षिक सम्परीक्षित विवरण अपनी कुल अगय और व्यय तथा अपनी तुलन-पत्र आस्तियों/ दायित्थों को दिशात करते हुए, विहित प्राधिकारी को प्रतिवर्ष 30 जून तक प्रस्तृत करेगा और इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक प्रति सम्बद्ध आय-कर आयक्त को भेजेगा।

### संस्था

कृष्णम्ति फाउंडेशन इण्डिया, मन्नास ।

यह अधिसूचना 8-6-1982 से 7-6-1984 तक दो वर्ष की अविध के लिए प्रभावी है।

[सं. 4788/पत्र सं. 203/169/80-वाई. टी. ए. (2)]

एम. जी. सी. गोयल, अवर समित्र

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Now Delhi, the 7th July, 1982

### INCOME TAX

- S.O. 4172.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Department of Science & Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" in the area of other natural and applied sciences, subject to the following conditions:—
  - (i) That the Krishnamurti Foundation India, Madras will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of natural and applied sciences and solely apply them for research in Centre for Application of Micro processors, as outlined in their letter No. 11/2/81-KFI dated 13-3-1982.
  - (ii) That the said Poundation will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
  - (iii) That the said Foundation will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy each of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.

### INSTITUTION

Krishnamurti Foundation India, Madras.

This notification is effective for a period of two years from 8-6-82 to 7-6-84.

[No. 4788[F. No. 203]169[80-ITA(II)]

M. G. C. GOYAL, Under Secy.

नर्ष (धल्ली, 2 सिलम्बर, 1982

### वाधकर

चा॰ वा॰ 4173.— केन्द्रीय सरकार, प्रायं कर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 30छ की उपधारा (2)(ख) द्वारा प्रवक्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री मातंत्र्व देव संस्थान, जेजुरी" को महाराच्यू राज्य में सर्वेत्र विक्यात लोक पूजा का स्थान प्रधिसूचित करती है।

[सं॰ 4920/मा॰ सं॰ 176/48/82-मा॰का॰ (ए-!)]

New Delhi, the 21st September, 1982

## (INCOME-TAX)

**S.O.** 4173.—In exercise of the powers conferred by subsection (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Martand Deo Stusthan, Jejuri" to be a place of public worship of renown throughout the State of Maharashtra.

[No. 4920/F. No. 176/48[82-IT(AI)]

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1982

# भागकर

का॰ जा॰ 4174.---केस्प्रीय सरकार, ग्राय-कर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80छ की उपधारा (2) (ख) ब्रारा प्रवस्त बक्तियों का प्रयोग करते हुए "भी कश्मी वेस्कडेयबर स्वामी संदिर, देवृती जुड्डापाह्" को, भ्राप्त्र प्रयेग राज्य में सर्वन्न विक्यान कोक पूजा का स्थान स्थिपुचिस करती है।

 यह प्रधिसूचना निर्धारण वर्ष 1981-82 से 1985-86 के भारतगंत भाने वाली भावधि के लिए प्रभावी होगी।

[स॰ 4921/फा॰ स॰ 176/45/81-भा॰क॰ (ए-I)]

New Delhi the 22nd September, 1982

### INCOME-TAX

- **S.O.** 4174.—In exercise of the powers conferred by subsection (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri lakshmi Venkateswaraswamy Temple, Devuni-Cuddapah" to be a place of public workship of remown throughout the State of Andhra Pradesh.
- 2. This notification shall have effect from the period covered by Assessment Year 1981-82 to 1985-86.

[No. 4921|F. No. 176|45|81-IT(AI)]

#### आयकर

का॰ आ॰ 4175--- केलीय सरकार, ग्राय-कर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की क्षारा 80छ की उपधारा (2) (का हारा प्रवक्त शिक्तों का प्रशेग करने हुए "अरुलमिंगु काशी विश्वनाथ स्वामी विश्वनीक्षम, इन्कासी जिला निक्नेलबेरी (तिमल नाडु)" की निमलनाडु राज्य में सर्वेज विख्यात लोक पूजा का स्थान ग्राप्तिस्वित करती है।

[सं० 4922/फा॰ सं॰ 176/26/82 धा॰ फा॰ एन् I)]

### (INCOME-TAX)

S.O. 4175.—In exercise of the powers conferred by subsection (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Arulmigu Kasiviswanathaswamy Thirukoil, Tenkasi, Tirunelveli Distt, (Tamil Nadu)" to be a place of public workship of renown throughout the State of Tamil Nadu.

[No. 4922|F. No. 176|26|82-IT(AI)]

# क्षेत्रदीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई विल्ली, 7 जुलाई, 1982

# (आध्कर)

का० आ० 4176.--केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बीर्ब, प्रायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपघारा (1) द्वारा प्रदत्त प्राक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय समय पर यथासंगीविन घिनिस्तान सं० 679 तारीख 20-7-74 का निम्नलिखित संगोधन करता है।

कम सं० 5-ठ के सामने विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिकित प्रविष्टियां रखी जाएंगी, प्रशीत्:---

भायकर भायुक्त	मुख्यालय	श्रधिकारिता
<b>ऽ-ड</b> (भ्रस्थेषण), मृम्बई नगर।	मुम्बर्ध	सर्वेकण सकिल-I     सर्वेकण सकिल-II     सर्वेकण सकिल-XI     निर्धारण सकिल-XII

मह प्रधिसूचना 12 जुलाई, 1982 से जनानी होगी।

[सं० 4786/फा० सं० 185/123/82-II (ए. • मार्ड०)]

# CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 7th July, 1982

### (INCOMF-TAX)

S. O. 4176.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to its Notification No. 679 dated 20-7-74 as amended from time to time.

The existing entries against Sl. No. 5-L shall be substituted as follows:—

Commissioner of Income Tax	Headquarters	Jurisdiction
5-L (Investigation) Boinbay City.	Bombay	1. Survey Circle-I. 2. Survey Circle-II. 3. Assessment Circle XI. 4. Assessment Circle XII.

This notification shall take effect from 12th July, 1982
[No. 4786 /F. No. 185/123/82—IT(AI)]
MILAP JAIN, Under Secy.

### वाणिएय मंत्रालय

(उप मुख्य नियंत्रक भाषात-नियक्ति का कामलिय)

#### मिरस्त-भ देश

### **जयपूर, 25 मगस्त, 1982**

का०आ० 4177. — मैससँ गोयल कोल्ड रौलिंग मिन्, ए-95(बी) इण्डस्ट्रियल एरिया भीकाडी (जि॰ धलवर) राज को प्रायान ला॰ सँ॰ पी।एस। 1865035/सी|XX|78/Q|80 दि॰ 12-3-81 वास्ते 500,000/- ६० माल प्राल मेग न्द्र्त / सैकन्ड पेड्ल/डिफ्यक्टिव/कोटम्स।सक्तेलस,प्रानकाटेड कन्डीपासम्स् साल प्राल प्रोडम प्रांत कार्यन स्टील प्लेट्स/शीट्स /स्ट्रिप्त/कांयलस किसी भी प्रकार की/प्राक्त को प्रतेल-मार्च-81 की प्रायात-नीति के अनुमार, कृषि उपकरणों के सत्याद हेन् जारी भिया गया था।

मानेवक ने एक गायम-पक्ष मायात-निर्यात की कार्य विधि पुस्तिका 1982-83 के पैरा 358 के प्रन्तर्गन इस माझार पर प्रस्तुत किया है कि उनके लाइसेंस स॰ पी/एस/1865035 वि॰ 12-3-81 बास्ते 5,00,000 रू॰ मान्न भगैल-नार्च-81 मन्नधि के लिए की मूल एक्सचेंन हेतु कापी खो बिका किसी कास्टम पर पंजीकृत किए या इस्तेमाल किए ही, खोई गई है।

में सन्तुष्ट हू कि उक्त लाइमेंन की मूल एक्सकेंज हेतु कापी खो गई है।

मलं सायान-व्यापार नियंत्रण मादेण, 1955 दि० 7-12-55 (यथा समोधित) की धारा 9(CC) में प्रवस मधिकारों का प्रयोग करते हुए साठ स० पीठ/एस/1865035 दि० 12-3-82 वास्ते 5,00,000 द० की एक्सचेख हेत कायी निरस्त की जाती है।

भावेषक की भन्न लॉ॰ स॰ पं/एत/1865035 दि॰ 12-3-82 व.स्ते ५00,000 द॰ मात्र की एक्सचेंत्र हेन् कापी की मानुलिपि (इ.संकेट कापी) भागात-नियान की कार्य विभिन्नुस्तिका 1982-83 के पैरा 352 से 354 के मन्तर्गन जारीकी जा रही है।

[सं ० एस/एस/आई/एन / 10/ ए एस-81/सेकI/राज/कोसोसोझाई एण्ड ही

# MINISTRY OF COMMERCE Office of the Deputy Chief Controller of Imports & Exports

# CANCELLATION ORDER

Jaipur, the 25th August, 1982

S.O. 4177.—M/s. Goel Cold Rolling Mill, A-95(B), Industrial Area, Bhiwadi, Distt.: Alwar (Raj.), were granted Import licence No. P|S|1865035|C|XX|78|80 dated 12-3-1981 for Rs. 5,00,000 only for import of All Seconds/Second Goods|Defective|Quittings|Circles in|Uncoated Condition of All grade of Carbon Steel Plates|Sheets|Strips coils in Any Form|Shape of Policy Book for AM 81 required for the manufacture of Agriculture Implements.

The applicant has filed an affidavit as required under para 358 of Hand Book of Import Export Procedure 1982-83 whetein they have stated that original Exchange Purposes Copy of Licence No. P/S/1865035 dated 12-3-1981 for Rs. 5,00,000 only for AM 81 period has been misplaced/lost without having registered with any Customs House and utilised partly for Rs. Nil.

I am satisfied that the original Exchange Purpose Copy of the said licence has been lost/misplaced.

In exercises of the powers conferred on me under section 9(cc) of Import Trade Control order, 1955 dated 7th Dec. 1955 as amended upto date the Exchange Purpose Copy of the Licence No. P/S/1865035 dated 12-3-1982 for Rs. 5,00,000 only is hereby cancelled.

The applicant is now being issued duplicate Exchange Purpose Copy of Import Licence No. P/S/1865035 dated 12-3-1982 for the CIF value of Rs. 5,00,000 only in accordance with the provision of para 352 to 354 of Hand Book of Import Export Procedures 1982-83.

[F. No. SSI/N/10]AM. 81|Sec. I|Raj|DCCI&E]

# निरस्त मादेश

का० आ० 4178. — मैसमें जे० जी० इस्जीनियरिंग एण्ड मेडल इन्डस्ट्रीज, प्लाट सं० ए-95 (ए) इन्डस्ट्रियल एरिया भिषाडी धलवर (राज) की एक ग्रायात लाइसेंस सं० / पी / एस 1865036/सी/XX/78/क्यू/80 वि० 12 3 81 वास्ते 5,00,000 व० सभी सेकेंग्ड्स/सिंकंग्ड गुड्स/डिफोक्टश्स/कटिंग्स/सिंकंग्स/बिना कोट किए हालत में सभी ग्रेडों के कार्बन/स्टील प्लास्ट्स/शिद्य/सिंद्रप्त कायल्स किसी भी किस्म या शक्ल में ग्रेडैल-मार्च-81 की आयत नीति के अर्थगत कृषि उपरक्षणों के उस्पाद केहेनू जारी किया गया था।

अतः आयात निर्मात निर्मात पायेषा, 1955 दि॰ 7-12-55 (यबा संशोधित) की बारा 9(cc) में प्रतत्त प्रधिकारी का प्रयोग करते हुए लाइमेंस संख्या पी/एम/1865036 दि॰ 12-3-81 वास्ते 5,00,000 रु॰ मात्र की एक्मचेज कन्द्रोल हेतु कापी निरस्त की जाती है।

भानेशक को भव खा॰ सं॰ पो/एस/1865036 वि॰ 12-3-81 वास्ते 5,00,000 की एक्सचेंज हेतु काफी की भनुलिपि (बुप्लीकेट काफी) जारी की जा रही है जिसे भागात-निर्यात की कार्यविधि पुस्तिका 1982-83 के पैरा 352 के अस्तौत किया जा रहा है।

> [एसएसआई/एन-11/ए एस-81/सेक्स-I/को/सीसीआई एवा ई/राज] एस० के० दत्ता, उप मुख्य नियंत्रक ग्रायात-निर्यात

### CANCELLATION ORDER

S.O. 4178.—M/s. J. G. Engineering & Metal Industries, Plot No. A95 (A) Industrial Area, Bhiwadi-Alwar (Raj.) were granted Import Licence No. P/S/1865036|C|XX|78|Q| 80 dated 12-3-1981, for Rs. 5,00,000 only for import of All seconds|Second goods|Defectives|Quttings|Cirecles| un-coated condition of all grades of Carbon Steel Plates/Sheets/Strips Coils in any form/Shape of Policy Book for AM 81 required for the manufacture of Agriculture Implements.

The applicant has filed an affidavit as required under para 352 of Hand Book of Import Export Procedure 1982-83, wherein they have stated that original Exchange purposes copy of Licence No. P/S/1865036 dated 12-3-1981 for Rs. 5,00,000 only for AM 81 period has been misplaced/lost without having been registered with any Customs House and utilised partly for Rs. Nil.

I am satisfied that the original Exchange Purpose Copy of the said licence has been lost/misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under section 9(cc) of Import Trade Control Order 1955 dated 7th Dec., 1955 as amended upto date, the Exchange Purpose Copy of the licence No. P/S/1865036 dated 12-3-1981 for Rs. 5,00,000 is hereby cancelled.

The applicant is now being issued duplicate Exchange Purpose Copy of Import Licence No. P/S/1865036 dated 12-3-1981 for the CIF value of Rs. 5,00,000 only in accordance with the provision of para 352 to 354 of Hand Book of Import-Exprt Procedure 1982-83.

[F. No. SSI/N/11]AM. 81|Sec. I|DCCI&E|RAJ}

S. K. DUTTA, Dy. Chief Controller of Imports & Exports

# उद्योग मंत्रालय

# (जीक्रोगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 10 नवम्बर्, 1982

का. बा. 4179: किन्द्रीय सरकार, पेटेन्ट अधिनियम, 1970 (1970 का 39) की धारा 152 द्वारा प्रदक्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (2), सारीख 30 अगस्त, 1975 के पृष्ठ संख्या 3100 से 3162 पर प्रकाशित भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पृत्ति मंत्रालय (अधिगिक विकास विभाग) की अधिस्थना सं. का. जा. 2819 सारीख 29 जुलाई, 1975 का निम्नलिखिस और संशोधन करती है, अर्थात् :—

# खक्त अभिस्चना में :--

"2 असम" शौर्षक के नीचे शिलांग से सम्बन्धित प्रविष्ट के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:---

''व**ही-कुलपति, पूर्वोत्तर पहाड़ी विद्**वविद्यालय, लो**अर लहोमियर, दिलाग, असम-**793001 ।''

[फा. सं. 8(13)/81-पी पी एंड सी]

# MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 19th November, 1982

S.O. 4179.—In exercise of the powers conferred by Section 152 of the Patents Act, 1970 (39 of 1970), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial, Development) S.O. No. 2819, dated the 29th July, 1975, published in the Gazette of India, Part II Section 3 Sub-section (ii), dated the 30th August, 1975 at pages 3160 to 3162; namely:—

In the said notification, under the heading "2. Assam"—after the existing entries relating to Shillong, the following shall be inserted, namely:—

"-do- The Vice Chanceller, North Eastern Hill University, Lower Lachaumiere, Shillong, Assam-793001.

[File No. 8(13)/81-PP&C]

का. आ. 4180 : किन्द्रीय सरकार, पंटेन्ट अभिनियम, 1970 (1970 का 39) की भारा 152 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (2) तारीख 30 अगस्त, 1975 को पृष्ठ सं. 3160 से 3162 पर प्रकाशित भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागोरक पूर्ति मंत्रालय (अौद्योगिक विकास विभाग) की अभिस्चना सख्या का. आ. 2819 तारीख 29 जुलाई, 1975 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिस्चना में :--

''8 करेल'' शीर्षक के नीचे-- त्रिवेन्द्रम से सम्यन्धित विद्य-मान प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तः-स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :--

''कोचीन विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष, कोचीन विश्वविद्यालय पुस्तकालय, कोचीन-682022 ।''

[फा. सं. 8(13)/81-पी. पी. एण्ड सी ]

पौ. आर. चन्द्रन, उप सचिव

S.O. 4180.—In exercise of the powers conferred by Section 152 of the Patents Act, 1970 (30 of 1970), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies, (Department of Industrial Development) S. O. No. 2819, dated the 29th July, 1975, published in the Gazette of India, Part II Section 3 Sub-section (ii) dated the 30th August, 1975 at pages 3160 to 3162: namely:—

In the said notification, under the heading "8 Kerala" after the existing entries relating to Trivandrum, the following shall be inserted, namely:—

"Cochin.—University Librarian, Cochin University Library, Cochin-682022."

[File No. 8(13)/81-PP&C]

P. R. CHANDRAN, Dy. Secy.

# तागरिक पूर्ति मंत्रालय

## भारतीय मानक संस्था

मई दि<del>ल्ली</del>, 23-11 1982

का॰ आ॰ 4181-- समय पर संगोधित भारतीय मानक सस्या (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपिण्यम 4 के प्रनुसार भारतीय मानक संस्था द्वाप रक्षिमूचित किया जाता है कि लाइसेंस संका सी एम/एल॰ 749765 जिसके क्योरे निचे धनुमूची में दिए गए हैं भाइमेंसधारी के प्रनुरोध पर 1982-07 01 से रह कर दिया गया है।

	धनुसूची				
कम संख्या	नाइसेस मध्या ग्रीर तिथि	लाइमेंसबारी का नाम व पता	रह किए गए ला <b>इसेंप में अधी</b> न वस् <b>तु</b> / प्रतिका	नत्सबंघी भारतीय मानक	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	
1. सी एम/एल ·0 749765				IS 4965 (भाग 2)—1975 इन्टर स्रोक कुताई वाली सुती बतियानों भी विभिन्ट माग 2 मनियाने (पहला पुनरीक्षण) .	
				[सी एम डी/55 0749765]	

### MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

## INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 1982-11-17

**SCHEDULE** 

S. O. 4181.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks)
Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-0749765
particular of which are given below has been cancelled with effect from 82-07-01 at the request of the licensee:

Sl. No.	Licence No. and Date	Name and Address of the Licensee	Article/Process Covered by t Licence Cancelled	he Relevant Indian Standards
1	2	3	4	5
1. CM/L-0749765		/s. Chitralaya Banian Co., 55-A, Dharapurum Roui, Tirupur-638604 (Tamil Nadu)	Interlock Knitted Cotton Vests Type: RN an I RNS Size: 75 to 100 cm Gauge: 20 and 24	IS: 4965 (Part II) —1975 Spec1 fication for Interlock kaltte decotton vests Part II Vests (First Revision)
				[CMD/55 : 0749765]

# मई विल्ली, 1982-11-23

का॰ आ॰ 418 १० - समय-प्रमय पर सशीधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विन्द्र) यिनियम 1955 के विनिध्म 14 के उपविनियम 4 के धनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा ब्रिश्मित किया जाता है कि छाइसेंस संख्या सी एम/एल-0767464 जिसके ब्योरेनिक धनुसूकी में विश् गर् हैं लाइसेसबारी के ब्रनुशंध पर 1982-02-01 से रह कर दिया गया है क्योंकि फर्म अब लाइसेस जारी रखने की इच्छक नहीं है।

	प्रनुसूची				
ऋस संख्या	लाइसेंस सख्या भौर तिथि	लाइमेसधारी का नाम भीर पना	रद् फिए गए साइसेंस के प्रधीन अस्तु/ प्रक्रिया	तत्सबधी भारतीय मानक	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	
	एम/एल-0767464 79-03-30	मैसर्स बंगलीर कायर राड मिल (ट्रामपंटिं कारपोरेशन प्राफ डंडिया लि० की इकाई) हवाक्टफील्ड रोड महादेवपुरा डाकचर भगलीर 560048	गई। बस्पुची थे लिए कार्बन ६स्पात की छडे	IS 1975 1978 गरी वस्तुमी के निए फार्वन ६स्पार के विलेट, ब्नूम मिल्सिया और छड़ो की विलाय्ट (अनुयं पुतरीक्षण)	
				[सी एम डी/55 . 0767464]	

### New Delhi, the -198211-23

S.O. 4182.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-0767464 particulars of which are given in the Schedule below has been cancelled with effect from 1982-02-01 as the firm is not interested to operate the licence.

### **SCHEDULE**

Sl. I No.	icence No. and Da	Name & Address of the Licens	See Article/Proce Licence Cance	- •	the Relevant Indian Standards	
1 2		3		4	5	
1. CM/ 1979-03	L-0767464 -30	M/s. Bangalore Wire Rod Mill, (A unit of Transport Corpa of Indian Ltd)., Whitefield Road, Mahadevapura P.O., Bangalore-560048	Carbon steel forgings	bars for	IS: 1875-1978 Specification for carbon steel billets, blooms, slabs and bars for forgings, (Fourth Revision)	

[CMD/55 : 0767464]

# नई दिल्ली, 1982-11-24

का ० का ० 4183.--- भारत के राजपक्ष भाग II, खंब 3, उपखंड (ii) विताल 1981-05-16 में प्रकाशित तागरिक पूर्ति संझालय (भारतीय मानक संस्था) मधिसूचना संख्या एस भी 1499 विताल 1981-04-24 का भाषिक रूप में संगोधन करते हुए भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि कटाई भीर बैल्डिंग के लिए वाव रेग्यूकेटरों भीर बली पाइप के मानक चिन्ह में कुछ परिवर्तन किया गया है। मानक चिन्ह को में मंगोधित विजाइन तरसंबंधी भारतीय मानक के शीर्षक भीर विजाइन के गाव्यिक विवरण सहित नीचे अनुसूची में दी गई है।

भारतीय मानक बंस्या (प्रमाणम विक्का) अधिनियम 1932, ग्रीर इसके ग्रधीम बने नियमों भौर विनिधमों के कार्यों में लिये वे मानक विक्का 1980-12-18 से लाग होंगी:

# **मनुसूची**

कस सामक विन्ह की संख्या डिजाइन		जस्पाव/जस्पादन की श्रे <b>षी</b>	तत्संबंधी भारतीय मानक की पद संख्या गौर शीर्षक	मानक विद्व के कियादन का साज्यिक विदरण	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	
	वेश्विम, कटाई में प्रयुक्त गैस सिलैण्डरों के वाब रेग्युक्षेटर	IS: 6901—1973 वेल्डिंग, कटाई धौर सम्बद्ध प्रक्रियामों में प्रयुक्त गैस सिलैण्डरो के काव रैग्युलेटरों की विकिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं स्सम्भ (2) मं दिखाई गई शैंकी ग्रीर भनुपात तें तैयार किया गमा है ग्रीर जैंमा डिजाइम में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ग्रीर भारतीय मानक की पद संख्या दी गई हैं।		
2- /		वेल्डिंग झौर कटाई में प्रमुक्त हाथ वाले क्यो पाइप	IS: 76531975 वैत्रिक्षम झीर कटाई में प्रयुक्त हाथ बाले क्ली पाइप भी विशिष्टि	भारतीय मालक संस्था का मोनोप्राम	

[बं॰ सी एम की/13.9]

## New Delhi, the 1982-11-24

S.O. 4183.—In partial modification of the Ministry of Civil Supplies (Indian Standards Institution) notification number S.O. 1499 dated 1981-04-24, published in the Gazette of India, Part.—II, Section 3, Sub-section (ii) dated 1981-05-16, the Indian Standards Institution, hereby notifies that the standard marks for pressure regulators and manual blow pipes for cutting and welding have been revised. The revised designs of the standard Marks together with the title of the relevant Indian Standards and verbal description of the designs are given in the following Schedule.

These Standard Marks, for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with offect from 1980-12-16;

SCHEDULE					
51. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal Description of the design of the Standard Mark	
1	2	3	4	5	
	s : 6901	Pressure regulators for gas cy- linders used in welding, cutt- ing	IS: 6901—1973Specification for pressure regulators for gas cylinders used in welding, cutting and related processes	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated is Col. (2); the number of the Indian Standard being super cribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	
	S : 7653	Manual blow pipes for welding and cutting	IS: 7653—1975 Specification for manual blowpipes for welding and cutting		
-		بعد البوالة بوسوي فالمني ويوسع ليبرين وبالكان ينبرون مشيئة ينبران مستحد يسمن ومساور ومساور مساور	منت و مند المام الرمان و منت و المنتجوبين <u>فينان و منت المنتونوسين المنت</u> من وهوال المنتونوسين		

[No. CMD/13:9]

कार आर. 4184.—भारत के राजपत्न माग 11, खंड 3, उपबंद (ii) दिलांक 19-80-94-26 में प्रकाशित तत्कासीम वाणिक्य एवं नागरिक वृति अंकासव (भारतीय मानक संस्था) प्रश्चिमुजना संख्या एस भी 1155 दिनांक 1980-04-09 का भ्रांतिक कप से संशोधन करते हुए खारतीय मानक संस्था हारा भ्रांति-सुचित किया जाता है कि व्यायलय टेप ढिवरी भीर कावले के लिए भ्रासेंनिकीय सांग्वे की छड़ों के मानक लिल्ल में कुछ संशोधन किया गवा है। नानक चिल्ल को संशोधित दिजाइन तत्संबंधी भारतीय मानक के सीर्थक भीर विजाइन के शाब्दिक विवरण सहित नीचे भ्रमुसूची में दिखा गया है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिक्क) अधिनियम, 1953 और उसके अधीन बने नियम और विनियम के कार्यों के लिए यह मानक विक्क 1982-02-01 से माणु होगी।

	•
3770 27	
जनत	•

कम सं <b>रु</b> या	मानक चिह्न की डआइम	जस्पाद/उस्पादन की <b>भेगी</b>	तत्संबंधी भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	मानक चिह्न के डिकाइन का शाब्दिक विवरण
(1) (2)		(3)	(4)	(5)
1. IS	288—81	ब्बायश्वर <b>टेक दिवरी भी</b> र कावलों के लिए ब्रासेंनिकीय ताम्बे की छाड़ें	IS:2881981 व्ययालर टेक्क ढि मीर कामलों की जिलिक्ट (दूसरापुनरीक्षण)	वरी मारतीय मावक संख्या के मोनोबाय जिसमें ISI ग्रन्थ होते हैं, स्तम्भ (2) में विधाई गई शैली चौर अनुपात में तैयार की गई है धीर जैला डिजाइन में विखाया गया है रुख मोनोबाम के ऊपर की घोर भारतीय मानक संस्था की पदसंख्या तथा दर्व दिया गया है।

[संश्ली एम औ/13:9]

S.O. 4184.—In partial modification of the then Ministry of Commerce and Civil Supplies (Department of Civil Supplies) (Indian Standards Institution) notification number S.O. 1155 dated 1980-04-09 published in the Gazette of India, Part II, Section-3, Subsection (ii) dated 1980-04-26, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the design of the Standard Mark for arseni cal copper rods for boiler stay bolts and rivets has been revised. The revised design of the Standard Mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design is given in the following Schedule:

This Standard Mark for the purposes of the Indian Stanlards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1982-02-01:

4	2	7	n
44	J	Ĺ	u

				SCHE	DULE	
SI. Desig	on of the Standard	Pro luct/	class of Product	No. & Title o Indian Stand	f the Rolevant lard	Vebal Description of the Design of the Standard Mark
1	2	,	3		4	5
1. IS : 288	-81		opper roll; for boiler and rivets		per rods for bo. and rivets	

[No. CMD/13:9]

भार आर 4185 --- भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) विनांक 1979-12-01 में प्रकाशित तत्कालीन वाणिज्य एवं मागरिक पूर्ति मंजालंब (नागरिक पूर्ति विभाग) (भारतीय मानक संस्था) प्रधिभूचना संख्या एस भी 3880 दिनांक 1979-11-08 का श्रधिक्रमण करते हुए भारतीय मानक संस्था हारा अधिमूचित किया जाता है कि एलुमिनो-लीहे का मानक चिह्न में कुछ संशोधन किया गया है मानक जिह्न की संशोधित डिआइन तत्संबंधी भारतीय मानक के शीर्षक भीर डिआइन के शास्त्रिक यिवरण सहित नीचे अनुसूची में दी गई है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन) चिल्ल भिवितियम, 1952 तथा उसके घुडीन बने नियम ग्रीर बिनियम के काथों के लिए यह मानक चिल्ल 1981-06-01

से भागू होगी।

-	चनु <u>त</u> ्भी				
भ्रम संख्या	सानक जिल्लुकी विजाइन	उत्पाद/उत्पादन की मेवी	तत्संबंधी भारतीय मानक की पद संख्या भीर शीर्षक	मानक जिल्ला के विजादन का शाब्दिक विवरण	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	
1. I	S: 299-80	एशुमिमो लौह	IS: 299—1980 एलुमिनो सोह की विमिष्टि (तीत्तरा पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का गोलोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई गैली और प्रनुपात में तैयार किया गया है और वैसा डिजाइंन में दिखाया गया है मोनोग्राम के क्रपर की घोर भारतीय मानक की	

[सी एम की/13:9]

पद संख्या भवा वर्ष दिया गया है।

S.O. 4185 .—In supersession of the then Ministry of Commerce and Civil Supplies (Department of Civil Supplies) (Indian Standards Institution) notification number S.O. 3880 dated 1979-11-08 published in the Gazette of India, Part II, Section-3, Subsection (ii) dated 1979-12-01, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the design of the Standard Mark for aluminoferric has been revised. The revised design of the Standard Mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design is given in the following Schedule.

This Standard Mark for the purposes of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and

Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1981-06-01;

# THE SCHEDULE

St. Design of t	he Standard	Product/Class of Product	No. & Title of the Relevant Indian Standard	Verbal Description of the Design of the Standard Mark
1	2	3	4 ,	5
1. IS: 299—80		Alumino-ferric	IS: 299—1980 Specification for alumino-ferrie (third revision)	The monogram of the Indian Standard Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard, alongwith its being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13: 9]

का० आ(०-4186 भारत का पास (पनणान वहाँ तकाका राष्ट्र १००० सा तकाक अनिस्त 2 और की विकास का कार्या क्रा 3 के छतुर रास्त मनत सस्था की ग्राटन प्रथम् च छ। राहे वानी प्रथम् वी स नास माराय ब्हार दिर (राहे ) 1 जनवरी

	अतमूर्च।	
च्य । प्रीरामारनीय संगामी पद्रस्य । सक्या पौरणीया	र मास्तीय मन्तरहा ।नगन्।वा प्र नास्ती नास वी भार पॉरिश स	ा विवरण
(1)	(3)	(4)
सूखा व ( तात के प्रीया घौ जाले कीपर्ण (दिनियानरीकाण) 2 ${f IS}$ 101—1979 तेंगर निधानरामाना सु	िद \$ 7 ± 1966 पट क । तर च द पूत्र अंत च तर परी जण औं न न क गरेश (प्रण पुन्री तण) लग IS 104 1962 तें पर कि।आग रा रोक्त बुरण की से चाने बाला जिक की बाइसर देने प्रक्तिश	-
वि शब्द । द्वितीय पुत्तरीक्षण)	†य गट (पूनरीकाण) चग IS 719 1962 हकाई जाहाज के ालग सूक	-
4 IS 80९(सा: 3) 1979 ताप वे इस्पन पीधपनी, चैतन व कोण सेक्णन के भाग 3 चैलि एम नी ग्रीर एम नी पीश्री	नण) पत्रचन टन की तिगष्टि (पुरस्तनण) ित्तर IS 809 1964 वेल्तित इस्पान्दा धरतो चैत्तत सः ऋौर कोण लेकान की नाम ट (पुनरक्षनण) नेगी	-
(बिनाय पुनरीक्षण) 5 IS 1061-1980 कानज के प्रकारो विभाष्ट (बिनीय पुनरीक्षण)	र्ट IS 1064-1961 कागज के काराजों की 19 पट (पुतरीक्षण)	
	रिंग IS 1109-1968 सुहरि की विभिष्ट (प्रथन पुनरीक्षण)	
	लिए IS 1376 1968 हटाई न्यान के वैद्यानिक य के लिए सूनी सिनाई धाो वा निशिष्ट (प्रथम पारीक्षण)	
(धनात्सक नता प्रेट के सार ) बैटिक्पो	93 ट्या IS 16511970 सीसा श्रम्ल वर्ष्सा धनात्मक ग्रौर नली प्लेट के साथ बैटरिया ग्रौर स्थिप सेल क	
स्पिर सैन की विणिष्ट (द्वितिव पुनरे थाण) 10 IS 1852 -1979 उष्न वेक्तित इक्	ाव सा'ट (प्रथम पुनराक्षण) पान IS 1852—1973 उष्म वेल्लिन इस्पान उप दो	
उत्पादो की वेल्लन स्रौर कटाई सम्बाधी ह (ततीय पुनरीक्षण)		
11 IS 203° (भार XXIII (1978) त्रौदोशिकः में प्रयुक्त लेखाः चिह्न भार X प्रक्रम भाष व नियदण स्वर्ण क्रोज र ।	XIII	a-41m
	ाद IS 2279—1963 ग्रन्डल्डेचादी की छ है,चादर या तर कमी ग्रीरोोश (मोहर य लागदी) की विश्विष्टि	per de Mining
•••	कने IS 2560—1963 ट।यर इ ट्यूप टेलिए यस रबड से बने न पकने वाले टेप की विशिष्टि	
14 IS 25621979 टायर व ट्यूब के वि रवड से बने पकने वाले चेंप की विशिष्टि (प्रः पुनरीक्षण)	लण IS 25621963 टायर व त्यूव के लिए ज्वड यम से बने पक्ने वाले टेप की विक्षिष्ट (प्रथम पुनरक्षिण)	<b>a</b> nama
15 IS 24171979 काचान मीना वर्तन मतिका शिल्प घातु प्रणाजी से सम्बन्धित शब्द (प्रथम पुनरीक्षण)	ब्रौर IS 27171964 काचाम मीता वर्तन उद्योग विकी में प्रयुक्त शब्दों वार्ल	
	•	

तक खण्ड 2 धातु के पाग (प्रथम पुनरीक्षण)

(1) (2)	(3)	(4)
17·IS: 3347 (भाग II खण्ड 2) 1979 IS सामास्य व हुत्के प्रदूषित वातावरण में प्रमुक्त		
पोसिलेन ट्रांसफार्मर बुशबंदी के माप भाग 1. कि वो तक खण्ड 2 धातुर्क माग (प्र०	के खण्ड 2 धातुके भाग	
18 IS: 3607—1979 रसायन उद्योग के लिए I मैग्नीसाइट के विशिष्ट (प्रथम पुनरीक्षण)	मैग्नी साइट की विशिष्टि	
19 IS 3607 1979 चिनाई वाले लैटराइट पत्यर के थौकों की विशिष्ट (प्रथम पुनरीक्षण)	IS: 3620 1966 जिलाई वाले लैंगटराइट पत्थर के जैकों की विशिष्ट	_ <del>-</del>
20. IS 4491 1979 उच्च च्यान्तकीय प्रवेश्यता वाली इस्पात की ढली वस्तुमी को विशिष्ट (प्रथम पुनरीक्षण)	1S 44911968 उच्च चुम्बकाय प्रवस्था। वाली इस्पात की ढली बस्तुग्री की विशिष्टि	
21. IS: 4651 (भाग 4)→- 1979 बन्दरगाहों भौर गोवियों की डिजाइन व भ्रायोजलः की रीति संहिता भाग 4 सामान्य डिजाइन सम्बन्धी वार्ते (प्रथम पुनरीक्षण)	गोवियों की विजाहः व योजना की रीति संहिता भाग 4 पाइल की चादर की प्रतिधारक दीवार	
लिए तार की रील की विणिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS: 96591908 ग्रंतः स्थलीय जलयान के लिएतार की रील भी विभिष्ट	garran
23. IS : 4738-~1980 प्लास्टर घ्राफ पैरिस की पट्टी की विशिष्ट (प्रथम पुनरीक्षण)	पट्टी की विशिष्ट	
24 IS: 49031979 चीनी उद्योग निःस्त्राव के उपचार भौर निपटान की संदर्शिका (प०पु०)		<del>-</del>
25. IS: 5405—1980 सेनीटरी नैपीकन की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)		<b>B</b> irche
26. IS : 57331979 सेव की कलमो की उत्पादन संहिता (प्रथम पुनरीक्षण)	IS: 6733 1969 सेबों की कलमें	, <del>~</del>
27. IS: 7022 (भाग 3)1979 मलुजल ग्रीर ग्रीग्रोगिक निःस्त्राण सम्बन्धी शब्दावली भाग 2	~~	<b>-</b>
28. IS: 72901979 छलों के जल रोक बनाने के लिए पोलीइयाइलीन फिल्म के प्रयोग संबंधी सिफारियों (प्रथम पुनरीक्षण) 29. IS: 8252(भाग 4)1980 जिमान उपकरणों	IS: 7290 1973 छती के जल रोक बनाने के लिए पोलीक्ष्याइलीन फिल्म के प्रयोग संबंधी सिफारियों	<b></b> -
के वासावरणीय परीक्षण भाग 4 बर्फ निर्माण 30 IS: 8252 (भाग 14) — 1979 विभाग उप- करणों के वासारणीय परीक्षण भाग 14 सटका		
31. IS: 8886 (भाग 4)—1980 जलयान की साधारण, ग्रायताकार, खिक्कियों की विशिष्ट भाग 4 ढांचे पर कश्जों के कान, हिंदग कावलों ग्रीर अड्ने के छेदों की स्थिति के ब्यौरे		,,
32. IS : 8886 (भाग 5) → 1980 जलयान की साधारण धायताकार खिड़िकयों की विधिष्टि भाग 5 भीतर खुलने वाली बगल से कब्जे जड़ी ढांचे के मेम भारी प्रकार की काबलेबार खिड़िक्यों के ब्यीरे।	_	
33. IS: 8886(भाग 6)— 1980का जलयान साम्राप्य ध्रायताकार खिड़िकयों की विशिष्टि भाग 6 भीतर खुलने वाली बगल से कब्जे जड़ी हलकी प्रकार की कामनेदार खिड़िकयों के ढांचे के क्रेम के क्योरे	T	net man
34 IS: 8886 (भाग 7) 1980 जलयान साधारण ध्यायताकार खिड़कियों की विणिष्ट भाग 6 भीतर खुलने वाली सगल से कट्यो जड़ी भारी व हल्को प्रकार की वेल्बकृत खिड़कियों के ढांचे के क्यौरे		<del></del> ,

स्थित कायसा भीर विग विवरी के ब्योरे 47. IS: 91363--1978 कैलाशियन मिश्रित ग्रीज की

विशिष्टि

[मान II-खण्ड 3(ii)] भारत का राज्य	नंत्र 'दिसम्बर 18, 1982   श्रम्रहायण 27, 1904		432
(1) (2)	(3)	(4)	
35. IS: 8886 (माप 8)— 1980 जलयात की साधारण आयताकार खिड़िक्यों की विणिष्टि भाग 8 श्रन्दर का खुलने वाली ऊपर के कब्जे जड़ी भागी प्रकार की काबलेदार खिड़िक्यों के विणेषे के स्थीरे		~-	
36 IS: 8886 (भाग 9) 1980 साधारण आयताकार खिड़िकयों की विणिष्टि भाग 9 अन्दर की मीर खुलने वाली उत्तर से कब्जे जड़ी हल्की प्रकार की मोल्ट दार खिड़िकयों के ढांचे के स्वीरे	<u></u>		
37 IS: 8886(भाग 10) 1980 साक्षारण, ग्रायताकार खिड़िक्यों की विक्षिष्ट भाग 10 श्रन्थर की खुलने वाली ऊपर से कब्बे जड़ी भारी व हल्की बेल्डकृत खिड़िक्यों के ढांचे के ब्यौरे			
38 IS: 8886(भाग 11)1980 साधारण ऋामताकार श्विङ्कियों की विणिष्टि माग 11 'ब खूलभे बाली भारी प्रकार की काबलेदार श्विङ्कियों कें ढिप्ति के ब्योरे			
39. IS : 8886 (भाग 12) 1980 साधारण, ग्रामताकार खिड्डाकमो की विभिष्टि भाग 12 न खुलने वाली, हल्की प्रकार की काबलेबार खिड्डाकियों के ढार्च के क्योरे			
40. IS: 8886 (भाग 13)—1980 साधारण भाषताकार खिड़कियों की विभिष्ट भाग 13 न खुकीने वाली, भारी वेस्डकृत के ढांचे के ब्यौरे			
41. IS: 8886 (माग 14) 1980 साधारण भायताकार खिड़िकयों की विधाष्ट भाग 14 बाहर की खुलने वाली एक ग्रोर कब्जे जड़ी भारी प्रकार की खिड़िकयों के ढाचे के स्थीरे			
42 IS: 8886 (भाग 16)—1980 साधारण श्रापताकार खिड़िक्तियों की विशिष्टि माग 16 दाचे का विस्तृत विवरण वाहर के खुलने पाणी एक तरक हस्की काबलेदार खिड़िकयों के दांचे के स्पीरे			
43. IS: 8886 (माग 18) साधारण आयताकार खिड़िकायों की विशिष्टि भाग 18 अन्दर खुलने वाली एक तरफ कडने जड़ी भारी व हस्की बोस्टदार खिड़िकायों के कांच खारक के ब्यौरे			
44. IS: 8886 (भाग 19) साधारण भायताकार खिड़िक्सों की विभिष्टि भाग 19 बाहर को खुशने वाली एक तरफ कड़जे जड़ी भारी वहल्की काथलेतार वेल्डकृत खिड़िक्सों के बीच कांच धररक के व्यौरे			
45. IS: 8886 (भाग 20)1980 साझारण, झायताकार विश्वकियों की विधिष्टि भाग 20 ऊपर से कब्जे जड़ी भारी व हस्की मब्जेबार व वेस्डकृत खिड़कियों के काच धारक के ब्योरे			
46. IS: 8886 (माग 22)—1980 साधारण भागताकार खिड़कियों की विशिष्टि साग 22			

432	4 THE GAZETTE OF INDIA: 1	DECEMBER 18, 1982/AGRAHAYANA	27, 1904 [PART II—SEC. 3(ii)]
(1)	(2)	(3)	(1)
48.	IS: 9214-1979 खेलों मे मृतिका रुपग्रेण समिकिया (के-मान) का मार्थाक ज्ञान करने का पद्धित		
49	IS: 9,224 (भाग 2)1979 घला बाल्टन फ्यूज़ की विधिष्टि धाम 2 प्रौद्यामिक उनयोग की उच्च विस्तेज क्षमना वाले फ्यानी की पूरक प्रपेकात्	्रIS 22081962 650 वाल्ट तक के एच प्राप्तमीकारनुस फ्यूज सिक्तको विभिष्टि	
50.	IS: 9243 (भाग 2)~~1979 कालाई बड़ियों की परीक्षण पत्रति भाग 2 मटका रोधी		
51.	IS: 9259 1979 मिट्टी के लिए तरल सीमा उपकरण की विणिष्टि		
52.	1S: 9328 1979 मिष्ठान्त उषोग से संबंधित शब्बावली		
	IS: 93501980 तत्प रोघी सौँमेंट (काइप 950) की विभिष्टि		
	IS: 93651980 केनीट्राधियान दाभों की विशिष्टि IS: 93811979 तारकोल व विद्यूमनी, पदायों की परीक्षण पद्मित्यों, : विटमेन का क्रांस भंजन प्रक	5	
56	IS: 93841979 माल बाहक कटेनरों की संगेकित मांकका पट्टी की विशिष्टि		
<b>5</b> 7.	IS: 93861979 गील फास्केट की रसायमिक विक्लेषण पद्धति		
58.	IS: 9393 1979 वस्टेंड श्रद्धं वस्टेंड पीर इसी धार्ग बनाम को सहिता तथा छूटें		
	IS: 9400 1980 तकनीकी रिपॉर्ट के किए प्रंच सूची वर्णन पत्रक की तैंथारी की मार्ग- वर्णका		
60.	पायाम IS: 94051980 कतेवेधर पढ़े के बंधों (पेंप डिगरी भावि) कॉ परीक्षण प <b>ड</b> िस		
61	IS: 99271980 विद्यायनीकारी स्तम्मी की रख रखात्र के भीर पश्चित्तन की रीति संहिता		
	IS:9555—1980 विश्वत गृणधर्मी पर प्राधारित स्थेत-मान्नक के पसर फिल्म मोप क्लाक की विशिष्टि		
	IS:99561980 शकुनुभा भीर हत्दपरनोलीय दैरोबोलाइडल नुमा मैल मॉव को डिजाइन व निर्माणको रीतिसंहिना	Ŧ	
महमा है।	इत भारतीय मानकों की प्रतिया भारताय मानक ग्राबाद, बंगलीर, भाषाल, भुवतेश्वर, सम्बद्दी, कलकन	सस्या, मामक मत्रन, बहाबुरणाह जकर मार्ग, नई दिर ा, चण्डीगढ़, हैरशबाद, अयपुर, मद्रास, पटना य ब्रिजेन्द्रम	ली 1_10002 में और उसकी शाखाओं में भी स्थित शाखा कार्यालयों में प्राप्त की जासकती
Q.			[स॰सी०एम०डी०/13 : 2]
titut dard	ion (Certification Marks) Rules and Regu	of Rule 3 and sub-regulations (2) and (3) of regulations, 1955, the Indian Standards Institution chedule hereto annexed, have been established a SCHEDULE	thereby notifies that the Indian Stan-
SI. No.	No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Rema; ks, if any
 (1)	(2)	(3)	(4)
t	S: 74-1979 Methods of sampling and est for drying oils for paints second revision)	IS: 74-1966 Methods of sampling and test for drying oils for paints (first revision)	

(1) (2)	(3)	(4)
2. 18: 104-1979 Specification for ready mixed paint, brushing, zinc chrome, priming (second revision)	IS: 101-1962 Specification for ready mixed paint, brushing, zinc chrome, priming (revised)	
	n IS: 714—1962 Specification for cotton reinforcing tape for aircraft (revised)	
· /	IS: 808-1964 Specification for relled steel beam, channel and angle sections	
5. IS: 1064-1980 Specification for paper sizes (second revision)	IS: 1064-1961 Specification for paper sizes (revised)	_
6. IS: 1109-1980 Specification for borax (second revision)	1S: 1109—1968 Specification for borax (first revision)	— val
sewing threads for aerospace purposes (second revision)	(first revision)	
8. IS: 1448 (P: 93) -1979 Methods of test for petroleum and its products: P: 93  Noedle penetration of petroleum waxe		_
<ol> <li>IS: 1651—1979 Specification for stationary cells and batteries, lead-acid type (with tubular positive plates)</li> <li>(second revision)</li> </ol>	IS: 1651—1970 Specialization for stationary cells and batteries, lead-axid type (with tubular positive plates) (first revision)	_
10. IS: 1852—1979 Rolling and cutting tolerances for hot-rolledsteel product; (third revision)	15: 1852 -1973 Rolling and cutting toleration for hoterallol steel products (second revision)	
11. IS: 2032 (Part XXIII)—1978 Graphical symbols used in electrotechnology: Part XXIII Instruments for process measurement and control	-	_
12. IS: 2279—1980 Specification for fine silver bar, sheet, wire, granules and toke (first revision)	(LAGDI or MOHUR)	
	1S: 53201969 Specification for fine silver ingot.	<b>—</b>
baked adhesives for tubes, non-curing (first revision)	curing	<b>⊸</b>
<ol> <li>14. IS: 2562—1979 Specification for rubber- based adhesives for tyres an tubes, curing (first revision)</li> </ol>	base I adhesive for tyres and tubes, curing	****
15. 18: 2717 -1979 Glossary of terms relat- ing to vitreous enamelware and ceramic metal systems (first revision)	vitreous enamelware industry	
16. IS: 3347 (Part I/Sec. 2) 1979—Dimens for procedule transformer bushing to use in normal and lightly by polluted at a pheres: Part I up to and including 1 k Section 2 Metal parts (first revision)	103- up to 1.1 kV bushings; Section 2 Metal	~
17. IS: 3347 (Part II/Sec 2)—1979 Dimensions for percelain transformer bushing for use in normal and lightly polluted atmospheres: Part II 3.6 kV bushings Section 2 Metal parts (first revision)	for porcelain transformer bushing: Part II 3.6 kV bushings, Section 2 Motal parts	

(1)	(2)	(3)	(4)
18.	site for chemical industry	· IS: 3607-1966 Specification for magnesite for chemical industries	
19. 1	(first revision) IS: 3620—1979 Specification for laterite stone block for masonry (first revision)	IS: 3620—1966 Specification for laterite stone block for masonry	
20. I	(S: 4491—1979 Specification for steel castings of high magnetic permeability first revision)	IS: 4491—1968 Specification for steel castings of high magnetic permeability	_
21. I	S: 4651. (Part IV)—1979 Code of prac- ice for planning and design of ports and narbours: Part IV General design consi- crations	IS: 4651 (Part IV)—1969 Code of practice for planning and design of ports and harbours: Part IV Sheet pile retaining walls	_
22. I	ope reel for inland vessels	IS: 4659—1968 Specification for wire reel for inland vessels	
23. I	of paris bandage	IS: 4738—1968 Specification for plaster of paris bandage	
24. I	S: 4903—1979 Guide for treatment and disposal of effluents of cane sugar industry	IS: 4903—1968 Guide for treatment of effluents of canesugar industry	~
25. I	apkins	IS: 5405—1969 Specification for sanitary towels	
26. I	S: 5733—1979 Code for production of trafts of apples	IS: 5733—1969 Grafts of apples	_
27. I	S: 7022 (Part 11)—1979 Glossar, of erms relating to water, sewage and indus-		_
28. IS	s: 7290—1979 Recommendations for use of polyethylene film for waterproofing of roofs	IS:7290—1973 Recommendation for use of polyethylene film for waterproofing of roofs	~
29. I	first revision) S: 8252 (Part IV)—1980 Environmental ests for aircraft equipment: Part IV Ice ormation		
30. Is	S: 8252 (Part XVI)—1979 Environmenal tests for aircraft equipment: Part XVI hock		~
31. Is for Pa	S: 8886 (Part IV)—1980 Specification or ship's ordinary rectangular windows art IV Details of position of lugs for inges and swing bolts and securing holes in the frame	<del></del>	<del>_</del>
32. IS shi	5:8886 (Part V)—1980 Specification for ips' ordinary rectangular windows Part Details of frame, inward opening, side inged, heavy type bolted windows		·
sh Vl	s: 8886 (Part VI)—1980 Specification for hips' ordinary rectangular windows Part I Details of frame, inward opening, side hinged, light type bolted windows		
fo Pa sid	s: 8886 (Part VII)—1980 Specification r ships' ordinary rectangular windows: art VII Details of frame, inward opening, de hinged heavy and light type welded windows	<del></del>	

(1) (2)	(3)	(4)
35. IS: 8886 (Part VIII)-1980 Specification		
for ships' ordinary rectangular windows:		
Part VIII Details of frame, inward		
opening, top hinged, heavy type bolted windows		
36. IS: 8886 (Part IX)—1980 Specification	~	••••
for ships' ordinary rectangular windows: Part IX Details of frame, inward opening,		
top hinged, light type bolted windows		
37. IS: 8886 (Part X)—1980 Specification		
for ships' ordinary rectangular windows:		
Part X Details of frame, inward opening,		
top hinged, heavy and light type welded		
windows		
38. IS: 8886 (Part XI)—1980 Specification		
for ships' ordinary rectangular windows:		
Part XI Details of frame, non-opening		
heavy type bolted windows		
39. IS: 8886 (Part XII)—1980 Specification	Warman of the Control	~~~
for ships' ordinary rectangular windows:		
Part XII Details of frame, non-opening,		
light type bolted windows		
40. IS: 8886 (Part XIII)—1980 Specification	<u> </u>	Winning
for ships' ordinary rectangular windows:		
Part XIII Details of frame, non-opening		
heavy type welded windows		
41. IS: 8886 (Part XV)—1980 Specification	n-u-d	
for ships' ordinary rectangular windows:		
Part XV Details of frame, outward opening, side hinged, heavy type bolted		
windows		
42. IS: 8886 (Part XVI)—1980 Specification		
for ships' ordinary rectangular windows:		-
Part XVI Details of frame, outward		
opening, side hinged light type bolted		
windows		
43. IS: 8886 (Part XVIII)-1980 Specifica-		
tion for ships' ordinary rectangular		
windows: Part XVIII Details of glass		
holder, inward opening, side hinged,		
heavy and light type bolted and welded		
windows		
44. IS: 8886 (Part XIX)—1980 Specification	******	Allena
for ships' ordinary rectangular windows:		
Part XIX Details of glass holder, outward		
opening, side hinged, heavy and light type bolted and welded windows		
45. IS: 8886 (Part XX)—1980 Specification	Name-II	
for ships' ordinary rectangular windows: Part XX Details of glass holder, top		
hinged, heavy and light type bolted and		
welded windows		
46. IS: 8886 (Part XXII)—1980 Specification	<del>_</del>	
for ships' ordinary rectangular windows:		<del></del>
Part XXII Details of swing bolts and		
wing nuts		
47. IS: 9136-1978 Specification for calcium		~-
complex grease		
48. IS: 9214—1979 Method of determination		_
of modulus of subgrade reaction (k-value)		

of solls in field  18: 9224 (Part II)—1979 Specification for low voltage fuses: Part II Supplementary requirements for fuses with high breaking capacity for industrial application  50. IS: 9243 (Part II)—1979 Methods of test for wrist watches: Part II Shock-resistant  51. IS: 9259—1979 Specification for liquid limit apparatus for soils  52. IS: 9328—1979 Glossary of terms relating to confectionery industry  53. IS: 9350—1980 Specification for thermal insulating cement (type 950)  54. IS: 9365—1980 Specification for feritrothion granules  55. IS: 9381—1979 Methods for testing tar and bituminous materials: Determination of fraass breaking point of bitumen  56. IS: 9384—1979 Specification for consolidated data plate for freight containers  57. IS: 9386—1979 Methods for chemical analysis of rock phosphate  58. IS: 9393—1979 Code of manufacturing worsted, semiworsted and woollen yarns and tolerances  59. IS: 9400—1980 Guide for the preparation of bibliographic description sheet for technical reports  60. IS: 9405—1980 Method of test for conveyor belt fasteners  51. IS: 9427—1980 Code of practice for operation and maintenance of delonizing	4
49. IS: 9224 (Part II)—1979 Specification for low voltage fuses: Part II Supplementary requirements for fuses with high breaking capacity for industrial application  50. IS: 9243 (Part II)—1979 Methods of test for wrist watches: Part II Shock-resistant  51. IS: 9259—1979 Specification for liquid limit apparatus for soils  52. IS: 9328—1979 Glossary of terms relating to confectionery industry  53. IS: 9350—1980 Specification for thermal insulating cement (type 950)  54. IS: 9365—1980 Specification for feritrothion granules  55. IS: 9381—1979 Methods for testing tar and bituminous materials: Determination of fraass breaking point of bitumen  56. IS: 9384—1979 Specification for consolidated data plate for freight containers  57. IS: 9386—1979 Methods for chemical analysis of rock phosphate  58. IS: 9393—1979 Code of manufacturing worsted, semiworsted and woollen yarns and tolerances  59. IS: 9400—1980 Guide for the preparation of bibliographic description sheet for technical reports  60. IS: 9405—1980 Method of test for conveyor belt fasteners  51. IS: 9427—1980 Code of practice for	_
for low voltage fuses: Part II Supplementary requirements for fuses with high breaking capacity for industrial application  50. IS: 9243 (Part II)—1979 Methods of test for wrist watches: Part II Shock-resistant  51. IS: 9259—1979 Specification for liquid limit apparatus for soils  52. IS: 9328—1979 Glossary of terms relating to confectionery industry  53. IS: 9365—1980 Specification for thermal insulating cement (type 950)  54. IS: 9365—1980 Specification for feritrothion granules  55. IS: 9381—1979 Methods for testing tar and bituminous materials: Determination of fraass breaking point of bitumen  56. IS: 9384—1979 Specification for consolidated data plate for freight containers  57. IS: 9386—1979 Methods for chemical analysis of rock phosphate  58. IS: 9393—1979 Code of manufacturing worsted, semiworsted and woollen yarns and tolerances  59. IS: 9400—1980 Guide for the preparation of bibliographic description sheet for technical reports  60. IS: 9405—1980 Method of test for conveyor belt fasteners  51. IS: 9427—1980 Code of practice for	_
50. IS: 9243 (Part II)—1979 Methods of test for wrist watches: Part II Shock-resistant 51. IS: 9259—1979 Specification for liquid limit apparatus for soils 52. IS: 9328—1979 Glossary of terms relating to confectionery industry 53. IS: 9350—1980 Specification for thetmal insulating cement (type 950) 54. IS: 9365—1980 Specification for fenitro- thion granules 55. IS: 9381—1979 Methods for testing tar and bituminous materials: Determina- tion of fraass breaking point of bitumen 56. IS: 9384—1979 Specification for conso- lidated data plate for freight containers 57. IS: 9386—1979 Methods for chemical analysis of rock phosphate 58. IS: 9393—1979 Code of manufacturing worsted, semiworsted and woollen yarus and tolerances 59. IS: 9400—1980 Guide for the preparation of bibliographic description sheet for technical reports 60. IS: 9405—1980 Method of test for con- veyor belt fasteners 51. IS: 9427—1980 Code of practice for	
51. IS: 9259—1979 Specification for liquid limit apparatus for soils 52. IS: 9328—1979 Glossary of terms relating to confectionery industry 53. IS: 9350—1980 Specification for thermal insulating cement (type 950) 54. IS: 9365—1980 Specification for fenitrothion granules 55. IS: 9381—1979 Methods for testing tar and bituminous materials: Determination of fraass breaking point of bitumen 56. IS: 9384—1979 Specification for consolidated data plate for freight containers 57. IS: 9386—1979 Methods for chemical analysis of rock phosphate 58. IS: 9393—1979 Code of manufacturing worsted, semiworsted and woollen yarns and tolerances 59. IS: 9400—1980 Guide for the preparation of bibliographic description sheet for technical reports 60. IS: 9405—1980 Method of test for conveyor belt fasteners 51. IS: 9427—1980 Code of practice for	
relating to confectionery industry  53. IS: 9350—1980 Specification for thermal insulating cement (type 950)  54. IS: 9365—1980 Specification for fenitrothion granules  55. IS: 9381—1979 Methods for testing tar and bituminous materials: Determination of fraass breaking point of bitumen  56. IS: 9384—1979 Specification for consolidated data plate for freight containers  57. IS: 9386—1979 Methods for chemical analysis of rock phosphate  58. IS: 9393—1979 Code of manufacturing worsted, semiworsted and woollen yarns and tolerances  59. IS: 9400—1980 Guide for the preparation of bibliographic description sheet for technical reports  50. IS: 9405—1980 Method of test for conveyor belt fasteners  51. IS: 9427—1980 Code of practice for	-
insulating cement (type 950)  54. IS: 9365—1980 Specification for fenitrothion granules  55. IS: 9381—1979 Methods for testing tar and bituminous materials: Determination of fraass breaking point of bitumen  56. IS: 9384—1979 Specification for consolidated data plate for freight containers  57. IS: 9386—1979 Methods for chemical analysis of rock phosphate  58. IS: 9393—1979 Code of manufacturing worsted, semiworsted and woollen yarns and tolerances  59. IS: 9400—1980 Guide for the preparation of bibliographic description sheet for technical reports  60. IS: 9405—1980 Method of test for conveyor belt fasteners  51. IS: 9427—1980 Code of practice for	_
54. IS: 9365—1980 Specification for fonitro- thion granules  55. IS: 9381—1979 Methods for testing tar and bituminous materials: Determina- tion of fraass breaking point of bitumen  56. IS: 9384—1979 Specification for conso- lidated data plate for freight containers  57. IS: 9386—1979 Methods for chemical analysis of rock phosphate  58. IS: 9393—1979 Code of manufacturing worsted, semiworsted and woollen yarns and tolerances  59. IS: 9400—1980 Guide for the preparation of bibliographic description sheet for technical reports  60. IS: 9405—1980 Method of test for con- veyor belt fasteners  51. IS: 9427—1980 Code of practice for	•
and bituminous materials: Determination of fraass breaking point of bitumen  56. IS: 9384—1979 Specification for consolidated data plate for freight containers  57. IS: 9386—1979 Methods for chemical analysis of rock phosphate  58. IS: 9393—1979 Code of manufacturing worsted, semiworsted and woollen yarns and tolerances  59. IS: 9400—1980 Guide for the preparation of bibliographic description sheet for technical reports  60. IS: 9405—1980 Method of test for conveyor belt fasteners  51. IS: 9427—1980 Code of practice for	-
56. IS: 9384—1979 Specification for consolidated data plate for freight containers  57. IS: 9386—1979 Methods for chemical analysis of rock phosphate  58. IS: 9393—1979 Code of manufacturing worsted, semiworsted and woollen yarns and tolerances  59. IS: 9400—1980 Guide for the preparation of bibliographic description sheet for technical reports  50. IS: 9405—1980 Method of test for conveyor belt fasteners  51. IS: 9427—1980 Code of practice for	_
57. IS: 9386—1979 Methods for chemical analysis of rock phosphate  58. IS: 9393—1979 Code of manufacturing worsted, semiworsted and woollen yarns and tolerances  59. IS: 9400—1980 Guide for the preparation of bibliographic description sheet for technical reports  50. IS: 9405—1980 Method of test for conveyor belt fasteners  51. IS: 9427—1980 Code of practice for	-
worsted, semiworsted and woollen yarns and tolerances  59. IS: 9400—1980 Guide for the preparation of bibliographic description sheet for technical reports  50. IS: 9405—1980 Method of test for conveyor belt fasteners  51. IS: 9427—1980 Code of practice for	-
of bibliographic description sheet for technical reports  50. IS: 9405-1980 Method of test for conveyor belt fasteners  51. IS: 9427-1980 Code of practice for	_
50. IS: 9405—1980 Method of test for conveyor belt fasteners 51. IS: 9427—1980 Code of practice for	
51. IS: 9427-1980 Code of practice for	-
columns	_
52. IS: 9455—1980 Classification of musco- vite mica blocks, thins and films based on electrical properties	_
design and construction of conical and hyperbolic paraboloidal types of shell foundations	

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhawan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabid, Janour, Kanou, Madeas, Patne and Trivandrum.

[No. CMD/13:2]

# मई विरुली, 13 प्रमत्तूबर, 1982

का आ॰ --समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था प्रमाणन जिल्ल विसियम 1955 के विनियम 14 के उपयिनियम (4) के भनुसार भारतीय मानक संस्था शारा प्रशित्चिन किया जाता है कि लाक्सेंग मंख्या 1000712 जिसके क्यौरे तीचे घ्रतुमूची में दिए गए हैं, 31 अनवरी 1983 से रह कर दिया गया है '--

				प्रनुसू ची		
कम सं⊂	लाइसेंस संख्या ग्रोर सिचि	लाइसेंसधारी का नाम मौर पता		दह किए गए <b>नाव</b> सँह वस्तु/प्रकिट		तत्संबंधी माण्सीय मानक
	१४/९४ - 1099712 981-09-30	मांपा रिश्निंग इडिया लिए, वे मूनिट, ठाणे-जेलापुर रोड, ट बस्बई (महाराष्ट्र) (कार्योक्स्य : कापूराबुक्त निकट	ঠাণী≁–	के लिए )	: भराई IS: ्52: साम्द्र	811980 फेनीकियान पायस <b>नीय</b> की विशिष्टिः (पक्र <b>न्डा</b> पुनरीक्षण)
		<u>`</u> _ <u></u>				िएम की /55: 1000712]

### New Delhi, 1982-10-13

S.O. 4187.—In pursuance of sub-regulation(4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence No. 1000712 particulars of which are given in the schedule below has been cancelled with effect from Thirty first January, One thousand Nine Hundred and Eighty two. SCHEDULE

Sl. Liceaco No. & Date No.	Nume & Address of the licensee	Article/Process Covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standard
1. CM/L-1000712 81-09-30	M/s. Ralli: India L(d., Belapur Unit, Thane-Belapur Road, Thane, Bombas (Maharashtra) (Office Koppuravuru, nen Nambur R.S.)	Fenitrothion EC (Repacking)	IS: 5281—1980 Specification for Fenitrothion Emulsifiable Con- centrates (First Revision)
			[CMD/55 : 1000712]

# नई दिल्ली, 83-10-11

फा॰ अः०. 4188 ---नमय मनय पर समाधित भारतीय सानक संस्था प्रमाणन चिह्न विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के प्रमुसार भारतीय मानक संस्था शारा प्रधिनू कि विनियम कि जाता है कि नाइसेमधारी के प्रमुश्का पर १२-०३-१६ से रह कर विधा गया है:

### श्रनुसूर्चा

	Non-more thank and the state of							
कन	लाइसेस भंडपा	ल <b>ध्द</b> सेमश्रारी का नाम <b>भीर</b> पता	रष्ट् किये गए <b>ल</b> ाइमेस के पर्धान वस्तु/प्रकिया	हत् <b>सर्वधी भारतीय</b> मानक				
सं०	ग्रीर तिथि							
ा.मी	एस/ए <b>न्स</b> 5796 <sup>६</sup>	सर्वधी अन्यरफूडस 23/761 <b>भम्ब</b> रपेट	निम्न प्रकार के बिस्कुट. ग्लाकाज-प्रोरेंज IS	1011—1981 विम्कुटो की विशिष्टि				
1	977-01-11	हैवर (बाय-500013 (फ्रांझ प्रदेश)	कीम, मेरी, मसाला, बाउंसर माल्टेड	(दूसरा पुनरीक्षण)				

<sup>\*</sup>नया ल(इयेंम संख्या सी एम/एल---0579655

[सी एम की/55.0579665] ए० पी० बनर्जी, अगर महामिदेशक

### New Delbi, 82-10-14

S.O. 4138.—In pursuance of Sub-regulation (4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notified that the Licence No. CM/L-5796\* particulars of which are given below has been cancelled with effect from 82-03-16 at the request of the licenses.

### **SCHEDULE**

Sl. Licence No. and Da	ate Name & Address of the Licensee	Article/Process Covered by the Licensee Cancelled	Relevant Indian Standards
1 2	3	4	5
1. CM/L-5796** 1977-01-11	M/s Amber Foods, 2-3-761, Amberpet, Hyderabid-500013 (A.P.)	Biscuits of the following varieties Glucose, Orange cream, Marie, Masala and Bouncer Salted	

<sup>\*</sup>New licence No. CM/L-0579665

[CMD/55 : 0579665]

A.P. BANERJI, Additional Director General

# रवास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

## (स्प्रहरूप विभाग)

नई विल्ली, 30 नयम्बर, 1982

कार आर 4189 -- यत. दंन चिकित्सा अधिनियम, 1948 (1948 का अधिनियम 16) की धारा 3 के खण्ड (ध) के अनुभरण में इत्यौर विध्यविधालय परिषद के सदस्यों ने ट्राउ वाईठ एन सबसेना, लेकचरार, देन चिकित्सा कालेज, इन्दौर को 29 मार्च, 1982 से डाउ एउ के दान के रथान पर भारतीय दन्त परिषद का सदस्य निवीचित किया है।

अतः सब उका प्रधिनियम की धारा 3 के धानुशरण में केन्द्रीय नरकार एतव्द्रीरा भारत नरकार के स्वास्थ्य भीर परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की 9 फरवरी, 1978 की भिध्युचना स० काल 533 में पुतः प्रकाशित भारत सरकार के पूर्ववर्ती स्वास्थ्य मंत्रालय की 12 अप्रैल, 1949 की अधिसूचना संख्या 10-10/48-एम-1 में निम्नीसिवित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त प्रधिसूचना में "धारा 3 के खण्ड (घ) के प्रधीन विविधित"

1042 GI/82- 3

शीर्षक के प्रन्तर्गत कम संख्या 12 धीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्निलिखित रखा जाएगा, अर्थात :--

12. डा॰ दाई॰ एन सक्सेना, इन्दौर जिल्लिखालय लेक्करार, 29-3-82 दंग चिकित्सा कालेज, इन्दौर

> [संख्या बी० 12013/4/82-पी एम एच] एस० पी० पाठक प्रवर सचिव

# MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (Department of Health)

New Delhi, the 30th November, 1981

S. D. 4139. -Where is in pursuance of chaise (a) of section 3 of the D ntists Act, 1948 (Act 16 of 1948) Dr. Y. N. Saxona, Lestuner, Callege of D atistry, Infore, has been elected to be a member of the Dout il Council of India by the members of the Council of University of Indore in place of Dr. A.K. Dass with effect from 29-3-1982.

N w, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central G variance thereby makes the following further amandments in the notification of the Government of India in the late Manistry of Health No. 10-10/48-MI, dated the 12th April, 1949, as republished by the notification of the Government of India in the Manistry of Halth and Family Welfare (Dourtment of Halth) No. S.O. 533, dated the 9th February, 1978, namely:—

In the said notification, under the hading "Elected under clause (1) of section 3", for serial number 12 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, in m.ly:—12. Dr. Y.N. Saxon, Indore University 29-3-82".

Lecturer, College of Dentistry, Indore.

[No. V. 12013/4/82-PMS] S.P. Pathak, Under Secy.

### आधेश

### नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1982

कां आ 4190. --- यतः भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कर्याण मंत्रालय का 16 जून, 1978 की ग्रिधिसूचना संख्या बीं 11016/- 34/77-एमपट /एम०ई० (न.ति) द्वारा केन्द्र य सरकार ने यह निर्देश दिया है कि भारत य धार्युकिशन परिषद् प्रधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजन के लिए चिकित्सा धार्तुता "एम०बा० बा० एस० (यूनिवर्सिट धार्बन्य साऊथ वेस्ज), ध्रास्ट्रेलिया, एक मान्य चिकित्सा धार्तुता होगा;

श्रीर यतः डा० (श्रीमती) क्लारिक मैकमोहन जिनके पान उक्त ग्रर्हता है, धर्मार्थकार्य के प्रयोजनों के लिए फिलहाल दिल्ली राष्ट्रमण्डल महिला सब, मई दिल्लं के साथ सम्बद्ध है ;

श्चतः श्रव उक्त श्रधिनियम कं धारा 14 की उप-धारा (1) के परन्तुक के खण्ड (ग) का पालन करने हुए केन्द्राय सरकार एनद्द्रारा⊸--

- (1) 30 सितम्बर, 1983 तक की भवधि या
- (2) उस श्रवधि को जब तक डा० (श्रीमती) क्लारिक मैकमोहन दिल्ला राष्ट्रमण्डल महिला संघ, नई दिल्ला के साथ सम्बद्ध रहतः है, जो भा कम हो वह अवधि विनिद्दिष्ट करती है, जिसमें पूर्वोक्त डाक्टर मैडिकल प्रेक्टिस कर सकेंगी।

[संख्या वी० 11016/8/82-एम०ई०(नीति)] प्रकाश चन्द जैना, श्रवर सचिव

#### ORDER

New Delhi ,the 24th November, 1982

S.O. 4190.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Health No V. 11016/34/77-MPI/M.E. (Policy) dated the 16th June, 1978, the Central Government has directed that the medical qualification M.B.B.S. (University of New South Wales) Australia, shall be recognised medical qualification for the purpose of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. (Mrs.) Clatic Mac Mahon, who possesses the said qualification is for the time-being attached to the Delhi Commonwealth Women's Association, New Delhi for the purposes of charitable work.

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

- (i) a period upto 30th Septmber, 1983 or
- (ii) the period during which Dr. (Mrs.) Claric Mac Mahon attached to the said Delhi Commonwealth Women's Association, New Delhi whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V. 11016/8/82-M F.(Policy)] P C. JAIN, Under Secv.

### नई दिल्ली, 2 विसम्बर, 1982

का० आ० 4191.—संविधान के अनुच्छेव 309 के परस्तुक द्वारा प्रवत्त मिक्तयों का प्रयोग करने हुए राष्ट्रपति एतद्वारा श्रक्षिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य स्थान, कलकत्ता (समृह ग ग्रीर घ पव) भर्ती नियम, 1959 में भागे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखिन नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- 1. (1) इन नियमों का नाम अखिल भारतीय स्वाम्थ्य विज्ञान एवं जन स्वाम्थ्य संस्थान, कलकत्ता (ममूह ग और घ पद) भर्ती (संशोधन) नियम; 1982 है।
- (2) ये सरकारी राजपन्न में प्रकाशित होने की तिथि को प्रवृत्त होंगे।
- श्रीकल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान फलकता (समृह र श्रीर घ पद) ५.तीं नियम, 1959 में,
- (क) नियम (1) के उप-निथम (1) में शब्द और झक्षर "झौर समृह घ" का लोप किया जाए,
- (स्त्र) अनुर्भूची में ममृह "घ" पदों से संबंधित कम संख्या ग्रीर उनसे संबंधिन प्रविष्टियों का लोप किया जाए ।

[सं॰ ए॰ 12018/4/81-जी॰] शिवदयाल, ग्रवर सचिव

### New Delhi, the 2nd December, 1982

- S.O. 4191.—In exercise of the power conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta (Group C and D posts) Recruitment Rules, 1959, namely:
- 1. (1) These rules may be called the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta (Group C and D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1982.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta (Group C and D posts) Recruitment Rules, 1959,
  - (a) in sub rule (1) of rule 1, the word and letter "and group D" shall be omitted;
  - (b) in the schedule, serial number 1 to 22 relating to group D posts and the entries relating thereto shall be omitted.

[No. A. 12018/4/81-G] SHIVDAYAL, Under Secy.

### नई विल्ती, 2 दिनम्बर, 1982

का जा , 4192 — श्रीषधि श्रीर प्रसाधन सामग्री श्रीधित्यम, 1940 (1940 का 23) को धारा 21 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त पाक्तियों का प्रयाग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनव्द्वारा श्री मलय मित्रा को 650-30-740-35-810-द रो०-35-880-40-1000-द रो०-40-1200 रुपए के नेतनमान में केन्द्रीय श्रीपध मानक नियंत्रण संगठन में सम्पूर्ण भारत के लिए श्रीपध-िरोक्षक [राजपितन समूह (ख)] के रूप में 15 श्रमतूबर, 1982 पूर्वाह्म से अस्थाई श्राधार पर िंगुक्त करती है।

मिं ए० 12025/1/81-डी० (डी एम० एस० एल्ड पें।० एफ० ए०] जीर पच्यकेणन, प्रचर राजिय

### New Delhi, the 2nd December, 1982

S.O. 4192.—In exercise of the powers conferred by subsection (i) of Section 21 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), the Central Government hereby appoints Shri Malay Mitta as Drugs Inspector (Gazetted Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Central Drugs Standards Control Organisation for whole of India, on temporary basis with effect from the forenoon of 15th October, 1982.

[No. A. 12025/1/81-D.(DMS&PFA] G. PANCHAPAKESAN, Under Secy.

# ऊर्जा मंत्रालय

(पेट्रो लयम विभाग)

नई दिल्ली, 24 नवरवर, 1982

का० आ०4193 — यतः पेट्रीणियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के यक्षिणार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपयोग (1) के अधीन भारत मरकार के पेट्रीलियम, रमायन और अर्बरक मंद्रालय (पेट्रीलियम विभाग) की अधिस्तान का० आ० म 3256 तारीख 5-11-81 हारा केन्द्रीय मरकार ने उस अधिम् ना में संस्तान अनुमूर्धा में विनिर्दिष्ट भूमियों के उनयोग के अधिकार का पाएप लाईनों का बिखाने के प्रयोजन के लिए अर्जिन करने का प्रपत्न भागय पीयिक कर दिया था।

ग्रीर यस. सक्षम अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 कं। उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे की है।

भीर धार्ग, यत. केन्द्राय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विश्वार की के पश्चात् इस धिसूबना से संपंक्त प्रभृत्यों विनिर्दिष्ट भूमिया में स्वीति का प्रशिक्त करने का विनिष्चय किया है।

श्रव, श्रतः उक्त अधिनियम का धारा 6 को उपधारा (1) हारा प्रदस्त मिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रोध सरकार एतद्धारा घोषित करती है कि इस अधिसूबना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्रारा अजित किया जाता है। श्रीर श्रामे उस आरा को उपवारा (4) द्वारा प्रदत्त सिक्ता का प्रयोग करते श्रुए केन्द्राय सरकार निर्देश देता है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रीधकार केन्द्राय सरकार में निहित होने के बेजाय तेल भीर प्राकृतिक गैर्स श्रायोग में, सभा बाधाओं से मुक्त रूप में, वाषणा के प्रकाणन को इस तारोख की निहित होगा।

# अमूस्ची

के० एल० एक० से जो० जो० एस VIतक पाइप सःईन बिछाने के निए राज्या गण्यात जिला सेक्साना सामस्या स्थाप

राज्यः गुजरात	, ।गणा - मह्मामा,		वान्	ુખા .	on -61
गांव	सर्वन०	हस्टर	म	7	संद, यर
चडासन	232		o	0.5	25
	235		Ü	11	25
	236		0	0.1	20
	204		0	47	25
	306		0	05	50
	310		0	12	60
	309		0	06	90
	312		0	08	5 5
	313		0	09	0.0
	359/1		0	03	50

[सं० 12016/39/81-प्र(४०)]

### MINISTRY OF ENERGY

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 24th November, 1982

S.O. 4193.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Ferrinzer, (Department of Petroleum) S.O. 3256 dated 5-11-81 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipcines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipcine;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to his notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances

### SCHEDULE

Pipeline From KLF to GGS VI

State: Gujaret	Distri <b>≜</b> t : Mehsana	Taluk: : Kidi			
Village	Survey No.	H ::- tare	Are	Cen- tiare	
ţ	2	3	4	5	
Chadasan	232	0	05	25	
	235	0	11	25	
	236	Λ	01	* 20	

l	2	3	4	5
	204	0	47	
	<b>30</b> 6	0	03	50
	310	0	12	60
	3 <b>0</b> )	0	06	0.7
	312.	0	03	55
	313	0	0)	00
	359/1	0	0.3	50

[No. 120 6/37/31 Prod.]

का० आ० 4194.— पतः केन्द्रीय भरकार को यह प्रतीत हाना है कि लोकहित में यह प्रायक्ष्यक है कि नुजरात राज्य में एस० उज्जू० एस० स्रो० मे० एस० टा० एकं० तक द्रिक्षियम के परिषहन के लिये पार्थप्रार्थन तेल तथा प्राकृतिक गैस सामाय द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भीर यनः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए रतद्वाबद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार भंजित करना प्रावस्थक है।

श्रतः अप पेट्रोलियम भीर खिनिज पाश्चलाइन (भूमि में उपयोध के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 को (1962 का 50) को बारा 3 की उपधारा (ii) द्वारा प्रवत्त शिक्तवों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आधार एनदृहान घोषित किया है !

बार्ते कि उक्त मूमि में हितबब फोई व्यक्ति, उन भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए घाक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैम प्रायोग, निर्माण भीर देखभास प्रमाग, मकरपुरा रोड बडावरा-9 को इस प्रधिसूचना को तारीखंसे 21 विनो के भीतर कर सकेगा।

स्रोर ऐसा भाक्षेप करने पाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टस. यह भी कथन हरेगा कि क्या वह यह चाहना है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी भी मार्फत।

अनुसूची क्षूप नं ० एस० डाब्नु० एस० जो से एमु० टो० एफ० तक पाइप लाइन विद्याने के लिए।

राज्य भुजरात		जिलाः भक्षच	. सार	नुका इतासाट	
गांच		म० न०	हेक्ट्रेयर	एश्रारई स	— टिंग
राहित	5.5		0	03	58
	26		0	14	30
	558		0	0.2	86
	19		0	07	8.0
	18		0	04	29
	16		0	13	25
					-:

[स॰ Q 12016/52/82-प्रांड॰]

S.O. 4194.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SWMG to MTF in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whether it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is accessary to acquire the right of user in the land described in the schedul annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Mineral pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government horeby declares it intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to

the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such  $\mu_B$  objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

# SCH EDULD

Pipeline from WellNo. SWMG to WellNo. MTF
State: Gajarat District: Bharach T.luky: Hausot

Village	Survey N >.	H <sub>0</sub> 0- tire	Are	Cen- tiare
Rohid	<b>5</b> 5	0	03	58
	26	0	14	30
	<b>55</b> 9	0	0?	86
	19	0	07	80
	18	0	04	29
	16	0	16	25

[No. Q-12016/52/82-Pred.]

कार आर 1195:--पत. केन्द्रीय रास्कार की यह प्रतीत होता है कि सोकहित में यह आवश्यक है कि गुअरान राज्य में एसर, डीट एकट में एसर डीट एन नक पेट्रें।लिनम के परिवहन के लिये पाध्यलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैरा आयोग डारा बिछाई जानी चाहिए।

श्रीर यक्षः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनी का बिछाने के प्रयोजन के लिए एनव्याबद अनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का श्राविकार श्रीजित करना श्रावश्यक है :

श्रतः अथ पेट्रोसियम और खिनिश नाइपलाइन (मूमि से उपयाश के प्रधिकार का श्रजेन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) का धारा 3 का उपधारा (ii) द्वारा प्रवत्त शिक्षियों का प्रधार करने हुए केन्द्रीय सरकार ने जनमें उपयोग का श्रिधिकार श्रांकित करने का श्रपना श्रामय एसब्द्वारा श्रीवित किया है।

बार्स कि उक्त भूमि में हितगढ़ कोई व्यक्ति, उन भूमि के वीने पाईप लाइन बिछाने के लिए याओा सनम प्राधिकाण, नेल नया प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखमाल प्रभाग, मकरपुण रोड, वडोदरा-9 को इस प्रधिसुनना को नारीख ने 31 दिना के भागर कर नहेगा।

भीर ऐसा आक्षेप करने वासा हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कमन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुगआई व्यक्तिगत होता या किसी विधि व्यवसायी की मार्कत।

अमुलूर्चर

कूप न० एस० डा० एल० ने एस० डी० एस० तक पाइन साहन बिछाने के लिए।

_ गुज्य : गुज्यात	शिलाः भगव	मालुकाः प्रो	गालुका: प्रेंटलेशबर		
गां <b>व</b>	<b>ब</b> लाक न∘	— — हेक्टेगर	एआर है	संदे(यर	
् पार <i>द्यी-धन्ड्रा</i> स	311	<del>-</del> 0	10	40	
	310	0	0.9	36	
	.309	0	07	54	
	303	4)	1)1	40	
	304∫ए	υ	1.3	65	
	306	4,	24	70	
	297	()	0.4	16	
	143	O	39	0.0	
	111	()	85	80	

[40 Q-12016/36/82 xTo]

**S.O.** 4195.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SDL to SDN in Gujarat State piperine should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Naturtl Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makerpura Road, Vadodara (390 009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practioner.

SCHEDULE
Pipeling from Well No. SDL to SDN

St. to : Guj wat	Di trict : Brotch	Tiluka:	Tiluka: Ankle hwar			
Village	Block No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare		
Pardi Idris	311	0	10	40		
	310	0	09	36		
	309	0	07	54		
	308	0	10	40		
	304/A	0	13	65		
	306	0	24	70		
	297	0	04	16		
	143	0	39	00		
	141	0	83	80		
			/00			

[No. 0-12016/52/82-Prod.]

नई बिस्ला, 26 नवस्वर, 1942

का० आ० 3196——वन् भारत सरकार का अविश्वना के द्वारा जैसा कि वना संनम् अनुभूनी में निर्दिष्ट किया गया है भीर पेट्रोलियम भीर खितन पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अनैन) अधिनियम, 1972 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्रोत प्रकाशित किया गया है गुजरार राज्य के अक्षेत्रपर तेल क्षेत्र में उना विनिद्धिट भूमि में वस्थन स्पर्ण एक एक डोलं बाल में मोटदान तक पेट्रोलिया परिबहुन के लिए भूमि उपयोग के अधिकार अभिन किये गरे हैं।

तेल एव प्राञ्चिक गैस धामोग द्वारा उपयुक्त नियम के खण्ड-7 के उपवाण (1) को बारा (1) में विनिधिक्ट कार्य दिनाक 25-9-81 से समाप्य कर दिया गया है ;

क्रतः ग्रब पेहानिष्यत पाइशंनाइत (भूमि मे उपयोग के शक्षिकार का क्रार्जन) नियम, 1963 के नियम-4 के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी एनव्हारा उक्त निथि को कार्य समाप्त को निथि पश्चिम् क्षित करने है।

श्रनुजूची

त्रिक्षिय की साम गांव	क(ৠৢৠ৻৹ য়৹	भारत के राजात में त्रकायत की तिथि	
ऊर्जा भन्नालय नेल्वा (पेट्रांलियम विभाग)	356	31-1-81	25-9 <b>-</b> 81

### New Delhi, the 26th, November, 1982

S.O. 4196.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerls Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s SDB to Motwan in Ankleshwar oil field in Gajarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of subsection (1) of section 7 of the said Act on 25-9-81.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquistion of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of Operation of Pipeline from D. S. SDB to Motwan

Name of Ministry	Villages	S.O. No.	Date of publication in the Grzette of India	Date of termina- tion of operation
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	Telwa	356	31-1-81	25-9-81

[No. 12016/39/82-Prod- II]

का आ शा 4197.— प्रता पेट्रालियम और खिनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयाग के प्रधिकार का प्रजेन) अधिनियम. 1962 (1962 का 50) को धारा उनी उपयाग (1) के प्रधीन भारन गरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्धर मन्नालय (पेट्रोलियम विमाग) की प्रधिनुचना का था कर 1606 वारीज 8-3-82 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिमुचना से संतरन प्रमुत्ची में विनिधिट्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार की पाइप लाइप लाइप का प्रधान कर प्रधान के प्रयोजन के लिए प्रक्रिन करने का प्रधना प्राथव प्राथिन कर दिया था;

श्रीर यन. सक्षम प्राधिकारी नं उन्तं प्रधिनियम का धारा 6 को उपधारा (1) के प्रधीन सरकार का रिपोर्ट दे दी है ;

श्रीर श्रामे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार भरने के परकान् इस श्रीधसूचना से संतरक श्रानुभूची में वितिष्टिण्य भूमियों में उपयोग का श्रीव्यार श्रामित करने का विनिश्चय किया है।

भव अतः उक्त श्राधित्यम का धारा ६ का उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त सक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा बोपित करती है कि इस श्राधिसुजना में संस्थान श्रागुली में श्रिनिदिष्ट उक्त भूमियों में उक्योभ का श्रीधकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा श्राजित किया जाता है ।

भीर श्राने उस धारा की उपधारा (4) हार्। प्रश्त पक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उकत मियों में उपयोग को प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाये तेल आर प्राक्तिक गैस धार्याग में, सभी बाषाध्रों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख की निहित्त होता।

### **प्रनुस्**भी

जिल्हा निकासीरा जोठ जोठ एसर I तक पाइप लाइन विछान केलिए।

राज्य : गुजरात	जिलाः भहसाना सालुकाः कडी				
गांव	सर्वे न ॰	हेक्टेयर	— ए०	भार०	 र्हसटीयर
<u>ब</u> ारीसना	519		0	22	00
	514/1		0	21	23
	5 1 5/1		O	16	65
	543		0	11	10
	545		0	01	88

[स॰ 12016/66/81] एस॰ एभ॰ गोयल, निदेशक

S.O. 4197.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, (Department of Petroleum) S.O. 1666 dated 8-3-82 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Papelines (Acqisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying of pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

.And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vesus on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

# SCHEDULE

Pipeline from JAA to Jhelora GGS I

State : Gujirat	District: Mchsana	Taluka : Kadi			
Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare	
Borisana	519	0	22	00	
	514/1	0	21	23	
	515/1	0	16	65	
	543	0	11	10	
	545	0	01	88	

[No. 12016/66/81-Prod.] L.M. GOYAL, Director

# (कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 25 नवम्बर, 1982

का. आ. 4198 — :कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14(2) के उधीन जारी की गई विकास नियम, 1957 की धारा 14(2) के उधीन जारी की गई विध्यस्वनाए जो भारत के राजपत्र में 19 मई, 1979 को तारी खा मई, 1979 को का. आ. 1601 से का. आ. 1687 तक के बारा श्री चन्द्र शेखर सिंह, अपर जिला और सेशन न्यायन्त्य राची के पक्ष में प्रकाशित की गई थी, जब श्री धर्मपान सिन्हा, अपर न्यायिक आयुक्त, रांची के पक्ष में जारी की गई सम्भी जाए।

[सं. 13/4/82-सी. एत. 1 पी. सरकार, निदेशक

## (Department of Coal)

New Delhi, the 25th November, 1982

S.O. 4198.—The notifications issued under section 14(2) of the Coal Bearing Areas (Acquisition & Development) Act, 1957 vide S. O. 1601 to S.O. 1687 dated Ist May, 1979, published in the Gazette of India on 19th May, 1979 in favour of Sri Chandra Shekar Singh, Additional District and Session Judge, Ranchi may now be treated to have been issued in favour of Sri Dharampal Sinha, Additional Judicial Commissioner, Rapchi.

[No. 13/4/82-CL] P. SARKAR, Director

# (पैदोलियम विमाग)

नई विल्ती, 30 नथम्बर 1982

का० आ० 4199.—नेन्द्रीय सरफार, सरकारी स्थान (प्रशिक्षित प्रिधिणीयों की बेदखर्णा) प्रधिनियम, 1971 (1971 का 40) को धारा 3 द्वारा प्रवस्त यिक्सियों का प्रयोग करते हुए, नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में उस्लिखित प्रधिकारी की जो कानूनी प्रधिकारी का प्रधिकारी होते हुए पंक्ति में सरकार के राजपिता प्रधिकारी के समयुत्य है, उनत प्रधिक्तियम के प्रयोजनों के लिए सम्पद्य प्रधिकारी नियुक्त करनी है, जी उनत मारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्वष्ट स्थानों के सम्बन्ध में उनत प्रधिक्तियम हारा या उसके प्रधीन सम्पदा प्रधिकारी की प्रदस्त पानित्यों का प्रयोग ग्रीर उस पर प्रधिरोपित कर्तथों का पासन करेगा।

# सारणी

सरकारी स्थानो के प्रवर्ग के श्रीर श्रधिकारिता की स्थानी सीमाए
(2)
कलकत्ना णहर, पश्चिमी खंगाल को नगरपालिक सीमाद्यों के भीतर बामर लारी एण्ड कंपनी लिमिटेड से संबंधित ध्रवना उसके बारा या उसको धार से पट्टे पर लिए गए या प्रधिप्रहोंत किए गए स्थान (जिनके ध्रंतर्गन वे स्थान नहीं है आ धन्य सम्पदा अधिकारियों के प्रशासनिक नियंत्रण के मधीन है)।

[फा॰ सं॰ पी \$-44020/33/82-विणपन] कुलबीप सिंह, प्रवर संधिव

# MINISTRY OF ENERGY

(Department of Petroleum) New Delhi, the 30th November, 1982

S.O. 4199.— In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Prenises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act. 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being officer of a statutory authority, equivalent in rank to a gazetted officer of Government, to be Estate Officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed on Estate Officer by or under the said Act, in respect of the premises specified in column (2) of the said table:—

### TABLE

Designation of the officer	Categories of Public Premises and local limits of jurisdic- tion
(1)	(2)
Deputy General Munage (Personnel), Balmer Lawtic and Company Limited, 2t Notaji Subhas Road, Calcutta 700 001.	- or on benalf of Balmer

[F. No.P-44020/33/82-MKT] KULDIP SINGH, Under Secty.

of them as are under the ad-

ministrative control of the other Estate Officers).

# कवि मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

## सुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 1982

का० आ० 4200. — १स विभाग के प्रावेश संख्या 52/21/68 (ई० जेड)/ एफ० सी० III/2 न्यूम-4 विनांक 7-8-74 में निम्निलिक्टिन शुद्धिकी जाएं:-

घादेश में कम संख्या	फी जाने वाली <b>शुद्धि</b> यां
132	फालम 2 में "श्री हीरामय नन्द" के स्थान पर "श्री हिरण्मय नन्दी" पहें।

[संख्या 52/2/82/एफ० सी०-III] ग्रार० के० सिंह, उप मॉबव

# MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)
CORRIGENDUM

New Delhi, the 18th November, 1982

S.O. 4200.—In this Department's Order No. 52/21/68 (EZ)/FCIII/Vol. IV dated 7-8-74, the following correction shall be corried out:

S. No. in the Ooler Correction to be carried out

132 For the words "Shri Hiramoy N.nd" in Col. 2, read "Shri Hiramoy

Nandy."

[No. 52/2/82/FCIII] R.K. SINGH, Dy. Secy.

# नौगहन और परिवहन संत्रालय

(पश्चिहन पका)

नई विल्ली, 30 नवम्बर, 1982

का अा० 4201. -- केन्द्रीय सरकार, डाक कर्मकार (नियोजन का विनियम) मिश्रितियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 5क की उप धारा (3) भ्रोर (4) द्वारा प्रवक्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार यानायान प्रवंधक मुख्यांव पीर्ट इस्ट मुख्यांय को उक्त बोर्ड में सदस्य नियुक्त करती है भ्रीर पृत: निदेश देती है कि नौवहन भीर परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) में भारत सरकार की श्रक्षिस्वान संव का० भ्राष्ट 2969, दिनांक 10 श्रगस्त 1982, जिसका प्रकाणन भारत के राजपत्र के भाग II खण्ड 3 (ii) में दिनांक 21 श्रगस्त 1982 को हुआ था, उसमें निस्निलियन संगोधन किया जाएगा, श्रथांत् :-

उन्हें प्रधिसूचना में "केन्द्रीय संस्कार का प्रतिनिधित्व करने बाले मदस्य" शीर्षक के मद सं० 4 में "यातायात प्रबंधक मुग्गांव पीर्ट ट्रस्ट, न्रगांव "रहेगा ।

[फाईल सं॰ एल की जी/6/82-यू एस (एल)] यामस मेण्यू, ध्रयर सचिव,

# MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (Transport Wing)

New Delhi, the 30th November, 1982

S.O. 4201.—In exercise of the powers conferred by subsections (3) and (4) of section 5A of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), the Central Government hereby appoints the Traffic Manager, Mormugao, Port Trust, Mormugao, as a member of the said Board and further directs that the following amendment shall be made in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. S.O. 2969 dated the 10th August, 1982 published in the Gazette of India, Part II, Section 3(ii) dated the 21st August, 1982, namely:

In the said notification, under the heading "Members representing the Central Government", for the entry agrinet item No. (4), the entry "Trassic Manager, Mormugao Port Trust, Mormugao" shall be substituted.

[Fite No. LDG]6[82-US(L)] THOMAS MATHEW, Under Seev.

# निर्माण और आबास मंत्रालय (संपदा निवेशालय)

नई दिल्ली, 22 नवस्बर, 1982

का. आ. 4202.—राष्ट्रपति, गूल नियम के नियम 45 के अनुसरण में, सरकारी निवास-स्थान आबंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 का और संशोधन करने के लिए निम्निलिसत नियम बनाते हैं, अर्थात्:--

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सरकारी निवास-स्थान आवंटन (दिल्ली में साधारण पूल) द्वितीय संशोधन नियम, 1982 है।
  - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृक्ष होंगे।

2. सरकारी निवास स्थान आवंदन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 में अनुपूरक नियम, 317 ख-2 में पदचात् शीर्षक और अनुपूरक नियम 317 ख-3 के स्थान पर निम्निलिस्ति रखा जाएगा :---

जिन अधिकारियों के अपन मकान है उन्हें आवटन अनुपुरक नियम, 317 स-3

# इस नियम में :--

- (क) ''लगी दुई नगर पालिका'' से कोई ऐसी नगर पालिका अभिप्रेत हैं जो किसी स्थानीय नगर पालिका से लगी दुई है ।
- (ख) किसी अधिकारी या उनके क्टुम्ब के किसी रास्य के सम्बन्ध में ''मकान'' में ऐसा भवन या उरका कोई भाग अभिन्नेत हैं, जिसका उपयोग दिवास के प्रयोजन के लिए किया जा रहा है, और जो किसी स्थानीय नगर पालिका या किसी लगी हुई नगर-पालिका की अधिकारिता के भीतर स्थित है।

स्पष्टीकरण :—िकसी भवन का कोई भाग जिसका प्रयोग निवास के प्रयोजन के लिए किया जा रहा है, इस बाद के होने हुए भी कि उसका कोई भाग अनिवासीय प्रयोजनों के लिए उप-योग में लाया जा रहा है, इस खण्ड के प्रयोजनों के दिए प्रकान समका जाएगा;

- (ग) किसी अधिकारी के सम्बन्ध में ''स्थानीय हरूर-पालिका' से बहु नगर पालिका अभिप्रत है जिसकी अधिकारिता के भीतर उसका कार्थालय अवस्थित है;
- (६) किसी अधिकारी के सम्बन्ध में ''क्टुम्ब के सदस्य'' से यथास्थिति पति-पत्नी या अधिकारी की उस पर आश्वित सन्तान अभिप्रते हैं ;
- (ड) ''नगर पालिका'' के अन्तर्गत नगर नियम, नगर-पालिका समिति था बोड ; टाउन एरिया समिति नोटिफाइड एरिया समिति और छावनी बोड हैं।
- (2) ऐसा अधिकारी जो अपने नाम से या अपने क्टुम्ब के किसी सदस्य के नाम से अपने कार्य रथल में या लगी हुई नगर पालिका में किसी मकान का स्वामी है, उसकी आवंटिन सरकारी यास सुविधा के लिए उस दर पर जो सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाए अनुझिष्त शुल्क का मंदाय करने पर सर-कारी निवास के आवंटन का पात्र होगा ।
- (3) जहां किसी अधिकारी को सरकारी निवास स्थान का आबंदन हो चूकने के परचात् वह स्वयं या उसके कटुम्म का कोई सबस्य उसके कार्य स्थल में या लगी हुई नगर पालिका में मकान का स्थामी बन जाता है वहां ऐसा अधिकारी, मकान को साई पर देने या अधिभोग में लेने या उसके पूरा होने की तारीय से, जो भी पूर्वतर हो, एक मास की अविधि के भीतर, सम्पदा निदेशक को अधिसचित करेगा।"

[फा. सं. 12033 (6)/75-नी. 2]

### MINISTRY OF WORKS & HOUSING

(Directorate of Estates)

New Delhi, the 22nd November, 1982

- S.O. 4202.—In pursuance of rule 45 of the Fundamental Rules the President hereby makes the following rules further to amend the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Allotment of Government Residence, (Genial Pool in Delb!) Second Amendment Rules, 1982.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, after Supplementary Rule 317-B-2, for the heading and Supplementary Rule 317-B-3, the following shall be substituted namely:—

"Allotment to house owning officers" Supplementary Rule 317-B-3:

- (1) In this rule :-
  - (a) "adjoining municiality" means any municipality Contiguous to a local municipality;
- (b) 'house" in relation to an officer or member of his family means a building or part there of used for residential purposes and situated within the jurisdiction of a local municipality or of any adjoining municipality.
- Explanation:—A building, part of which is used for residential purposes, shall be deemed to be a house for the purposes of this clause notwithstanding that any part of it is used for non-residential purpose;
- (c) "local municipality" in relation to an officer means the municipality within whose jurisdiction his office is located;
  - (d) "member of family" in relation to an officer means the wife or housband, as the case may be, or a dependent child of the officer;
  - (e) "municipality" includes municipal corporation a municipal committee or board, a tewn area committee, a notified area committee, and a cantonment board.
- (2) An officer owning a house either in his own name or in the name of any member of his family at the place of his duty or in an adjoaining municipality shall be eligible for allotment of Government residence on payment of licence fee for the Government accommodation allotted to him at such rate as may be determined from time to time by the Government.
- (3) When after a Government residence has been allotted to an officer, he or any member of his family becomes owner of a house at the place of his duty of in an adjoining municipality, such officer shall notify the fact to the Director of Estates within a period of one month from the date the house is let out or occupied, or the date of completion, whichever is earlier."

[File No. 12033(6)[75-Pol. II (Vol. II]

# नई दिल्लो, 24 नवम्बर, 1982

का० आ० 4203 - केन्द्रीय सरकार सरकारी स्थान (प्रजाधिका प्रथिमोन गियों की बेदलानी) प्रधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों पा प्रयोग करते हुए नीचे सारणी के स्तंभ (1) में बणित प्रधिकारी को, जो सरकार या राजपितन अधिकारी है उक्त शिधिण्यम के प्रयोजनों के लिए सपदा प्रधिकारी के रूप में नियुक्त करती है और उक्त प्रधिकारी उएत सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिण्ट सरकारी स्थानों की बाबत प्रपनी प्रधिकारिता की स्थानीय सीमाधों के धीतर उक्त मोगितियन तारा या उनके मत्रीत संपद्म अभिकारी हो प्रवत्त शक्तियों का मयोग और मधिरोपित कर्तम्यों का पालन करेगा ।

### सारणी

मधिकारी का पदासियान	सरकारी स्थानों के प्रवर्ग ग्रौर ग्रीध-
	मारिता की स्थानीय सीमाएं
(1)	(2)
कार्येपालक इजिनियर गंगटोक सेट्ल डिकिजन गगटोक	गंगटोक की सीमाधी के भीतर केन्द्रीय सरकार के या उसके द्वारा श्रीर उनकी श्रीर से पट्टे पर लिए गए स्थास ।
¥	[एफ सं॰ 21012/2/82-{त॰ IV] ।र॰ एम॰ सूद, उपनिदेशक संपदा

## (Directorate of Estates)

New Delhi, the 24th November, 1982

S 0.4203. —In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Primises (Eviction of Unauthorise 1' Occupants). Act 971 (40 of 1974), the Central Government hereby—appoints the officer mentioned in column (1) of the table below, being a gazetted officer of Government to be Estate Officer for the purposes of the said Act and the said officer, shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on Estate Officer by or under the said act with in the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in column (2) of the said table.

### TABLE

Designation of the Officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
Executive Engineer, Gungtok Central Division Gungtok.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Central Government within the limits of Gangtok.
	[F. No. 21012/2/82-Pol IV] R.S. SOOD, Dy. Director of Estates

### संचार संशालय

### (डाक सार बोर्ड)

नर्दे दिल्ली, 6 दिसंस्वर, 1982

कार आर 4204.—स्थायी आदेश सकमा 627, दिनात 8 भार्च, 1960 द्वारा सागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खड़ III के पैरा (क) के अनुसार डाक सार महानिवेशक ने म्यामा टेलीफीन केन्द्र में दिनांक 16-12-72 से प्रमाणिन दर प्रणाली लागू करने का निकाय किया है।

[संस्था 5-10/82- पी० एच० बी०]

# MINISTRY OF COMMUNICATIONS (P & T Board)

New Delhi, the 6th December, 1982

5.0. 4204.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 5th March, 1560, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16-12-1982 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Manimala Telephone Exchange, Kerala Circle.

[No. 5-10/82-PHB]

का० आ० 4205.—स्यासी भावेश संख्या 627, विनांक 6-12-82 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय नार नियम, 1051 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के भनुसार इन्हार प्रहानिदेशक ने सरागटेला टेलीकोन केन्द्र में विनांक 16-12-82 में प्रभाणित वर प्रणानी लागू करने का निक्चय किया है।

[संख्या 5-6/81-पी एच० बी०]

S.O. 4205.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Felegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16-12-1982 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Yerraguntla Telephone Exchange, A.P. Circle.

[No. 5-6/81-PHB]

का॰ आ॰ 4206.— स्वायी आवेश संख्या था 627, विनांभ . 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 431 के खंड III के पैरा (क) के अनुमार डाक्ष-तार महा- निदेशक ने सुरुण्य टेलीकोन केन्द्र में विनांक 16-12-82 से प्रमाणित वर प्रणासी लागू करने का निष्वय किया है।

[संख्या 5-4/82-पी० एच० बी०] आर० सी० कटारिया, सहायश महानिदेशक

S.O. 4206.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16-12-1982 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Surandai Telephone Exchange, Tamil Nadu Circle

[No. 5-4/82-PHB] R. C. KATARIA, Asstt. Director General

# श्रम तथा पुनर्वास संश्रालय

(पुनक्सि विभाग)

नई विस्ती. 23 नवम्बर, 1982

का॰ आ॰ 4207. िकान्त सम्पत्ति प्रणासन ष्रधिनियम, 1950 (1950 की 31) का धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस ग्राक्तियों का प्रयान करते हुए, केम्प्रीय मरकार, समिलनाडु राज्य के राजस्व विभाग में संयुक्त सचिव (पुनर्वास) और उप सचिव (पुनर्वास), जैसा भी मामल, हो, को धपने क यै-भार के धितिरक्ति, समिलनाड राज्य में निष्कारत सम्पत्तियों के संबंध में उक्त प्रधिनियम द्वारा या उसके प्रधीन, प्रभिरक्षक की सींपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए, प्रतिरिक्त मिनश्किक, निष्कान्त सम्पत्ति के रूप में नियुक्त करती है।

 इससे विनाक 24 विसम्बर, 1977 की भिधिसूचना सं० 27-(2)/73-एस० एस० II का ग्रधिकमण किया जाता है।

[सं० 1(19)/वि०से०/82-एस० एस० II(क)]

# MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 23rd November, 1982

S.O. 4207.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee property Act. 1950 (31 of 1950), the Central Government appoints Joint Secretary (Rehabilitation and Deputy Secretary (Rehabilitation), as the case may be, in the Revenue Department, Government of Tamil Nadu as Additional Custodian of Evacuee Property, in addition to his own duties for the purpose of discharging the duties imposed on the Custodian by or under the said Act in respect of evacuee properties in the State of Tamil Nadu.

2. This supersedes Notification No. 27(2)|73-SS. II, dated the 24th December, 1977.

[No. 1(19)|Spl. Cell.|82-SS. II (a)]

# नई दिल्ली, 22 नवस्बर, 1982

कां आ 4208.-विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वाम) प्रधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) हारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा, गुजरात सरकाष्ट्र के राजस्व विभाग के उप सचिव (पुनर्वास) को, उक्त ध्रीधिमयम द्वारा प्रथवा उसके घ्रधीन उप मुख्य बन्दोबस्त प्रायुक्त का सींपै गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए, उनके घ्रपने कार्य-मार के प्रतिरक्त, तत्काल प्रभाव से गुजरात राज्य में उप मुख्य बन्दोबस्त ध्रायुक्त के रूप में नियुक्त करती है।

2 इसके दिनांक 8-1-1982 अधीसूचना सं(1)(3) विशेष सैल/ 79-एस० एस० II (क) का अधिकमण किया जाता है।

### New Delhi, the 22nd November, 1982

- \$.0. 4208.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints the Deputy Secretary (Rehabilitation), Government of Gujarat, Revenue Department, as Deputy Chief Settlement Commissioner in the State of Gujarat for the purpose of performing, in addition to his own duties, the functions assigned to a Deputy Chief Settlement Commissioner by or under the said Act, with immediate effect.
- 2. This supersedes Notification No. 1(3)/Spl. Cell/79-SS.  $\Pi(A)$  dated 8-1-1982.

[No. 1(21)/Spl. Cell/82-SS. II(A)]

कां आ 4209 — निष्कान्त सम्पत्ति प्रणासन प्रधिनियम, 1950 (1950 का 31) की घारा 5 हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, इसके द्वारा, गुजरात सरकार, राजस्व विभाग के उपमित्रीय सरकार, को तत्काल प्रभाव से उक्त प्रधिनियम द्वारा ग्रम्था उसके ध्रधीन उप महानिरीक्षक 'को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए, इप महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

2. इससे दिनांक 8-1-1982 की अधिसूचना सं • 1(3)/विशेष सेंश/ १९-एस० एस० II(ड) का अधिकामण किया जाता है।

[सं 1 (21) वियोध सेम 82-एस • एस • II (क)]

- \$.0. 4209.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Administration of Evacure Property Act, 1950 (XXXI of 1950), the Central Government hereby appoints the Deputy Secretary (Rehabilitation), Government of Gujarat, Revenue Department, as Deputy Custodian General for the purpose of discharging the duties imposed on such Deputy Custodian General by or under the said Act, with immediate effect.
- 2. This supersedes Notification No. 1(3)/Spl. Cell/79-SS. II.(E) dated the 8th January, 1982.

[No 1(21)/Spl. Cell/82-SS. II(E)]

का॰ आ॰ 4210—निष्कान्त सम्पत्ति प्रशासन प्रधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त प्रक्तियों का प्रयोग करते तृए केन्द्रीय सरकार, इसके द्वारा, गुजरात राज्य सरकार के राजस्य विभाग में अवर सचिव (पुनर्वास) को गुजरात राज्य के किए उक्त अधिनियम के द्वापा अथवा उसके अधीन अतिरिक्त महाभिरक्षक को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए, तन्काल, प्रभाव से मितिरिक्त महाभिरक्षक, निष्कान्त सम्पत्ति, के रूप में नियुक्त करती है।

2. इससे दिनांक 17 जुलाई, 1979 की प्रधिसूचना सं० 1(3) वि॰ मैं०/79-एस० एस० II का प्रधिकमण किया जाता है।

[सं॰ 1(21)/वि॰ सै॰ /82-एस॰ एस॰ II(छ)] महेन्द्र कुमार बसल, भनर सचिन

- S.O. 4210.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (XXXI of 1950), the Central Government hereby appoints for the State of Gujarat the Under Secretary (Rehabilitation) In the Revenue Department of the State Government of Gujarat as Additional Custodian of Evacuee Property for the purpose of discharging the duties imposed on such Additional Custodian by or under the said Act with immediate effect.
- 2. This supersedes Notification No. 1(3)/Spl Cell/79-SS. II. dated the 17th July, 1979.

[No 1(21)/Spl. Cell/82-SS. II(G)] M. K KANSAL, Under Secy.

(Department of Labour)

New Delhi, the 6th December, 1982

S.O. 4211.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government industrial Tribunal Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Calcutta Port Trust, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th November, 1982.

# CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 28 of 1981

PARTIES:

Employers in relation to the management of Calcutta Port Trust, Calcutta

AND

Their Workmen

PRESENT:

Mr. Justice M. P. Singh, Presiding Officer.

APPEARANCES:

On behalf of Employers—Shri D. K. Mukheriee, Industrial Relations Officer.

On behalf of Workmen-Shri Satyen Das, Secretary of the Union.

STATE: West Bengal INDUSTRY: Coal Mines

### AWARD

The following dispute was sent to this Tribunal for adjudication by the Government of India, Ministry of Labour vide Order No. L-32011/6/81-D.IV(A) dated 23rd June, 1981

- "Whether the management in relation to Calcutta Port Trust, Calcutta are justified in allowing Sarvashri Bankim Sarkar, Anil Mukherjee, Anil Kumar Debnath Sudhir Mandal, Santi Ranjan Bapari and others employed as L.R. Fireman-II under, the Engineer Superintendent in October 1977 to supersede Sarvashri Monoranjan Bera, Ranajit Bag, Jausen Seal, Anil Kumar Sarma, Purna Chandra Koley and others employed as L.R. Fireman-II in September, 1977. If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"
- 2. The dispute relates to a claim of inter se seniority between two groups of workmen of CPT—one group claiming seniority over the other in the Engineer Superintendent's

Section of the Marine Department. Forty-four leave reserve posts of Fireman II under the Engineer Superintendent in the Marine Department were filled by persons from two sources, (i) 14 by promotion from existing permanent Bhandaris and (ii) 30 by direct recruitment from the ex-CPT (briefly, the Board) lascars. These ex-CPT lascars were not workmen of the Board but their names were maintained in a list by the Director of the Marine department for the ex-CPT lascars Monoranian Bera and 29 others joined the post of Frieman II (1/R) on 19-9-77. The permanent Bhandaries Bankim Chandra Sarkar and 13 others could not be released from their parent section due to the fear in the dis-location of work in several operational points and they could join only in October 1977 under the Engineer Superintendent in the Marine Department.

- 3. The Union argues that the semority of an employee is counted from the date of appointment in a particular rank or grade as per seniority Rules of the CPT (vide Ext. M. 12 dated 2nd June, 1958) but the management has made a departure from this rule. Reference is made to rule (i) of the Seniority Rules which provide "The Seniority of a man in a grade should be determined on the basis of total length of his service in that grade or in an equivalent grade". In my opinion, the argument of the Union is misconceived. A Selection Committee consisting of M. P. S. Sodni, Assistant Engineer Superintendent, P.R. Bhawmik, Junior Marine Engineer and S. K. Mukharjee Personnel Officer was admittedly constituted in the year 1977. They admittedly interviewed the candidates in September of that year, namely, the Bhandaries and the ex-CPT lascars. The Committee adjudge the marit of the candidates and it was in the order of merit that the position of the 44 selected candidates (14 Bhandaries and 30 ex-CPT lascers) were fixed. Their interses seniority, therefore, was determined in accordance with the place obtained by them in the interview irrespective of time taken by them in joining the post. The management has in their written statement, paragraph 8, mentioned the seniority position of the 44 selected candidates. There is no conflict between the seniority rules and the merit list prepared by the Selection Committee. The seniority rules do not provide for a situation when the recruitment is made from two sources, that is, by promotion from existing staff and by direct recruitment from outside. Even the Das Gupta Tribunal Award of 1958 in Reference No. 1 of 1956 does not provide for such a situation.
- 4. Mr. Mukherjee, appealing for the management, is right in contending that the semority of the sleeted candidates in the instant case for the post of L/R Fireman II was determined on the basis of their performance in the selection interview and that the same is not open to challenge. The management has examined S. K. Asthana, Assistant Engineer Superintendent, to say that the Selection Committee considered the inter se semonity and formulated seniority. In my opinion, his evidence is reliable and it is supported by materials on record. The management has filed several documents showing the terms of settlement between the parties, issue of circulars and letters in connection with the appointment in the post of L/R Fireman II. I think that it is not necessary to discuss them because of the view expressed above. I am of definite opinion that the seniority in the present case is to be determined according to the merit list prepared by the Selection Committee.
- 5. Before I conclude this case I would like to mention that the seniority list prepared by the Engineer Superintendent in accordance with the merit list of the Selection Committee was placed on the Notice Board on 8th December, 1977 for information of all concerned, but no objection was received from any quarter. This also goes to indicate that the list became final not to be challenged later.
- 6. In the result, my award is that the management in relation to the Calcutta Port Trust. Calcutta are justified in employing Bankim Sarkar and 13 others (the Bhandaries) as L|R Foreman II under the Engineer Superintendent in October, 1977 and in allowing them to supersede Monoranjan Bera and 29 others ex-CPT lascars as L/R Fireman II. The concerned workmen, therefore, are not entitled to any relief.

Dated, Calcutta,

M P. SINGH, Presiding Officer.

The 16th November, 1982

[No. L-32011/6/81/D-IV(A)]

S.O. 4212.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Calcutta Port Trust, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th November, 1982.

# CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

### Reference No. 8 of 1981

### PARTIES:

Employers in relation to the management of Calcutta Port Trust, Calcutta.

### AND

### Their Workmen

### PRESENT:

Mr. Justice M. P. Singh-Presiding Officer

### APPEARANCES:

- On behalf of Employers.—Mr. D. K. Mukherjee, Industrial Relations Officer.
- On behalf of Workmen—Mr. R. N. Chandra, Assistant General Secretary with Mr. Paresh Bose, Assistant Secretary of the Union.

STATE: West Bengal. INDUSTRY: Port & Dock.

### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by their Order No. L-32012/13/80-D. IV(A) dated 17th February, 1981 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

- "Whether the management in relation to the Calcutta Port Trust, Calcutta are justified in ignoring the claim of Shri Shyam Charan Mitra, Tracer, for promotion to the post of Junior Draftsman in the River Training Wing? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"
- 2. The reference must be answered in affirmative and so the concerned workman is not entitled to any relief. No employee has a right to be promoted. Promotion is a management's function. Mr. Shyam Charan Mitra could not claim to be promoted as a matter of right to the post of Junior Draftsman in the River Training Wing. His whole case is that the management acted illegally in bringing D.P. Bhattacharya from some other unit and to promote him to the post of Junior Draftsman in the River Training Wing (unit) in the year 1979 ignoring his claim. The workman submitted that the post of Junior Draftsman in the River Training Wing fell vacant in 1979, that it was to be filled up by promotion of a senior and suitable workman from the establishment of the River Training Wing and Mr. Mitra being the seniormost tracer in that wing was eligible for promotion to that post. The workmen say that Mr. Mitra applied for that post several times but his claim was wrongfully ignored by the management and that the management illegally brought another tracer D. P. Bhattacharya from a separate unit by transfer only to defeat the right of Mr. Mitra and promoted him to the post which is an imposition on the workmen of the River Training Wing and to blur their future and certain their rights to promotion to the higher post in their own heirarchy. Sri R. N. Chandra, Assistant General Secretary of the Union has vehomently contended that no employee of the CPT could be transferred from one department to another department in the same cadre and this is a rule existing for 112 years. Mr. Mukherjee for the management submits that there is no such rule.
- 3. In my opinion the contention of Sri R. N. Chandra is incorrect and misplaced. It is not a case of promotion of D. P. Bhattacharya in supersession of the claim of Mr.

Mitta, Mr. D. P. Bhattacharya was already a Junior Draftsman from before. He was initially appointed as a tracer in the Marine Department of CPT on 18th April, 1962. joined the Hydraulic Study Department as a tracer with effect from 8th April, 1965. On 5th August 1968 he joined the Project as a tracer and was placed under the Junior Executive Engineer, Krishnanagar that is under the Deputy Chief Engineer of the River Wing. It may be mentioned here that in 1968 when Farakka Bartage Project was nearing completion, a River Improvement Project, namely, "The Hooghly and the Bhagirathi Improvement Project, hereinafter referred to as "the Project", was undertaken by the Board for improvement of the River Bhagirathi-Hooghly from Boald for improvement of the River Bhagirath-Hooghly from the Ganga off take to the sea. The Chief Hydraulic Engineer was made overall incharge of the Project apart from being the overall incharge of the Hydraulic Study Department. Two schemes were taken up under the Project—(i) Corrective Works and River Training Works in the river Bhagir thi-Hooghly and (ii) Corrective Works and River Training Works in the Estuary below Diamond Harbour. For execution of the work of the Project four temporary posts of Junior Draftsman and six temporary posts of tracers were created in same year 1968. Mr. D. P. Bhattacharya was promoted to the post of Junior Draftsman in the Project with effect from 1st September, 1975. I have already said that he was a tracer in that very Project from 5th August, that he was a tracer in that very Project from 5th August, 1968. He worked in Calcutta as a Junior Diafisman having 1968. He worked in Calcutta as a Junior Diarisman having been promoted in 1975 under the Engineer on Spot Duty the Project establishment a 20, Gurden Reach Road, Calcutta. Thus it is clear that Mr. Bhattacharya was working in the Project right from the year 1968 and while posted there was promoted to the post of Junior Draftsman in the Project in the year 1975. At that time he was, therefore, a staff of the Project and not of the Hydraulic Study, Department It appears that the Depuy Chief Engineer River Trainger. ment. It appears that the Depuy Chief Engineer, River Training i.e., one of the principal officers of the Project, proposed to fill up a post of Junior Draftsman in the Project, which was originally created under Board's Resolution No. 1140 dated 30th July, 1968 and for that purpose he sent a letter bearing No. RT|XII|E|2|2001 dated 22nd January, 1979. Since the total work load of the Project was not adequate for the existing four Junior Draftsman, it was felt that instead for the existing four Junior Draftsman, it was felt that instead of filling up another post, it would be desirable to redistribute and reallocate the work of these personnel to achieve efficiency and economy. With this object in view Shri D. P. Bhattacharya, Junior Draftsman of the Project was proposed to be placed under the Deputy Chief Engineer, River Training with effect from 15th February, 1979 under an Office Order bearing No. HSD/64/11/321 dated 7th February, 1979. Ultimately, however, Sri Bhattacharyay could nobe placed under the Deputy Chief Engineer, River Training. He remains in the same office, where he was sitting since 1st September, 1975. His duties included the work in connection with Civil and Structural Drawings forwarded by the Deputy Chief Engineer, River Training. The Union opposed the arrangement of redistribution of reallocation of the work of Draftsman of the Project which had been mentioned in the office order dated 7th February, 1979 on the impresin the office order dated 7th February, 1979 on the impres-sion that D. P. Bhattacharyay was the staff of the Hydraulic Study department and not of the Project. This impression of the Union was wrong and certainly a misplaced one. In fact Mr. Bhattacharyay was working continuously in the Project since 5th August, 1968 against the post created by the management under Resolution dated 30th July, 1968. It is the right of the management, I think, to redistribute and reallocate the work and its staff under the Project for the purpose of achieving efficiency and economy. Mr. Bhattacharyay became Junior Draftsman in 1975. Mr. Mitra who has made a grievance in the present case joined the Project as a tracer with effect from 12th April, 1976 on his transfer from Haldia Dock Project. The post which he joined had also been created in the same resolution dated 30th July, 1968. So there is no question of ignoring his claim. Even if it be, he can have no grievance in the circumstances stated above. There is no malice, no malande, no victimisation on the part of the management in promoting Mr. Bhottacharyay to the post of Junior Draftsman, Mr. Mitra Was even in existence. was even in existence as a tracer in the River Training Wing when Mr. Bhattacharyay was promoted as Junior Draftsman in the year 1975. Furthermore, it will appear from the written statement of the workman himself that the River Training Wing is not a separate department. In paragraph 1 of their written statement the workman stated that Hydrulic Study Department is one of the department of the

CPT and that the River Training Wing is a section of the Hydraulic Study department in which the disputant workman Shyam Charan Mitra is employed. It is thus clear that workman has no case.

4. For the reasons given above, my award is that the management in relation to the Calcutta Port Trust, Calcutta are justified in ignoring the claim of Sri Shyam Mitra, Tracer for promotion to the post of Junior Draftsman in the River Training Wing. It follows that the concerned workman is not entitled to any relief.

Dated:

Calcutta 11-11-82.

M.P. SINGH, Presiding Officer [No. L-32012/13/80/D-IV (A)] T.B. SITARAMAN, Desk Officer

New Delhi, the 21st November, 1982

S.O. 4213.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Nichitput Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sijua, District Dhanbad and their workmen,

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL

### TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 44 of 1982

Dhanbad, the 3rd November, 1982

# PARTIES:

Employers in relation to the management of Nichitpur Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Sijua, Dist. Dhanbad.

### AND

Their Workmen.

PRESENT:

Mr. Justice Manoranjan Prasad (Retd.) Presiding Officer.

APPEARANCES:

For the Employers-Shri G. Prasad, Advocate.

For the Workmen-None.

STATE: Bihar,

INDUSTRY: Coal.

The present reference arises out of Order No. L-20012(3)/82-D.III(A), dated, New Delhi, the 30th April/3rd May, 1982 passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows;

- Whether the demand of the workman of Nichitpur Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sijua, District Dhanbad for reinstatement of Shri Jagarnath Mahato, Timber Mazdoor is justified? If so, to what relief is the said workman entitled?"
- 2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement dated 15-9-1982 has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The meforandum of settlement shall form part of the award.

### Reference No. 44 of 1982

3. Let a copy of the award be sent to the Ministry as required under Sec. 15 of the Industrial Disputes Act 1947.

# BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. II, DHANBAD

### Reference No. 44 of 1982

### PARTIES:

Employers in relation to the management of Nichitpur Colliery of M/s. Bhaint Coking Coal Ltd. and their workmen represented by RCMS.

The parties as mentioned above beg to submit as hereunder :---

That, the patties have agreed to settle the matter pending before the Tribunal in the matter of reference mentioned above on the following terms and conditions:

- (A) That, Shri Jagarnath Mahato, the concerned workman, who was suffering from eye cataract, has been operated upon and his visibility has been restored.
- (B) That, it is agreed that the concerned workman will be taken back into employment in case he is found medically
- (C) That, the concerned workman shall be offered employment on a job suited to his physical fitness.
- (D) That, the concerned workman shall not be entitled to any wages or monetary relief by way of compensation or otherwise for the period of his idleness.
- (E) That, in case the concerned workman is still not found fit to work in a Colliery by the Medical Board, the son of Shri Jagarnath Mahato shall be offered employment as a special case to work as miner, subject to his medical fitness by the Board.
- (F) That, the terms of settlement mentioned hereinabove shall be implemented as early as possible but not later than 45 days from the date.
- (G) That, the settlement mentioned hereinabove shall not be cited as precedent since this has been agreed to as a special case on compassionate ground.
- (H) That, the terms of the settlement mentioned hereinabove are agreeable to both the parties and hence it is Prayed that an Award can be passed in terms of the settlement mentioned hereinabove.

That, for act of this kindness, the above parties shall ever pray.

(P. R. Sinha) General Manager.

(D. B. Pandey) Personnel Manager.

Secretary R.C.M.S. L.T.I. of Sri Jagarnath Mahato. Workman concerned

# Witnesses:

Mahadev Singh
 Shrikant Chobey

L.T.I. of Sri Triloki Mahato.

Part of the Award

[No. L-20012/3/82-D.III(A)]

थम विद्याग

अधेश

म**र्क** दिल्ली, 23 मबस्बर, 1982

कां बा 0 4214 -- फेल्डीय सरकार की राय है कि इससे उपावक प्रमुखी में विनिधिष्ट विषय के बारे में राजस्थान स्टेट मिनरल खबेलपमेल्ट कार-पोरेशन लिमिटेड के प्रवस्थतंत्र से सम्बद्ध एक घौद्योगिय विवाद नियोजकों भीर उनके कर्मकाशों के वीच विद्यमान है :

भौर केन्द्रीय सरफार उक्त विवाद को न्यायानिर्णयन के मिए निर्दे-शित करना बोछनीय भमझती है ;

मतः केन्द्रीय सरकार घोषोगिक विवाद घषिनियम , 1947 (1947 का 14) की घारा 7क मौर धारा 10 की उप-धारा (1) के चाव (घ) द्वारा मक्त सक्तियों का प्रधोग करते हुए, एक झौद्योगिक अधिकरण

गठित करती है जिसके पीठसीन आधिकारी श्री जी० एस० होंगे, जिनका सक्तात्रय अत्रुमदायाद मेहोगा और उक्त थियाद को उक्त श्रधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

### अनुसूची

क्या धनुसन्दर्भ में दिए हुए 23 कर्मचारियों से सवाकथित सीमाधिक भुगक्षान को वापस लेने ने सम्बंध में श्री एन० एन० टंग्रा, चीफ ग्राफ पसंनल एण्ड एडमिनिस्ट्रशन राजस्थान स्टेट मिनग्ल इयलमेंट भारपीरेशन लिमिटेर जयपूर द्वारा जारी जिया गया आदेश सख्या एम, एम, एका/ यूनियन/जी एफ पी जे/ 5/76/2140 दिशक 2 मार्च, 1981 फानूनी क्या से न्यायोचित है ? यदि नहीं तो जामगार कित धन्तीय के ष्ठकदार है ?

- (1) श्री श्री० पी० उत्ता
- (2) श्री जाय जोसेफ
- (3) श्रीरशीद खान
- (4) श्री राधाकियम शर्मी
- (5) श्री मवन सिंह
- (৪) श्री बी० एस० कमज
- (7) श्री रान भिद्व
- (8), ऋरे पैमा शम
- (9) भी हुटा राम
- (10) श्री हमका राम
- (11) भी होगियाचा
- (12) भी पन्ना राम
- (13) श्री बद्री नारायण
- (14) श्री मीटा राम
- (15) श्री मंक्ला राम
- (16) श्री खेमा राम
- (17) श्री पटः राम
- (18) श्रीनारायण/बाग्ताओ
- (19) श्री नारायण रामाजी
- (20) स्त्री गणेश राम
- (21) श्री सतीण कुमार हुवे
- (32) श्री मागां राम
- (23) श्री पूना राम

[एल - 29011/27/82-को 3 को]

### (Department of Labour)

### ORDER

New Delhi, the 23rd Nivember, 1982

S.O. 4214.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employees in relation to the Rajasthan State Mineral Development Corporation Limited and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri G. S. Barot shall be the Presiding Officer, with headquarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

### **SCHEDULE**

"Whether the office order No. MMAD/Union/GFP1/ 5/76/2140 dated the 2nd March, 1981 issued by Shri N. N. Tankha Chief of personnel and Ad-ministration, Rajasthan State Mineral Development Corporation Limited Jaipur ordering to recover the

alleged excess payment made to 23 employees mentioned in annexure A is legal, proper and justified? If not, to what relief is the workmen entitled?"

### **ANNEXURE**

Sl. No.	Name of the employee
1.	Shri O. P. Tank
2.	Shri Joy Joseph
3.	Shri Joy Joseph Shri Rashid Khan
4.	Shri Radhakishna Sharma Shri Madan Singh
5.	Shri Madan Singh
6.	Shri B, S. Kamal
7.	
8.	Shri Pema Ram
9,	Shri Hoota Ram
10.	Shri Hukka Ram
11.	
	Shri Padma Ram
	Shri Badri Narauan
14.	
	Shri Shankla Ram
	Shri Khema Ram
17.	Shri Pata Ram
18.	
19.	
20.	
	Shri Satish Kumar Dave
	Shri Muga Ram
23,	Shri Puna Ram.

[No. L-29011/27/81-D.III(B)]

# New Delhi, the 6th December, 1982

S.O. 4215.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputts Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Limestone Quarry of Sone Valley Port Land Cement Company Limited and their workmen, which was received by this Ministry on 24th November, 1982.

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 32 of 1977

# PARTIES:

Employers in relation to the management of the Limestone Quarry of Sone Valley Port Land Cement Company Limited, Post Office Baulia, District Rohtas.

### AND

Their Workmen.

### PRESENT:

Mr. Justice Manoranjan Prasad (Retd.), Presiding Officer. APPEARANCES:

For the Employers-Shri N. C. Ganguly, Advocate.

For the Baulia Quarry Rashtriya Mazdoor Sewa Sangh— Shri Sati Shankar Sharma, Vice-President.

STATE : Bihar.

INDUSTRY: Limestone.

Dhanbad, the 18th November, 1982

# AWARD

The present reference arises out of Order No. L-29011/57/74-LRIV, dated, the 13th January, 1975, passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order which runs as fillows:

"Whether the following demands of the workmen of the Limestone Quarry of the Sone Valley Portland Cement Company Limited, Post Office Baulia, District Rohtas are justified? If so, to what relief and from what date are the workmen entitled?

#### Demands

- (a) Workmen who have put in six months or more of continuous service be made permanent.
- (b) Re-designation and grading of the workmen according to the nature of work performed.
- (c) Payment of bonus under the Payment of Bonus Act, 1965 (21 of 1965) for the years 1968, 1969, 1970 and 1973".
- 2. The above dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement arrived at on 17th December, 1977 had been filed in this Court jointly signed by the General Manager and the Quarry Superintendent on behalf of the management and the General Secretary and Vice President on behalf of the sponsoring union, Baulia Quarries Mazdoor Sangh. This settlement was, however, initially objected to by the intervener union, the Baulia Quarry Rashtriya Mazdoor Sewa Sangh. But subsequently a petition dated 25th June, 1982 had been filed on behalf of the management alongwith a petition signed by the President of the intervener union, the Bauha Quarry Rashtriya Mazdoor Sewa Sangh which has also subsequently been signed by its Vice-President, to the effect that the dispute has been amicably settled by the intervener union also with the management on the same terms and conditions as contained in the aforesaid settlement arrived at on 17th December, 1977 between the management and the sponsoring union, the Baulia Quarries Mazdoor Sangh, and that an award may be made in terms thereof. I have gone through the terms of settlement and 1 find them quite fair and reasonable and there is no reason why an award should not be made on the terms and conditions laid down in the memorandum of settlement arrived at on 17th December, 1977 between the management and the Baulia Quarries Mazdoor Sangh as well as the petition dated 26th June, 1982 of the management alongwith the petition filed on behalf of the Baulia Quarries Rashtriya Mazdoor Sewa Sangh adopting and accepting the aforesaid settlement shall form part of the award.
- 3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

MANROJAN PRASAD, Presiding Officer

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOV-ERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

Reference Case No. 32 of 1977

### BETWEEN

The Management of Baulia Limestone Quarries of Merasta's Sone Valley Portland Cement Co. Ltd.,

### AND

### Their workmen

The humble petition on behalf of the Management.

Most respectfully sheweth:

1. That the above mentioned case is fixed for hearing on the 5th July, 1982.

That the dispute between management and Baulia quarries. Rashtriya Mazdoor Seva Sangh, have amicably settled their dispute outside the court as per agreement enclosed herewith.

It is therefore prayed that the case be fixed for hearing on 22nd, June, 1982 and order may kindly be passed in presence of the parties.

And for this the petitioner shall ever pray.

For and on behalf of the management

Sd/- Illegible Designation 25-6-82. Personal Manager.

Part of the award.

Advocate for 25-6-1982.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER CENTRAL GOV-ERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

Reference No. 32 of 1977

### BETWEEN

The Management of Baulia Limestone Quarries of Messrs Sone Valley Portland Cement Co. Ltd.

#### AND

### Their workmen.

The humble petition on behalf of the Baulia Quarry Rashtriya Mazdoor Seva Saugh represented by President Jaganarain Pathak.

Most respectfully sheweth:

- 1. That the instant reference was made at the instance of Baulia Quarry Mazdoor Sangh represented by Sri Yadubansh Singh, General Secretary.
- 2. That during the pendency of the said reference there was a settlement between the management of Sone Valley Portland Cement Co. Ltd., and Baulia Quarries Mazdoor Sangh on 17th December, 1977. The management has carried out the obligation under the said agreement and all the workmen have been benefited.
- 3. That the Baulia Quarries Rashtriya Mazdoor Seva Sangh was not a party to the reference but having come to learn that the matter has been settled, it filed an application for being implementation of a party in order to account the second settled. being impleaded as a party in order to examine the efficacy of the said settlement.
- 4. That this Hon'ble Tribunal was pleased to implead the said union as a party to the proceeding and it has been te-presented through its Vice President Shri Sati Shanker Sharma. and the question of acceptance of the settlement is pending for final decision as to whether an award should be made in accordance with the said terms.
- 5. That there have been some disputes with respect to contract labour in the establishment which have been satisfactorily settled between the management and the workmen represented by the Baulia Quarry Mazdoor Sangh as well as Baulia Quarry Rashtriya Mazdoor Seva Sangh.
- 6. That this has brought a complete industrial peace in the establishment in view of the good gesture of the management and the union wants to fully cooperate with the management to raise its production keeping in view its financial condition and its ability to shoulder additional burden.
- 7. That in view of cordial relationship and keeping in view the interest of the management as well as the workmen, the petitioner union accepts the agreement made with Baulia Quarry Mazdoor Sangh on 17th December, 1977 as acceptable to it as well. It does not want to raise objection to its being adopted as an award of the Court, there being no dispute between the parties.
- 8. That the petitioner, therefore, joined hands with the other union of the establishment, namely, Baulia Quarry Mazdoor Sangh, by petition dated 6th March, 1978 by which petition the agreement made was filed before this Hon'ble Tribunal.

It is therefore, prayed that your Lordship may be pleased to let an award be made in terms of the agreement dated 17th December, 1977 or your lordship may pass such other order or orders as to your Lordship may appear fit and proper.

And for this the petitioner shall ever pray. Sd/- Sati Shanker Sharma Up-Sabhapati, 18-11-82

Baulia Quarries Rashtriya Mazdoor Seva Sangh.

Memorandum of settlement arrived at between the Management of Sone Valley Portland Cement Company Limited, Baulia Quarries, Baulia and their workmen represented by Baulia Quarries Mazdoor Sangh on Saturday, the 17th December, 1977 ant Japla Cement Factory.

Representing Employer

1. Shri P. C. Jain, General Manager. Shri R. K. Agarwal.

Quarry Superintendent.

Representing Workmen

Shri Jadubans Singh,

General Secretary.

Baulia Quarries Mazdoor Sangh.

Shri Suraj Singh,

Vice President,

Baulia Quarries Mazdoor Sangh.

### SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas Baulia Quarries Mazdoor Sangh submitted a charter of demands vide their letter dated 1st October, 1974.

And whereas the Government of India, vide its order No. I-29011/57/74/LRIV dated 17th April, 1975 referred the above demands of the Union for an adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947 and the same is pending adjudication before the Presiding Officer. Central Government, Industrial Tribunal No. 1 at Dhanbad and the disputes has been numbered as Ref. No. 3 of 1975 (Old)/No. 32 of 1977 (New).

And whereas in the interest of maintaining peace, harmony and amity between the Management and the workmen repicsented by Baulia Quarries Mazdoor Sangh it is expedient to settle the dispute amicably by mutual negotiations out of Court on the terms and conditions as mentioned below:-

- It has been agreed to give one ad-hoc increment to such employees only who have already reached the maximum of their grades w.e.f. 1st January,
- (2) The grades and fitment of the employees were duly reviewed and it has been agreed to revise the grades and fitment in the manner as per list attached which is marked as Annexure-I. This will be w.e.f. 1st January, 1978.
- (3) Though the Company is not in a position to bear the additional burden, but in the interest of long-term peace and better production, harmony and cooperation, it has been agreed to take 200 persons on permanent roll w.e.f. 1st January, 1978. The list of such persons is attached and marked as Annexure-II.
- (4) It has been agreed to pay minimum bonus of 4 per cent only for the years 1968, 1969, 1970 and 1973 in the manner as stated below:

The bonus for the above years will be paid in a phased manner i.e. during every quarter of 1978, one year's minimum bonus will be paid in three instalments.

- (5) It has been further agreed to file this settlement before the Industrial Tribunal with a request to dispose off the Reference on the above disputes as per terms of this settlement and incorporate the same in the award.
- (6) This agreement will hold good subject to the Award. Representing Employer.

(1) Sd/- P. C. Jain,

Representing Workmen:

General Manager.

Sd/- Jadubansh Singh, 17-12-1977,

(2) Sd/- R. K. Agarwal

General Secretary,

Quarry Superintendent Baulia Quarries Mazdoor Sangh. Sd/- Suraj Singh,

Vice-President.

Baulia Quarries Mazdoor Sangh.

### WITNESSES:

1

- (1) Khan Gul Khan
- (2) T. P. Sinha,

Part of the Award

ANNE SONE VALLEY PORTLAND CEMENT LTD., Statement showing Re-designation

PRESENT

			PRESENT						
E. No. Name	Designation	Grade	Rate of Pay						
			Basic	D.A.	A.D.A.	P.A.	Н.А.	Total	
Staff Sri Gopal Ram	Mech. Foreman	VII	299.78	96.00	29,98		19 50	445.26	
Staff Sri Anjani Kumar	Foreman	VI	353.78	96.00	35.38		18.20	503.36	
Staff Sri B.D. Agrawal	Sr. Asstt. Acctt.	VΙ	434.33	96.00	43.43	_	18.20	591.96	
Staff Sri R.N. Tiwary	Asstt. Acett./PFC	v	328.05	96.00	32.81	_	18.20	475.06	
Staff Sri P.N. Chakarbarty	Clerk/Asstt. Cashier		156.65	96.00	15.67	_	13.00	281.32	
Staff Sri P.K. Jain .	Assistant	Ш	183.05	96.00	18.31		15.60	312.98	
Staff Sri B.K. Chattaraj	Clerk	Ш	181.51	96.00	18.15		15.60	311.26	
Staff Sri Baliram Mishra		II	162.00	96.00	16.20		15.60	289.80	
Staff Sri J.K. Bhattacharji	••	1	152.97	96.00	15.30	_	13.00	277.27	
Staff Sri Ram Hari Ram	,,	1	117.95	96.00	11.80	_	13.00	283.75	
Staff Sri Khangul Khan	**	T.C.	114.31	96,00	11.43		13.00	234.74	
Staff Sri Loknath Mishra	19	T.C.	115.00	96.00	11.50	_	13.00	235.50	
Staff Sri Rajkishre Singh	**	T.C.	100.00	96.00	10.00		13.00	219.00	
1691 Sri Banarsi Mishra	Munshi	C	92.56	87.50	9.26		13.00	202,32	
1662 Sri Ram Sunder Kolh	••	C	107.40	87.50	10.74	_	13.00	218,64	
114 Sri Ram Bahadur Ram	Splicer		99.09	87.50	9.91		13.00	209.50	
1713 Sri Sheo Kumar	Munshi	C	92.56	87.50	9.26	_	13.00	202.32	
Staff Sri S.P. Sinha	Compounder/ Storekeeper.	17	292.05	96.00	29.21	_	15.60	432.86	
	_		5.00 ን	Rifle Allow					
W/W Sri Setu Lall	Havildar	C	106.89 ×	87.50 Ration A. c	10.69	_	13.00	232.08	
1766 Sri H.P. Shukla	Mate	C	92.56	87.50	9.26		13,00	202.32	
214 Sri Ram Lakhan Mishra	77	Ä	162.25	87.50	16.23	_	15.60	281.58	
381 Sri Damodar Tiwary	17	Ā	163.98	87.50	16.40		15.60	283.48	
593 Sri Sobaram Singh	"	A	176.98	87.50	17.70	****	15.60	297.78	
667 Sri Shariff Shaikh	27	В	132.36	87.50	13.24	_	15.60	248.70	
WATCH & WARD									
	Camera	T:	76,70	87.50		1 03	12.00	100.00	
Sri Ram Lagan Ram	Sentry	E	9.00		_	1.82	13.00	188.02	
Sri Haribansh Singh	***	E	76.70 7				14.00	100.00	
ELECTRIC & WATER SUPPLY			و <b>9.00</b> ار	<b>≽ \$7</b> ,50	_	_	13.00	188.02	
241 Sri Ram Pd. Chaudhary	Elec. Mech. Fitter/Wireman/ Armature winder	B	158.35	87.50	15.84	_	15.60	277.29	
251 Srí Nasiruddin Sk.	Fitter	С	110.78	87.50	11.08	_	13.00	222.36	
242 Sri Krishna Lohar	Fitter	C	118.49	87.50	11.85		13.00	230.84	
1695 Sri Sheo Pd. Pandey	P. Attendant/ Khalasi	D	77.00	87.50	3.85	-	13.00	181.35	
1697 Sri Inam Khan	P. Attd./B.D.F. Khalasi.	D	77.00	87.50	3.85	_	13.00	181.35	
MAINT. & CIVIL									
181 Sri Azimuddin Khan	Turner/Welder	B	160.08	87.50	16.01		15.60	279.19	
169 Sri Suresh Ch. Roy	Asstt, Welder	D	91.33	87.50	4.56		13.00	196.39	
1698 Srí Ganesh Pathak	A. Welder/Lhalasi	D	77.00	87.50	3.85	-	13.00	181.35	
1706 Sri Ab. Rasid HOSPITAL	Khalasi	E	71.28	87.50			13.00	171.78	
339 Sri Ramchandra Mester	Holper Dresser/ Sweeper	E	76, <b>70</b>	87.50		1.82	13.00	179.02	
TRANSPORT									
257 Sri Keshwar Kahar	Fitter	В	156.00	87.50	15.60		15.60	274,70	
258 Srl Ramkeshwar Nai	Fitter	В	156.00	87.50	15.60	+**	15.60	274.70	
1702 Sri Md. Khalil	B.D.F./Khalasi	D	77,00	87.50	3.85		13.00	181.35	
MISC. 1759 Sri Jitendra Pd. Sinha	Munshi	D	71.15	87.50	3.55		13.00	175.20	
TITE STEELINGTON TO SHITTE	171-4-10441								

XURE.1 LIMESTONE QUARRY, BAULIA.

and Change of Grade.

1042 GI/82-5

**REVISED** 

	Rate of Pay								
		<del></del>						<del></del>	
Designation	Grade	Basic	D.A.	A.D A.	P.A.	<b>班</b> .A.	Totel	Remarks	
Mech. Foreman	VII	315.00	96.00	31.50	_	19.50	462.00		
Foreman	VII	375.00	106.00	37.50		19,50	528.00		
Sr. Assit, Accti,	VII	455.00	96,00	45.50		19.50	616.00		
A.A./P.F.C.	v	343.00	96,00	34.30		18,20	491.50		
Clerk/Asstt. Cashier	IJ	162.00	96.00	16.20	15.60	_	289.80		
Stores Assit.	III	190.00	96.00	19.00		15.60	320.60		
Cletk	Ш	190.00	96,00	19.00		15.60	320.60		
	III	166.00	96.00	16.60	_	15.60	294,20		
**	И	155.00	96.00	15.50		15.60	282.10		
**	II	119,00	96,00	11.90	<del></del>	15.60	242.50		
"	II	119.00	96.00	11.90		15.60	242.50		
11						13.00	237.70		
**	1	117.00	96. <b>00</b>	11.70	_	13.00	221.20		
The Aleit I	ĩ	102,00	96. <b>00</b>	10.20			215.70		
Typist/Clerk	Ĭ	97.00	96.00	9.70		13.00			
Ropeway Clerk	[	112,00	9 <b>6.00</b>	11.20	_	13.00	232.20		
Asstt. Foreman	Ī	102.00	96. <b>00</b>	10.20		13.00	221.20		
**	1	9 <b>7.00</b>	96.00	9.70		13.00	215.70		
Compounder/Storckooper.	V	313.00	96. <b>00</b>	31,30		18.20	458.50		
W/Ward Supervisor	I	5.00							
		112.00	96.00	11.20	_	13.00	246. <b>20</b>		
		9.00							
Foreman	ш	200.00	96.00	20.00	_	15.60	331.60		
Mate	11	169 .00	96.00	16,90	_	15.60	297.50		
Mate	īi	169.00	96,00	16.90		15.60	297.50		
Mate	II	183.00	96.00	18.30		15.60	312.90		
Mate	11	137.00	96.00	13.70		15.60	262.30		
Assit. Havildar.	D	78.00	87. <b>50</b>	3.90	<del></del>	13.00	191.40	R.A. Con.	
Assit. Hayitasi.	D	9.00	0	0.50		12.00	12	2411. 30.21	
	D	78. <b>00</b>	87,50	3,90		13.00	191.4 <b>0</b>		
**	1)	9.00	37,30	2,20		15.00	171.40		
		170.30	87. <b>50</b>	17. <b>0</b> 3		15.60	290.43		
Elec. Meeh. Fitter/Wireman/ Armature Winder	A								
Elect. Fitter	В	117.00	87.50	11.70	_	15.60	231.8 <b>0</b>		
Fitter	С	125.32	87.50	12.53	<del></del>	13.00	238.35		
Pump Attendant	D	77.00	87.50	3,85	_	13.00	181.35		
Pump Attendant.	D	77.00	87.50	3.85	_	13.00	181.35		
<u> </u>									
Turner	В	162.50	87.50	16.25		15.60	281.85		
Welder	$\mathbf{a}$	93. <b>60</b>	87.50	4.68		13.00	198.78		
Welder	D	80.60	87.50	4.03	<u></u>	13.00	185.13		
Mason	ā	72.80	87.50	3.64		13.00	176.94		
Dresser	D	78.00	87. <b>50</b>	3.90	_	13.00	182.40		
		160.00	07 KA	14 00		16 40	289.00		
Fitter	В	169.00	87. <b>50</b>	16.90	_	15.60			
Fitter	В	169.00	87.50	16.90		15.60	289.00		
Asstt. Fitter/Khalasi.	D	•8 <b>0</b> .6 <b>0</b>	87.50	4.03		13.00	185.13		
Munshi	D	75.40	87.50	3.77	-	13.00	179.67		

# PRESENT

				PRESENT  Rate of Pay						
E. No.	Name	Designation	Grade							
				Basic	D.A.	A.D.A.	P.A.	H.A.	Total	
MATES	& MUNSHIS :									
442 Sri N	∕ladan Pd.		В	127.15	87.50	12.71	_	15.60	242,96	
439 Sri C	Chandrama Singh		В	122.23	87.50	12.22		15.60	237.55	
	fulan Lall		C	110.79	87.50	11.08		13.00	222 37	
	lanhakoo Nonia		C	103.55	87.50	10.36		13.00	214.41	
	ladri Pathak		В	127.15	87.50	12.72		15.60	242.97	
	lishwanath Pd.		В	127.15	87.50	12.72		15.60	242 97	
	tajeshwar Lall		В	132.35 91. <b>9</b> 1	87.50	13.24	-	15.60	248.69	
	kamdeo Nonia		B D	142.75	87.50 87.50	4.60 14.28		13.00	197.01	
	anarashi Singh		В	127.15	87.50 87.50	12.72		15.60	260.13	
	agadish Lall						1 00	15.60	242.97	
	agarnath Pansari		E E	76.70 61.10	87.50	_	1.82	13.00	179.02	
BLASTER	adan Mohan Pathak S:		E	01.10	87.50			13.00	161.60	
	lundrika Yadav	Khalasi	E	71.28	87.50		_	13,00	171.78	
	handradeo Ram		E	71.28	87.50			13.00	171.78	
B.C. ROPI		17	_					13.00	171.70	
	lanhai Ahir	B.D.F./Khalasi	D	93.60	87.50	4.68	0.60	13.00	199.38	
	yodhya Kahar	,,	D	93.33	87.50	4.67		13.00	198.50	
	fukhdeo Ahir	,,	D	89.17	87.50	4.46		13.00	194.1 <b>3</b>	
83 Sri Si	arjoo Chaudhary	,,	D	88.22	87.50	4.41	_	13.00	193.13	
1674 Kishu		Khalasi	E	71.28	87.50	-		13.00	171.78	
1668 Sri G	ulab Chand Mahto	"	$\mathbf{E}$	71.28	87.50			13.00	171.78	
82 Sri B	anshi Kahar	3)	E	76.70	87.50			13.00	177.20	
1671 Sri G	obardhan Mahto	Munshi	D	81.16	87.50	4.06	-	13.00	185.72	
M.C. ROP	EWAY									
158 Sri R	amchandra Mistry	Khalasi	E	76. <b>7</b> 0	87.50	_	_	13.00	1 <b>7</b> 7.20	
119 Sri A	nirudh Pathak	Helper	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02	
1670 Sri M	leghnath Mahto	Khalasi	E	71.28	87.50	-	_	13.00	171.78	
	fundrika Ahir	1)	E	71.28	87.50		_	13,00	171.78	
1673 Sri K	ameshwar Suri	Asstt. Splicer/ B.D.F./Khalasi	Q	77.00	87 50	3.85	_	13.00	181,35	
113 Sri G	urudayal Ahir	Sarang/Splicer	C	99.09	87.50	9.91		13,00	209.50	
	aramdeo Mishra	Asstt. Operator	D	93.60	87.50	4.68	_	13.00	198.78	
	andhoo Ahir	B.D.F./Khrlasi	D	93.33	87.50	4.67	_	13.00	198.50	
505 Sri G	anesh Singh	Asstt. Splicer/ B.D.F./Khalasi.	D	82.65	87.50	4.13		13.00	187.28	
482 Sri R	am Sumer Dubey	Asstt. Opr.	D	93.33	87.50	4.67		13,00	198.5 <b>0</b>	
	aheshar Ahir	B.D.F./Khalasi	D	93.60	87.50	4.68	0.60	13.00	199.38	
	Ram Pati Ahir	,,	D	83.60	87.50	4.18		13.00	188.28	
	hdeo Singh Yadav	Khalasi	E	71.28	87.50			13.00	171.78	
	neonath Dusadh (Ram)	,,	E	71.28	87.50		_	13.00	171.78	
	lathura Dhobi	**	E	76.70	87.50			13.00	177 20	
	am Das Ahir	Khalasi	E	76.70	87.50			13.00	177.20	
	ikhdeo Koiri	**	$\mathbf{E}$	76.7 <b>0</b>	87.50	-	1.82	13.00	179.02	
	rfudd in Nawa	"	E	76.70	87.50		-	13.00	177.20	
	latar Chaudhary	,,,	E	71.28	87.50		_	13.00	171.78	
	ichhuman Chaudhary	Munshi	D	81.16	87.50	4.06	-	13.00	185,72	
DRILLER										
	am Brichh Nawa	Driller	D	93.60	87.50	4.68	0.60	13.00	199.38	
1692 Sri Jit		"	D	83.40	87.50	4.17		13.00	188.07	
	uljar Sheikh	,,	D	93.60	87.50	4.68	1.48	13.00	200.26	
	esho Koeri	n	D C	93.45	87.50	4.67	• •	13.00	198.62	
	harmoo Ram	"	ď	83.40	87.50	4.17	• •	13.00	188.07	
	muna Kurmi	"	D	83.40	87.50	4.17	• •	13.00	188.07	
	edarnath Ram	**	D D	83.40 88.94	87.50 87.50	4.17	• •	13.00	188.07	
	andhan Kandoo	1)	D	93.60	87.50 87.50	4.45 5.68	1 48	13.00	193.89	
	afique Sheikh a Ram Dhobi	1)	Ď	93.45	87.50 87.50	3.68 4.67	1.48	13.00 13.00	200.25	
	a Kam Dhooi il Md. Shelkh	7†	D	93.45	87. <b>50</b>	4.67	• •	13.00	198.62 198.62	
11/0 Sti Di	I IVIQ. MICIRA	"		73.7J		T.U/		13.00	1 40 ' 07	

<u></u>				REVISE	D		
Designation	Grade	<del>_</del>					
Designation		Basic	D.A.	A.D.A.	P.A.	H.A.	Total Remarks
<u></u>						15.60	260,40
Mate	Α	143. <b>0</b> 0	87. <b>50</b>	14.30	_	15.60	246.10
Mate	В	130.00	87. <b>50</b>	13.00	_	15.60	231.80
Mate	В	117.00	87.50	11.70 11. <b>0</b> 5	_	15.60	224.65
Mate	В	110.50	87. <b>50</b>	13.00		J <b>5</b> . 60	246.10
Mate	В	130.00	87.50 87.50	13.00	_	15.60	246.10
Mate	В	130.00	87.50	13,65	_	15 60	253.25
Mate	B	136.5 <b>0</b> 9 <b>2</b> .56	87.5 <b>0</b>	9.26		13.00	202.32
Munshi	C	143.00	87. <b>50</b>	14.30		15.60	260.40
Munshi	В	130 00	87. <b>50</b>	13.00		15.60	246.10
Mate	В	83.20	87.5 <b>0</b>	8.32	_	13.00	192. <b>0</b> 2
Mite	c	83.20	87.50	8.32		13.00	192. <b>0</b> 2
Mate	C	04,60	07.50	V			
Blaster	C	83,20	87.50	8.32	_	13.00	192. <b>0</b> 2
Blaster	C	83,30	87.50	8.32	_	13.00	192.02
H1. Operator	C	97.24	87.50	9.72		13.00	207.46
Assit. Operator/B.D.F.	D	93.33	87.50	4.67	_	13.00	198.50
***	D	89,1 <b>7</b>	87.50	4,46	<i>_</i>	13.00	194.13
''	$\mathbf{D}$	88.22	87.50	4.41	_	13 00	193.13
B D.F./Khalasi	D	72.80	87.50	3.64		13.00	176.94
	Œ	72.80	87.50	3.64		13.00	176.94
<b>P</b> 7	D	78.00	87.50	3.90		13.00	182.40
Munshi	В	110.50	87.50	11.03	_	15.60	224.65
				2.00		12.00	103 40
Black-smith	D	78.00	87.50	3.90		13.00	182.40
H Smith/H. Man/Khalesi	D	78. <b>0</b> 0	87.50	3,90	<del></del>	13.00	182.40
11	D	72.80	87.5 <b>0</b>	3.64		13.00	176.94
1)	D	72.80	87.50	3.64		13.00	176.94
Splicer/B.D.F.	C	83.20	87.50	8.32	<del></del>	13.00	19 <b>2</b> . <b>0</b> 2
H.I. Operator/Spli.	С	101.92	87.50	10.19		13.00	212.61
Hd. Operator	C	97.24	87.50	9.72	-	13.00	207.46
Hil. Operator	$\mathbf{c}$	97.24	87.50	9. <b>7</b> 2	_	13.00	207.46
M. Operator	$\mathbf{C}$	87.88	87.50	8.79	_	13.00	197.17
	С	97.24	87.50	9.72	_	13. <b>0</b> 0	207.46
Hi. Operator	č	97.24	87.50	9,72	_	1,3.00	207.46
Hd. Operator	Ď	83.60	87.50	4.18	-	13.00	188.28
Asstt. Opr/B.D F	Ď	72,80	87.50	3.64		13.00	176.94
B.D.F./Khalasi	D	72 .80	87.50	3,64	_	13.00	176.94
7.1	$\mathbf{D}$	78 00	87.50	3,9 <b>0</b>	_	13.00	182.40
Line Guard	E	76.70	87.50			13.00	1 <b>77.20</b>
	E	76.7 <b>0</b>	87.50	_	1.82	13.00	179.02
. 7	E	76.70	87. <b>50</b>	_	_	13. <b>00</b>	177.20
**	E	71.28	87. <b>50</b>	-		13.00	171.78
<b>M</b> unshi	В	110 50	87.50	11.05	_	15.60	224.65
Driller	C	92.56	87,50	9,26		13.00	202.32
Dano.	C	83.20		8.32	• •	13.00	192.02
	C	92 56		9.26	• •	13.00	202.32
"	C	92.56		9.26		13.00	202.32
<i>1</i> 1	C	83,20		8.32	• •	13.00	192.02
11	C	83.20		8.32		13.00	192.02
"	C	83.20			• •	13.00	192.02
" "	C	87,88	87 50	8.79		13.00	197.17
,,	C	92 56			• •	13.00	202.32
1)	C	92.56			• •	13.00	202.32
**	C	92.56		9.26	• •	13.00	202.32

E.No. Name	PRESENT Rate of Pay								
	Designation	Grade ———	Basic	D.A.	A,D.A.	P.A.	H.A.	Total	
507 Sri	Sita Ram Dhobi	Driller	D	93.60	87.50	4.68	0.60	13 00	199.38
	Bechan Dhanger	"	D	93.60	87.50	4.68	0.60	13 00	199.38
	Atal Bihari Singh	"	D	93.60	87.50	4.68	1.48	13.00	200.26
	Jagoo Dhobi	27	D	85.20 79.01	87.50 87.50	4,26 3,95	• •	13 00 13.00	189.96 183.46
	Ram Hari Dusadh	,,	a a	79.01	87 50	3.95	• •	13.00	183.46
	Surajan Kurmi	39	b	74.91	87,50	3.75		13.00	179.16
	Immuddin Sheikh R DRILLERS	***	Б	14.21	67,50	3.15	• •	12 00	179.10
	Narayan Koeri	Loader Carrie	er E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
	Nanhkoo Koori	L/C	F F	73.88	87,50			13.00	174.38
	Bahori Koelh	L/C	<b>E</b>	76 70	87.50		1.82	13.00	179.02
	Bishwanath Dhanger	L/C	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
	Md. Hussen Khan	$\dot{\mathbf{L}/\mathbf{C}}$	E	73.88	87.50			13.00	174.38
	Ram Chandra Kahar	L/C	Ŀ	73.88	87.50	4.*		13.00	174.38
	Sobarati Bhuia	L/C	E.	73.88	87.50			13.00	174.38
	Nirmal Ahır	$\mathbf{L}/\mathbf{C}$	B	73.88	87.50			13.00	174.38
	Bilash Dusadh	L/C	$\mathbf{E}$	76.70	87.50		1 82	13.00	179.02
	Halkani Kahar	L/C	E	7 <b>6</b> .70	87.50		1.82	13 00	179.02
1250 Sri	Jagan Kahar	L/C	E	76.70	87.50		0.52	13.00	177 72
	Khakhan Kahar	L/C	E	73.88	87.50	* *		13.00	174 38
	ri Budhan Kahar	L/C	E	73.88	87.50			13.00	174.38
	Nagdeo Kahar	L/C	E	73.88	87.50	• •		13.00	174.38
	Aziz Shaikh	L/C	E	76.70	87,50	1.5	1.82	13.00	179.02
-	Tulsh Koiri	L/C	E	76.70	87.50	• •	0.53	13.00	177.20
	Gugul Ahir	L/C	Æ	76.70	87.50	* *	0.52	13.00	177.72
	Ganesh Ahir	L/C	E E	73.88 73.88	87.50 87.50	• •		. 13.00	174.38 174.38
	Ram Bachan Mallah	L/C	E	75.00 76.70	87.50	• •	1 82	13,00 13.00	179.02
	Halkani Bhuia	L/C L/C	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.0
	Sukhdeo Bhuia	L/C L/C	E	76.70 76.70	87.50		1.82	13.00	179.0
	l Bifan Bhuia l Tapeshwari Dhobi	L/C	Ē	72.58	87.50		1.42	13.00	173.0
	Ram Brichh Dhobi	L/C	Ē	73.88	87.50			13.00	174.38
	Basropan Ahir	L/C	Ē	73.88	87.50			13.00	174.3
	i Sudhoo Bhuia	L/C	Ē	76. <b>7</b> 0	87.50		1.82	13.00	179 0
	Ganauri Kandoo	L/C	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.0
	Neyazuddin Shaikh	$\mathbf{L}/\mathbf{C}$	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.03
	Radhey Lohar	L/C	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.0
	Neyamuddin Shaikh	L/C	E	76.70	87.50			13.00	177.20
	Dhanesher Chamar	L/C	E	73.88	87.50			13.00	174.3
1433 Sri	i Budhan Kahar	L/C	E	73.88	87.50			13.00	174.3
1436 Sr	i Ram Lakhan Koiri	L/C	E	73.88	87.50		• •	13.00	174.3
1466 Sri	i Ram eChandra Nonia		E	76.70	78.50		1.82	13.00	179.0
1489 Sri	i Baudh Koiri	L/C	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179 02
	i Ram Hari Kahar	L/C	$\mathbf{E}$	73.88	87.50			13.00	174.3
	i Bandhoo Dhanager	L/C	E	73.88	87.50	• •		13.00	174.3
	i Amirka Kahar	L/C	E	73 88	87.50	• •		13.00	174.3
	i Sheo Nath Kahar	L/C	E	73.88	87.50	• •	1.05	13.00	174.3
	Bhuneshwar Dubey	L/C	E	76.70	87.50	• •	1.82	13.00	179.0
	i Ram Jit Ahir	L/C	E	76.70 76.70	87 50 87.50	• •	1.82 1.82	13.00 13.00	1 <b>7</b> 9.0 179.0
	i Dwarika Ahir	L/C	E E	76.70 76.70	87.50	• •	1.82	13.00	179.0
	i Jagrup Chamar	L/C	E E	76.70	87.50	• •		13.00	177.2
	Balkesher Ahir	L/C	E E	76.70 76.70	87.50	••	::	13.00	177.2
	i Ram Ashray Bhuia	L/C	E	76.70 76.70	87.50	, .	1.82	13.00	179 0
	ı Prit Singh	L/C L/C	E E	73.88	87.50	* *	1.62	13.00	174.3
	l Sarjoo Tirwari	L/C L/C	E	72.58	87.50		•••	13.00	173.0
	i Suresh Kurmi i Gafoor Shaikh	L/C L/C	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.0
	i Budhoo Bhuia	L/C	Ē	76.70	87.50		1.82	13.00	179.0
1077 QL)	i Budnoo Bhula I Kalicharan Dhanger	L/C L/C	Ē	76.70	87.50		1.82	13.00	179.0

		Remarks					
Designation	G.ade	Busic	D.A.	A D.A.	P.A.	H.A.	Total
Driller	C	92,56	87.50	9.26		13.00	202.32
Diffici	Ċ	92,56	87,50	9,26		13.00	202,32
"	C	93.56	87.50	9.26		13.00	202.32
**	C	83,20	87.50	8.32		13.00	192.02
,,	C	83.20	87 50	8.32	- 4	13.00	192,02
**	C	83,20	87,50	8.32		13.00	192,02
**	C	83,20	87.50	8.32		13.00	192.02
11	C	037,20	07.50				
Drilling Helper. L.C.	E	76 70	87.50		1.82	13.00	179.02
	E	73,88	87.50	•	1.4	13.00	174.38
**	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
••	ŢΞ	76.70	87,50	• •	1.82	13,00	179.02
**	E	73.88	87.50			13.00	174,38
91	E	73.88	87.50			13.00	174,38
11	Ŀ	73.88	87.50			13.00	174,38
*1	E	73.88	87.50		•	13.00	174.38
	Ð	76.70	87.50	•	1.82	13.00	179.02
т.м./LС.	Œ	76.70	87,50		1 82	13.00	179.02
**	<u>E</u>	76.70	87,50 87,50	•	0 52	13.00 13.00	177.72
**	E	73,38	87,50 87,50	•	* *	13.00	174.38 174.38
11	E E	73,88 73,88	87.50 87.50	* *	* *	13,00	174.38
b1	E	87.70	87 50		1.83	13.00	179.02
,1	E	76.70	87 50			13.00	177. <b>2</b> 0
17	Ē	76.70	87.50	• •	0.52	13.00	177.72
••	E	73.88	87.50	A =	• •	13.00	174.38
27	$\mathbf{E}$	73.88	87,50	• •		13,00	174.38
şı	E	76 70	87.50		1.82	13.00	179.02
31	Ŀ	76.70	87.50 87.50		1.82 1.82	13.00 13.00	179.02 1 <b>79</b> .02
**	E	76.70 72.58	87.50			13.00	J73.08
13	E E	72.38	87.50		,,	13.00	174.38
1)	r F	73.88	87.50			13.00	174.38
49	Ė	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
**	E	76.70	87.50		1.82	13 00	179.02
<b>91</b>	E	76.70	87.50	• •	1.82	13.00	179.02
99 89	E	76.70	87.50	• •	1.82	13 00	179.02
71	E	76.70	87.50 87.30	••	* 4	13.00 13.00	177.20
,,	E	73.88 73.88	87.50 87.50			13.00	174.38 174.38
.,	E E	73,88	87.50			13.00	174.38
17	E	76.70	87,50	• •	1.82	13.00	179.02
13	E.	<b>7</b> 6.70	87 50	* 1	1.82	13 00	179.02
,7	E.	73.88	87,50	n 6		13 00	174.38
11	E	73 88	87.50	.,	•	13,00	174.38
15	E	73.88	87.50	• •	•	13.00	174.38
)7	E	73,88	87 50 87.50	• •	1,82	13,00 13,00	174.38 179-02
11	C	76.70 76.70	87.50	• •	1,82	13.00	17902
•1	E E	76.70	87.50	,,	1,82	13 00	179.02
***	E E	76.70	87.50		1 82	13,00	179.02
17	F	76.70	87.50			13.00	177 20
41	Ē	76 70	87.50			13.00	177.20
+ >	E	76.70	87 50	• •	1,82	13.00	179.02
15	E	76.70	87.50	* *		13.00	174.38
,,	E	72.58	87.50	• •	1 03	13.00	173.08
11	E	76,70	87 50 87 50	* *	1.82 1.82	13,00 13,00	179.02
1)	E E	76.70	87.50 87.50	• •	1.82	13.00	179.02 179.02

E. No. Name	Designation	Grade			PRESENT Rate of			•
		·	Basic	D.A.	A.D.A.	P.A.	Н.А.	Total
1649 Sri Ram Sunder Bhuia	L/C	E	73 88	87.50	٠,		13.00	174.38
1172 Sri Hanir Shaikh	L/C	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
1173 Sri Ismail Dhobi	L/C	E	76.70	87.50		1 82	13 00	179.02
859 Sri Tapeshwari Chamar	L/C	E	73.88	87.50			13.00	174.38
879 Sri Dhandeo Nonia	L/C	E	73.88	87.50			13.00	174.38
994 Sri Jahir Hussain	L/C	E	76.70	87,50	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	0.52	13.00	177.72
835 Sri Ram Chandra Nonia	L/C	F	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
1007 Sri Sita Kahar	L/C	E	76.70	87.50	1.1	1 82	13.00	179.02
1041 Sri Ramu Ram Kahar 1134 Sri Anwar Khan	L <sub>t</sub> C L/C	E E	72 58 76.70	87.50 87.50	• •	• •	13.00	173.08
1112 Sri Latif Shaikh	L/C L/C	E	76.70 76.70	87.50 87.50		1.82	13.00 13.00	177.20 179.02
930 Sri Ram Adhar Dusadh	$\widetilde{\mathbf{L}}/\mathbf{C}$	· Ē	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
842 Sri Karim Shaikh	L/C	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
1111 Sri Brichh Dusadh	L/C	${f E}$	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
684 Sri Sarjoo Dhanger	L/C	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
686 Sri Ram Deni Rajwar	L/C	E E	76.70	87.50	• •	1 82	13.00	179.02
565 Sri Karım Shaikh 629 Sri Raj Kumar Dusadh	L/C L/C	F	76.70 76.70	87.50 87.50	• •	1.82 1.82	13.00 13.00	179.02
692 Sri Halkan Dusadh	L/C L/C	E	76.70	87.50	••	1.82	13.00	179.02 179.02
685 Sri Hamid Shaikh	L/C	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
795 Sri Modi Dusadh	L/C	${f E}$	76.70	87.50			13.00	174.38
756 Sri Ram Deni Dhanger	L/C	E	76.70	87.50			13.00	177.20
764 Sri Mangaroo Ahir	L/C	E	73.88	87.50	• •		13.00	174.38
749 Sri Sheodayal Korri	L/C	E E	76.70 76. <b>7</b> 0	87.50	• •	1.82	13.00	179.02
746 Sri Jangi Dusadh 805 Sri Ram Jee Kori	L/C L/C	E	73.88	87.50 87.50	• •	1.82	13.00 13.00	179.02 174.38
721 Sri Hanif Shalkh	L/C	Ē	72 58	87.50		• •	13.00	174.38
850 Sti Ram Sevak Nonia	L/C	1_	73 88	87.50	•		13.00	174.38
880 Sri Ram Autar Mallah	L/C	E	73.88	87 50			13.00	174.38
806 Sri Ram Autar Koiri	L/C	E	73.88	87.50			13.00	174.38
797 Sri Nabi Ahmed Khan	L/C	E E	73.88 76.70	87.30 87.50		• •	13.00	174.38
646 Sri Bishwanath Dusadh 652 Sri Bishwanath Kahar	L/C L/C	E	76.70 73.88	87.50	• •	* 1	13.00 13.00	177.20
791 Sri Kail Nonia	L/C L/C	E	73.88	87.50		• •	13.00	174.38
792 Sri Kesher Dusadh	L/C	E	73.88	87.50			13 00	174.38
799 Sri Rojmohmed Sheikh	L/C	E	83.88	87.50			13 00	174.38
1117 Sri Lachhu Kahar	L/C	Ē	76.70	87.50		1 82	13.00	179.02
	L/C	E	61.10	87.50			13.00	
C4 Sri Ram Bilas Nonia	L/C L/C	E	61.10	87.50		• •		171.60
C7 Sri Wakil M. D. Khan		E	61.10	87.50	••	• •	13.00	161.60
C24 Sri Gupteshwar Ram	L/C				• • •		13.00	161.60
C41 Sri Hatihar Koiri	L/C	E	61.10	87.50	• •		13.00	161.60
1479 Gulabchand Dhobi	L/C	E	73.88	87.50	• •		13.00	174.38
TRAM LINE :								
1731 Sri Tribeni Ram	Khalasi	E	71.28	87.50			13.00	171.78
854 Srt Chhote Kolh	L.C.	Ł	73.88	87.50		• •	13.00	174.38
1537 Sri Jagpat Kandoo	L/C	E	72.58	87.50	••		13.00	173.08
1577 Sri Ramgatı Nəua	L.C.	E	73 88	87.50	• •	• •	13.00	174.38
HAULAGE DRIVER								
1343 Sri Brichh Bhuia	L.C.	E	73.88	87.50			13.00	174.38
1380 Sri Dukhi Ahır	H.M.	<u>}</u> .	76.70	87.50	• •	10.16	13.00	187.36
1514 Sri Ram Kishun Ahir	L.C.	E	76.70	87.50 87.50	• •	1.82	13.00	179.02
1508 Sri Meghu Chero	L.C.	E E	76.70 76.70	87.50 87.50	• •	1.82 1.82	13.00 13.00	179.02 179.02
1595 Sri Mahesh Singh	L.C. L.C.	E E	76.70 76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
612 Sri Jamalu Sheikh		<u> </u>			- <del></del>	1.04	13.00	

## REVISED

Designation	Grade	Rate of Pay					Remark
•		Basic	D.A.	A.D.A.	P.A.	H.A.	Total
						13,00	174,38
ľ.M./L.C.	E	73.88	87.50	- •	1.82	13.00	179.02
	R	76.70	87.50	• •		13.00	179.02
<b>37</b>	E	76.70	87,50	• •	1.82	13.00	174.38
**	E	73.88	87.50	• •		13.00	174.38
,,	$\mathbf{E}$	73.88	87.50				177.72
p.	E	76.70	87.50		0.52	13.00	179.02
,,	E	76,70	87.50	7.	1.82	13.00	179.02
	${f E}$	76.70	87.50	_	1.82	13.00	173.08
11	E	72.58	87,50	• •		13.00	177.20
••	E	76,70	87.50			13.00	177.20
<b>)</b> 1	E	76.70	<b>87</b> ,50		1,82	13.00	
<b>,,</b>	E	76. <b>7</b> 0	87,50		1.82	13,00	179.02
**	E	76.70	87.50	• •	1.82	13.00	179.02
<b>;</b> *	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
*1	E	76.70	87.50	• •	1.82	13,00	179.02
**	E	76,70	87.50		1.82	13.00	179.02
11	Ē	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
,,	Ē	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
**	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
**	Ē	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
**	E	76,70	87.50		1 82	13.00	174.38
,,	Ē	76,70	87.50			13 00	177.20
**	Ē	73.88	87 50			13.00	174.38
**	E	76,70	87.50		1.83	13,00	179.02
7.7	E.	76.70	87.50		1.82	13, <b>0</b> 0	179.02
17	F.	73,88	87.50			13,00	174.38
**	E E	72.58	87.50			13.00	173.08
17	E	73.88	87.50			13.00	174.38
74		73.88	87.50	, .		13.00	174.38
,,	E	73.88	87.50			13.00	174.38
**	E	73.88	87.50			13,00	174.38
**	E	75.88 76.70	87.50			13.00	177.20
17	E	73.88	87.50	,	- 4	13.00	174.38
,,	E	73.88	87.50			12.00	174.38
*1	F		87.50		- n	13,00	174.38
19	E	73.88				12.00	174.38
<b>91</b>	E	73.88	87,50		1.03		
	E	76.70			1.82		
**	E	61.10	87.50	, .			
11	E	61.10				13.00	161.60
**		61.10				13,00	161.60
21	Ĺ					13.00	
,.	Е	61.10				13.00	
,,	E	73.88	87.50		.,	13.00	174.50
							174,21
T.L. Mato/Khalasi	b	70.20		3.51			
Tramline Khalasi	E	73.88					
	E	72,58			- 1		
11	E	73,88				13,00	174.38
••	-						
n. 1. 13-4	D	72.80	87.50	3 6	<b>,</b> .,		
Haulage Driver	נו	83.20				13.00	
***	1)	75,40				. 13.00	
,,	D D	75.40				13.04	
"						13.00	
77	Ъ	75,40	, 01.3	3.7		. 13.00	

	Ana	exure 2	1 2	3
		blen on permanent roll w.e.f	<del></del>	
	1-1-78	regarding permit death for with	61. Nasiruddia Shelkh	Gulzar Sheikh
			62. Ramji Ah ir	Dukhan Ahir
SI.	Name	Father's name	63. Krishna Chouchry	Deonanden Choudhry
No.	— <u>—</u> -		64. Balkishun Koiri	Ramgeni Koiri
1	2	3	65. Gangia Noniai	Bhikheri Noma
	Shinkar Nith Caattaraj	Bliotenath Chattagej	66. Mukhdeeo Dusadh	Tula Dusadh
	D.K. Sukla	B.N. Sukla	67. Mangaru Ahir	Firangi Ahir
	Raikumu Ram	Badri Ram	68 Hanif Sheikh	Abdul Sheikh
_	Kameshwar Pd. Sinha	Ambika Pa.	69 Kasarat Kumhar	Sheodhani Kumhar
	Raikumar Ram	Ram Naresh Rom	70. Laxman Teli	Keshwar Teli
	M moh ir Sharm i	Lexing Sharma	71. Sitaram Dhobi	Sunder Dhobi
	Nirm'l Y day	Gurudayal Alair	72. Sheo Nonia	Teni Nonia
	Ram Subash Yaday	Balrul Ahir	73. Lepa Dhanger	Legan Dhanger
	Sattar Sheikh	Sakoor Sheikh	74. Samundri Bhuin 75. Deosaran Dhangar	Nirpat Bhuian
	Mohiuddin Khan	Higayet Khon	76. Ramdas Kumhar	Bihari Dhangar Seodhani Kumhar
11.	Lexuman Kahar	Jh ulen Kahar	77. Mansoor Khan	Wali Khan
12	Bigan Lohar	Charitar Lohar	78. Chhathu Dhangar	Sukhai Dhangar
	Laxuman Dusadh	Ramdhani Dusadh	79. Chandrika Ahir	Dhanpat Ahir
14.	Charitar Nonia	Raghunandan Nonia	80. Sarfu Khan	Zarif Khan
15	Ghoghan Kabar	Mahadeo Kahar	81. Balkesar Dhangar	Deo Dhangar
16	Tribhuw in Mishra	Dasarath Mishra	32. Ramlagan Nonia	Anantu Nonia
17	Nanhkoo Mishra	Raja Mishra	83. Dhurbhlkshan Koiri	Jagdeo Koiri
18.	Gopal R im	Rupaeo Dusadh	84. Charltar Nonia	Pragash Nonia
19.	Sahadat Khan	Hedayat Khan	85. Rajia Dhangrin	Kalicharan Dhanga
20.	Genauri Rajwar	Lochi Rajwar	86. Suraju Chamar	Kesar Chamar
	Karamdeo Kahar	Khaderan Kahar	87. Ramjit Kahar	Mehang Kahar
22.	Mohd. Nasim Khan	Wahab Khan	88. Chhathu Chamar	Khelawan Chamar
23.	Surfuddin Hussain	Amil Hussain	<ol><li>Kawalpati Cherin</li></ol>	Sabhikhan Chero
24.	Suleman Angari	Sahmir Ansari	90. Kesar Chamar	Langatu Chamar
25.	Ganauri Nai	Dukhan Nai	91. Mohan Ahir	Dewan Ahir
26	Ram Subhag Ahir	Matar Ahir	92. Ramchela Yadav	Ramdas Ahir
27.	Bharet Kahar	Ragbunandan Kahar	93. Rajia Bhuin	Mangru Bhuian
28.	Ganauri Kandu	Ramkhelawan Kandu	94 Narain Ahir	Dhanuiki Ahir
29	Hukam Ahir	Bhadai Ahir	95. Kutubuddin Ansari	Janabu Ansari
30	Charitar Dhobi	Ramdeo Dhobi	96. Jagdish Teli	Ramdas Teli
31.	Ramchander Dusadh	Jawahir Rem	97. Deobans Kumhar 98. Kawlapatia Bhuin	Bahadur Kumhar Janan Bhuian
-	Brichh Ahir	Janu Ahir	99. Kabutri Bhuln	Ram Pd. Bhujan
33.	Fakira Ahir	Jaduni Ahir	100. Nazir Sheikh	Nimma Sheikh
34.	Nand Ahir	Jeduni Abir	101. Bigan Rajwar	Sewak Rajwar
35.	Belash Ahir	Sukhdeo Ahir	102. Sitaram Dusadh	Tulsi Dusadh
36,	Bandhan Dhobi	Dina Baitha	103. Koloiya Dhangrin	Janki Dhangar
37.	Achhaibar Ram	Dhanukdhari Ram	104, Parmesar Ahir	Tulsi Ahir
38.	Bhola Kandu	Gansuri Sah	105. Bageshar Kahar	Baldeo Kabar
39.	Kutubuddin Dafali	Dargahi Mian	106. Ramkisun Kahar	Scotahal Kahar
40.	Hazarat Gulkhan	Mohd. Gulkhan	107. Jaishri Dhobi	Akalu Dhobi
41.	Rambriksh Ram	Tapeshari Dusadh	108. Ghuman Rajwar	Nanhai Rajwar
	Jaigobind Ram	Kesho Thakur	109. Raghuram Bhiuan	Bhagelu Bhulan
	Mohd, Rasool Sheikh	Kabeddin Sheikh	110. Kesar Dhangar	Jhari Dhangar
	Jagdish Dhangar	Banshi Dhangar	111. Deonarain Lal	Saraju Lal
	Ralakha n Yadav	Ramsaran Yudav	112. Sahdeo Ahir	Jokhan Ahir
	Bindesari Cham tr	G ariban Chamar	113. Lechhuman Chamar	Deonath Chamar
	Indradeo Ram	Ram Sewak Ram	114. Bipat Chamar	Nanhak Chamar
48.	Suleman Ansari	Roj Mohd, Mian	115. Babulal Dusadh	Chandri Dusadh
	Tribeni Thakur	Mahang Thakur Muneshar Thakur	116. Bibhan Dhangar	Mahabir Dhangar
ου. 	Saraju Thakur Deodhari Mahato	Ghinahu Mahato	117. Saudagar Gareri	Ramjatan Gareri
51.	Dewa Singh	Keshwar Singh	118. Rambriksh Kahar 119. Shyambihar Chamar	Jaisri Kahar
52.	Remsundar Yadav	Balrup Yaday	120. Rambelas Dhangar	Basudeo Chamar
ექ. ₽≉	Uma Kant Dubey	Girja Dubey	120. Ramoeias Dhangar 121. Parmesar Dusadh	Ramjit Dhanger
<b>)4.</b>	Gopal Ram	Ramasaran Yaday	121. Parmesar Dusadn 122. Ramjanam Bhuian	Lakhpat Dusadh
33.	Ayoohya Singh	Ramgrihi Singh	123. Alimuddin Sheikh	Bhagan Bhulan Chheda Shelkh
20. €4	Sri Kishore Singh	Muneshwar Singh	124. Abdul Khalique	Istahak Khan
⊅/. go	Tek Bahadur	Dor Bahadur	125. Sheonath Pandey	Bonimadho Pandey
33.	Yam Bahadur	Pagbir Gurung	126 Raman Ahir	Bhulctan Ahir
ρy.	yam Banadui Rajendra Nonia	Parmesar Nonia	127. Ram Pd. Dhangar	Sukar Dhangar
	Tankran 110000			

[भाग 11-	बन्ध 3(II)]	मारस	461	राजवन	.   यसम्बर	1 8,/
1	2	3				
128. Nav	irang Kahar	Balkesar Ka	thar			
	nania Dhangrin	Bechan Dh	angs	ar		
	ura Chamar	Sobnath Ch				
	mkirit Dhangar	Lagan Dhai	_			
	tukhdharl Nonia bal Kandu	Ramprit No Nathuni Ke				
	chhuman Koiri	Bhajan Koi		•		
	agirathi Ahir	Jhulani Ahi				
-	geshar Dhangar	Ramdhani l				
	dheshyam Kumhar	Raghunand			ar	
	dish Chamar zimuddin Sheikh	Manger Cha Rahmat She				
140. Par		Aniwas Ahi				
	ndrika Ahir	Laldhani A				
142. Arja	un Koiri	Brichh Koir	i			
	nath Sahu	Jaga Sahu				
	eshwar Kolh nnath Kolri	Janki Kolh Sukhari Ko	:-i			
•	nnath Kour sarath Thakur	Ramdeni Tl		ar .		
	khiai Kotri	Fakira Koli		_		
	mprawesh Tewari	Damodar T	cwa	ri		
	maldeo Koiri	Sukhari Ma				
	gas Koiri	Dukei Koir				
	hlal Koiri	Fakira Koit Ramkisan l	-			
	yanarain Ram andradip Ram	Munshi Ra		1		
	odwa Bhuin	Ramsunder		uian		
155. Dh	omuks Dusadh	Ramdni Du	ısad	h		
_	ia Dhangar	Ramdhani I		ngar		
157. She	o Kom od Bihari	Jagnarain R				
	lama Ram	Dhanukdha				
	mkrit Ahir	Dukhi Ahir				
161. Kai	ll Bhuian	Sukhdeo Bi		_		
	mbriksh Kahar	Chhakauri I				
	ia Dusadbin	Bisunath D Sahdeo Du				
	llash Dusadh akdhari Dhangar	Mangar Dh				
	msewak Ram	Sita Dusadi	_			
	mohan Koiri	Sadhuni Ko				
	mjanam Koiri	Rupu Koiri				
	rihar Mahto asia Bhuin	Ramdas Ko Sukan Bhui				
	huri Noniain	Akalu Noni				
	i Mohd. Shelkh	Sarfud in S		ch		
	mlakhan Nonia	Sunder Nor	nia			
	thwi Ram	Kail Ram				
	otichand Dhobi thuni Sheikh	Girdhari Di Kasim Shei		ı		
	inum Sneikh hd. Hassan	Abdul Sheil				
	mbelash Nonia	Basudco No				
179, Ma	dan Mohan Pathak	Bhola Patha				
	mchander Nonia	Budhu Non				
	kil Mohd. Khan	Gulam Ras Karamdeo				
	va Bhangrin dhia Chamain	Chanderded		_		
	nesh Bhuian	Sohrai Bhui				
	mchander Bhuian	Jethu Bhuia				
	nmatia Dhangrin	Dasarath D		_		
	rami Dhangrin	Balesar Dha	_			
-	jkumar Chero mjanam Rajwar	Sabhikhan Hari Rajwa		ro		
	nganam Kajwar ng Dhangar	Kesat Dhan		•		
	dhan Dusadh	Brichh Dus	_			
	madhar Kandu	Sita Kandu				
	pildeo Singh	Janki Singh		<b>.</b>		
194, Gu	pteshwar Ram	Amirchand	R.A.	n <b>ar</b>		
	T/04 C					

1 2	3
195. Srinath Kahar	Ghura Kahar
196. Moti Lal	Jagarnath Lal
197. Sadamir Khan	Hajrat Mir Khan
198. Jamuna Thakur	Ramkeshwar Thakur
199. Rajmohan Sharma	Jaisri Mistri
200. Dilip Kumar	Krishna Lohar

[No. L-29011/57/74—L.R. IV/D. III (B)] KANWAR RAJINDER SINGH, Under Secy.

New Delhi, the 1st December, 1982

S.O. 4216.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the National Industrial Tribunal, Bombay on a complaint from the workman under section 33(A) of the said Act, which was received by the Central Government on the 24th November, 1982.

# BEFORE THE NATIONAL INDUSTRIAL TRIBUNAL AT BOMBAY

Complaint No. NTB-5 of 1980

(Arising out of Reference No. NTB-1 of 1980)

#### PARTIES:

Ramsagar Shivlal Hacijan, Bindu Bangla, S. V. Road, Ville Parle (West) Bombay-400056.

...Complainant.

Versus

Air-India, Air-India Building, Nariman Point, Bombay-400021.

... Opposite Party.

#### **▲PPEARANCES:**

For the complainant—Mr. M. B. Anchan, Advocate. For the opposite party—Mr. B. P. Israni, Advocate.

INDUSTRY: Airlines.

STATE: Maharashtra

Bombay, the 14th day of October, 1982

#### AWARD

This is a complaint filed by the complainant under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947, against the opposite party, Air-India, Bombay.

- 2. The complainant alleged that he was employed as a loader in the Cargo Department of the opposite party since January, 1973 at Santa Cruz Airport. On 18th October, 1976 he was charged for the alleged stealing of a parcel containing some solution worth Rs. 5 from the mail bag at Mail Section. A complaint was lodged with the Police and the Police filed a criminal case against him in the Court of the Metropolitan Magistrate, 22nd Court at Andheri, Bombay. The learned Magistrate by his order dated 21st June, 1977 convicted the complainant under Section 381 of the I.P.C. and sentenced him to suffer simple imprisonment till the rising of the Court and to pay a fine of Rs. 200. The complainant preferred criminal revision application in the Court of Sessions, Greater Bombay. This application was dismissed and the conviction was confirmed.
- 3. The complainant alleged that when he was charged for the alleged theft he was told by the Departmental Head that he will be taken back on duty if he succeeded in the criminal case. The complainant approached the officer after his conviction in the criminal court. He was told that since he has been convinced he will not be taken back on duty. The complainant submitted that epposite party has not charged him for the said misconduct under the Service Regulations nor a show-cause notice was issued to him as required under rules. His removal from service is therefore against the principles of natural Justice, mala fide and illegal. At the time of his illegal removal Reference No. NTB-1 of 1980 was pending before this Tribunal and the complainant was concerned in that dispute. The complainant therefore alleged that the opposite party has committed breach of

Section 33 of the Idustrial Disputes Act. The complaint therefore prayed that this Tribunal be pleased to decide the complaint and pass orders thereon rejustating him with full back wages and continuity of service.

4. The opposite party, Air-India, filed its written statement on 31st March, 1982, pleading as follows. The complainant was a casual worker doing work of a casual nature in the cargo section of the opposite party at Santa Cruz, Bombay. He used to work only on such days when his services were required by the opposite party and that too only if he made himself available for work on those days. There was no obligation on him to present himself for work on any particular day or days. Similarly, there was no obligation on the opposite party to engaged him for duty on any day or days on which he might present himself for work. On 18th October, 1976 he was arrested by the Police on a charge of theft. The opposite party therefore decided not to engage him thereafter for casual work. The opposite party was not bound or liable to given any work to the complainant. Thus, there has been no removal from service as alleged by the complainant. There was no reference pending before this Tribunal on 19th October, 1976, from which date the complainant was not given work. In these circumstances, there was no question of applying for approval under Section 33(2)(b) of the Industrial Disputes Act. There was no breach of the provisions of Section 33 and consequently no complaint can lie under Section 33A. The opposite party pointed out that the order of reference pertaining to Reference No. NTB-1 of 1980 was made on 29th January, 1980, and the alleged action of removal from service took place before the said reference was made by the Central Government to this Tribunal. Consequently, there was no question of making an approval application. It was denied that the complainant was employed as a loader as alleged by him. There was no question of taking him back on duty since he was only a casual worker. There was also, according to the opposite party having charged him with misconduct. The complainant being a casual worker it was at the option of the opposite party having charged him with misconduct. The complainant being a casual worke

5. The complainant had engaged the services of an Advocate. On 14th October, 1982 which was the date of hearing of this complaint, Mr. Anchan, the learned counsel for the complainant, informed this Tribunal in writing that the complainant did not want to prosecute further this complaint and that he be allowed to withdraw the same. It was prayed that an award may be made accordingly disposing of this complaint.

6. According to the complainant, the complaint arose out of reference No. NTB-1 of 1980. The opposite party has pointed out that the order of reference pertaining to the said reference is dated 29th January, 1980. Even on the admission of the complainant he was not given work from 18th October, 1976 or thereabout. On that day, he was charged for the alleged theft of the article mentioned in the complaint. He was convicted by the learned Magistrate on 21st June, 1977. It is the contention of the opposite part that the complainant was a casual labourer, and that the opposite party was not bound or liable to give any work to the complainant. No work was given to him after he was found to have committed theft of some article from the mail bag at Mail Section. The Reference No. NTB-1 of 1980 was obviously not pending when the complainant according to him was removed from the service. According to the opposite party, as he was a casual labourer there was no question of removal. For all these reasons there is no merit in this complaint. The complaint is therefore liable to be rejected.

7. My award accordingly. No order as to costs.

M. D. KAMBIJ, Presiding Officer [No. L-11014(1)/82-D.II(B)]

S. S. PRASHER, Desk Officer

नई दिल्ली, 1 विसम्बर, 1982

क्षा॰ का॰ 4217: - केन्द्रीय सरकार ने यह ममाधान हो जाने पर कि कोकहित में ऐसा करना क्षेपिक्त वा प्रौद्यौगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की बारा 2 के बण्ड ( $\alpha$ ) के उपश्रंप ( $\alpha$ ) के उपश्रंप

के प्रमुगरण में भारत गरकार के धन मंत्रालय की प्रतिपूर्णना संख्या कार्यार 2194 तार्थाय 27-5-82 शहरा लीह भ्रयस्क उद्योग को उक्त प्रधितियम के प्रयोजनों के लिए 4-6-1982 से छ. मास की कालावधि के लिए साक उपयोगी सेत्रा बादित विद्या बा;

धीर केर्न्द्राय, सरफार की राय है कि लोकहित में उक्त कालाशीय को क मास की घीर कालाविश के लिए बक्राया जाना अवेकित हैं;

प्रमः भन, भौतोशिक विजाद प्रसित्यम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (इ) के उपखड़ (vi) के परम्तुक द्वारा प्रदत्त प्रितियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार उक्त उचान को उक्त प्रधिनियम के प्रयोगों के लिए 4-12-82 से छ. मास की भीर कासावधि के किए लोक उपयोगी सेवा भोषित करती हैं।

[सं॰ एस-11017/8/81-की -1 (ए)] सन्द साल, भवर सणिव

#### New Delhi, the 1st December, 1982

'S.O. 4217.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Acr. 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 2194 dated the 27-5-1982 the iron ore mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 4-6-1982;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 4-12-1982.

[No. S-11017(8)/81-D. I (A)] NAND LAL, Under Scey.

## मई विल्ली, 6 दिसम्बर, 1983

का० आ० : — कान प्रधिनियम , 1952 (1952 का 35) की बारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त प्रक्रितयों करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री तारा शंकर मुखर्गी को मुख्य खान निरीक्षक के प्रधीन निरीक्षक के वर्ष में नियुक्त करती हैं ।

[संख्वा ए० 12025/1/81 एस-1]

#### New Delhi, the 6th December, 1982

S.O. 4218.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri Tara Sankar Mukherjee as Inspector of Mines subordinate to the Chief Inspector of Mines.

[F. No. A-12025/1/81-MI]

का॰ ग्रा॰ 1219.--खान प्रधितियम, 1952 (1952का 35) की धारा 5 की उपधारा (1) अंशा प्रवक्त मित्तयों का प्रयोग करते हुए केकीय सरकार श्री आरं॰ रामा चन्छरन को मुख्य खान किरीक्षक के धकीम निरीक्षक के कप में नियुक्त करती है।

> [सं॰ ए॰ -12025/4/81 एश• 1] जे•के• अँग, अगर सिण्य

S.O. 4219.—In exercise of the powers conferred by subsection (I) of section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri R. Ramachandran as Inspector of Mines subordinate to the Chief Inspector of Mines.

[F. No. A-12025/4/81-MI]

J. K. JAIN, Under Scey.

New Delhi, the 6th December, 1982

S.O. 4220.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Ahmedabad in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of Baroda, Ahmedabad and their workmen, which was received by the Central Government on the 27-11-82.

BEFORE SHRI G. S. BAROT, PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT AHMEDABAD.

Reference (ITC) No. 3 of 1982.

Adjudication

#### BETWEEN

The Management of Bank of Baroda, Ahmedabad

AND

Their workmen.

In the matter termination of services of Shri I G. Shah.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi, have, vide their Order No. L-12012/160/80-L II(A) dated February, 1982, referred for my adjudication the industrial dispute between the management of Bank of Baroda and their workmen, under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act. 1947. The dispute relates to the matter specified in the Schedule appended to the said Order, viz:—

"Whether the action of the management of Bank of Baroda, Regional Office, Ahmedabad, in terminating the services of Shri I. G. Shah with effect from 7-6-73 is legal and justified ? If not, to what relief the workman is entitled and from what date?"

2. It appears that usual notices were issued to the parties. Shri I. G. Shah, the workman concerned, filed his statement in support of his case for reinstatement in service with full back wages, and the matter was pending for filing of the statement by the management of Bank of Bir '.' However, on 29-10-82, the varties stated that they had arrived at an amicable settlement in this matter, and that therefore this reference be disposed of in terms of their settlement Going through the settlement submitted by the parties, it appears to me that it is just, fair and reasonable and in the interest of the workman concerned. I, therefore, take the settlement on record at Ex. 8 and make award in terms of Ex. 8 which is annexed hereto and marked Annexure 'A'. Considering the circumstances of this case, I direct the management of Bank of Baroda to pay Rs. 75 by way of costs of this matter.

G. S. BAROT, Presiding Officer

#### ANNEXURE 'A'

#### FORM-H

Name of parties :

Representing Employer.—Mr. A. J. Menezes, Regional Manager, Bank of Baroda, Kaira Region, Opp., Income Tax Office, Ahmedabad-380014.

Representing the workman —Mr. K. R. Mehta, Authorised Representative, Manapor Chakla, Gamdhi Sheri, Dabhoi-391110,

### SHORT RECITAL OF CASE

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi, vide its order No. L 12012/160/80-D II(A), dated 8th February 1982 referred the Industrial Dispute over alleged illegal termination of services of Shri I. G. Shah w.e.f. 7th Iune 1973 before the Industrial Tribunal, Ahmedabad-1. The concerned workman Shri I G. Shah filed his statement of claim before the Hon'ble Industrial Tribunal, Ahmedabad. During the pendency of the claim before the court, negotiations were going on between both the parties mentioned above for anicable settlement of aforeraid Industrial Dispute. The parties have now settled the dispute as follows:

#### TERMS OF SETTLEMENT

- The Management of Bank of Baroda will reinstate Shri I. G. Shah residing at Baroda as an confirmed employee on starting basic salary of Rs. 580 p.m. as per the Third Bipartite Settlement with continuity of service with effect from 12-5-1972.
- 2. The terms of the Settlement will be implemented/ come into operation on completion of one month from the date of signing of this Settlement subject to the following:
- (a) Shri I. G. Shah is found medically fit;
  - (b) Shri I. G. Shah agrees that his absorption as stated above is in full and final settlement of all his claims against the Bank.
  - (c) Shri I. G. Shah will not claim any back wages and other consequential benefits like leave, medical aid etc.
  - (d) Shri I. G. Shah gives an undertaking not to claim any special allowance for a period of five years from the date of his absorption.
  - (e) Shi I, G. Shah agrees to withdraw all his representations in the matter made to the various authorities under the Law.

Representing Workman

(K. R. MEHTA)

Representing Employer.

Authorized Representative

Witnesses:

1. Shri S. M. Nayak,

Regional Manager

(A. J. Menezes)

2. Misa S. B. Arya

Kaira Region

Date.-29th October 1982.

Ahmedabad.

Place.- -Ahmedabad.

[No. L 12012/160/80-D. II (A)]

5.0. 4221.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the Punjab, and Sind Bank, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 29th November, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL No. 2, BOMBAY.

PRESENT :

Shri M. A. Deshpande, Presiding Officer

Reference No. CGIT-2/9 of 1982

PARTIES:

Employers in relation to the Management of Punjab & Sind Bank.

AND

Their Workman

APPEARANCES:

For the Employer.—Shri D. O. Sanghvi, Advocate (2) Shri Ranjit Singh, Officer.

For the workman—(1) Shri Surinder Singh Bali, President Punjab & Sindh Bank Employees' Union. (2) Shri Gopal Sharma (Workman in person).

INDUSTRY:

Banking

STATE :

Maharashtra

Bombay, the 11th November, 1982

#### AWARD

By their order No. L-12012/214/81-D. II(A) dated 25-1-1982 the Central Government have referred the following dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947:—

"Whether the action of the management of Punjab & Sind Bank in relation to their Masjid Bunder Branch, Bombay in terminating the services of Shri G. B. Sharma, Peon with effect from the 2nd May, 1979 is justified? If not to what relief is the workman concerned entitled to?"

2. As is evident from the order of reference, the reference relates to the termination of the services of Shri G. D. Sharma, peon with effect from 2-5-1979. What is referred is to find out whether the said termination order is justified and if not what relief can be extended to the workman. The matter has been espoused by the Union on behalf of the workman and the Union as well as the management have reached at a settlement whereby on making a fresh application for appointment on probation as a Peon, the Bank has assured to consider the prayer and in fact it has been already given. It is true that had the matter been contested and had the matter been decided in favour of the workman he would have got far more than the reliefs which he is getting under the settlement. Yet the parties it seems have decided that instead of leaving the matter to the vagaries of law better come to the terms of settlement. The Union has cerified the terms of settlement as just, fair and reasonable with which endorsement I fully agree on going through the relief offered to the cashiered peon. The settlement is reasonable, fair and proper and order can be passed in terms thereof. Award is made accordingly. No order as to costs.

Sd /-

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. II, BOMBAY.

Reference (CGIT No. 2/9 of 1982

BETWEEN

Management of Punjab & Sind Bank

AND

Their Workmen

Memorandum of Settlement on behalf of Punjab & Sind Bank in response to the proposal received from the workmen.

May it please the Honourable Tribunal-

#### SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas Sh. Gopal Dutt Sharma was given a appointment of a Temporary Peon at B/o Masjid Bunder, Bombay for the period 27-5-1978 to 26-6-1978, 29-6-78 to 28-8-78 & 1-9-78 to 31-10-78.

And whereas Sh. Gopal Dutt Sharma was taken on probation into the service of the bank at its Musjid Bunder branch w.e.f. 3-11-78 as a Peon. And whereas Sh. G. D. Sharma was not confirmed in bank's service and was informed vide letter dt. 2-5-79 to that effect.

And whereas Sh. G.D. Sharma raised an industrial dispute on his nonconfirmation which was subsequently referred to Central Govt. to  $CGI\Gamma$ , Bombay for adjudication which is still pending.

Whereas Sh. G. D. Sharma has represented to the bank vide his letter dt. 20-10-82 and has requested for a fresh employment in the Bank. The parties have mutually agreed to settle the dispute in the following terms.

#### Terms of Settlement:

- 1. That the management has agreed as a gesture of good-will to offer fresh appointment as a Peon to Sh. G. D. Sharma on probation for a period of six months at branch office.
- 2. That Sh. G. D. Sharma will make an application for fresh appointment on probation as a Peon with the Bank.
- 3. That Sh. G. D. Sharma has agreed that his fresh appointment will be new and he will not be entitled to for any claim/benefit monetary or otherwise for the past service rendered by him with the bank.
- 4. That Sh. G. D. Sharma has agreed that he will not claim any back wages or claim any compensation nor the continuity of service with the bank for his service rendered previously i.e. prior to 10-11-82.
- 5. That in view of this settlement the employees has agreed not to raise any dispute of whatsoever in nature about his past service with the bank and will not claim any relief whatsoever from civil courts, Labour Courts/Tribunal/Conciliation Office or any other authority.
- 6. That the CGIT Bombay where the dispute is pending would be requested by the parties to give an award in terms of this settlement.

For the Workmen:

For the Management :

Witness:

1. Sd|- illigible

Sd|- illigible

2. Sd - illigible

[No. I.-12012(214)/81-D. II (A)] N. K. VERMA, Desk Officer

Dated the, 17-11-82.

## नई विल्ली, 6 विसम्बर, 1982

कार बार 4222:--केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि हेमाटाइट खानों के नियोजन की बाबन मजदूरी की दरें, न्यूनतम मजदूरी श्रीधिनियम, 1948 (1948 का 11) के श्रधीन नियन की जानी चाहिएं;

श्रतः भ्रव केर्त्राय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 27 द्वारा प्रदक्त कविनयों का प्रयोग करते हुन, उक्त नियोजन को उक्त ध्रिधिनियम की धनुसूची के भाग I से जोड़ने के धपने भाषाय की सूचना देखी है;

इस घिष्मुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से सीन मास की धविध की समाप्ति पर था उससे पूर्व उक्त परिवर्धन की बाबत किसी व्यक्ति से जो भी सुझाब या प्राक्षेप प्राप्त होंगें, केन्द्रीय सरकार उन वर विचार करेगी।

> [एप॰ 32017/3/83-इन्ट्यू० सी० (एस॰ इन्ट्यू०)] एस० एस० मेहता, अवर सनिव

## New Delhi, the 6th December, 1982

S.O. 4222.—Whereas the Central Government is of opinion that the minimum rates of wages should be fixed under the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948) in respect of the employment in Hernatite mines;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 27 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to add the said employment to Part I of the Schedule to the said Act.

Any suggestions or objections which may be received from any person in respect of the said addition on or before the expiry of a period of three months from the date of publication of this notification in the official Gazette, will be considered by the Central Government.

[No. S-32017/3/82-WC(MW)] M. L. MEHTA, Under Secy.

## नर्ड शिल्मी, 6 दिसम्बर, 1982

का॰ बा॰ 4223.—केन्ब्रीय सरकार, लौह मयस्क खात धौर मैंगजीभ सयस्क खान भ्रम करूपाण निधि मधिनियम, 1976 (1976 का 61) की धारा 10 के मनुसरण में 31 मार्च, 1981 को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान उक्त मधिनियम के मधीन वित्तरोपित कियाकलायों को मिम्मलिखित रिपोर्ट उस वर्ष के लेखा थिवरण के साथ इसके द्वारा प्रकाित करती है।

#### प्राप I

(क) साधारण:-- लीह भयस्क खान भन कत्याण उपकर शक्ष-नियम, 1961 लीड प्रथम्क पर उपकर के उत्प्रहण ग्रीर संप्रहण का तथा नीह प्रयस्क खान उद्योग में कार्य करने वाले मिमकों के कल्यान की धारिवृद्धि करने के कियाकलाय के विश्व पोषण का उपबंध करने के लिए प्रधिनियमित किया गया था । ग्रिप्रिनियम पहली ग्रन्त्बर, 1963 को प्रवृत्त हुआ था और पहली प्रवस्**वर, 1964 को उसका विस्**तार गोबा, धमन घोर दंश्य संघ राज्य क्षेत्र को कर दिया गया । पूर्वोक्स अधितियम मोह अधरूफ खान भीर मैंग्नोज अयरक खाम अम अस्याण उपकर मधिनियम, 1976 (1976 का 55) भीर लीह मयस्क खाम भौर मैराजीन प्रयस्क साम अम कल्याण निधि प्रधिनियम, 1976 (1976 का 61) द्वारा प्रतिस्थापित कर विया गया है। नए प्रविनिधमों में निर्मात किए गए भीर मन्तर्वेशीय उपयुक्त लीह सयस्क के प्रति भीडिरी इन पर अधिक से अधिक एक रूपया और मैगनीज अयस्क के प्रति बीटरी उन पर छह रूपया की वर से उपकर उदबहुण करने का उपबंध किया गया है। 1-7-81 से लीह धयस्क पर उदब्रहण की दर को 25 वैसे प्रति में टरी टन से बड़ाकर 50 पैके प्रति में टरी टम कर दिया गया है मैगनीज अयस्क पर उद्ग्रहण की वर्तमान दर एक वपया प्रति बीटरी दन है। उपकर के धागमों का उपयोग मुख्य हप से लोक स्थास्थ्य धीर स्वच्छता में सुधार, रोग मिवारण, शैक्षिक सुविधाओं धीर विकित्सीय सुविधाओं की व्यवस्था और उनमें सुधार धीर जल प्रदाय योजनाओं, सामाजिक दणाओं में वेंहतरी धीर धामोद-प्रमोद धादि की सुविधाओं के उपवंध धादि के लिए किया जाता है। कल्याण सुविधाएं सीधे नियोजित कर्मकारों या ठेकेदारों के माध्यम से नियोजित कर्मकारों को बी आती है।

- 2. उपकर, निर्मात किए गए बौह मैगजीन ग्रमस्क पर सीरा शुल्क के रूप में और अन्तर्वेशीय रूप में उपयुक्त लोह/मेंगनीज अमस्य उत्पाद-शुल्क के रूप में अपभोग उपकर उद्महीत किया जाता है। करवाण आयुक्तों को भी भन्तर्वेशीय उपमीग उपकर के संग्रहण के प्रयोजनार्थ उपकर ग्रामुक्तों के रूप में बोधित किया गया है और उनकी भविकारिता भी प्रविस्वित की गई है। सीमागुरक के रूप में कर्षशाण उपकर का संग्रहण सीमानुक विदास द्वारा किया जाता है जिसे अग्रहण प्रदास के रूप में 1/2 प्रतिभात विया जाता है।
- (ख) कस्याण कार्ये :-- विभिन्न पीवों के प्रजीन कल्याण कार्ये निवे दिए गए है, जिन पर वर्ष के दौरान कस्याण निधि से पूंजी जगाई गई है।

## (i) धिकिस्सा सुविधाए :--

1000 रुपये प्रतिमास मूल वेतन पाने बार्स लीह प्रयस्क सैंगतीज प्रयस्क भिनकों तथा उनके भाश्रितों को विकित्सा सुविधाएं संगठन द्वारा मुक्त दी जा रही थी। कर्मकारों भीर उनके प्राधितों को संगठन द्वारा लीह भ्रयस्क/मैंगनोज भ्रयस्क उत्पादक राज्यों में स्वापित निक्नलिखित भ्रस्पतालों/भीवधालमों भावि में जिक्तिसीय सुविधाएं निशृस्क संग्लब्ध कराई गई है:--

#### विद्वार

- 1. केन्द्रीय घस्पतास, बङ्गाजामदा (50 सैवाएं)।
- 2. जल जिकित्सा भीवधासय, बङ्ग्लाभदा ।
- 3. स्थिर एलोपैषिक भौवधालय, करमपाका ।
- स्थिर एलोपैशिक भौषाधालय, न्द्रिश ।

#### उड़ी सा

- 1. केन्द्रीय ग्रस्पताल, जोड़ा (50 बैयाएं)।
- 2. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जादरी ।
- 3. चल चिकित्सा भीवधालय, मारविम ।
- 4. प्राथमिक स्वास्थ्य केला, सुधारांव ।
- बादम पहाड़ स्थिर व चल घरपताल यूनिक ।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, डोमका ।
   प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जिगीरा ।

#### महाराष्ट

1. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रेडी ।

## **मध्यप्रदेश**

- 1. चल चिकिरसा भीषधालय, रचहारां।
- 2 जल चिकिरसा भोगधालय, बैलाजिला (बिनोजिट छं० 8)।
- 3. चल चिकिस्सा भौषधालय, बैलाबिला (विशोजिट सं• 14) ।

#### कर्नाटक

- ा केन्द्रीय प्रस्पताल, करी गमूर (25 मीवाएं)।
- 2. चल चिकित्सा भौवधासय, करीमनूर ।
- इंग्यर व चल चिकित्सा भोववालय, सन्दूर ।

#### गोजाः

- केन्द्रीय झस्पताल, पिरिलयम, दर वंदोरा टिस्का गीवा (28 (वैद्यार्प)
- चल चिकित्सा धीवश्वालय, चिरचुन्दरम ।

इसके अतिरिक्त लीह अयस्क/आयक्तर मैंगनीज श्रानिजी और उनके हुटुम्ब के संबस्यों के प्रयोग के लिए टी गाँ० सेनेटोरिमो और अय्य अस्पतामों मैं गैयाओं का आरक्षण जारी रखा गया । बिहार क्षेत्र के लिए ऐसी 45 गैयाएं और उड़ीसा क्षेत्र के लिए 32 भैयाए, महादेशी बिडला भैनेटोरियम, रांची में उपलब्ध हैं। इसी प्रकार महाराष्ट्र में सेट ल्यूक्त अस्पताल, केम्पुरला में भी 2 गैयाए आरक्षित रखे गए हैं। मध्य प्रदेश में खनिकों और उनके आश्रितों के प्रयोग के लिए हिन्दूमान स्टील लिमिडेड के निलाई स्थित मुख्य अस्पताल में 4 गैयाएं और जिना मुख्यालय अस्पताल क्याँकर में 5 साधारण गैयाएं आरक्षित की गई हैं।

आन्छ्र प्रदेश में लीह असस्य और मैंगतीज अधस्य खनिकों की जिकि-त्सीय सुविधाएं प्रदास करते के लिए एक बाक्टर की अंशकालिक सेवाएं जारी रखी गई ।

कालापाट, मध्य प्रवेश में 50 शैयाओं वाला श्रस्तताल स्थापित करने के प्रस्ताव को सिद्धांत रूप में श्रनुमोदित कर दिया गया है।

नीह अयस्क आर्थान तथा मैंगनीज अयस्क आर्थाने के ऐसे मालिकों को, को मिर्छारित मानक तक श्रीवधालय झीर अरूपताल जला रहे हैं। वार्षिक सहायता अनुदान की गई है।

धनोच्य वर्ष के दौरान लोह भयस्क कान और मैंगनीज धनस्क खान खिनको तथा उनके धासितों को चिकित्सीय युविधामी की ध्यवस्था करने के लिए 57.81 लाख रूपये कर्ष हुए ।

## (ii) भाषास सुविधाएं:

लीह प्रयस्भ और मैंगनील प्रयस्क खिनकों के लिए प्राथास की व्यवस्था करना संगठन के मुख्य कार्यकलापों में से एक कार्यकलाप है। कीन योजनाएं है प्रयोत्.— (1) यम लागत प्रायास योजना (टाइप 1) (2) नई प्रायास योजना टाइप II प्रीप्त (3) प्रयना प्रकान बनामों योजना (टाइप 1)। मकान की धनुमानित लागन 68.25 क्ये है। कार्या करास वाली या उमार प्रायो मिट्टी वाले केल में 79:5 कर है जबकि टाइप-II मकान की धनुमानित लागन 11,325 क्ये है। कार्या क्यास वाली या उमार वाली मिट्टी वाले केल में 13,425 क्ये है। ध्राया मध्यान बनामों योजना के धनुमानित लागन की धनुमानित लागन 1500 कर है। 600 रुपये प्रायंक सहायना के स्पूर्ण में प्रीर 900 रुपये विमा ब्याज के का में दिए जाते हैं।

- केन्द्रीय मलाहकार बोर्ड ने भागम कार्यकर्षों की पुनरीका करने के सिक् स्प समिति गठिल की है। रिपोर्ट प्राप्त हो गई है भीर विचानबीम है।
- 3 (तिश्व के न्यापन से विभिन्न माजान स्कोमों के श्रद्धील 2,980 मकानों के तिमाण की मंजूरी दी गई थी। शब सक 11,549 मकान सैयार हो जुक है और 420 नकान निर्माणाधीन है। मालोक्य वर्ष में श्रावास सुधिलाएं प्रदान करने के लिए निधि से कुच 2,427 साक्ष स्पर्ध व्यव व्यव स्था।
- (iii) जल प्रथाय सुविद्याएं -- लिखि के स्थापन से तिभिन्न सेनों से समूर की गई 43 जल प्रयाय क्कीमों में न 33 जल प्रदाय स्कीमों में से 31 जिल यो जलएं प्रगति पर है। यान तक दिश्यित कीनों में 45 कुर व्याद गर् है। प्राक्षीचय की के दौरान जल प्रदाय स्कीमों में कुन 18 05 ति इसमें आई किए गए हैं। व्यापिक्य रिपोट की स्विधि के दौरान, जिलेसा से बाईतरोन बेनी में 2 08 करोट कर्य की लागा ने एक नमेकित जल प्रदाय योजना की मजूरी दी गर्व है। इस योजना की कुन लागत का 50 प्रतिकात की मजूरी दी गर्व है। इस योजना की कुन लागत का 50 प्रतिकात की स्थापक खान शीर सैंगनोज अपस्त खान थान कर्याण निधि में के केनीय सरकार छात हारा लहन किया जाएका। 1981-83 के दौराम सक्य सरकार की 18.50 प्राच्य स्पर्य थिए गए है। पान्य सरकार इस योजना को पूरा करने के सिए एजेंगी का कार्य करेगी।

(iv) शैकणिक भीर धामीव-प्रमीय की गुवि**ध**ाए सोप्र/मेंगनी मायस्क चान कर्नकारों भीर उनके परिवारों के नित् शैक्षिणिक भीर भाभोव-अभोव सुन्धि।ओं में, जिनका वर्ष निधि से किया जाता है, 40 अबु उद्देशीय संस्थानों, 2 नान्याण केन्द्रों, 6 महिला बाल कल्याण केन्द्र, 13 चस पित्र एकक,, एक भनकाण गृह, 159 रेडियो केन्द्र सथा तीन परिवहन बसे सम्मिलित हैं। मध्य प्रदेश क्षेत्र में बार्नों के माशिकों को खेल-कूथ, खेल टूर्नामेट गादि के श्रायोजन के निए महायता सनुदान मजुर किए गए हैं। अनुमोदित योजना के अनुसार सीह/मेंगनीज अधस्य श्वात अभिकों के उन बालकों को छात्रवृहित देने की सुविधा जारी रखी गई, जो विद्यालयों/महाविद्यालयों ग्रीर तकनोकी संस्थामों मे सध्ययन कर रहे हैं। मध्य प्रदेश, गोवा, उडीना और बिहार क्षेत्रों के स्कूर्की के बण्चो को मध्याहुन योजना देने के स्कीम जारी रखी गई। इस स्कीम को महाराष्ट्र क्षेत्र में गुरू किया गया है। मध्याहुन योजना की दर 75 पैसे प्रति वालक प्रतिदिन है। कुछ क्षेत्रों में लौह सबस्क खनिकों के प्राथमिक स्कूल में जाने वाले वालको के लिए वर्षियों भी दी गर्फ है। भालोच्य वर्ष के दौरान इन सुविधाओं पर कृष 20 71 लाखा स्पए की रुशि अवर्षकी गई भी।

## (ग) बातक कीर नक्तीर बुबेंडना लाभ यीजना

कुर्बेटमा के शिकार हुए व्यक्तियों की विजेताओं और बच्चों का विस्तीय मुक्कियाए देने की योजना की झायोक्य वर्ष के दौरान जारी रखी गई।

#### जाग-II

पहुंची मप्रैल, 1981 को ध्रयशेष 1,83,63,860.98 वर्ष 1981-82 के दौरान प्राप्तियां 1,85,86,116.36 दर्ष 1981-82 के दौरान व्यय 1,34,08,884.17 31 मार्च, 1982 को अवशेष 2,35,11,093.17

#### **417-**[[[

1982-83 के लिए प्राप्तिया धीर व्यय का प्रावकलन।

प्राथकसित प्राप्तियाः

1,80,00,000.00

2 प्राक्किसित ग्वेय

2,06,13,000 00

[फाईस सं० एव-12015 | 2 | 82 -एर० 4/ स्राप्ति टा० की० मह्दोवा अवर सचिव

New Delhi, the 6th December, 1982

5.0. 4223.—In pursuance of section 10 of the Iron Ore Mines and Manganese Ore Mines Labour Welfare Fund Act, 1976 (61 of 1976), the Central Government hereby publish the following report of the activities financed under the said Act, during the year ending the 31st March, 1982 together with a statement of accounts for that year.

#### PART I

(a) General.—The Iron Ore Mines Labour Welfare Cess Act, 1961 was enacted to provide for levy and collection of cess on Iron Ore for financing activities to promote the Welfare of the labour working in the Iron Ore Mining industry. The Act came into force on the 1st October, 1963 and was extended to the Union Territory of Goa, Daman and Diu on the 1st October, 1964. The aforesaid Act has been replaced by the Iron Ore Mines and Manganese Ore Mines Labour Welfare Cess Act, 1976 (55 of 1976) and Iron Ore Mines and Manganese Ore Mines Labour Welfare Fund Act, 1976 (61 of 1976). The new Acts provide for the levy of a cess at a rate not exceeding one rupee per metric tonne of iron ore and rupees six per metric tonne on manganese ore exported or consumed internally. The rate of levy on iron ore has been increased from 25 paise per metric tonne to 50 paise per metric tonne with effect from 1-7-81. The present rate of levy on manganese ore is Re. 1 per metric tonne. The proceeds of the cess are utilised mainly for improvement of public health and sanitation, prevention of diseases, provision and improvement of

educational facilities, medical facilities, housing and water supply schemes, amelioration of social conditions, provision of recreational facilities etc. The Welfare facilities cover workers employed directly or through contractors.

2. The cess is levied as a duty of customs on the iron ore and manganese ore exported, and as a duty of excise on iron ore and manganese ore consumed internally, Welfare Commissioners have also been declared as Commissioners and their jurisdictions have been notified for purposes of collections of cess on internal consumption. The collection of welfare cess as a duty of customs is made by the Departmental of Customs who are paid half per cent towards collection charges.

Welfare activities.—The Welfare activities under different heads financed during the year from the welfare funds are indicated below :-

- (i) Medical facilities.—Medical facilities to iron ore and manganese ore workers getting a basic pay of Rs. 1,000 per month and their dependents were provided free by organisation. Facilities were made available to the workers and their dependents in the following hospitals/dispensaries etc. established by the Organisation in different iron ore/ manganese ore producing states.
- BIHAR,-(1) Central Hospital, Barajamda (50 beds).
  - (2) Mobile Medical Dispensary, Barajamda.(3) Static Allopathic Dispensary, Karampada.

  - (4) Static Allopathic Dispensary, Nuia.
- ORISSA .-- (1) Central Hospital, Joda (50 beds).
  - (2) Primary Health Centre, Jaruri.
  - (3) Mobile Medical Dispensary, Barbit.
  - (4) Primary Health Centre, Nuagaon.
  - (5) Static-cum-Mobile Medical Unit at Madamphus.
    (6) Primary Health Centre, Tomka.
    (7) Primary Health Centre, Silpore.
- MAHARASHTRA .- (1) Primary Health Centre, redi (Diatt. Sindhudurg).
- MADHYA PRADESH .-- (1) Mobile Medical Dispensary, Raihara.
  - (2) Mobile Medical Dispensary, Bailadila (Deposit
  - No. 5).
    (3) Mobile Medical Dispensary, Bailadila (Deposit No. 14).
- KARNATAKA.—(1) Central Hospital, Kariganur (25 beds).
  (2) Mobile Medical Dispensary, Kariganur.
  (3) Static-cum-Mobile Medical Dispensary, Sandum.
- GOA .- (1) Central Hospital, Pilliem, Darbandora, Tiska Goa (50 beds).
  - Medical Dispensary, (2) Static-cum-Mobile Curchorem.

Besides, beds were continued to be reserved for the exclusive use of Iron/Manganese Ore mines and their families in T. B. Sanatoria and other hospitals. 45 such beds for Bihar region and 32 beds for Orissa region are available in the Mahadevi Birla Sanatorium, Ranchi, Similarly, 2 beds in the Manadevi Birla Sanatorium, Rainent, Similarly, 2 beds have also been reserved at St. Lukes Hospital, Vengurla Maharashtra. In Madhva Pradesh. 4 beds were reserved in the Bhilai main hospital of the Hindustan Steel Ltd. and 5 general beds were reserved in the Distt. Headquarters Hospital at Keonjhar for the use of miners and their dependent dents.

The services of a part-time doctor were continued providing of medical facilities to the from Ore Mines and Manganese Ore Mines Workers in Andhra Pradesh.

proposal to set up a 50 bedded hospital at Balaghat, Madhya Pradesh has been approved in principle.

The owners of the fron one mines or manganese ore mines who maintain the dispensaries and hospitals up to the prescribed standard have been paid annual grants in-aid.

A total expenditure of Rs. 57.81 lakks was incurred on the provision of medical facilities to the iron ore mines and manganese ore mine workers and their derendents during the year under report.

- (ii) Housing Facilities.—Provision of housing accommodation for iron ore and manganese ore miners is one of the main activities of the organisation. There are three scheme
  - (i) Low Cost Housing Scheme (Type I).
  - (ii) New Housing Scleme (Type 11).
    (iii) Build Your Own House Scheme.

The estimated cost of Type I house is Rs. 6,825-Rs. 7,925 in black cotton or swelly solid area) while the estimated cost of Type II house is Rs. 11,325—Rs. 13,425 in black cotton or swelly soil area. The estimated cost of house under Build Your Own House Scheme is Rs. 1500—(Rs. 500 is paid as subsidy and Rs. 900 as interest-free laon).

- 2. The Central Advisory Board had constituted a Sub-Committee to review the Housing Programmes. The report has been received and is under examination.
- 3. Under the various housing schemes, a total number of 12,980 houses had been sanctioned for construction from the inception of the Fund. Out of these 11,549 houses have so far been completed and 420 houses are under construction. The total expenditure from the Fund for providing housing facilities in the year under report was Rs. 24.27
- (iii) Water supply facilities.—Out of 43 water supply schemes sanctioned in various regions since the inception of the Fund, 33 water supply schemes are in operation. The rest were reportedly in progress. 85 wells have so far been sunk in the different regions. The total expenditure on water supply schemes during the year, and expenditure on water supply schemes during the year, and expenditure on water supply schemes during the year, and expenditure on water supply schemes. supply schemes during the year under report was Rs. 18.06

During the period under report, an integrated Water Sup-During the period under report, an integrated Water Supply Scheme costing a total of Rs. 2.08 crores on Vaitrant Valley in Orissa has been sanctioned. 50 per cent of the total cost on this scheme will be borne by the Central Government out of the Iron Ore Mines and Manganese Ore Mines Labour Welfere Fund. A sum of Rs. 16.50 lakhs have been released to the State Government during 1981-82. The State Government will be the agency for execution of the scheme. the scheme.

(iv) Educational and recreational facilities.—The educational and recreational facilities provided to the iron/manganese ore mine workers and their families which were financed from the Fund included 40 Multinurpose Institutes, 2 Welfare Centres, 6 Women-cum-Children Welfare Centres, 13 Cinema Units, 1 Holiday Home, 159 Radio Centres and three Transport Buses. Grants-in-aid were sanctioned to mine owners for organising sports, games, tournaments etc. in the Madhya Pradesh region. Scholarships continued to be given to the children of iron/manganese ore mines workers studying in schools, colleges and technical institution in accordance with the approved scheme. The mid-day meals scheme for the school children was continued in Madhyn Pradesh, Gca, Orissa and Bihar regions. This scheme has also been introduced in Maharashtra region. The rate for supply of mid-day meals is 75 paise per child per day. Uniforms were also supplied to the Primary school going children of iron one miners in some regions. The total amount spent on these facilities during the year under report was about Rs. 20.71 lakha.

#### (e) FATAL AND SERIOUS ACCIDENT BENEFIT SCHEME

The scheme for financial benefits to widows and children of victims of accidents was also continued during the year under report.

### PART II

Opening balance as on 1st April, 1981 1,83,63,860.98 Receipt during the year 1981-82 1,85,56,116.36 1 34,08,884.17 Expenditure during the year 1981-82 Closing balance as on 31st March, 1982 2,35,11,093.17

#### PART III

Estimates of receipts and expenditure for the year 1982-83 1. Estimated receipts 1,80,00,000.00 2,06,13,000.00 2. Estimated expenditure

> [F. No. H. 12015/2/82-M. IV/W II] T. D. SALHOTRA, Under Secy.

## नई फिल्मी, 25 नवस्थर 1982

कां आ 4221. — भेजीय सरकार को यह प्रसीत होता है कि मैसर्स जैं करिया मारायम (बीं के ) कस्टेकटर 45-35-29, जगनायपुरम जिमाकापतन क-16, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की अहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी मिवध्य निधि भोर प्रकीर्ण उपबंध प्रितियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लाग किए जाने चाहिए;

मत: केन्द्रीय सरकार, उक्त मधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवरत मन्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त मधिनियम के अपबंध उक्त स्थापन की लाग करती है।

[सं॰ एम-35019/473/83-पी॰एफ-2]

New Delhi, the 25th November, 1982

8.0. 4224.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ch. Satyanarayana (B.E.) Contractor, 45-35-29, Jagannadhapuram, Visakhapatanam-16, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

INo. S-35019(473)/82-PF. II]

का० आ० 4225—केस्बीय सरकार को यह प्रतीस होता है कि नैसर्ब मोन्ट-गोमरीज होटल 108, सरोजनी देवी रोड, सिकन्यरावाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मवारियों की बहुसंख्या हम बात पर सहसत हो गई है कि कर्म नारी भविष्य निधि और प्रकाण उपबंध भिविष्यम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने नाहिए;

श्चनः केन्द्रीय सरकार, उक्त मधिनियम को घारा 1 की उपवारा (4) द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त मधिनियम के वपवंच उक्त स्वापन को लागु करती है।

[र्स**० एस - 35019**/472/82-पी० एफ - 2]

S.O. 4225.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Montgomery's Hotel, 108, Sarojini Devi Road, Secunderabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

[No. S-35019(472)/82-PF. II]

का० मा० 4226.—केन्नीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स के० एस० एम० इंजीनियर्ग क्टरप्राईजेंग सी-13, इन्डसट्टियल स्टेट, बेलगाम-590008. नामक स्वापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मजरियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी मिविष्य निषिध और प्रकीण उपबंध मिविष्यम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्वापन को लाग किए जाने चाहिए;

ग्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त मधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रकल मक्तियों की प्रयोग करते हुए, उक्न मधिनियम के उपर्वाच उक्त स्वापन की लागृ करती है।

[सं एस 35019 / 471 / 82 पी एफ-II]

8.0. 4226.—Whereas it appears to the Gentral Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Mesers K.L.M. Engineering Enterprises, C-13 Industrial Estate, Belgaum-8, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of ection 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

[No. S-35019 (471)|82-PF. II]

कां आ ब 4227. — नेग्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैस सं एक्षीकल वरत हमिल में स्टंप मैं नूफी कहाने एंड सपलायरम विश्वपाकारा कहापा विद्यानगर हुवली-21, नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक बीद कर्मचारियों की बहुसेल्या इन बात पर सहमन हो गई है कि कर्मचारी प्रविच्य निधि और प्रकीर्ण उपवेद्य प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवेद्य उपवेद स्थापन को लागु किए जाने वाहिए;

भक्तः केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपज्ञारा (4) हारा प्रदत्त प्रक्षितयो का प्रयोग करते हुए, उक्त भ्रधिनियम के उपज्ञेष उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस- 35019 / 470 / 82 - पी॰ एक -2]

S.O. 4227.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Agricultural Implements Manufacturers and Suppliers, Virupaksha Krupa, Vidya Nagar, Hubli-21, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

[No. 3-35019-(470)|82-PF. 1II

ना० व्याव 4228.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रसीत होता है कि मैससं हैमाधाबेगी स्पिनरस जीरमेन्ट चौफ इत्विया प्रेस कालोती, मेटटपलायम रोड़, कोयमट्टूर -19, सामक स्थापन से सम्प्रद्ध नियाजक और कर्मजारियों की बहुसंख्या इस जात पर सहमतं हो गई है कि कर्नवारी सविष्य निवि भीर प्रकीर्ण उपजंध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवंध उन्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

प्रतः केप्ट्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियन की धारा 1 की उपधारा (4) हारा प्रपत्त मक्तियों की प्रयोग करते हुए, उक्त घधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस- 35019 / 469 / 82 पो॰ एफ -2]

S.O. 4228.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hamsaveni Spinners, Government of India Press Colony, Mettupalayam Road, Coimbatore-19, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

[No. S-35019 (469)[82-PF. II]

कां आ 4229. - केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीन होता है कि मैग ने काल्फेब इंजीतियरम, 73 ने टिग किन रोड थिकवनसीयुर मद्राग-41, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियाकत और कर्नवर्गनों की बहुसख्या इस बात पर सहमन हो गई है कि कर्मनारी भविष्य निधि और प्रकीर्ग उपबंध प्रधि-नियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन की सामू किए असे चाहिए.

प्रतः केन्द्रीय नरकार, उका प्रतिनिधम का धारा 1 की उपझारा (4) द्वारा अवस्त शिक्षेत्रयों का उत्तान करा हुए, उका प्रक्षिनियम कें उपकंश उक्क स्थापन को तस्यू चरनी है।

[स॰ एस॰ 35019 / 468 / 82 पी॰ एफ - 2]

S.O. 4229.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Confab Engineers, 73, Lattice Bridge Road, Thiruvanmiyur, Madras-41, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefort, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

[No. S. 35019(468)/82-PF. II]

का अप 4250. — केस्टीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मैसर्स को खेट विकरों स्कीन प्रश्न कि का रापक म जिने महाबली पुरम हाई रोड़, महास-600096. नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोगक भीए कर्मनारियों की बहुद्धंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मनारी भविष्य निधि भी प्रतीव उपबंध भिक्तिसम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागु किए जाने बाहिए;

भतः केन्द्रीय संकार, उक्त प्रिविनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त ग्राक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त भ्रीधितियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[स॰ एस॰ 35019 / 463 / 82 पी॰ एफ-2]

S.O. 4230.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Korvette Vibro Screens (Private) Limited, 137-A|1D, Karapakkam Village, Mahabalipuram High Road, Madras-96, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applits the provisions of the said act to the said establishment.

[No. S-35019(463)|82-PF. II]

भा० आ० 4231.—देन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मैसमें किया हिया लि० 3-6-307/1 हेदरगुड़ा, हेदराबाद-50001, जिसमें उसकी 17, प्रायमेंग रोड, किलपाक, मद्वाम -600010 स्थित णाखा भी है, नामफ स्थापन से सबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसका इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध क्रिकियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

1042 GI/82--7

प्रतः केल्बीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मनितयों का प्रयोग तलने हुए, उक्त क्रीधीनयस के उपस्था उक्त स्थापन को लागू धारती है।

[सं० एस० 3501 9/46 7/8 2 -पी० एक-2]

S.O. 4231.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Quinn India Limited, 3-6-307/1, Hyderaguda, Hyderabad-1 including its branch at 17, Ormes Road, Kilpauk, Madras-10, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by substction (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

[No. S-35019(467)/82-PF. II]

का० आ० 4232. -- केन्द्रीय संस्कार को यह प्रतीन होना है कि मैगर्स सेन्टरन इंजीनियरिंग वर्क सेन्टरन स्टुडिग्रोज कालोनी सिगानालीर गी० ची कीयसबट्टर-5, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर वर्भनारियों को बहुमंख्या हम बात पर सहमत हो गई है कि कार्नवारी भाविष्य निर्मि ग्रीर प्रकीण जावंग्र छोतिष्यम, 1952 (1952 का 19) के उपवंग उका स्थापन की लाग किए जाने नाहिए;

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की घार। 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदन्त सम्रित्यों की ययोग करने हुए, उसत अधिनियम के उपवक्ष उक्त स्थापन का लागू करती हैं।

[मं॰ एम- 35019/466/82-एफ-2)]

S.O. 4232.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Central Engineering Works, Central Studios Colony, Singanafur Post Office, Coimbatore, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

[No. S-35019(466)/82-PF.II]

कात्आर 4233.—केन्द्रीय मण्कार को यह प्रतीत होना है कि मैनर्न बालाजी फैबरिकेटरस प्रा० लिए 144 शियाराम विलेज, पेरनगुडी, प्रशास-600096 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजन श्रीर कर्मचारियों की बहुनंख्या इस बास पर सहमन हो गई है कि नामंचारी मविष्य निधि श्रीर प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उना स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रविनियम की धारा 1 की उपवास (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त श्रविनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[एस॰ 35019 / 465 / 82 - पो॰ एफ -2]

S.O. 4233.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Balaji Fabricators (Private) Limittd, 144, Seevaram Village, Perungudi (Post Office), Madras-96, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central

Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

[No. S-35019(465)/82-PF.II]

कार आर 4234.— केन्द्रीय संरक्षार को यह प्रते त होता है कि मैसर्ग संकर्षिरी स्टेट जेनकारा परिमेड टोल्क इट्डकी डि० केराला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मनारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मनारी भिष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लाग किए जाने नाहिएं;

ग्रातः केर्न्द्रय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) इ.रा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त अधिनियम के उ उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ ए 35019/464/82-पी॰एफ-2j

5.0. 4234.—Whereas it appears to the Central Govtrnment that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Sankaragini Estate, Chenkara, Peermade Taluk, Idukki District, Kerala, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

INo. S-35019(464)/82-PF.III

का० आ० 4235. — केन्द्रीय मण्याप को यह प्रतीत होता है कि मैसर्म इंडी-पैल्डेन्ट टैस्टिंग कम्पनी (प्रइवेट) लिमिटेड, 1, बेजियर स्ट्रीट महासा-1, जिसमें उसकी (1) न० 21 डा० बी० बी० गोश्री मार्ग मम्प्रई-23 (महापाष्ट्र), (2) "ग्रांति" प्लाट नं० 66, रंजीत नगर, बेदी रोड, जामनगर-2 (गुजरात) थीर (3) नं० 66 थियेटर रोड, फ्लैट नं० 2, कलफता-17. (प० बंगाल) शाख ए भी शामिल हैं, नामक स्थाप से पम्बद्ध नियोजक और कमंजारियों की बहुगंड्या इस बाग पर सहमा हो गई है कि कर्षवारी भविष्य निवित्र और प्रेतिण उपबन्ध श्रीधित्यम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए:

धत. केन्द्रिय संश्कार, उक्त श्रक्षिनियम की घारा 1 की उपधारा (4) हु.रा प्रदत्त सकियों को प्रयोग करते हुए, उक्त श्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस-35019 / 460 / 82 -पी॰ एफ॰ -2]

S.O. 4235.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Independent Testing Company (Private) Limited, 1, Vannier Street, Madras-including its branches at (1) No. 21, Dr. V. B. Gandhi Marg, Bombay-23 (Maharashtra), (2) "Shanthi", Plot No. 66, Ranjit Nagar, Bedi Road, Jamnagar-2 (Gujarat) and (3) No. 66, Theatre Road, Flat No. 2, Calcutta-17 (West Bengal) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Micellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made appricable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

INo. S-35019(460) /82-PF.II)

कां अा 4236. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतित होता है कि मैसर्स श्री मिपलाई विनयगार स्थीट ड्रिन्सम जी एम् दी रोड, पैकारा मद्राई-17 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्म जारियों की बहुसंख्य ध्रम बात पर गहमत हो गई है कि क्षमें चारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनयम, 1952 (1952 का 19.) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

धतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की द्वारा 1 की जपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयागकरते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019 | 459 | 82 -भ० गि० 🕄

S.O. 4236.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Mesars Sri Mappillai

Vinayagar Sweet Drinks, G.S.T. Road, Pykara, Madurai-17, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. \$-35019(459)/82-PF.II]

का० आ० 4237. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैन में द्रोवरमीज शिपिंग ऐजेन्सीज, 50 मूर स्ट्रीट गडाप और उमकी (1) 43-7-1 मोल्ड पोस्ट आफित रोइ, काकिनाडा 1 आन्ध्र प्रदेण (2) 34 भारत बिल्डिंग पाजे मगगो राम्रो रोड, मंगलौर (कर्नाटक) स्थित माखाए भी गामिल हैं तामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्म-चारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपवंद्य प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवन्ध उक्त स्थापना को लागू किए जाने चाहिए।

न्नतः देन्द्रीय सरकार, उक्त न्नाधिनियन की धारः 1 की उपवास (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों क प्रयोग करने हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को सागू करती है।

[सं॰ एस-35019/450/82 पी॰ एफ-2]

S.O. 4237.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Overseas Shipping Agencies, 50, Moore Street, Madras including its branches at (1) 43-7-1-, Old Post Office Road, Kakinada-1 (Andhra Pradesh), (2) 34, Bharath Building, Panje Mangesh Rao Road, Mangalore-1, (Karnataka), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(458)/82-PF.II]

क.० प्र.० 4238 केन्द्रीय सरकार का यह प्रशांत होका है कि मैसमें इनेन्द्रिक कम्मानेन्ट मैनुफेक्चरिंग इंश्स्ट्रीयक कोक परेटिंग सीसायटी क्रिनिटेड बी-6, इनेक्ट्रिनिक इंडस्ट्रीयक स्टेट, कुलेनुडा हैदराबाव 762, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कमेंचारियों की बहुसस्या इस सात पर सहमत हो गई है कि कमेंचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध प्रिविनियस, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थाप। को लागू किए जाने चाहिएं:

मतः केन्द्राय सरकार, उक्त माधियम का द्यारा ! की उपचारा (4) द्वाराप्रदत्त गक्तियों ना प्रयोग करते हुये, उक्त मिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती हैं।

[सं० एस० 35019/457, 83 पी ०एफ०-2]

S.O. 4238.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Electronic Components Manufacturing Industrial Co-operative Society Limited, B-6, Electronic Industrial Estate, Kushaiguda, Hyderabad-762, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(457)/82-PF.11]

का० भा० 4239.—केन्द्रीय संरकार को यह प्रतीत हाँत. है। के मैसर्स हमुमाम सेलप्रिटी सरिवसेल एडिमिन्ट्रेटिव आफिस, न० 4 झाश्रम स रवता
पुर घरवाड करनाटक जिसमें उनका पंजीकृत कार्यालय मार्फत राजा रेड्डी
उडवीकाटम, छठी मिनिज सागर कम्पलेक्स केम्पानेवडा रोड, बंगसीर-9
भी गामिल है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कमंबारियों की
बहुसंखा। इस बात पर सहमत हो गई है कि कमंबार। भिवन्य निधि और
प्रकीर्ण उपबंध अविनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उसन
स्थापन को लागू फिए जाने वाहिए ;

आत. केन्द्राम परकार, उसा आधीतियम कृति धारा 1 का उपधारा (4) द्वारा अदल मन्तियों का प्रयाम करते हुए उसत अधिनियम के उपबध उस्त स्थापन का लागू करता है।

[स॰ एस 35017/456/82 पो एफ-2]

S.O. 4239.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hanuman Security Services, Administrative Office, No. 4, Ashiam, Saiaswathipur, Dhaiwai (Karnataka), including its Registered Office Care of Raja and Reddy, Advocates, 6th Floor, Sagar Complex, Kempegowda Road, Bangalore-9, have agreed that the provious for Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(456)/82-PF.Π]

का० आ० 4240. — केन्द्रीय सरकार का यह प्रतात होता है कि मैसर्स जड़ोंगिर परिवासिहन स्ट्रांट हैं बलूम वीवर्स सेलस को प्रापरेटिय सासाइटा लिसिटेंड सं० 3461, याचीप्रधातन न्यू स्ट्रांट बड़िसेरि लागरकाइल-1 जिसके प्रस्तेगत (1) स० 3461, विषय डिपं नगरपालिका बम स्टेंड के सामने दुकारों डाकघर कन्याकुनारों जिला, और (2) स० 3461, द्वार सं० 7-75 थार से पासेल कार्याख्य के निकट, मड़े मार्किट न्यूर अकघर कन्याकुमारा जिला स्थित उसका प्राचाए भा हैं, नामक स्थापन मम्बद्ध निवाजक और कर्मकारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहस्त हा गई है कि कर्नचारी प्रविष्य निधि और प्रकार्ण उपलब्ध धादिन्यम, 1952 (1952 के 19) के उपबध्य उक्त स्थापन का लागू किए आने थाहिए हो पहिए जोने थाहिए;

भतः केन्द्रिय संस्कार, जक्त अधििम्मिकि धारा 1 की जपभारा (4) द्वारा प्रवत्त पानितयों का प्रयाप करते हुए, जक्त अधिनियम के अपर्वत उक्त स्थापन का लागू करता है।

[सं॰ एस-35019/235/82-पे एस 2]

S.O. 4240.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vadasery Ptriatasingan Street Handloom Weavers Sales Co-operative Society Limited, No. 3461, No. 26, Vanchiathithan New Street, Vadasery, Nagorcoil-1 including its branches at (1) No. 3461, Sales Depot, Opposite to Municipal Bus Stand, Thuckalay, Thuckalay Post, Kanyakumari District and (2) o. 3461, Door No. 7-75, Near A.R.C. Parcel Office, Monday Market, Ntyyoor Post, Kanyakumari District, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellancous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(235)/82-PF.IJ]

कार कार 4241:— केन्द्रीय सरकार का यह प्रत स हाता है कि मैनसं एसन सम्वागी राव एंड जनानी इंजींनियर काम्प्रेस्टर्म एंड मैटी रेयल सम्लाधर्म गायपाथालेन बी॰ एच॰ पां० बी॰ डाकघर विवाखायटनम, (कान्द्राप्तदेश), नामक स्थापन से सम्बद्ध नियाज्ञक भीर कर्मजान्यों की बहुसक्ष्य इस बात पर सहुमत हो गई है कि कर्मजारा प्रविष्य निधि छोर प्रकार्ग उपबन्ध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध स्थापन को लागू किए जामें चरहिएं ;

शतः केन्द्रांथ सरकार , उन्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लाहु करती है।

[सं॰ एस-35019/394/82-पा॰ एफ-2]

S.O 4241.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs S. Sanyasi Rao and Company, Engineers, Contractors and Materials Suppliers, Nathayyapalem, B.H.P.V. Post, Visakhapatnam. (Andhra Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act,

1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Ctntral Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(394)/82-PF.II]

कार अरु 4242:— केन्द्रीय सरकार की यह प्रतान होता है कि तालूक मैं मसं राइपारा सेया सहकारी सथ लिक्किड, हॉम्नाबेली टिन्तुर जिनके प्रस्तांत कीनवहाली, टिप्तुर तालूक, टुक्कुर किल. (कर्नाटक) स्थित एमकी गाखा भी है। नामक स्थापन से सम्बद्ध नियंजक ग्रीर कर्नवारियों की बहु किंग, इप बंत पर सहमत हा गई है कि कर्नवारी अभि भेंदि गोर प्रकार उपने प्रमुक्तिम, 1952 (1952 का 19) के उपवंध उक्त स्थापन का लागु कि गुजाने चाहिए;

श्रतः केन्द्रोय सरकार, उक्त अिंतियम का धारा । की उपधारी (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रांग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन का लागू कर्रता है ।

[तं० एस-35019/198/82-पी० एफ०-2)]

S.O. 4242.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rythana Seva Sahakari Sangha Limited, Homewally, Tiptur Taluk, including its oranch at Konenahally, Tiptur Taluk, Tumkur District (Kainataka), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Lunds and Misscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to that said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Cental Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(198)/82-PF, II]

काठ आठ 4243'-- केन्नीध सरकार का यह प्रतास होता है कि मैससे हिल राक इंगोनियरिंग (प्राइवेट) लिनिटेड, 5-4/187/324, कवंल मैतान, ।सकन्दराबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध ।नयोक्षम धीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बान पर सहस्त हो गई है कि कर्मचारी भिवष्य निधि भीर प्रकार्ण उपबध माधानयम 1952 (1952 का 19) के उपबध एक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त काधिनयम के उपग्रक्ष उक्त स्थापन का लागू करता है।

सि॰ एस-35019/152/82-पी एफ-2]

S.O. 4243.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Drill Rock Engineering (Private) Limited, 5-4, 187/324, Karbala Maidan, Secunderabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(152)/82-PF. II]

कार आत 4244. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीस होता है कि मैसर्स एन को जा दी घाटोमोबाइस्स सं० 104 किज स्टेशन मार्ग गुदुराई-6250002, नामक स्वापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मवारियो की बहुमक्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मवारो भविष्य निधि ग्रीर

प्रकीण उपबंध ग्राधिनियम, 1952 (1952 व' 19) के उपबंध ভक्त स्यापन को लागू किए जाने चाहिए ;

भतः केन्द्रीय संग्कार, उक्त प्रधिनियम की छार 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तयां काप्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपश्रंध उक्त स्थापन का.ल.गू करती है।

[सं॰ एस-35019/151/82-पी० एफ-2]

S.O. 4244.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs N.V.G.B. Automobiles, No. 104, Bridge Station Road, Madu-

4364

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government he eby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No. S. 35019(151)/82-PF. II]

. का श्या 4245: — केन्द्रंप्य सरकार की यह प्रतास हाता है कि मैसर्स धासका स्थिनमें , 545 सर्था, मार्ग गणपति, कोप्रम्बद्धर 641006 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियाजक और कर्मचारिया की बहुसंख्या इस बात पर गहुनत हो गई है कि कर्मचार्य भाविष्य निश्चि और प्रकर्ण उपबंध अधिनिमन, 1952 (1952 था। 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अनः के द्रीय नरकार, उप: अबिनियम की घारा 1 को उपधारा (4) द्वारा प्रदल गामिस्नां का प्रयान करने हार्, उक्त अधिनियम के उपबाध उपन स्थापन का लागू प्रस्ती है।

[स॰ एम-35019/149/82-पी॰ एफ-2]

S.O. 4245.—Whetens it appears to the Central Government that the employer and the imagerity of the employees in relation to the establishment known as Messis Shree Laxnii Spinners, 545, Sathy Road, Ganapathy, Coimbatore-641606, have agreed that the provisions of the Employees' Provident runds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(149)/82-PF. II]

का आ 4246: — के द्वीय माना ना प्रवान होता है कि मैनर्स नार यण एउरप्राइमें के केशर प्रोइको साइक्शन म्हैण्ड 1:4, यह भाग, केट पागन माउन्ट, अवान-16, नवमवक्का के निकट, भागन स्थापन के सम्बद्ध निवोजक और कर्नका नियों की बहुतका इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मकार्य पविष्णु शिध आर प्रकार्ण उपबन्ध का प्रित्यम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उस्त स्थापन को नागु किए अनि का हिए

यतः केन्द्रीय राज्यान, जन्तः आंधानयम की धारा १ की उपधारा (1) झारा प्रवक्त सांक्तया का प्रयाग रते हुए, उक्त आंधानियन के उपवध उक्त स्थापन की लागू करता है

[स॰ एस-35019/148/82-पे**॰** एफ-2]

S.O. 4246.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Narayanan Enterprises, Contractor, Audeo Cycle Stand, 114, Butt Road, St. Thomas Mount, Madras-16 (Near Nandambakkam), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, ir exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(148)/82-PF. II]

कारुआर 4217 - फेर्न्ड न सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इन्वनाय सेवा सहकारा सध नियमित शिकारीपुर, जिला : किरोगा कारिक, नाभक स्थापन से तस्त्रात तियोजक और राजकारियों की बहुतक्या इस बात पर सहसन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निर्ध और प्रकीण उपनेष कि सामेंचारी सामेंचारी सामेंचारी सामेंचारी सामेंचारी कि सामेंचारी सामे

धत केर्न्द्राज सरकार, उक्त अधिनिजम की धारा । की उपधास (त) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियन के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

गिं० एस-35519/147/82-पीं० एफ-2]

S.O. 4247.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vyavasaya Seva Sahakara Sangha Niyamita, Shikaripur Shimoga District (Kamataka), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Govern-

ment hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(147)/82-PF. 1]

का० आ०4248:— केन्द्राय सरकार को यह प्रतान होता है भि मैसर्स वाला सन्म, पाम गुद्दन मरलेटम, 160-ग, ईस्ट नीम स्ट्राट, यद्दु रई-625001, इसके झालवंत राजरा बिल्डिंग, टाउन हाल नार्ग, महुरई-625001, स्थित उसका गार्थम भा है, नामज स्थापन स गम्बद्ध । त्याशक और कर्मलारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मलारी भाविष्य निष्म और प्रकार को लागू किए जाने बाहिए;

भतः केन्द्रीय सरकार, उनत श्रीर्धानयम की बारा 1 की उनवारा (4) द्वारा प्रवस शांक्त्यों का श्रयोग करने हुए, उनत श्रीर्धानयम के उनवंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस-35019/146/82-फी॰ **एफ-2**]

S.O. 4248.—Wherets it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Batcha Sons, Pieca Goods Merchants, 166-A, East Mass Street, Madurai-625001 including its Show Room at Rosary Building, Town Hall Road, Madurai 625001 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(146)/82-PF. II]

का० आ० 4249 — गेर्न्स न मरागर को तह प्रतीत होता है कि मैससं श्री खिमिजी बाई मिल्म, पोस्ट बाक्स नं०, 120, पित्रारपेट, बेलगाप, कमटिका राज्य, नामक रथापन से सम्बद्ध नियाजक बील कर बारियों की बहुनंदरा इस बात पर महभत हो गई है कि कार्नजारी श्रीवब्ध ग्रीध भीर प्रकीण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 को 19) के उपबंध उक्त स्थापन की लाग किए जाने चाहिए;

श्रतः केल्द्रीय राज्यार, उत्तत आंधनियम की धारः । की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त श्रीधनियम के उपबध्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019,145,82-र्य(० एफ 2]

S.O. 4249.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Khimijibhai Mills, Post Box No. 120, Raviwarpet, Belgaum, Karnataka State, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(145)/82-PF. II]

का० आ०४250'---भेर्ग्वीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि भैसंसे प्रामेशियर मुखू बीएटर, प्रौन्त्रीय सरकार तिरोग्नीण-१, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्नवारियों की बहुसंख्या इस बात पर प्रहात हो गई है कि कर्मवारी प्रविध्य निर्मा प्रीर प्रकीर्ण उत्बंध प्रांबनियम, 1952 (1952 का 19) के उनवंध उक्त स्थापन की लागू किए जाने बाहिए,

धनः केन्द्रीय सरकार, उस्त ध्रीबनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त यक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त श्रीधनिश्रम के उपबंध उक्त स्थापन की लागु बस्ती है।

[र्स॰ एम-35019/144/82-र्पः**० एक-2**1]

S.O. 4250.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pioneer Muthu Theatre, Ozhuginaseri, Nogercoil-1, have agreed that the provisions of the Pmployees' Provident Funds and Miscellan-ous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(144)/82-PF, II]

#### मई दिल्ली, 36 नगम्बर, 1982

का० आरं० 1251 — मेसर्ग हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्त लिक्षिटेड कालौर काम्पर्लक्प-कार्ली - 560017 (के०एन०/:4) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मपारा भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रोधेनियम 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2क) के प्रशीन छूट दिए जाने के लिए शाबेदन किया है;

भीर केन्द्रें सरवार का समाधान हो गया है कि उपन स्थापन के कर्मचारी, कियी पूथक धनिदाय या प्रीमियम का सवाय किए जिया ही, भारतीय जीवन बीमा किया किया किया की सामृहिक बीमा स्कीम के शबीन जीवन बीमा के रूप में कायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिये ये कायदे उन जायवी से प्रधिक धनुकूल हैं जो कर्मचारी निस्ति महस्त्व बीमा स्कीम, 1978 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उपन स्कीम कहा गया है) के धाधीन उन्हें भनुकेय हैं;

भतः, केन्द्रीय सरकः,र, उन्त घ्रिक्षित्यम के घारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करने हुए भीर इससे समाबद्ध भनुसूची मैं विनिदिष्ट एती के मर्धान रहने हुए, उन्त स्थापन की तोन वर्ष की सबीध के लिए उन्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से खुद देती है।

#### अनुसूर्वा

- उन्तर स्थापन के संबंध में नियोजक प्रावेशिक अविध्य निधि प्रायुक्त कर्नाटक को ऐसी विवरणिया भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निविध्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाध्य के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उनत अधिनियम की बारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्धिष्ट करे।
- 3 सामूहिक बीमा स्काम के प्रशासन में, जिसके घन्तर्गत लेखाओ का रखा जाना विवर्णियां का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रामियन का संबाय, लेखाओं का धन्तरण, निरोक्षण प्रभारों का सदाय धावि को है, धोने बाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया आयेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यना अनुमोदित स.मृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, भीर जब कभी उनमें संशोधन किया आए, तथ उस संगोधन को प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का प्रनुदाय, स्थापन के सूचना-पद्ट पर प्रदाशत करेगा ।
- 5 यि कोई ऐसा कर्मचारों, जो कर्मचारों भविष्य निधि का या उपत अधिनियम के अधीन कूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सबस्य है, उसके स्थापन में नियोजिन किया जाता है तो, नियोजक मामूहिक भीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम शुरस्त दर्ज करेगा और उसकी बाधन आवष्यक प्रीमियम भारतीय जीवन भीमा निगम को सबक्त करेगा।
- . 46. यदि जनत स्कीन के घर्षात कर्मचारियों को उपलब्ध कायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सम्मृहिक बीमा स्कीम के घर्षान कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुखित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसने कि कर्मचारियों के लिए मामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे जन फायदों से अधिक अनुकृत ही जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकृत ही ।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के भयीन संदेय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मबारी को उस दशा में सदेय होती, जब वह उक्त स्कीम मर्बाम होता ता. तियोजक कर्मचारी के विधिक धारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के इस्त स्वीम करेगा।

- 8. सामृहिक बीमा स्कीत के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भिव्या निधि आयुक्त कर्नाटक के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने की संभावना हो वहां, प्रावेशिक भिव्या निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का वृष्टितवृक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवस, स्थापन के कर्मजारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका हैं सभीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के असीन कर्मजारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रहद की का सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में ससकल रहता है, भीर पालिसी को स्थपनत हो जाने वियो जाता है जो, छूब रहव की जा सकती है।
- 11. तियोजक हारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिम की दशा में उन मृत सदस्यों के नामनिदाशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न वी गई होती तो उनत स्कीम के प्रम्तर्गत होते, बीमा कायवों के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उकत स्वापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के सधीण माने बाके किसी सबस्य को मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/ विधिक बारिसों की बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से भीर प्रत्येक बंधा में बारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के साठ बिम के मीतर मुनिश्चित करेगा।

[संबदा एस-35014/29/82-पी०एस-2]

#### New Delhi, the 26th November, 1982

S.O. 4251.—Whereas Messrs Hindustan Aeronautics Limited Bangalore Complex, Bangalore-560017 (KN/24) (heremalter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

## SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka maintain such accounts and provide such facilities for inspection. as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of

accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.

- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Groep Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the valient features thereof, in the language of the majority of the emp-yeer
- 5 Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shad arrange to ear ance, to be reids available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Nowithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

का॰ आ॰ 4252 ---मैसर्स या वाहनाश्म एण्ड कस्तात, जान्त्रा वाहनरी एण्ड डिस्टिटनारो, मल्काजात्या हैदराबाद-500047 (जा॰ प्र०/3103) (जिले इसमें इसके पश्चात् उकत स्थायन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य विश्व और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इपमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधान (2क) के नवी। छूट दिए जाने के निए पात्रेदर किया है;

मीर केन्द्रीय सरकार का मनाधान हो गा है कि उन्न स्थापन के कर्मेषारी, किसी पृथक श्रीमदाय ना प्रीमियन का संदाय किए बिदा ही, भारतीय जीवन बीमा निश्म की समृद्धिक वीमा क्कीय के श्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा उन्हें हैं भीर है। हमनेवारियों के लिए में फायदे उन फायदें से श्रधिक अनुकूल है जा कर्मेषारी विक्षेप सहबाद बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमं इसके परचान् उन्द्र स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें अनुकार हैं;

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रशिवियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त ग्राक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमे उपायत ध्रनुसूची में विविद्यित्व शर्ती के श्रद्धीं एक्ते हुए, उक्त स्थापन को सीन वर्ष की श्रवधि के लिए उक्त स्कीम ने सभी उपपन्धों के प्रवर्तन से सूद देती हैं।

## अनुसूची

- 1. उक्त स्थापन के संबंध मं नियोजक प्रावेशिक मधिष्य निर्धि सायुक्त, आन्ध्र प्रवेश की ऐसी विषयीणयां भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवास करेगा को केन्द्रीय सरकार, समय-प्रमय पर निर्मिष्ट करे।
- . 2. निर्माणका, ऐसे निर्राक्षण प्रमारों का प्रत्येक मास की समान्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रायिन्यम की घारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-सगय पर निर्विष्ट करें।
- 3. शामूहिक बीमा स्कीस के प्रशासा से, जिनके प्रस्तांत लेखाओं द्या रखा जाना, यिवरणियों द्या प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संस्था, लेखाओं का ग्रंदरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय धादि भी है, होने याते सभी व्ययों ता वद्या नियाजन द्वारा किया जाएगा।
- 4. निर्माणक, केन्द्रीय सरकार द्वारा ध्रमुमीदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और प्राय कभी उपने संगोधन किया जाए, सब उस मंगोधन की प्रति तथा कर्मनिरियों की बहुगंड्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के जुलना पट्ट पर प्रविश्वन करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी मिवन्य निधि का या उक्त श्रीधानियम के अधीन छूट प्रान्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उनके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक, सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम पुरन्त दर्ज करेगा और जनकी बाबन शावस्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निषम की संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपराब्ध फायदे बक्षाएं जाते हैं तो, नियोजक सामृहित बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से गृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए मामृहित बीमा स्कीम के अधीन उपराब्ध सायदे उन फायदों से अधिक अनुनूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुनूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुनूल हों,

- 7. साम्राहर वीमा स्थीम में किसी बात थे होते हुए भी, यदि किसी वर्मेबारी की मृत्यू पर इस म्ब्रीम के प्रधीत सदेय न्याम उस रकम में कम है जो कर्मेबारी को उस प्रणा में सदेय होती अब वह उस्त मिन के राष्ट्रीन होता तो, विमंत्रजब नर्मेकारी के विधिक वारिस/दाम निर्वेणिनी को प्रतिकर के रूप में दोनो रकपो के प्रकर दे यरावर रकम का संदाय करेगा।
- 8 सामृहिक कीपा स्कीम के उपयन्थी में कोई भी सशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अन्द्रा प्रशेष के पूर्व अनुमोदन के किया नहीं किया जायेगा और जहां किया को स्वाधन से कमंद्रिक्तियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पटने की संकारण हो यहां, प्रादेशिक भिन्य विधि आयुक्त, अपना ध्रमुमीदक देने से पूर्व कमंद्रियों की अपना दृष्टिकीण स्पष्ट करने का यक्तियुक्त अपनर देगा।
- 9. यदि किसी जारणवरा, स्थापमा के कर्नवारी, भारतीय जीका जीमा सिशम की एस समृहिक बीमा स्वीम के, जिने स्थापन पहले भ्रयना चुका है प्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रजीन कर्मवारियों को प्रास्त होने बाले फायदे जिसी रीति से कम हो जाते हैं, ता यह छूट रद्द की जा सबती हैं।
- 10 व्यथ किसी काणवण, नियंत्रक एस नियंत्र तारीख के भीता, जो भावनीय जीवन वीका नियम किन्न करें, पीमियम का सथाप करने में, असकत रहता है, और पातिमी का व्यवसत हो जाने दिया जाता है, ती खुट रदद की जा देवती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्ति-कम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारियों को जा, यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के णल्लान होते, बीमा फायदों के सदाय का उत्तरवायित्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के सबध में नियाजक, इस स्कीम के बधीन आने बाले किसी सबस्य की मृत्यु हाने पर उनके हकदार नामिवर्दीणितियों/विधिक बारिसी को बीमाहत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दणा में भारतीय जीवन बीमा निशम में बीमाहत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर मुर्नियजत करेगा।

[स॰ एस॰ 35014/246/82-पी॰एफ॰-H]

S.O. 4252.—Whereas Messrs Shaw Wellance and Company Ltd., Andhra Winery and Distillary, Malkajgiri, Hyderabad-500047 (AP/3103) (hercinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contributions or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

## **SCHEDULE**

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh maintain such accounts and Provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- ·7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh and where any amendment is I kely to affect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10 Where, for any reason, the employer fails to nay the premium etc. within the due date, as fixed by the I ife Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would, have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receint of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. \$35014(246) /82-PF. II]

का ब्या व 4253- में पर्ण हम्टर्न एस पाडक्ट्स (पाव) लिसिटेड, 1 एण्ड 3 गोविंद्रपान हण्डक्टिसल एक्टेट भोषाल-462003 (सहन प्रदेश/1728) (जिसे हममें इसके पण्डात उक्त स्थापन कजा परा है) ने कमेंचारी भविष्य निश्चि और प्रकीर्ण एपबस्य श्रीतियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पण्डात उक्त

श्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीत छूट दिए जाने के लिए धानेदन किया है;

भीर केन्द्रिय संस्थान का समाधान है। यया है कि उनन स्थापन के कर्मधारी, जिसी पृथन अधिदाय या प्रीमियम का संदाय किए विशा ही, भारतीय जीवन बीमा निजम की सामृहित वीमा स्कीन के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उटा रहे हैं प्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिये ये फायदे उत्त काधारी निक्षेप महस्रक्ष वीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चीत् उपत स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें प्रमुक्ष हैं ;

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनयम की धारा 17 की उपयास (2का) द्वारा प्रदक्त प्राक्तियों वा प्रयोश वास्ते हुए और इससे उपावस अनुसूची में विभिद्दिष्ट पत्नों के श्रधीन रहने हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की श्रविम लिए उन्तर स्कीम के सभी उपवन्ती के प्रवर्तन से छूट देती हैं।

## अनुसूची

- 1. उक्त स्थापन के सम्बाध में नियोजक प्रादेशिक मियव्य निधि ध्रायुक्त, मध्य प्रदेश की ऐसी विवरणिया भेजना और ऐसे नेका रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेना जो केन्द्रीय संकार, समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियाजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जा केन्द्रीय सरकार, उन्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के गधीन समय-समय पर निविष्ट करे।
- 3. सामृहिक वीक्षा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रन्तुत विधा जाता, वीमा प्रीमियम का सदाय, सेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदोर श्रादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बतुर नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा धनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमो ना एक प्रति, और जब करी उनमें संशोधन किया बाए, सब उस संशोधन की प्रति समा कर्मचारियों की बहुसख्या की माया में उसकी मुख्य बातों का धनुझाद, स्थायन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि काई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी मिनध्य निधि का या उक्त श्रिधिनियम के अर्धीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन ने निर्योक्ति किया जाता है तो, नियाजक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरुत बर्ज करेगा और उसकी बाबत आवस्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदक्त दरेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम की श्रधीत यार्नचारियों की उपलब्ध कायदे बढाये आते हैं तो, तियाजक नाम्द्रिक बीमा स्कीम के श्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फार्यों में समृजित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध कायदे उन फायदों से श्रधिक अनुकृत हो, जा उक्त स्कीम के प्रधीन धनुनेय हैं।
- 7. सामूहित बीजा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्त्येय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मचारी को उस दया में संदेय होती जब बहु उक्त स्कीम के अधील होता तो, नियं। कक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में डोनों रकमों के अन्तर के बणवर रकम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संगोधन, प्रादेशिक भिक्रवा निधि आयुवन मध्य प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जगएगा भीर जहा किसी संगोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत

- प्रभाव पड़ने की संभायतः हो, यहां प्रादेशिक भविष्य निधि क्रायुक्त, भवतः अनुमोदन देने से पूर्व कर्नेचारियों की प्रवतः दृष्टिकीय सच्ट करने का युक्तिशुक्त अवसर देगाः।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्जनारी, शास्त्रीय जीवन शीमा निगम की उस सामूहिक वीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहुने अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन अर्मनारियों की प्राप्त होने बाने फायदे किसी रीजि से अम हो जाने हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवा, नियाजक उस नियत सारीन्त्र के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करें, प्रीमियम के सदाय करने में असकत रहता है, श्रीर पालिसी को व्यपनत हो जाने दिया जाता है तो, छुट रह की जासकती है।
- 11. भियांजक द्वारा प्रीमियम के सदाय में फिए गा किसी व्यक्तिकम की दशा में उनमून सरस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट नदी गर्द होती तो उक्त स्कीम के अंग्रेनंत होते, बीमा फायमों के संदाय का उत्तरदायित्य नियोजक पर होगा।
- 12. उनत स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्वीम के सूधीन धाने वाले किसी सदरय की मृत्यू होने पर उसके हकवार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाइन रकम का संदाय तत्वरता से धीर प्रत्येक दशा में भारतिय जीवन बीमा निगम से बीमाइन रकम प्राप्त होने के सान दिन के भीनर सुनिक्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/247/82-पी०एफ०-1]]

S.O. 4253.—Whereas Messrs Eastern Air Products (P) Ltd., 1&2 Govindpur, Industrial Estate, Bhopal-462023 (MP/1528) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourarble to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Madhya Pradesh, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenace of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately eurol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the bentfits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an empolyee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premimum etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(247)/82-PF, II]

का० आ० 4254. मैससं मैनन एष्ड मैनन प्राईवेट लिमिटेड, विक्रम नगर कोलहापूर -416005(महाराष्ट्र/2191) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उसत स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19), (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उस्त धीविन्यम कहा गया है) की धारा 17 की उपवारा (2क) के अधीन छूट विए जाने के लिए बाबेदन किया है,

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उकत स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक श्रमिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृतिक बीमा स्कीम के श्रधीन जीवन बीमा कि रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए बे कायदे उन फायदों से श्रधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें श्रनुजेय हैं;

श्रतः, केम्ब्रीय सरकार, उसत श्रविनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए श्रोर इससे उपावद श्रनुसूर्या में बिनिर्दिष्ट शर्तों के श्रवीन रहते हुए, उक्त स्वापन को सीन वर्ष की श्रविध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से खूट देती है। 1042 GI/82—8

## श्चनुसूकी

- 1 उक्त रथापन में राज्यन्य में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि ग्रायुक्त, सहाराष्ट्र को ऐसी विषयणिय भेजेगा भ्रीर ऐसे लेखा रखेंगा तथा निर्माक्षण के लिए ऐसी चुविद्याएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर सिंदिष्ट करे।
- 2 ियो जक ऐसे िरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाध्य में 15 दिन के भीतर संबाद करेंगा जो केन्द्रीय संस्थार, उक्स प्रक्रितियम की धारा 17 की उपधारा (अक) के खण्ड (क) के सधीन समय-समय पर विदिष्ट करें।
- 3 सामृहित बीमा शीम के प्रणामत में, जिसके प्रन्तांन लेखाओं का रखा जाना, वितरणियों का प्रश्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का नंदाय, नेखाधा का अन्तरण, निर्मक्षण प्रभारों के सदाय आदि भी हैं, होने करी मभी क्यों का बहुन । योजक द्वारा जिया जायेगा।
- 4. लियां त्रक, केन्द्रीय माकार द्वारा यथा प्रमुमोदिस सामहिक बीचा स्वीम के नियमों की एवं प्रति, भीर प्रश्न कभी उनमें संगोधन विया जाय, तब उन संगोधन की प्रति तथा अर्मणाश्यों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों गा समुवाद, स्थापन के सुचना-पट्ट पर प्रविश्ति करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा जर्मभारी, जो कर्मभारी भनिष्य निधि का या उपन प्रधितियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भनिष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियंशित किया जाता है तो, नियंशिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम पुरस्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत शायश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन कीमा निशम को संदल्त नरेगा।
- 6. यदि उत्तत स्कीम के घ्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायवे बढ़ारं, जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीश के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए नामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उत्त फायदों में प्रधिक प्रमृक्षक हों, जो उक्त स्कीम के प्रधीन धनुकीय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के प्रधीन सक्त्येय रकम उस रक्तम से कम है, जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता तो, निर्माणक वर्मचारी के विधिक वारिस्/नामनिर्वेशिती की प्रतिकर के रूप में दोनों रक्तमों के श्रन्तर के बराबर रक्तम का मंदाम करेगा।
- ६ सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक प्रविद्य निध्य प्रायुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व प्रनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा ग्रीर जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां प्रावेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त, ग्रापना श्रमुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को ग्रपना बृष्टिकोण स्पष्ट करने का गुनित्युक्त ग्रयसर देसा।
- 9 यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है प्रधीन नहीं यह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने चाले फायदे किसी रीति से क्षम हो जाते हैं, सो यह छूट रह की जाराकती है।
- 10. यदि किसी कारणयंग, नियोजक उम नियत तारीख के भीतर, को भारतीय जीवन बीमा नियम नियस करे प्रीमियम का संदाय करने में ग्रमफल रहता है ग्रीर पालिसी को क्यपगत हो जाने दिया जाता हु तो छट रह की जा सनवी है।

- 11. नियोजन द्वारा श्रीमियम कं संताय में किए गए तिसी वितिस की दला में उन मृत सदस्यों के नार्मा-दिशितियों या विधिक वारिसी की जी शदि यह छूट न दी गई होती तो उन्त सीम के अंतर्गत होते, बीमा कायदों के सदाय का उत्तरदाधित्व नियोजक पर होगा।
- 12 उक्त स्थापन के सबध में नियोजक, इस स्कीम के शर्धाः श्राने बात्र किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उनके हकदार नाम निर्वेणितियों/ विधिक वारिसो को बीमाइत रकम का संदाय तत्परता से सौर प्रत्येक दणा में भारतीय जीवन बीमा निशम में बीमाइत रकम प्रास्त होने के मात दिन के मीनर सुनिश्चित करेगा।

[मंख्या एम 35014/250/82-मी •एफ II]

And the first terms and the control of the control

S.O. 4254.—Whereas Messrs Menon and Menon Private Limited, Vikram Nagar, Kolhopur-416005, Maharashtra India (MH/2191) (hereinatter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Maharashtra, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, is the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee. who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act. is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme anpropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount ravable under this scheme be less than the amount that

- would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment scheme do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premimum etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(250)/82-PF. II]

का० आ० 4255. — मैं समंग दिल्ली क्लाय एण्ड जनरल भिल्स कं० लिमिटेड, बाड़ा हिन्दू राथ, दिल्ली-110006, (दिल्ली:/2294) (जिसे इसमें इंगके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य ृतिधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

श्रीर केन्द्रीय मरकार का ममाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक श्रिभदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बे मा निगम की सामूहिक बीम्ना स्कीम के श्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहें हैं श्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से श्रीधक अनुकूल है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रधोन उन्हें अनुजीय है;

श्रत, केन्द्रीय मरकार, उक्त श्रिष्ठित्यम की श्वारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, और इससे उपाबद अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के श्रद्धीन रहते हुए, उक्त स्थापन की तीन वर्ष की श्रविध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के श्रवर्तन से छूट देती है।

## अनुसूची

उनत स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि
ग्रायुक्त, दिल्ली को ऐसी निवरिणयां भेजेगा ग्रीर ऐसे लेखा रखेगा तथा
 निरीक्षण के लिए ऐसी मुनिष्ठाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार,
समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

- 2 नियोजन एमं निराजिय प्रभाग का प्रयोग मास का सरैक्टिन के 15 दिन के मानर सदीय नरेगा जो केन्द्रीय सरगार उपने श्रीधिनियम ना धारा 17 का उपज्ञारा (३१) के खण्ड (के) के ग्रागन मध्यसमय पर निर्विष्ट करें।
- उ सामूहित जाना स्वाम त्रियासन में, जिसके क्षानात लखाझा का रखा जाना, विवरणिया के प्रश्तुत जिला जाना च म पानियम के सदय में लखाझा ना अन्तरण निराक्षण प्रभाग का सदाय प्रदिभ के हा। यार्ग सभी स्थयों ना वन्त नियाजक द्वारा किया जायगा।
- 4 नियाजन नेन्द्राय सरकार द्वारा यथा श्रनुमाधित सामहित बसा स्वीम के नियमा का एक प्रति श्रीर जब तभा उनमें सजाएन किया जाए, तथा उस संशोधन का प्रति नया वर्मवारियों की बहुनक्ष्य का भाषा में अनुवाद स्थापन के मूचना पह पर प्रदाणित करेगा।
- भ यदि बाई ऐसा वसच रा जा कमच रा भीवाय निधि का या उनक व्यधिनियम में ब्रध न छूट प्राप्त कियो स्थापन वा भिवाय निधि का पहले ही सदस्य है, उसक स्थापन म निर्धाधित थिया जाता है वा नियाजक सामृतिक बासा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त कर्म करना बाँक उसकी साबन वा नियाज श्रीमियम भारतीय ज वन बामा निमा की गवत करेगा।
- 6 सिंद उसन स्काम के प्रश्नात वर्मेशारिया के। उपलब्ध फायद बढ़ाय जाते हैं तो, नियोजक सामृद्वि बाम। स्कम के प्रधान कमचारियां को उपलब्ध फायदों में समृचित रूप संयुद्धि की जान का। व्यवस्था करेंगा जिससे कि मर्सेशारियों के लिए सामृद्धिक बाम। स्कीम के प्रधान उपतश्क्ष फायदे उन पायदा से श्रीधिक श्राचन हो। शा उक्त मा स के श्रिधान धनुसेय हैं।
- 7 सामूतिक बाभा स्काम में किसा बात के हात रा भा प्रदि दिसी कर्मेषारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधित सन्वय क्ता उस तक्त में कम है, भी कर्मेषारी का उस देशा में सून्य होती अब बत उक्षा स्काम के अधील हाता, नियाजन अस्पैनारा का गिधित वारिस/नामनिद्धिति का प्रतिकर के रूप में दाना रक्सों ते अन्तर के बरानर स्काम करेगा।
- 8 सामृहिक यामा स्ताम के उपजन्धा में माई भा सणाक्षम प्रादेशिक भिष्ठिय निधि आयुक्त, दिल्ला के पूत्र अनुमादन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां दिसा सणाधन से नर्मणारिया के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सभावता हा बहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुका प्रपत्न अनुमादन देन से पूर्व कर्मणारिया का धाना दृष्टिकाण स्पन्त करने का युक्तियुक्त अवसर देशा।
- 9 यदि निसी कारणवर्ण, स्थापन के कर्मचारा, भारताय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापन पत्रने प्रयम पुता है प्राचीन नहीं रह जाते हैं या इस स्कीम के भवन वर्मवारिया ना जाप्त होने बात फायदे किसी रांग कम हा जात है ता यह छूट रह की जा सकता है।
- 10 यदि किसी कारणवा निथाजक उस नियन तारी के के भीतर जो भारतीय जावन कामा निगम नियत वर, प्रीमयभ का सदाय करने मे समकल रहता है, और पालिसी का व्यपगत हा जान दिया जाता है तो, छूट रह की जा सदी पर है।
- 11 नियोजिक द्वारा प्रीमियम के सदाय में किए गए किसा व्यक्तिमय की देशा में उन मृत सदस्या के नामनिर्देशिया या विधिक वाल्मा का जा यदि यह, छूट नेदी गई होती तो उक्त स्काम के धनर्शन हात कीमा फायको के सदाय का उसरदायन्त्र निकाजित प्रहोगा।
- उन स्थापत क सम्बन्ध म नियानन देश रन म क अध्यान जान जाते निर्मा सदस्य को मृत्यु धुनि कर उसके हम्बार नक्स विद्रोणितिय।

विधिव वारिमा का न।माञ्चल रकम ना सदाय र १२२ ता से और प्रस्थेक दशा म भारतीय जावन व।मा निगम से र्वमाष्ट्रा रक्त आक् धूमि के मान दिन व भीतर मुनिष्चित करगा।

[सक्या एस० १५७१४ २ ४ ४ । १०एक- ४]

S O 4255—Whereas Messis The Delhi Cloth & General Mills Co Ttd., Bara Hindu Rao, Delhi-110006 (DI /2294) (here mafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinnafter referred to as the said Act).

And wherens, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are without making my separate contribution or payment of premium, in edgoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Insurance Corporation of India in the nautre of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme),

Now therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three parts.

#### SCHI DULE

- 1 The employer in relation to the and establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Delhi, muntain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Covernment may direct from time to time
- 2 The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month
- 3 All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer
- 4 The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Covernment and, as and when amended alongwith a translation of the silient features thereof in the language of the majority of the employees
- 5 Where is the employee who is theirdy a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7 Notwithstanding my hing contained in the Group Insurance Scheme if on the death of an employee the amount proble under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said scheme it is employee shall now the difference to be legal her nomineer of the employee is compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insutance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(253)/82-PF, III

का०आ० 4256— मैंमर्स विल्ली इसैक्ट्रिक मध्साई अण्डरटेकिंग, शक्ति सदन, कोटला रोड, नई दिन्ली (कीएल/138) (जिसे इसमें इसके प्रकार् उक्त स्थापन कहा गया है) में कर्मकारी भविष्य निधि और प्रकीण उपजन्म भविष्यम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके प्रकार ध्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन खूट दिए जोने के लिए धावेदन किया है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का गमाधान हो गया है कि उकत स्थापन के कर्माचारी, किसी पृथक प्रांभवाय या प्रीमियम वा सबाय किए जिना ही, भारतीय जीवन योमा निगम की सामृष्टिक बीमा स्कीम के ध्रवीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मेचारियो के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिकानुकूल है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पण्यात् उक्त स्कीम कहा गमा है) के ध्रवीन उन्हें प्रमुक्षेय है;

श्रम केन्द्रीय सरकार, उनत श्रिष्ठिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर इससे उपाबद अनुसूची में विनिर्देष्ट शर्तों के श्रिष्ठीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की श्रविधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूढ़ देती है।

#### अनुसूची

- उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रविशिक श्रविष्य निधि प्रायुक्त, विस्ता को ऐसी विवरणियां भेजेगा चौर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिएऐगा मुलिधाए प्रवान करेगा जो केन्द्रं य सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोशक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाित के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समय-समय पर निर्विष्ट करे।
- 3. सामूहिक बीमा स्थीम के प्रशासन में, जिसके घन्तर्गत लेखामों का रखा। जाता निवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का सवाय, खाओं का धन्यरण, तिराक्षण प्रभारों का सवाय आदि की हैं, हीने बाले सभी व्ययों का बहुत तियोजन हारा निया जायेगा।

- कि नियोगक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियभा की एक प्रति, और जब कभी उनमें संगोधन किया जाए, तब उम संगोधन की प्रति तथा कर्मेचारियों का बहुसंख्या की भाषा में , उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रवर्शित करेगा।
- 5 यदि काई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त प्रधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहते ही सबस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सानूहिफ बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा शीर उसकी बाबत प्राष्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की सबत्त करेगा।
- 6 यदि उनन स्कीम के प्रधीन कर्मचारिया को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जारे हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उनलब्ध फायदों में समुधित रूप से युद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक अनुकूल हो, जी उनन स्कीम के प्रधीन प्रभुनेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधीन सस्देय रकम उस रकम के कम है, जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब यह उकन स्कीम के प्रधीन हाता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के ख्या रक्तम को संदाय करेगा।
- 8 सामूहिक शिमा स्कीम के उपबन्धों में कीई भी संगोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, दिल्ली के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा भीर जहा किसी संगोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, प्रथना प्रमुनीवन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सृक्ति, युक्त अपना अपना अपसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन कीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं या इस स्थीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट न्ह की जा सकती है।
- 10. यदि किसी का रणवण, नियोजक उस नियन नारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में भसकल रहता है, भीर पालिसी का व्यागत हो जाने दिया जाता है सो, छुट रहे की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रोमियम के सवाय में किए गए किसी व्यक्तिम की दशा में उन मून सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट नदी गई होती तो उकत स्कीम के प्रतर्गन होते, बीभा फायदों के संदाय का उनरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 1.2 जनन स्थापन के सबझ म नियांजक, इस स्कीम के प्रधीन माने बाले किसी सदस्य की मृत्यु हाने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक बारिसो को बंगाकुल रकम का संवाय तत्परता से भीर प्रत्येव दशा में भार-तीय जीवन बीमा निगम से बीमाकुन रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चिम करेगा।

[सख्या एस-35014/257/82 पी॰एफ॰-2]

S.O. 4256 —Whereas Messrs Delhi Electric Supply Undertaking Sakti Sadan, Kotta Road, New Delhi (DL/138) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) the said Act;

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance scheme of the

Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the caid Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the SCHEDULE annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Delhi, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the rstablishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premimum in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and here any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc, within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(3257)/82-PF. 11]

का० आ० 5257.—मैसर्म मुकान कीमकर्म न्ताइ 10/3, जी० आई० की० से। एस्टेट बारण अहमदाबाद (जी० टी०/5295) (जिसे इसमें इसमें पक्तान् जिल्हा स्थापन कहा गया है) ने यामेबारी विविध्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके परवान् उनन अधिनियम नहा गया है) की धारा 17 की उरधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है,

श्रीर केर्न्द्राय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मेचारी, किसी पृथक भिशाय या श्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगन की सामूहिक बीमा स्कीप के स्वांत श्रीक श्रीका के साम के स्वांत स्वांत स्वांत के स्वांत स्वांत स्वांत के स्वांत स्वा

भगः केन्द्रीय सरकार उन्न प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा, (2क) द्वारा प्रदत्त पाक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रौर इससे उपानद भनुसूची में बिनिदिष्ट पती के प्रधीन रहते हुए उन्त स्थापन को तीन वर्ष की प्रविध के लिए उन्त स्कीम के सभी उपबंधी के प्रथान से छूट देती है।

#### अमुमुची

- ा जन्त स्थालत के संबंध में नियाजक प्रार्थणक भावाद निष्टि प्रायुक्त गुजरात की ऐसी थियर्राणका भेजेंगा और ऐने लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रमारों का प्रत्येक मान की समाध्ति के 15 दिन के भी तर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रश्नित्यम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के धार्मित समय-समय पर निविद्ध करे।
- 3 सामूहिक बीस। स्कीस के प्रधासन में, जिसके घम्सर्गन नेखाओं का रखा जाना विवरिणयों का प्रस्तुत किया जाना, बीम। प्रीग्नियम का संदाय, नेखाओं का घन्नरण, गिरीक्षण प्रभारों का संदाय प्रादि भी है, होने वाले सभी व्ययां का बहुन नियोजक बारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामृहिक जीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और अब कभी उनमें संशोधन किया जाए, कब उस संशोधन की प्रति तथा वर्में खारियों की बहुसंख्या की भाषा में उमकी मुख्य यातों का अनुवाद, स्थापना के मूचना-पट्ट पर प्रविश्ति करेगा \
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निश्चि का या उक्त प्रधिनियम के अर्धान छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निश्चि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में निर्याजित किया जाता है तो, नियोजक सामू-हिल कीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नीम तुरस्त दर्ज करेगा घीर उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन कीमा निगम की संदल करेगा।
- 6. यदि उक्त स्क्रीम के अधीन कर्मचारियों को उनलब्ध कायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्क्रीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों से समृचित रूप से वृद्धिकी जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के निष् नामृहिक बीमा स्क्रीम के ध्रवीन उपलब्ध कायदे उनकारका के अधिन चनुकृत हो, जो उना रकीम के ध्रवीन उपलब्ध कायदे

- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसो बात के होते हुए भा , यदि किसी कार्मकारी की मृत्यू पर इस स्कीम के प्रवीत सन्दय रकम उस रकम से कम है, का कर्मबारों को उस दक्षा में सदय होती, जब यह उका स्कीम के प्रवीत होता हो, नियोजक कर्मबारी के विधिक थारिस/नामनिर्देशिति को प्रतिर में रूप में दोनों रकमों के प्रवीत रें बराबर रकम का संदाय घरेगा।
- 8. साम्भाक सीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संबोधन, प्रादेणिक भविष्य निधि धामुक्त गुजरात के पूर्व धनुमोदन के बिना नहीं किया आएगा भीर जहा पिनी संबोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने की संभावना हो, यहा प्रादेशिक भविष्य निधि भायुक्त, भगा भनुमोवन देने से पूर्व कर्मचारिया को प्रथना वृष्टिकाण स्पष्ट करने का मुक्तियुक्त भवनर देगा।
- 9 यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मलारा, गार्ट्सथ जीवन बीसा निगम की उस सामृहिक बीमा स्वीम के, जिसे स्थापन पहेले प्रापना धुरा है बाधीन निही रह जाते हैं या इस स्कीम के प्राप्त होने बाले कायदे किसी रोति से कम हो जातहै, तो यह छूट रद्द की जा सवारी है।
- 10. यदि किसी नारणंवश, नियोजक उस नियन नारीक ने भीतर, ओ भारतीय जीवन सेमा नियम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में भसकत रहता है, श्रीर पाशिसा की अपयात हो जाने दिया जाता है ती, छुट रदद की जा सकती है।
- 11. नियानक द्वारा प्रामिथम के सदाय में किए गए किसी व्यक्तित्वम को दशा में उन मून सदस्यों के नामनिर्देशितयों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दा गई होती हो उक्त स्काम के अन्तर्गत होते, कीमा कायदी के सदाय का उत्तरदायिक नियानक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इन स्क्रीम के प्रार्थन धान वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकवार नाम निर्देशितियाँ/विधिक बारिसी का बीमाकृत रकम का सदाय तथरता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जिवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होंगे के सान दिन के भीनर मृतिकिन करेगा।

[मंख्या: गुमा:-35014/256/82-पा० गुफा:-II]

S.O. 4257.—Whereas Messes Sukan Chemicals, Plot No. 10/3, G.I.D.C. Estate, Vatva, Ahmedabad (GI/5295) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any-separate contribution or phyment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years

#### SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such impaction charges as the tentral Government may, from time to time, direct under chaise (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees."
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employers under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation,
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fulls to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case with 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S 35014(258)/82-PF.II]

का० आ० 4258.— मैनसँ ए० पी० स्टेट अग्री इण्डस्ट्रीज, बेनेलपमेल्ट कारपीरेणन लिमिटेड, नैदशबाद-500004 (आ०प०/3300) (जिसे इममें इगके पश्चान उकत स्थापन कहा गया है) ने सर्वेषारी मिलक्य निधि और प्रकीण उपबंध शिविन्यस, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इनके पश्चान उक्त श्रीधनियम कहा गया है) की झारा 17 की उपधारा (2क) के श्रधीन छट दिए जाने के निए शावेषन किया है.

और नेल्बीय सरकार का सनावात हो गया है कि उक्त स्वानन के कर्मचारी, किसी पृषक व्यक्तियाय या प्रीमियम का संदाय निष् विता ही, भारतीय शिवा बंभा निन्न की सामूहिक बीमा स्कीम में धर्मन ग्रीवर बीमा के रूप में फायवे उठा रहे हैं और ऐंग कर्मवास्थि के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो वर्मवरी निक्षेप सहबद बीमा स्कीम, 1976 (जिंगे इनमें इसके पश्यात् उत्तर स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुकेष है,

भत., केन्द्रीय सरकार, उनन प्रधिन त्य की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदेश णितनथी का प्रधीय करते हुए ग्रीर इसमें उरावद्ध भनुसूची में विकित्विट भनी के प्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की ग्रवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबार्ग के प्रवर्षन में छूट देनी है।

#### अमुसुर्ध

- 1 उक्त स्थापन के संबंध में नियोजित प्रविधित श्रिक्य विधि ध्रायुक्त आन्द्र प्रदेश को ऐसी विवर्णियां मेजिया और ऐसे लेखा रखेगा तथा विरीक्षण के सिए ऐसी मुनिवाएं श्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, सम स्थिसय पर निविध्य करें।
- १ नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मान की मनागि के 15 दिन के भीतर मदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त ध्रिक्षियम की धारा 12 की उपधारा (अक) के खड़ (क्) के प्रधीन समय-भमय पर निरिष्ट करें।
- 3. मामुहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके घर्ष्यांन लेखाओं का एखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का प्रस्तुरण, मिरीक्षण प्रमारों का संवाय प्रादि भी है, होने वाते सभी कार्यों का बहन नियोजक बाग किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार ब्रास्य थया अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, श्रीर जब कभी उनमें संगोधन किया आए, तब उन संगोधन की प्रति तथा कमेंचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी समय बातों का अनुवाद स्थापन के मुकता-गट्ट पर प्रदर्शित करिया।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मकारी, जो कर्मचारी भविष्य निश्चि का या उक्त मधिनियम के अधीन छूट प्राप्त निर्मी स्थापन की मिवच्य निश्चि का पहले ही मबस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, मियोजित साम्हिक बीमा स्कीम के मदस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बायन आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबल करेगा।
- 6 यांव उमन स्कीम के श्रवीन कर्मचारियों को उनलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के श्रवीन कर्मबारियों को उपलब्ध फायदों में समृचित रूप से बुद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसमें कि कर्मबारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के श्रवीन उनलब्ध फायदे उन फायदों से श्रविक श्रनकृत हो, जो उक्त स्कीम के श्रवीन यनुकेय हैं।
- 7. सामृद्धिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के स्रवीत संदेय रक्तम उस रक्तम से कम है, जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के प्रधीत होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिस)नासनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में बीनों एकमों के ध्रतर के बराउर रक्तम का संदाय करेगा।
- 8. साम् हिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रदिशिक अधिक्य निश्चि भायुक्त आन्य प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा भीर जहां किसी संशोधन ने कमंचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रमाब पड़ने की संभावना हो, वहां प्रावेशिक भविष्य निश्चि श्रायुक्त, अपना अनुमोदन देने में पूर्व कमंचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देशा।
- 9 यदि किती कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की अस सामृद्धिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रथना चुना है

- मधीर नहीं रह पान है, या इस स्पर्धन न प्रजीत कर्मकरियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छड़ यह का जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवंश, निवांशत उस निवंत नारीक के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम निवंत भरे, प्रीमियम का मदाय करने में बाफल रहता है, बीर पालियों को ब्यागत हो जाने दिया जाता है तो, छट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजन द्वारा प्रीमियन के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की द्वारा मैं उन मून सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक बरिसों को जो यदि यह छूट न वी गई होनी तो उक्त स्कीम के प्रन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सुदाय का उत्तरवाधिक नियोजन पर होगा।
- 12. उबन स्थापन के सबंब में नियंत्रिय, इस स्कीम के श्रश्नीन आने बाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्तवार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों की बीमाकुल रुकन का संदाय तरारता से श्रीर प्रत्येक दणा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकुल रुकम प्राप्त होने के सान दिन के भीतर सनिक्तिन परिशा।

[संबंद: गुम-35014] 23 q/82मी • गुफ-**I**I]

- S.O. '4258.—Whereas Messis A.P. State Agro Industries Development Corporation Ltd., Hyderabad (AP|3300) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);
- And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the life Insurance Corporation of India, in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insulance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme

appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heirs/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of defualt, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the stid Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(2960)/82-PF. II]

का० अ1० 4259.—मैसर्स मादर्न टैक्सटाईल्स लिमिटेड पोस्ट बाक्स न० 1117 59 बी० बेक्सटा स्वामी रोड आर एस० पुरम कोवस्वतूर-61100? (तिमलनाडु (जिसेडसमें इसके पश्चान उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भिष्ण निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चान उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अर्थान छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है,

ग्रीर केन्द्रिय सरकार क. समाधान हो गया है कि उकत स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियस का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के श्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मचारियों के लिये वे फायदे उन फायदों में प्रधिक अनुकूल है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें अनुशेय हैं;

श्रतः, केन्द्राय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबक अनुसूची में विनिर्विष्ट शर्तों के श्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीम वर्ष की श्रविध के लिए उक्त स्थीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

### **ग्रम्**सूची

 उपत स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रविशिक भविष्य निधि ग्रामुक्त तमिलताडु को ऐसी विवरणियां भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तमा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा को केस्ट्रीय सरकार समय समय पर निविष्ट करे।

- तियोजिका, ऐसे निर्दाक्षण प्रभागों का प्रत्येक साथ की समापित के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उनत प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समयसमय पर निविष्ट करें।
- 3 सामूहिक बीमा स्कोम के प्रणासन में, जिसके ग्रन्तर्गत लेखाग्रो का रखा जाना, विवरणियां का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, खेखाग्रों का ग्रन्सरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय ग्रादि भी है, होने काले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा धनुमोदिन सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संगोधन किया जाए, क्षव उस संगोधन की प्रक्षि तथा कर्मच.रियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बालों का धनुवाद, स्थापन के सूजना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा
- 5. यदि कोई ऐसः कर्मचारी, जो कर्मचारी भिषय्य निधि का या उपत अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भिषय्य निधि का पहले हैं। सबस्य है, उसके स्थापन में नियोजिक किया जाता है सी, नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबन आवश्यक प्रोमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के धर्मन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए, जाते है तो, नियोजक सामृष्टिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मच।रियों को उपलब्ध फायदों में समृज्ञित रूप से वृद्धि की जाने की ध्ययस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के ध्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक धनुक्ल हो, जो उक्त स्कीम के स्रधीन धमुजेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मजारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधान सन्देय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मजारी की उस दणा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के धर्धात होता तो, नियोजक कर्मजारी के विधिक बारिम/नामनिर्देशिती की प्रतिकर के रूप में दोनो रकमों के अन्तर के बराजर रकम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक भीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संगोधन, प्रादेशिक भिष्य निश्चि आयुक्त, तिमलनाडु के पूर्व धनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संगोधन से कर्मनारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पक्ते की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भिज्य निधि धायुक्त, भपना धनु-भोदन देने से पूर्व कर्मनारियों को धपना दृष्टिकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मजारी, भाग्सीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रधान खुका है प्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वासे फायदे किसी रीति से कम हो आते हैं, तो यह छूट खुद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवा, नियोजक उस नियन नारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करें, प्रीमियम का मंदाय करने में असफल रहता है, ग्रीर पालिमी को व्यपमत हो जाने दिया जाता है तो, छुट रह की जा सकती है।
- 11. नियाजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक धारिसों की जो मित यह छूट न वी गई होती तो उक्त स्कीम के झन्त्गीत होते, बीमा पायवों के संवाय का उक्तरवायित्य नियोजक पर होगा।

12. उनत स्थापन के सबंध में तियोजक, इस स्काम क प्राचीन आते बाल किसी सदस्य का मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्वाणितियों/ विधिक वारिया की बीमाइक रक्ष्म का संदाय तत्परता से प्रार प्रस्पेक दशा म भारताय अजन बीमा निगम से बामाइक रक्षम प्राप्त होने के माल दिन के भीतर सुनिविचन करेगा।

[भक्यः एस-35014/261/82-गा॰एफ॰-II]

S.O. 4259.—Whereas Messis The Southern Textiles Limited, P.B. No. 1117, 59-B, Venketasarry Road R. S. Puram, Combatore-(TN/937) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And wherers, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution on payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the sid Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premis, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be have by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this 3cheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nomince of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomine flegal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(261)/82-PF. II]

का० आ० 4260.—मैसर्स धारत हैंवे प्लेट एण्ड वेमल्य लि० दिनाखापत्ताम (आ०प्रा०/3495) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी मिवष्य निश्चि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इपमें इसके पश्चान उक्त धिनियम कहा गया है) की बारा 17 की उपधारा (2क) के धिन छूट दिए जाने के लिए धालेदन किया है;

भीर केन्द्रोग सरकार का समाधान हो गय। है कि उपन स्थापत के कर्मचारी, किनी पृथक अभिदाय या प्रीतियम का संदाय किए बिना हैं, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मवारियों के लिये ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इनके प्रचान उपन स्कीम कहा गया है) के अर्धन उन्हें अनुजोय हैं;

ग्रतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त ब्रिधिनियम की श्वारा 17 की उपधार। (२क) द्वारा प्रदन्त शिवनयों का प्रयोग करने हुए भीर इससे उपाइक अनुसूची मे विनिद्धित्व शर्तों के अर्थान रहते हुए, उक्त स्थापन की तीन वर्ष की अर्था के सिंग उपबन्धों के प्रवर्षन से प्रूट देनी है।

## अमृन्सी

- उक्त स्थापन के संबंध में नियोजिक प्रोशिक भविष्ण निर्धि धायुक्त आन्ध्यप्रदेश की ऐसी दिवरणिया भेजेगा और ऐसे निद्धा रखेन तथा निर क्षण के लिए ऐसा सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करें।
- टे नियोजक, ऐसे निरंक्षण प्रभाग का प्रत्येक सास की समाप्ति के 15 विन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय गरकार, उक्त श्रविनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रांत समय-सनग पर निरिष्ट करें।
- 3: मामूहिन बीमा रूपीय के प्रणासन में, जिसके अन्तर्गत लेखायी का रखा जाना विवरणिया का प्रस्तुत किया जाना, बीम, प्रीमियम का संवाय, लेखायी का अन्तरण, निराक्षण प्रमारी का संदाय प्रादि भ है, होने बाले सभी न्यूपी का वहन नियोजक द्वारा विका अधिना।
- 4 नियोजक, फेन्ड्रिय सरकार द्वारा यया सनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों का एक प्रति, और जब कर्ण उनमें समीधन किया जाए, नब उस मणोपन की प्रति नना एमंकारियों का बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का ग्रनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रवित्तत करेता।

- 5. यदि कोई ऐसा कमंत्रारी, जो कमंत्रारी मिनिय निधि का या उकत श्रिधिनियम के श्रिधीन हुट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले हा सदस्य है, उसके स्थापन में नियाजिल किया जाता है तो, नियोजक सामृहिक बामा न्द्रीम के सदस्य के रूप में उसका नाम हुरत्त वर्ज करेगा और उसका बाबस श्रीयप्यक प्रीमियम भाग्नीय जीवन बीमा निगम की सदन करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कोम के प्रश्नंत कर्मकारियों को उपलब्ध फायदे ब्रक्षाण जाते हैं, तो, तियोजक सामृहिक बामा स्काम के प्रधान कर्मेश्वारियों की उपलब्ध फायदों से समृजित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था नरेगा जिससे कर्मेश्वारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के प्रश्नंत उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रश्निक प्रमृक्त हो, जा उक्त स्कीम के प्रश्नंत प्रमृत्ति है।
- 7. नामृहिक बीम। स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मजारों की मृत्यू पर इस स्कीम के अर्थान सन्त्येय रकम उन रकम में कम है, जी कर्मजारी की उन दणा में संदेध होती, जब बह उक्त स्कीम के भ्रष्टा-तृहीता तो, नियोजक का तिरा के विश्विक वारिस/नामिनिर्दाणिती को प्रतिकर के रूप में दीना रकमा के अस्तर के बराबर रकम का सदाय करेगा.
- 8 सामृहित वीमा रकीम के उपबन्धों से कोई भी सणीखन, प्रादेशिक भवित्य निधि भायुक्त आफिअप्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिता नहीं किया जाएगा और जहा किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रणाव पड़ने की संभाषना हा, यहा प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, प्रणात अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों का प्रणान दृष्टिकीण स्पष्ट करने का युक्ति- युक्त अवगर देगा।
- 9 यदि जिसी कारणवण, स्थापन के कर्मभारी, भारतीय जीमन भीमा निशम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले भपना चका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाल फायदे किसी शीत से कम ही जाते हैं, तो यह कूट रह की जा सकरी है।
- 10 यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियन तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियन की, प्रीमियम का संदाय करने में प्रमफल रहता है, भीर पालिसी की व्यवसन हो जाने दिया जाता है ता हुट रहे की जा सकती है।
- 11 नियाजिक द्वारा प्रीसियम के संदाय में किए गा किसी व्यक्तिश्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विश्विक बारिसों को जा यदि यह छूट न दी गई होता तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बोमा फायदी के मुदाय का उन्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12 उनत स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के बार्धन श्रामे वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियो/ विधिक वारिसों की बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से भीर प्रत्येक दणा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सान दिन के भीतर सनिश्चित करगा।

## [संख्याः एम-3501 t/262/82-पी०एफ०-∏]

S.O. 4260.—Whereas Messrs Bharat Heavy Plate and Vessels Ltd., Visakhapatnam (AP/3495) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India, in the nature of Life Insurance Which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

## **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Andhia Pradesh, maintain such accounts and provide such facilities of inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features, thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5 Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund of the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance is orporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Andhra Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under the Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment

shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(262)/82-PF, II]

का०आ० 4261--- मैसर्स निर्माचगपल्ली डिन्ट्रिक्ट को-आपरेटिव स्पिनिश मिल्म लि० काकर (टी० एन०/5562) हि श्री जिला (जिसे इससे इसके पश्चान् उतन स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीर्ण उपबन्ध प्रक्षिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त प्रक्षिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधान छूट दिए जामे के लिए धावेदन किया है;

शौर केन्द्रीय सरकार का समाधान हा गया है कि उनत स्थापन के कर्मचारी, किसी प्रक श्रामदाय या श्रीसियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन यामा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम के श्राम्नीन जीवन बीमा के रूप में फायद उटा रहे हैं भीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से श्राम्बक श्रनुकृत है जो कर्मचारी निशेष सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके प्रकात् उकास्कीम कहा गया है) के श्रामा उन्हें श्रनुश्रेय हैं;

भ्रत, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर इससे उपाबद श्रनुसूची में विनिद्दिष्ट शर्तों के श्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की भ्रवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती हैं।

## अनुसूची

- उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि भाषुक्त, विस्तानाडुको ऐसी विवरणिया भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी युविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रधारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रविनियम की बादा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समय-समय पर मिविष्ट करे।
- 3 सामूहिक बीमा स्कीम के प्रकासन में, जिसके घन्नांत लेखाघी का एखा जाना, विवरणियों के, प्रम्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाघों का घन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संवाय भादि भी है, क्षेपि बाले सभी क्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार झारा यथा प्रतुमादित सामूहिक योमा स्कीम के नियमो की एक प्रति, धौर जब कभी उनमें संगोधन किया बाए, नब उस सर्गायन की प्रति तथा कर्मबारियों की बन्नसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बाना का प्रनुवाद, स्थापन के सूकना पट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5 यदि काई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त ग्राधिनियम के ग्राधीन छट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य तिधि का पहले ही सवस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामूहिक श्रीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका नाम मुरस्प वर्ज करेगा भीर उसकी बाजब भावश्यक प्रामियम भारतीय जीवन श्रीमा की संस्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के श्रधान कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बहाए जाने हैं तो, नियोजक सामृद्धिक बीमा स्कीम के श्रधीन कर्मबारियों को उपलब्ध फायदों में समृचिन रूप से वृद्धि की जाने की स्वयम्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के श्रधीन स्वयस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के श्रधीन स्वयस्था कायदे उन फायदों से श्रधिक श्रनुकृत हों, जो उक्त स्कीम के श्रधीन श्रमुकेय हैं।

7 सामूहिक कीमा स्कांस में किसी बात के हाते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कोम के अर्धान सत्त्य रक्षम उस रक्षम से अभ है. आ कर्मचारी का उस दणा में सदेय होती, जब वह उकत स्कीम के अर्धान हाता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती का प्रतिकर के रूप में दीनों रक्षमों के अन्तर के यरावर रक्षम का संदाय. करगा।

\_\_\_\_\_

- 8 सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी सकाधन, प्रादिशक भिष्य निधि प्रायुक्त तिमलनाडु के पूर्व अनुमादन के जिना नहीं किया गएगा और जहां किसी संशाधन से कर्मजारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पदने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भिष्य निधि प्रायुक्त, अपना अनुमादन देन से पूर्व कर्मभारियों का अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त भ्रवसर देशा।
- भ यदि किसी लारणविश्व, स्थापन के कर्मचारी, भारताय जोवन क्षेत्र। निर्मा की उस सामूहिक श्रीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पटन ब्रासा चुका है अर्थान नहीं रह जाते है, या इस स्कीम के ब्रधीन कर्मचारिया को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते है, ता यह छूट रद् की जा सक्की है।
- 10 यदि किसी कारणवया, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन श्रीमा निगम नियत करे, प्रामियम का सदाय करने में भूमफल रहता है, और पालिसी को व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो, छुट रह की जा सक्ती है।
- 11. नियाजक द्वारा प्रीमियम के सवाय में किए गए किसी ध्यानियम की दशा में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक बारिसों का जो बिद यह छुद न दी गई होती तो उनत स्कीम के भ्रम्तर्गत होते, बीमा फायदों के मंदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 1.2 उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन माने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नामनिर्देशिनियो/ विधिव वारियो की बीमाक्कत रकम का सदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा म भारतीय अविव बीमा नियम से बीमाक्कत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिष्कित करेगा।

[सम्या एस-35014(263)/82-पी०एफ०-11]

5.0. 4261.—Whereas Messis The Tiruen rapalli District Cooperative Spinning Mills Ltd. Karui, Trichy Distr. (TN/5562) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India, in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Tamilnadu, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the and Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of defualt, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heits entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(263)/82-PF. II]

का बा बिटिंड, यूनिट एवं पी कि कि कि कि कि कि कि कि स्वार्थ एवं पी कि कि रामाचन्त्रापुरम हैदराबाद 500032(आं अप/2932) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मकारी पिक्य निश्चि और प्रकीर्ण उपक्रक प्रक्रिय पिक्रिय निश्चि और प्रकीर्ण उपक्रक प्रक्रिय प्रकितियम 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें

इसके पश्चान जमत श्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (२क) के श्रधीन छट दिए जाने के लिए श्रावेदन किया है।

और केन्द्रीय संस्कार का समाधान हो गया है कि उनत स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक श्रीमदाय या प्रीमियम का सदाय किए बिना ही भारतिय जीयन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के श्रधीन जीयन बीमा के रूप में फायदे उटा रहे हैं भीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुसूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उनत स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उनहें अनुकेष हैं,

श्रातः, केर्न्द्रायः सरकार, उपन प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध धनुसूची में विनिद्धिय शर्तों के भ्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की भ्रविधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपवन्धों के प्रवर्तन में छूट देती है।

## अनुसूधी

- 1. उन्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रावेशिक भनिष्य निश्चि आयुक्त आन्ध्र प्रदेश को ऐसी वित्रशीयों मेजेना और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुनिकाएं प्रदान करेगा को केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निरिद्ध करें।
- 2 नियोजक, ऐसे निरोक्तण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उमत ब्राधिनियम की धारी 17 की उपधारा (3क) के धाण्ड (क) के ब्राधीन समय-समय पर निविध्य करे।
- 3. स.मृहिक बीमा स्कीम के प्रकासन में, जिसके धन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमिथम का संवाय, लेखाओं का घन्तरण, निरोक्षण प्रमारों का संवाय धादि मी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमाधित सामूहिक बंशा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किय। जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का धनुषाद, स्यापन के सूचना-पट्ट पर प्रधीनत करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या जक्त अधिनियम के अधिन छूट प्राप्त किसी स्थापन की अधिकथ निधि का पहुंचे ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृद्धिक बीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त दर्ज करेगा और उसकी नावत प्रावश्यक प्रीमिगम भारतीय जीवन कीमा निगम को संदस्त करेगा।
- 6. यदि उसते स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तां, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकृत हों, जो उपन स्कीम के अधीन अनुक्रेय हैं।
- 7. सामृहिक वीमा रुकीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्म बारी की मृत्यु पर इस स्कीम के भ्रष्ठीत सम्बेध रकम उस रकम से कम है, जो कर्म जारी को उस यथा। में संदेय होती, जब यह उकत स्कीम के म्राधीन होता तो, नियोजक कर्म बारी के विधिक बारिस/नामनिर्वेशिती को प्रतिकर के कप में बीनों रकमों के भ्रन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

- 8. सम्हिक बीमा स्तीम के उपबन्धा में लोई भी सक्षीधन, प्रावेणिक मिक्षिप निविध अपुक्त आध्य प्रदेश के पूर्व अनुमायन के जिला नहीं जिए आध्या और जहां किसी संशोधन ने कर्तश्रीभी के कि पर अतिकृत प्रभाव पहते का सभावना हा, बहा प्रावेशिय अधिय निधि धाणुनन, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्तन। रियो को ब्याना कृष्टिकाण स्पष्ट करने का मुक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किमा कारणवर्गा, स्थापन के कथेन(र , भारतीय जावन संमा नियम की उस मामृहिक बंमा स्थाम के, जिसे स्थापन पहेंने अपना चूका है अर्थान नहीं रह जाने हैं, या उन स्कीम के अपन किनेशिंदियों की प्राप्त हाने थाले कायदे किमी कीनि से यम हो । एने हैं, तो यह हूट रह की जा सकती है।
- 10. यांव किसी. कारणवण, नियाजक उस नियत तारीक के भीतर, जो भारत्य जीवन बीका जिलाम नियत करी, प्रीशियम ता केदाय करने में अनकत रहना है, और पालिमी का व्यवपात हा जाने दिश पाल है सा, छह रह की जा सकती है।
- 11. नियोजिक द्वारः प्रसिवन के नदाय में किए एक शिक्ष व्यक्तित की दशा में उस भूत सबस्या के नामनिर्देशितियों या विधिक निविभों को जा यदि यह छूट न दी गई होती सा उता स्क्रीम के मत्त्रिय का उसल्याधिक नियालक पर होता।
- 12 उन। स्थापन के राजध म निश्वान, इस स्कीम के राधन आने वासे किन सदस्य की मृत्यु हाने पर उसके हकदार नाम निर्धीयानियां/ विधिक नाभ्यों की धीनाहान रक्षम का संदाय नतारा स भीर प्रत्येक द्वामी भारता च जीनन वीभा निगय से धानाहान रक्षम प्राप्त होने के नात विभाव के भारतर सुनिश्चित करेगा।

[मक्या एस -35014/26 एऽ ' व एफ-**II**]

S.O. 4262.—Whereas Messis Bharat Heavy Electricals Ltd., Ubit, HPEP, Ramchardra Puram, Hyderabad-500032 (AP/2938) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said estable? ment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

## **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Hyderabad, Andhra Pradesh, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charge, as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insutance Scheme as approved by the Central Government and, is and when amended, alongwith a translation of the salient matures thereof, in the language of the majority of the imployees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance ... rporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, (Hyderabad), Andhra Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insulance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is hable to be cancelled.
- 11. In case of defualt, if any made by the employer in payment of premium etc. the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal beits entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(264)/82-PF. II]

का०आ० 4203.— भैसर्ग हिमान्त्र कैमिकत्म प्राईवेट नित्सिटेड, प्लाट न०10/37,की०आई०४०५% एस्टेड, उत्तरा, अस्मदाबाद (गुनरात/ 6895), (जिसे इसमें इसके पण्यात् उपत स्वापन यहा गया है) ने कर्मेश्वरी भीषण्य निधि भीत प्रकृषि उपतस्थ श्रीधनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पण्यात् उनत भीनित्यम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (२क) के भधीन छूट दिए जाने के लिए भावेदन किया है.

और केन्द्रीय सरकार का समाद्यान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक भिषयाय या प्रीमियम का सदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामहिक बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उटा रहे है भीर ऐसे कर्मशारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से भ्रधिक भनुकूल है जो कर्मशारी निक्षेप सहबद्ध कीमा स्काम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उपन स्कीम कहा गया है) के भ्रधीन उन्हें भनुजेय हैं,

ग्राम, केन्द्राय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त पाकिनयों का प्रयोग करने हुए और हमसे उपावद्ध प्रमुक्त्वी में विनिधिष्ट पार्ती के प्रधान रहने हुए, उक्त स्थापन को दीन वर्ष की ग्रमधि के लिए उक्त स्कीम के मभी उपबन्धों के प्रवर्तन से खूट देती है।

#### अनुसूची

- उपन स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि
  प्रायुक्त गुजरात को ऐसी विवरणिया भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा
  निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समयसमय पर निरिष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाधित के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जा केन्द्रीय सरकार, उक्त भ्रिष्ठिनियम की द्यारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के भ्रश्रीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीमा रकीम के प्रशासन में, जिसके घन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सदाय, निकाफों का भ्रम्परण, निरीक्षण प्रभारों का संवाय भावि भी है, होने वाले सभी अवधों का बहुन नियोजक द्वारा निया जायेगा।
- 4 नियाजक, केन्द्रंय परकार द्वारा यथा धनुमादित सामृहिक भीमा स्कीम के नियमी की एक प्रति, धीर जब कभी उनमें संगोधन किया जाए, तब उस संगोधन का प्रति तथा कर्मचारियों का बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बाना का सनुयाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदेशित करेगा।
- 5 यदि काई ऐसा कर्मनारी, जो नर्मनारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पाइले हो। सदस्य ही, उसके स्थापन में निमाजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम नुस्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवष्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उपन स्कीम के प्रदीन कर्मनारियों को उपनक्ष फायदे बढ़ाए, जाते हैं तो, नियाजक मामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मनारियों का उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से पूदि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मनारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों में प्रधिक भानुकूल हो, जो उक्त स्कोम के प्रधीन धनुकेय है।
- 7. सामृहिक बीम, स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इसे स्कीम के प्रधान सच्चेय रकम उस रकम से कम है, औ कर्मचारी को उस दक्ता में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्वेषिता की प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के प्रतिकर के बराबर रकम का मंदाय करेगा।
- 8. साम्हिल बीमा स्तीम के उपबन्धों में कोई भी सशोधन, प्रादेशिक मिलिय निश्चि मायुक्त गुजरात के पूर्व मनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संबोधन से कर्मणारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने को संभावना हा, वहा प्रादेशिक भिष्य निधि मायुक्त, मपना मनुमोदन देने से पूर्व कर्मचीरियों को म्रापना दृष्टिकीण स्पष्ट करने का स्वित्युक्त मथसर देगा।
- यदि किसी शारणवंश, स्थापन के कर्मकारी, भारतीय जावन बीसा निगम की उस सामृहिक बीसा क्लीम के, जिसे स्वापन पहुले अपना

- भुका है भर्धान नहीं रह जाते हैं, या इस स्कल्म के भ्रधीन कर्मधारियों को प्राप्त होने बाले फायदे किसी राति से कम हो जात हैं, तो यह छूट रह का जा सपातों है।
- 10 यदि किसी कारणवशा, नियाजक उस नियत तारीख के भीतन, जो भारतीय जावत बीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में प्रसफल रहता है, भीर पालिसी की क्यारणत हो जान दिया जात. है तो, खुट रह की जा सकता है।
- 11 नियंजिक द्वारा प्रसिवम के संदाय में किए गए किलं व्यक्तित्रम की दण। में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देखितियों या विधिक वारिसों की जो यदि यह खूट न दा गड़ होतों तो उत्तर स्कीम के भलागैत होते, बीमा फायशे के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर हागा।
- 1.2 उनत स्थापन के सबंध में निवाशक, इस स्कीम के प्रधान प्राव वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्वशितियों। विधिक वारिसी की बामकित रकम का संदाय तत्परता से और प्रस्थेक दशा में भारतीय जीवन दीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के कीतर सुनिश्चिक करेगा।

[स**ब**या एस- 35014/265/82- पी०एफ-H]

S.O. 4263.—Whereas Messis Himansu Chemicals Private Limited, Plot No. 10/3A, GIDC Estate, Vatva, Ahmedabad (GI/6895) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India, in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insumce Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol

um is a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal beir/nomines of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident, I und Commissioner. Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Copporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of defualt, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(265)/82-PF. II]

चा० आ ० 4264 — मैसर्स आतीं पैट्रोकेमिकल इन्हर्म्हाज प्रोईवेट लिमिटेड, अहमदाद्वाद (गुजरात/1113) (जिसे इसमें इसके पश्चात् सकत स्वापन कहा गया है) ने कर्मचारी चिच्य निधि और प्रकीण उपबन्ध धिवित्यम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत प्रधितियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीन खुट दिए जाने के लिए धाचेदन किया है;

भीर केरदीय सरकार का समाधान हो गया है कि उकत स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक भिना या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी मिक्षेप सहब्रद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त स्कीम कहा गया है) के अभीन उन्हें अनुक्षेय हैं;

भ्रतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त भ्रिभित्यम की धारा 17 की उपक्रारा (2क) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए भीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिद्धिय गतीं के भ्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को लीन वर्ष की भ्रविध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन में छूट बेती है।

## अनुमूचं (

- । उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियानक प्रारंगिक भविष्य निधि प्रायुक्त नृजरात का ऐसी किया में ने। प्रोर ऐसे लेखा रुखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधार्ग प्रदान करेगा जो केन्द्र य सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक सास की समाध्य के 15 किन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्राय सरकार, उत्तर प्रजिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के घरान समय-समय पर निर्दिग्ट करें।
- 3 नामूहिक बेमा स्कीम के प्रणासन में, जिसके घन्तर्गत लेखामों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का मवाय, लेखाओं का धन्तरण, निराक्षण प्रभारों का संवाय ग्रांवि मी हैं, हाने केले सभी व्ययों का बहत नियोजक बारा किया जायेगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमीदित सामृष्टिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशाधन किया आहा, तब उस संशोधन को प्रति तथा कर्मनारियों की बहुसस्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सुमना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5 यदि कोई ऐसा कमें बार्टर, जो कमें बार्टर भिवष्य निधि का या उक्त मिन्नियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृष्टिक सीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त वर्ज करेगा भीर उसकी बादन भावण्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को मंदन करेगा।
- 6. यदि उन्त स्कीम के प्रधीन कर्मवारियों को उपलब्ध फायदे बहुतर जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मेन। रियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से बुद्धि की जाने का व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मवारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक धनुकूल हीं, जो उन्त स्कीम के प्रधीन धनुक्षेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मेजारी की मृथ्यू पर इस स्कीम के अधीन सन्देय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मचारी की उस दशा में सेदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मवारी के विधिक वारिस/न(मनिवेंशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रक्तमां के अन्तर से बराजर रक्तम का संवाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेणिक भविष्य निश्चि ग्रामुक्त नुजरात के पूर्व मनुमोदन के किन, नहीं किया जाएगा ग्रीर जक्षा किसी मंशोधन से कर्मजारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने की संभावना ही, बहां प्रादेशिक मिलिष्य निश्चि मायुक्त, प्रधना मनुमोधन देने से पूर्व कर्मणारियों को भवना बृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति- मुक्त भवसर देगा।
- 9 यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, सारतीय जीवन सीमा निगम की उस मामृहिक सीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना खुका है अधीन नहीं रह जाते है, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होंने बाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते है, ता यह छूट रह का जा मकती है।
- 10. यदि किसी कारणवर्श, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बोमा नियम नियत करे, प्रोमियम का सक्षय करने में प्रमफ्त रहता है, और प्रालिसी का व्यासत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियाजक द्वारा प्रामियम के संदाय में किए गए किसं। व्यतिक्रम की दशा में उन मूल सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक बारियों की

जो यदि यह छुट ६ दें सः हता ता उध्य सकाम क चनार्यत होते. बागा फामको के मदत्य का उत्तरहतिक किताक पर होते.

12.43कन स्थापन हानेगा में पियाजक इस स्थाप के ध्राम काल बारो किया सदस्य हा मृत्यु हान पर उनक हरदार नाम निर्देशिया। विधिक वास्मित व व माहत रकत हा सदाय नव्यप्ता से और प्रयोक इसा के भारताय अपना बाना निस्ता से वीताहत रहम प्राप्त होने के मात दिस के भारताथीं में सीता स्रोगा।

[भुक्ताणम 35011/266/8 र पंजिएक-त]]

SO. 4264.—Whereas Messis Aaiti Petro Chemical Industries Private Limited, Ahmedabad (GH113) (hereinafter retered to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provisions Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Depo it-Linked Lisuiance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed here-to, the Certral Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees
- 5. Who cas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corpo ation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the soid Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Sheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal hei-nominee of the employee as compensation.

8 No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view

- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under the Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the preminum etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibilty for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the S.heme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

INo. S-35014(266)/82-PF. III

बा० आ० 4265 - भीमर्स कापर इजीनियाँ म लिमिटेड, पूना-19 जिसमें उगकी (1) बिन्दवाडा, पूना-19 श्रीप (1) 654 जे०एम० रोष्ट, पूणे-111004 पर स्थित शाखाय समितित हैं तथा जिल्दवाडा, पूणे-19 में स्थित कस्पती (महाराण्ट्र/2814) (जिसे इसमें इसके पश्चात उनकर स्थापन कहा गरा है) ने कर्मवारी भविष्य निधि श्रीप प्रकीर्ण उपबन्ध स्थिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उनम स्थिनियम कहा गरा है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के सर्धात छट दिए करने के निए स्थित किया है;

भीर केरदीय सरकार का समाधान हो भवा है कि उपन स्थापन के मर्मवारी, कियी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए विना ही, भारतीय जीवन बीमा निराम की सामृद्धिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के सप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे जर्मभारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से प्रिक्त भीना के कर्मभारी निक्षम महबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के सपीन उन्हें अनुतेय है;

भता, तेन्द्रिय सरकार, उत्तन मिर्मिनथम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त सिन्यों का प्रयोग करने हुए भीर इससे उपाश्वद्ध भनुसूर्वा मे विनिधिष्ट मानों के प्रधीन रहते हुए, उसन स्थापन को तीन वर्ष की प्रविधि के लिए उत्तन स्कीम के सभा उपबन्धों के प्रवर्तन में छट देनी है।

## अनुसृची

- 1 उका स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक प्रविष्य निश्चि भ्रायुक्त, (सहाराष्ट्र) बम्बई को ऐसी विजरणियां भेजेगा ग्रीर ऐसे लेखा रखेगा निर्देशिण के लिए ऐसी जुविद्याएं प्रवान करेगा जो केर्ध्व संस्कार, समय-समय पर निर्दिश्ट करे।
- 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रमारों का प्रस्थेस माम की समाध्यि के 15 दिन क भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रक्षितियम की धारा 17 के उपधारा (3क) के खंड (क) के प्रधीन समय-समय पर निर्दिख्ट करें।
- 3 सामृहिक बीसा स्कीम के प्रणासन में, जिसके भन्तर्गण लेखाओं का रखा जाना, विभरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बांसा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का भन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय ख्रादि मी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

- 4. नियोजक, केन्द्रीय गरकार द्वारा यथा झनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमी पी एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस सवाध्या की प्रति नदा कर्मकारियों की बहुसदमा की भाषा में उसकी मुख्य बाता का अनुवाद, स्वापन के सूचना पट्ट परप्रवर्णित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मनार', जो कर्मनारी भविष्य निधि का या उनन भिक्षित्यम के अर्थान छूट प्राप्य किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सबस्य के, उनके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक नामृष्ट्रिक बामा स्थाम के सदस्य के रूप में उसका नाम गुरस्य वर्ण करेगा और उसकी बाबा अर्थक्यक प्रोमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को सदस्य करेगा।
- 6. यवि उतन स्कीम के अधीन कर्मनारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बंमा स्कीम के अर्धान कर्मवारियों को उपलब्ध फायदों में समुक्षित स्प से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मनारियों के लिए सासूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकृत हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनु-ज्ञेय हैं।
- 7 सामूहिक बीमा स्कीम मे किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी भिमें जारी की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन सन्देय रकम उस रकम से कम है, जो वर्म जारी को उस दणा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होगा तो, नियोजक कर्मनारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में बोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।
- 8 सामूहिक कीमा स्कीम के उपवन्छों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त भवागिक के पूर्व प्रनुपोदन के बिना नहीं किया जाएका और नहीं किया जाएका और नहीं किया नहीं की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना मनुमोदन देने से पूर्व कर्मनारियों को अपना बृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त प्रवक्तर देना।
- 9. यदि किसी कारणवर्गा, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रपना चुना है भ्रष्मीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के भ्रष्मीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाने हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस निया हारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियन करे, प्रीमियम का संवाय करने में भनभरत रहना है, ग्रीर पाणिनी को व्यपगत हो जाने दिया जाना है तो, छूट रह की जा मकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीतियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की क्षमा में उन सृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक बारिमों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उत्तर क्कीम के प्रन्तर्गत होते, बीमा कायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उका स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन धाने नाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उलके हकदार नाम निर्देशितियों/ विधिक वारिसों की बीमाकुन रकम का संदाय तत्परता से धीर प्रत्येक वर्षा। में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकुन रकम प्राप्त होने के सात विन के भीतर सुनिधिनन धारेगा।

# [संबंधा एस-35014/301/82-पी०एफ-II]

S.O. 4265.—Whereas Messrs Cooper Engineering Limited, Poons-19 including its branches at (1) Chinchwad. Poons-19 and (2) 654 J. M. Road, Pune-411004 and the concern at Chinchwad, Pune-19, (MH/2814) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

1042GI/82-10

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance while hare more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the SCHEDULE annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

### SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employees, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more-favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employer been covered under the sild Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharushtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employee, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable, to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium ctc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to larse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of

deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 lays of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (301)|82-PF.II]

का०आ०4268— इलप्रो इटरनेशनल लि०, चिमचायाडगाँव, पूना411033, जिमें इसकीनिन्निचिखित शाखाएं भी शामिल हैं - (1) नारीमन
प्वाण्ट, बम्बई (रिजस्टर्ड आफिस (3) दुब्राम चेन्बसं, कुमटा स्ट्रीट, बम्बई
(3) वेजमले हाउस कलकत्ता ग्रीर (4) अर्चना आफिस कम्पक्षेत्रम, ग्रेटर
कैनाण- 1 नई दिल्ली (जिसे इममें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है)
ने कमंचारी मिवष्य निधि ग्रीर प्रकीण उपवन्ध अधिनियम, 1953
(1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है
की धारा 17 की उपवारा (2क) के ग्रधीन कृट विए जाने के लिए
भावेदम किया है;

भीर केन्द्रीय संस्कार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मनारी, किसी पृष्क भिन्ताय या प्रीमियम का संवाय किए बिना ही अरितीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक केमा स्कीम के अधीन जीवन वीमा के रूप में कायवे उठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मनारियों के लिए ये कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूष हैं जो कर्मनारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिमे इसमें इसके परवात् उक्ष्म स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुक्रेय हैं;

भन , केन्द्रीय सरकार, उकत प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रणीग करते हुए और इससे उपाबद्ध भनुसूबी में विनिधिष्ट सतों के श्रधीन रहते हुए, उकत स्थापन को तीन वर्ष को ग्रामि के लिए स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती हैं।

## अनुसूची

- 1 जरून स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि भ्रायुक्त महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेंगा धौर ऐसे लेखा रखेंगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर विविध्ट करे ।
- 2. तियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उकन अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के धधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।
- 3. पाम्हिक बीम। स्कीम के प्रणासन में, जिसके प्रन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का प्रस्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संवाय धादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4 निरोजक, केन्द्रीय सरकार द्वार, यथा धनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, धीर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति नथा कर्मजारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसको पृथ्य बातों का प्रनुवाद, स्थापन के सुचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उपन प्रधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी रैपापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजिन किया जाता है तो, नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरक वर्ज करेगा भीर उसकी बाबत आवश्यक प्रोमियम भारतीय जीवन बीम। नियम की संदक्त करेगा।
- विवास क्षेत्र क्ष्मीम के प्रश्रीन कर्मनारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामृद्धिक भीमा क्कीम के प्रश्रीम कर्मनारियों

- को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीत उपलब्ध फायदे उन फायदों से भ्रधिक धनुकूल द्वी, जो उक्त स्कीन के धवीन भनुक्तेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम मे किसी बात के होते हुए थी, यदि किसी कर्म-चारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सदेय रक्तम उस रक्तम से कम है, जो कर्मचारी की उस दला में संदेप होती, जय वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक यारिश/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रक्तम क सदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबग्धों में कोई भी संगोधन, प्रादेशिक भिल्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र के पूर्व प्रतुमादन के बिता नहीं किया जाएगा भीर जहां किसी संगोधन से कर्मनारियों के हिन पर प्रीकृत प्रजाब पड़ने की सभावना हो, पहां प्रादेशिक भिन्न निधि आगुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मनारियों की प्रयना युष्टिकीण स्पष्ट करने का युष्तियुक्त भवसर देगा ।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगय की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिने स्थापन पहले प्रापता चुका है प्रधीन नहीं रह जाने हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों की प्राप्त होंने वाले फायदे किसी रीनि से कम हो जाने हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।
- 10 यदि किमी कारणवा, नियोजक उस नियन तारीख के भीजर जो भागतीय जीवन बीसा नियम नियन करें, प्रीमियन का संबाय करी में धमकल रहना है, और पालिसी को व्यपकत ही जाने विया जाना है तो छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रशासियम के पंदाय में किए गए िसी ब्यातिकम की दशा में उन मृत सबस्यों के नाम निर्देशितीयों या विधिक वास्सिं को जो यवि यह छूट न वो गई हीती ता उक्त स्कीम के सम्पर्णित होते, बीमा फायकों के संप्राय के उत्तरदायित्व जिल्ला पर होता ।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक इस स्कीम के मधीन धाने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्वेणिनीयों विधिक वारिसों की बीमाफ़त रकम का संवाय तत्परता से भीर प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त हाते के सात विन के भीतर सुनिविद्यत करेगा।

[सं॰ एस-35014/311/82-नो॰ एक-[1]

S.O. 4266.—Whereas Messis Elpro International Limited, Chinchwadgaon, Poona including its negistered office at Nariman Point, Bombay and branches at Dubash Chembers, Kampla Street, Bombay (ii) Wellesley House, Calcutta and (iii) Archa Office Complex, Greater Kadlash-1, New Delhi (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the SCHEDULE annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance premia, submission of returns, paym transfer of accounts, payment shall be borne by the employer. of inspection charges etc.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and whon am nded, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme sible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Inturance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employeer shall pay the difference to the legal heighneouse of the amount as compensation. legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (311)/82-PF. II]

**फा॰आ॰ 4267--- मैसर्स जय जिल्हा सायकी लिमिटेड, डा-1** ब्ले(फा प्ला न 0 18/1 चिन चिवाड, पूना-411 019, (एम एच 14766) (जिले बसर्ने इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भिषय निधि भीर प्रकीर्ण जपबन्ध ग्राधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त र्माधनियम कहा गया है) की घारा 17 की उपधारा (2क) के भर्धान छूट विए जाने के लिए भावेदन किया गया है;

धीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो नया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक श्रांभवाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही. भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के भ्रष्टन जवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मचारियां के लिए ये फायदे उन फायदों से प्रधिष्ट प्रानुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्राधीन उन्हें प्रनुप्रेय है;

भतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त भिधितियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपायद अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्सों के प्रश्नोन रहते हुए, उक्त स्थापन को त.न वर्ष क′ भ्रविध के लिए उन्त स्कोम के सभा उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देसा क्षेत

## मनुसुची

- 1. उन्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रावेशिक पविषय निधि मायुक्त (सम्बद्ध) महाराष्ट्र को ऐसी विवरणिया भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रोय सरकार, समय-समय पर निर्विष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रश्लेन समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंधर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमः प्रीमियम कः संवाय, लेखाओं का धन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय खादि भी है, होने वाले सभी व्धमों क, बहुन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- नियोजक, केन्सीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सन्पृद्धिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, धीर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियो की बहुमँख्याँ की भाषा में उसकी मुक्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रवशित करेगा।
- 5. यवि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निश्चि का बा उमत श्रधिनियम के प्रधीन छट प्राप्त किसी स्थापन की मविष्य निधि का पहले हो सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त वर्ज करणा ग्रौर उसकी बाबत भावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बोमा निगम को सदत्त करेगा।
- यदि उमत स्कीम के भ्राधीन कर्मेचारियों को उपलब्ध फायदै बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के ग्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की क्यंवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक वोमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायबे अन कायदों से धाक्रिक धनुकूल हों, जो उनत स्कीम के घन्नीन भनुशेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्नभारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधीन संदेय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मचारी को उस बना में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के श्रधीन होता तो, नियोजक कर्मेचारी के विधिक वारिस/नामनिर्वेशिती को

प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के श्रन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

- 8. सामूहिक योमा स्कीम के उपबन्धों में वोई भा संशोधन, प्रावेणिय भावज्य निधि प्रायुक्त महाराष्ट्र (वनाई) के पूर्व अनुमोदन के शिना नहीं किया जाएगा और अन् किसी मनोधन से कमेनारियों के हिए पर प्रिकृत प्रभाव पहने की सभायता हो, वहा प्राप्तेणिक भविष्य निधि धायुक्त, अपना प्रमुमेदन देने से पूर्व कमेनारियों को प्रपत्ना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का मुक्तिप्तन प्रयसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, सान्हीय अविन वीमा निगम की उस नामूहिक बीमा रकीम के, जिसे स्थापन पहले ध्रपना चुका है भर्मान नहीं यह जाते हैं, या इस स्कोभ के अर्थन कर्मचारियों का प्राप्त होने वाले फायदि किसा रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह का जा सक्ती है।
- 10. यदि किर्मत कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जावन वीमा नियम नियम करे, प्रीसियम का गदीय करने में असफल रहता है, और पालिसी का अपगत हा जाने विमा जाता है ती, छट रह को जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रतिमयम के संदाय में किए गए किसी ध्यक्तिश्म की दशा में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारियों को जो यदि यह छूट न दो भई हानों नो उक्त रकीम के अंक्ष्मत होने, बीमा फायदा के सवाय का उक्तरवाधित्व नियोजक पर हागा।
- 12. उसत स्थापन के संबंध में नियोगक, इस स्क्रीम के अर्थान आने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हुकवार नाम निर्देणितियाँ। विधिन वारिसा की बामाइत रक्तम का संदाय तत्परता से और अत्येक देणा में भारतीय जीवन वामा निगम से बोमाइत रंकम आप्न होने के साज विन के भीतर मुनिविचन करेगा।

[स्थ्या एस० 35014/314/82-पीं एफ० II]

S.O. 4267.—Whereas Messis Jay Hind Sciaky Limited, D-1 Block, Plot No. 18/1, Chinchwad, Poona-411019 (MH/14766) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied tor exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

## SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtia (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Gioup Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the empoyer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees of the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the pominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (3141/82-PF. II]

कां अग्रं 4268 - मैसर्म जालक वनगर इण्डस्ट्रिज लिमिटेड पौ० की० वालक वनगर (जिबा पूना) (महाराष्ट्र/9128) (जिसे इसमें इसके पश्चान उक्क स्थापन कहा गया है) ने कमेंचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रक्रिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की प्राग 17 की उपधारा (2क) के प्रधीन छूट विए जाने के लिए धावेवन किया है; श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हा गया है कि उसन स्थापन के कर्मचार, किसी पृथक अभिवास या प्रोतियम का मंदाय किए जिला है, भारतीय जीवन वीमा निगम की सामूहिक बीमा स्काम के ध्रधान जीवन वीमा के स्प में काथबे उठा रहे हैं श्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिए थे पायदें उन फायदें से श्रीधक अनुकूल है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे हमसे इसमें पश्चान् उपत स्कीम कड़ा गा। है) के अर्थन उन्हें शनुलेग है;

भ्रमः, केन्द्रां सरकार, जनन श्रांधनियम ते धारा 17 की उपधारा (2क) बारा प्रदत्त भाषनयों का प्रयोग करो हुए और इससे उपाबदा श्रमु-सूची में बिनिर्विष्ट शर्तों के श्रद्धान नहीं हुए, उपन स्थापन को तहन वर्ष की श्रवधि के लिए, उकत स्कीम के सभी उन्त्रमधा के प्रवर्तन से सूट वर्त, है।

# अनुसूर्च?

- 1. उक्त स्थापन क गम्बना में नियोजक प्राविद्या शिविष्य निधि प्रायुक्त महाराष्ट्र को ऐसा वित्रद्यियों भेनेचा क्षीर ऐसे निखा रखेगा तथा निरीक्षण के निष् ऐसो मुखिधाएं प्रवान करेगा जा केन्द्रीय नरकार, समय-समय पर निविष्ट करे।
- . 2. नियोजक, ऐसं निरोक्षण प्रकार का प्रस्थेक मास की समाप्ति है। 15 दिन के भीतर संदाय करेगा भी केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (5क) के खण्ड (क) के प्रकान समय-समय पर निदिष्ट करें।
- 3. सामूहिक जीमा स्कोम के प्रशासन में, जिशक अरूर्गत लेखान्नां का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत निया जाना, वें मा प्रीक्षियम का संदाय, लेखान्नों का प्रन्तरण, निरक्षण प्रभारों का संदाय प्रादि की है होने याले सभी व्ययों का वहन निर्माणक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजन, केन्द्रीय सरकार द्वारा थया अपूनावित सांभूहिक वीमा स्कीम के नियमी की एक प्रति, भार जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उम संशोधन की प्रति तथा कर्मजारियों का शृहसंख्या का भाषा में उसकी मुख्यवानां का अनुवाद, स्थापन के सुखन:-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसः कर्मचारी, जो कर्मचार। भविष्य निधि का या उक्त मिनियम के मधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त दर्ज करेगा भीर उसकी बाबत भावस्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संदस्त करेगा।
- 6 यदि उन्त स्कीम के धर्मात कर्ननारियों को उपलब्ध कायवे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजन सामूकि बीमा स्कीम के धर्मात कर्मनारियों को उपलब्ध कायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने का व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मनारियों के लिए सामूहिक बेमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध कायदे, उन कायदों से धर्मिक धनुकून हों, जो उन्त स्वीम के प्रधीन प्रमुक्षेय हैं।
- 7. सायूहिक बांसा स्काम में किना बन के होने हुए भा, यदि किसी कर्मनारों को मुख्य पर इस स्कीम के प्रधीन सन्वेय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मनारा का उस दशा भें सदेय होती, जब वह उकत स्कीम के प्रधीन होता तो, नियोजक कर्मनारा के विकित यारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के क्या में दोनों रक्षों के प्रशार के वरावर रक्षम का संदाय करेगा।
- 8- सामूहिक कीमा स्कीम की जावत्थी में कीई भी संबोधन प्रादेशिक भिष्य निधि मायुक्त सहाराष्ट्र के पूर्व अनुमोक्त के बिना नहीं किया जाएगा और महा किनी मंगीबन से कर्मवारियों के हिन पर प्रतिकृत अभाव पड़ते की संभावना हा बहा प्रावेशिक भिक्रिय निधि प्रायुक्त प्रभाव मुमीदन देने ने पूर्व करने का यिक्षयक्त का बसर देगा ।

- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीम । निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले भ्रपना चुका है भ्रम्भीत नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के भ्रम्भीन कर्मचारियों को प्राप्त होने याले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं शो यह छूट रह की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियत लारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संबाय करने भें प्रसफल रहता है, भीर पालिसी को व्ययगत हो जाने विया जाता है तो, छूट रह की जा सकती हैं।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की वशा में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न वी गई होती तो उकत स्कीम के मंतर्गत होते, बीमा कायदों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उस्त स्थापन के संस्थान में नियोजक, इस स्कीम के घ्रधीन धाने वाले किसी सदस्य की मृत्युहोंने पर उसके हुकदार नाम निर्देशितियों/विश्विक वारिसों की बीम। इत रकम का संवाय तत्परता से भीर प्रत्येक दक्षा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमा इत रकम प्राप्त होने के सात दिन के श्रीतर मुनिभ्नित करोगा।

[संख्या एस-35014/320/82-पी॰एफ॰ II]

S.O. 4268.—Whereas Messrs Walchandnagar Industries Limited, P.O. Walchandnagar (District Pune) (MH/9128) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India, in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

## SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner Mahareshtra, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be home by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the calient features thereof in the language of the majority of the employees
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the aid Act, is employed in

his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheire shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the empoyer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who wouln have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince/legal heirs entitled first it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India

[No. S-35014 (320)/82-PF. II]

कार्ण था० 4269. — मैससे वालकत्वनगर इण्डस्ट्रीं ज लिनिटेड (मुद्रणालय) डाकघर वालकत्वननर, जिला पूणे (महा/9139) जिसे इसमें इसके पश्चात् छकत स्थापन कहा गया है। ने कर्मवारी भिल्या निधि और प्रश्नी उपवन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपपारा (2क्त) के प्रधीन छूट दिए जाने के लिए आविदन किया है;

श्रीर केन्द्रिय सरकार का सवाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या भीभियम का संदाय किए जिला हो, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं श्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिय भनुकूल है शो कर्मचारी निक्षेप सहबंद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पण्यान् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुमेय है;

श्रमः केन्द्रीय सरकार, उसन प्रधिनियम की घारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त मिन्द्रयों का प्रयोग करते हुए और इसके उगावद्व अनुसूची में विनिष्ट सतों के भधीन रहते हुए, उस्त स्थानन को तीन वर्ष की भविध के लिए उक्त स्थीन के सूची उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

### अनुसृद्धाः

- 1. उक्त स्थापन के सब्बन्ध में नियोजक प्रावेशिका भविष्य निधि मायुक्त महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेगा घीर ऐसे लेखा रखंगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय मरकार, समय-समय पर निर्विष्ट वरें।
- 2. निर्याणक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधान समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3 सामूहिक सीमा स्कीम के प्रशासना में, जिनके धन्तर्गत लेखामों का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, सीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाम्रों का भन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय भादि भी है, होने वाले सभी थ्ययों का यहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोगक, केर्न्वाय सरकार द्वारा यथा धनुमोद्दा सामूहिक बीमा स्कोम के नियमों को एक प्रति, प्रौर जप्र कगी उनमें नंशोधन किया जाए, तब उस संशंक्षित की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसक्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का धनुवाद, स्थापन के सुनता-पट्ट पर प्रदिशित करेगा।
- 5. यथि कोई ऐसा कर्मनारी, जा कर्मनारी भनिष्य गिधि का या एक्न भिधिनियम के भधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भनिष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया आता है, तो नियोजिक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उनका नाम तुरना दर्ज करेगा भीर उसकी बाबल श्रायप्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबक्ष करेगा।
- 6, यदि उन्न स्काम के भ्रदीन का निमानिक को उपलब्ध फायदे वकाए जाने हैं तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के भ्रधीन कर्मेचारियों को उपलब्ध फायदां में समृश्वित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के निए सामृहिक बीमा स्कीम के भ्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से श्रधिक भनुकून हों, जो उन्न स्कीम के भ्रधीन भनुकोय हैं।
- 7. सामृहिक बीना स्होन में किसी बात के हाते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मस्यू पर इन स्हीम के अधीन सन्येय रोग उमरकम से कम है, जो कर्मचारी की उस दथा में सवेय हाती जब वह उक्त स्हीन के अधीन हाता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारित/नामनिर्वेशियों को प्रक्तिकर के रूप में दोनों रक्षमों के अन्तर के बराबर रकत का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीभ के उपायकों में कोई भी संबोधन, प्रादेशिक भिविष्य निधिधा-पुक्त महाराष्ट्र के पूर्व धानुनोक्त के बिना नहीं किया आएगा छीर जहां किसी संबोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने की संभायना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि प्रापुक्त, धामना धानुमीवन देने से पूर्व कर्मचारियों को धामना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का प्रक्तिकृत धानस्त संभावना देगी से पूर्व कर्मचारियों को धामना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का प्रक्तिकृत धानसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिने स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते है, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को आपत होने वालो फाउबे कियो रीति से कन हा जाने हैं, ता यह खूट रह की जा सकनी है।
- 10. यदि किसी कारणवा, तिथीजक उन नियत तारीख के भीतर जा भारतीय जीनन बीमा निगम तिन करें, प्रीक्षित्रक का मंदाय करने में असकल रहना है, घौर पालिमी को व्यपनन को जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।

- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दया में उन भूत सबस्यों के नाम निवैधितियो या विधिक कारिसों की जो यदि यह छूट न की गई हानी सो उका स्काथ के अंगीत हीते, बीमा फायदों के संवाय का उत्तरवाधित्व नियोजक पर होगा।
- 12. जकत स्थापन के मबंध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन प्राने बाले किसी मबस्य की पृत्यु होने घर उमके हकदार नाम निर्वेणितियों/ विधिक वार्तियों की बीमाकृत रकम का संदाय सत्यरत से धौर प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बोमा निगय में बोमाकृत रकम प्राप्त होने के साम दिन के भीतर सन्धिष्वत करेगा।

[संख्या एस-35014/321/82-मी **०एक**०-H]

S.O. 4269.—Whereas Messrs Walchandnagar Industries Limited (Mudianalaya), P.O. Walchandnagar, District Pune (MH/9129) (hereina fter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Lite Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Enployees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

## **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of neturns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees,
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his stablishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employers under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the repsonsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (321)[82-PF.II]

फा॰ आ॰ 4270.— भैमेंम पीको इसैंबड्रोनिका एण्ड इनैबिट्रमत्म निमिटेस, लोंनी फेक्ट्रीज, लोनी जालफोई, पृणे-412701 (महा/ 2608), (जिसे इसमें इसके पश्चाल जरून स्थापन कहा गया है) ने कमेंचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध धिविनाम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चाल उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के स्थीन छूट दिए जाने ने लिए अविकत किया है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मेचारी, किसी पृषक श्रमिदाय या प्रीमियम का संदाय फिए बिना ही भारतीय जीवन बीपा निगय की सामूहिक बीगा स्कीम के श्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं श्रीर ऐसे कर्मेचारियों के लिए ये फायदे उन फायदो से श्रधिक श्रनुकूल हैं जो कर्मेचारी निक्षेप महबब बीगा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पण्नात् उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें श्रनुजेय है;

प्रतः, केन्द्रीय सरकार, उतत प्रक्षितियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध धनुसूची में विनिर्दिष्ट मार्तों के प्रधीन रहने हुए, उकत म्यापन को सीन वर्ष की प्रविध के लिए उक्त म्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवंतन में छूट देती है।

## अनुमुक्ती

उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक प्रविद्य निधि
प्रायुक्त, महाराष्ट्र बम्बई को ऐसी वियरिणयां क्षेत्रेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा
निरीक्षण के लिए ऐसी मुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार,
समय-समय पर निविष्ट करे।

- 2. िरोमक, ऐसे निरीक्षण प्रमारों का परयेक साम की समाध्य के 15 दिन के भीतर गंदाय करेगा जो केन्द्रीय गरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के प्राप्त (क) के प्रधीन समय-समय पर निर्विष्ट करे।
- 3. सामूहिक वीमा स्टीम के प्रशासन में, जिसके धन्तंगत लेखाश्चा का रखा जाना, धिवरणियों का प्रस्तुत विवा जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाश्चों का धन्तरण, िरीक्षण प्रभारों का सदाय प्रादि भी हैं, होने वाले सभी कारों का बहुन निर्धातक हारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोवित सामूहिक बीमा स्कीप के नियमों की एक प्रति प्रौर जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मकारियों की बहुसंख्या की माना में उपकी मुख्य यातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मकारी, जो कर्मधारी भविष्य निधि का या जकत भिधिनियम के अधीन छूट प्राथ्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सबस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक मामूहिक बीचा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरुक वर्ष करेगा भीर उसकी बाबन आवश्यक प्रतिमयम भारतीय जीवन वीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उन्त स्कीश के यधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायवें बढ़ायें जाते हैं तो, नियोजक सामृहिक कीमा स्कीम के मधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में मनुचित रूप से बुद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के प्रवीन उपलब्ध फायवें उन फायवों से प्रविक धानुकूल हों, जो उक्त स्कीम के प्रवीन धनुक्षेय हैं।
- 7. सामूहिन बीका स्लीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मवारी की मृत्यु पर इस स्लीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है, जी कर्मवारी को उस दणा में संदेय होती, जब यह उस्त स्लीम के प्रधीन होता तो, नियोगक कर्मवारी के विधिक यारिम/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दांनों रकमीं के अन्तर के बराबर रक्षम का संदाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपजर्कों में कोई भी संशोधम, प्रादेशिक प्रविष्य निधि भागुक्त, महाराष्ट्र बम्बई के पूर्व मनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगी भीर जहां किमी संशोधन से कर्मचारियों के हिंग पर प्रितिकृष प्रभाव पढ़ने की संभावना हो वहा, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त भवना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को भ्रापना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति पुन्त स्वसर देगा।
- 9. यदि किरी कारणनया, स्थापन के कर्मनारी, भारतीय जीवन श्रीमा निगम की जन सामृहिक बीना स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।
- 10. यदि किमी कारणवंश, वियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, भीर पालिमों को न्यपंगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की आ सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी ध्यतिकम की दशा में उन मृत मदस्यों के नाम निर्देशितियों या विश्विक बारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के ऋत्सर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उन्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन प्राने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्वेधितियों/

विधि कं वारिसों की बीमाकृत रकम का संबाय तत्परता से भीर प्रस्पैक वणा में भारतीय जिल्ला बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होते के सात विन के भीतर स्निक्चित करेगा।

[संख्या एस 35014/329/82-पी • एक •-11]

S.O. 4270.—Whereas Messrs Pelco Electronics and Electricals Limited, Loni Factories, Loni Kalbhoe, Pune-412201, (MH/2608) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government herbey exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

### SCHEDULE.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) maintain, such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The temployer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses invoved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect

adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commi joiner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain under their point of view.

- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any teason, the empoyer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the repsonsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal hears of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for graft of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 has of the receipt of the sum assured from the life Insurince Corporation of India.

[No. S-35014 (329)/82-PF, II]

का० मा० 4271--- मैसमें पीको इली हुं निक्य एण्ड इलेकिन्तरा श्रिक्टिंड, पिमरी फैट्टीज, पत्र 90, जोतारी इण्डिस्ट्रिएन एप्टेंड पणे-411626 (तहा 95.00) (जिसे इम्सें एसके पश्चाले उपन स्थापन पहा राप है) ने तर्मिक्सी अभिष्य निधि और प्रशीर्ण उपबध्ध अशितेशम, 1972 (1952 का 19) जिसे इसमें आजि पश्चाल उका अधिनियम कहा नया है) भी धारा 17 की उपधारा (2वा) के अधीन छूट दिए जाने वे लिए शायेयन तिला है:

कीर शंखीय गरानर का समाधान ही गया है कि उक्त स्थापन के कर्भचारी, किसी पृथक धानिदार या प्रीसियम का सदाय किए विता ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामहिश बीमा महीम के सपीन जीवन विसा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्भचार्यों के दिए में फायदे उप फायदों में अधिक अनुभूल हैं, जो वर्भचारी निक्षेष सप्तक बीमा महीस, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम बहा गया है) के मधान उन्हें अनुजेप हैं;

अनं, येर्ग्बंध संस्थाण, उत्तत लांधित्यम की धारा 17की उपधारण (अप) इत्या प्रदेस शक्तियों का प्रयोग धारने हुए श्रीण धारने उपाधद्ध पत्यू से से निर्धितिष्ट शर्ती के प्रधीन पहने हुए, उत्तर स्वारत का तीन धर्ष की शर्वधि के निण उत्तर स्तिस येर सभी उसने से अध्यनेन से खट देनों है।

## अनम्को

- 1 उका स्थापन के समय में नियोजिक मादिनिया भिविष्य निवि शायुक्त महाराष्ट्र, बावर्ष का ऐसी विवर्णयों भेजेना भीर ऐसे निया रखेशा हथा निरोक्षण के निर्ऐसी गुविधाणं प्रदार गरेशा जा केन्द्रीय शरकार, गमय-समय गर निविष्ट करे।
- 2 नियाना, ऐसे निर्मालय प्रधारों का प्रत्येक साम भी मनास्ति के 15 किन के भीतर मंदाय करेगा जो कन्योग परनार, उका एप्रिनिश्म की बारा 17 की उपमाण (का) के खंड (क) के ग्राप्तीन समय-समय पर निरियद करे।
- र सागृद्धिम कीमा नवीम के प्रणाप। में, जिस्के घरतर्गत देखाओं ता ज्वा जाता, विवरणियों का प्रमान किया जाता, वीमा प्रविधान मा संदान, विवासी का प्रस्तरण, विद्यालय प्रमाने का संदाय जादि भी है, होते था। सक देश्यों का बहुत निवासक द्वारा विद्या जायेगा। 1042 (ता/2)—11

- 4 नियोजन, केन्द्रीय भगागर द्वारा वया प्रमुशिदित सामृहिए बीमा राजिस के नियमी की एक प्रति, श्रीर अन कभी उत्तर्भ संशाधन किया आए, सभ उस संशोधन की प्रति नहा कभीचारियों की बहुतंत्रका की भाषा में उस नी मुख्य शतों का धनुवाद स्थापन के सुनना-एटट पर प्रदेशिन करेगा।
- 5 यदि कोई ऐसा कर्मेघारी, जो तर्मकारी अभिव्य िश्वि का यो उक्त स्थिति । से के प्रश्लेत छट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य दिक्ति का पड़ते ही सश्य्य है, उसके स्थापन में दिखेजित निया जाता है तो, वियंजित स्पष्टिक बीमा भिन्न है तरहा के रूप में उसका नाम तुरक्त दर्ज करेगा और उसकी यावन वायप्यक प्रीमियम भाग्नीय जीवन बीमा नियम की सदन करेगा।
- ६ यदि उसा मिल्लि के पश्चील कर्मनारियों को उत्तरक प्राप्त बहाए जाते हैं तो, नियातक मानुहिक बीमा मिल्लि के प्रयोग कर्मनारियों की उत्तरक प्राप्ति के मृत्रिक की जाते की कांक्सिंक करेवा जिससे कि यर्भनारियों के लिए मानुहिक बीमा मिल्लि के प्रयोग उत्तरक फायदै उतकार में प्रयोग प्राप्ति के प्रयोग प्राप्ति हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्क्रीम से किनी नात के हीने हुए थी, यदि िसी कर्म बीरी की मृत्यु पर इस स्थीत के अधील मन्देप प्रकार उस प्राप से सम है, यो कर्पचारी थी उस दया में संदेय होती, जब वह उका न्याम के अधील होता तो, विजिलक कर्पचारी की दिखिल वास्ति/।।सिविवित को अधिकर के एप से दोनों प्रकार्म के दूरार के प्रायर प्रकार का संदाप दरेगा।
- १. मामृहिक बीमा स्तीम के उपनी में कोई भी मंशीचा, मादेशिक मिलि भिन्न आमन्त महाराष्ट्र, यहपई के पूर्व अनुमोदन के जिला नहीं कि मा जायेगा और पहाँ सिया स्वाप्ता से कांगारियों के द्वित पर परितृत्त प्रभाग पहने की संसावता हो यदा, परितृत्त प्रभाग निध्य पायुक्त, प्रपता अनमोदन वैने से पूर्व कमंभारियों की प्रणात दिल्हा स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के प्रणात के प्रणात के स्वाप्त के स्वाप्त के प्रणात के प्रणात
- 9. यदि (यभी कारणवन, स्वापत के कर्मचारों, भारतीय जीवन कीमा निनम की उस मामृहिक कीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पत्नी अपना चुका है अधीन नहीं यह जाते हैं, या इस स्थीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने काले फायवे िर्मार्शनित से नमहों अले हैं, ते यह छूट रह की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवन, नियोजक उस नियन नारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन वीमा नियम नियन तरे प्रीमियम का पदाय करने में अभारत रहता है. और पारिती की ब्यामन ने जाने दिए जाएगा है ता, खूट रह की जा मक्सी है।
- 11. नियोजिक द्वारा प्रीमिशम के संदाय में किए गए जिली व्यक्तिम की दशा में उन मून सदस्यों के नामनिर्वेशितियों या विभिन्न वारिसा का जो यदि यह, छूट न ती गई होती तो उका स्कीम के अंतर्गत होते. मीमा फाउदी के भंदाव का उत्तरदावित विभागत पर ही गा।
- 12 जनगरपासन के संबंध में नियाजक, इन रहीन के प्रीति हाने बाले किसी सदस्य की महण् होने पर उसके हक्काटर नाम दिर्देशिकियों/ विधित बारिसों की बेलाहा राम का सहार तथाना में और प्रतोक बणा में भागनीन बोबन बीमा निनम से बीमाहा रक्तम प्राप्त होने के साथ दिन के नीवर मुश्रिष्टिन करेगा।

[नक्या एम-३५०१4/३३०/६ - मी० एक-[1]

S.O. 4271.—Whreas Messrs Pelco Electronics and Electricals Limited, Pimpri Factories, Plot 80, Bhosari Industrial Incide Pane-411026 (MH/9599) (hercinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Lite Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme):

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

### **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, is the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the I mployees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc within the due date, as fixed by the Life

Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is hable to be cancelled.

- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees of the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee'legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (330)/82-PF. III

कार आर 4272 - मैसमं पंका इलेक्ट्र(सन्स एण्ड इलेक्ट्रियन सिमिटेड कालवा फैक्ट्रं, 3 एमर आईर डीर मीर इण्डिन्ट्र्यन ऐतिया. थाने वालापुर राड थाने 100001 एमरण्डर 10340. (जिसे इसमें इसके पश्चात् उना स्थापन कहा गया है) ने धर्मआरी धरिया निधि भीर प्रकीष उपनध् अधिनियम 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चान उनन धिधिनियम बहा गथा है) कि धारा 17 की उपधारा (१क) के अर्थान छ्ट दिए अर्त के लिए धरियन किया है;

श्रीण केरद्रीय गरकार का समाप्तान हो गया है कि उसन स्थापन के वर्मचारी, विसी पृथक श्रीमदाय या प्रीमियम का गराय दिए, बिता ही, भारतीय प्रीवन बीमा निशम की मामृहित रीमा रशीम के अधीर जीवन बीमा के स्थार जीवन बीमा के स्थार जीवन बीमा के एक में फायदे उटा रहे हैं श्रीर ऐसे प्रभारिया के लिए ये फायदे उत्त फायदों में प्राथित श्रम्भवाम की निश्चेष महावक्ष बीमा स्वीम 1976 (जिसे अपने इसके प्रथमान उस्त स्कीम कहा गया है) के श्रामीन उस्ते अनुभीय है.

घता, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रशिविशमा की धारा 17 की उपधारा (एक) द्वारा प्रदक्त प्रक्रियों का प्रयाग करने हुए और इतमें उपाबद्ध भन्-मूर्जी में विनिधिष्ट पानी के प्रधीन रहते हुए, उवन स्थाक का तीन वर्ष की ग्रवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपवधा के प्रवर्गता से छट देती है।

## अत्सूर्च≀

- 1. उक्त स्यानि के नवंध में तियाजक प्रादेशित भित्तिय निधि धायुक्त महाराष्ट्र (वस्वर्ध) को ऐसी विक्रिणिया भोजेगा भ्रीर ऐसे लेखा अखेगा तथा निर्देक्षण के लिए ऐसी मुजिधाए प्रदान करेगा जा केन्द्रीय सरकार, समय-समन पर निरिष्ट करे।
- 2 नियाजर, ऐसे नियोजण प्रसारा का प्रत्येक साम की समान्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जा केन्द्रीय सरकार, उक्न अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के प्रश्रीत समय-समा पर निविष्ट करे।
- 3. सामृहित भीमा स्कीम के प्रणापत में, त्रिमके प्रन्तर्गत लेखाओं का रक्षा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीमिशम का मंदाय, लेखाओं का प्रन्तरण, निरीक्षण प्रणारा का मंदाय प्रादि भी है, होने वाने सभी व्ययों का यहन नियोजक द्वारा किया जायेदा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामृहिक भीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, श्रीर जब कभी उत्तमें मंगीयत किया जाए, तब उस मंगीयत की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसक्या की भाषा में उसकी सुख्य बासी का अनुवाद स्थापन के भूचना-पट्ट पर प्रविधित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मकारी, जाकर्मकारी भविष्य निधि का या उत्तत प्रधिनियम के अर्थान छूट प्रतिन किसी स्थानन की भिष्य निधि का या जे ही गदस्य है, उसके स्थानन में निधीजित किया जाना है तो नियोजक सामृहित मीमा स्कीम के सदस्य में स्था में उसका नाम तुश्तन वर्ज करेगा और उसकी बाबन श्रायश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन मीमा निश्य का सदल करेगा।

- ६ यदि उनल स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढाए, जाते हैं ता, नियाजक सामृद्धिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समृचित रूप से वृद्धि की जाते की व्यवस्था करेगा फिनसे कि कर्मचारियों के लिए मामृद्धिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उस फायदों से अधिक प्रमुक्त हो जो उक्त स्कीम के प्रधीन प्रमुक्त हैं।
- 7 सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी वर्मचारी भी मृत्यु पर इस स्कीम के श्रद्यीत सदेय रात्म उस रक्षम से कम है, जा कर्मचारी का उस देशा में सदेय हाती, जब वह उकत स्कीम के श्रद्यीत हाता तो, नियाजक कर्मचारी के विधिक वारिसानाम निर्देशिती को प्रतिकार के सप में दीना रक्षमी के श्रांतर के सराबर रक्षम का संदाय करेगा।
- ९ सामृत्कि बीमा स्क्रीम के उपबंधों में कोई भी स्योधन, प्रादेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त भवाराष्ट्र बस्बई के पूर्व श्रनुमांदन के बिना नहीं किया आयेगा भीर जहां कि ही, संगाधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की समावता हो वहा, प्रादेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त, श्रपना श्रनुमोदन देते से पूर्व कर्मचारियों को श्रपना वृष्टिकीण स्पष्ट करने का युक्तिसुक्त श्रवसर देगा।
- 9 दांद किसी जारणवश, स्थापन के कर्मचा , भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक कीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है प्रश्रीत नहीं रह जाने है, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले फायर्ड किसी रीति से कम हो जाने हैं, सा यह छूट रह की जा सकती है।
- 10 सबि किसी कारणवंश, नियोजक उस नियह सारीख के भीक्षर जो भारतीय जीवन कीमा नियम नियन करे, श्रीमियम का सदाय करने में असफल रहता है, और पालिमी को व्यपगत हा जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जासकती है।
- 11. नियंजिक द्वारा प्रीमियम के संबाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की द्वारा में उस गृत सबस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों की जी यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के प्रतर्गत होते, बीमा फायदों के गदाद का उत्तरदायिख नियोजक पर होगा।
- 12 उन्न स्थापन भी सबध में नियोशक, इस स्कीम के श्रधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यू हुनि पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/ विधिक वारियों की बीसाइत रक्तम का संबाय तत्परता से श्रीर प्रत्येक इशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाइत रक्तम प्राप्त होने के नान दिन के भीतर मृतिण्यित करेगा।

[सन्धा एस-35014/331/82-पी० एफ-[]]

S.O. 4272.—Whereas Messis Pelco Electronics and Electricals Limited, Kalwa Factory, 3 MIDC Industrial Area, Thane-Balapur Road, Thane-400601, (MH/9349) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto.

the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

### SCHEDULL

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section  $(3\,\text{A})$  of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc shall be borne by the employers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately emol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Muharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable apportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment

shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomineo/legal heirs entitled for it and in in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (331)/82-PF. II]

क्षा० आरं 4273 - पैत्स महाराष्ट्र स्टेट हैं पडलूमन कारपें रेशन लिमिटेड 50, सेव्ह्रन एकेन्यू रोह, नामपुर -18 (महा/ 2893) (जिसे इसमें इसके पक्षाी उस्त स्थापन कहा गला है) ने कर्नचारी भाषण्य निधि और प्रकीर्ण उपवेध कांबिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमे इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियस • कहा गना है, की धारा 17 की जनवारा (2क) के प्रजीन खूट बिए जानि के सिए आवेदन किया है;

भीर केन्द्रीय सरकार का मनत्थान हो गुपा है कि उस्प स्थापा के कर्मचारी, किसी पुरक क्रामेदाय या प्रीवियम का सदार किए जिना ही भारतीय जीवन बीभा निगः की मामुहिन्ह बीभा महीन के घरीत जी त बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे, एन फायबों से अधिक अनुकृष हैं जो कर्नाकारी निक्षेप सहबद्ध बीना स्कीत 1976 (जिसे इसमें इसके पक्वात् उकत स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है ;

श्रतः, केम्ब्रीय सरकार, उक्त ग्रीधांनधसकी घारा 17 की उरवारा (2क) द्वारा प्रदत्त गतिसयों का प्रयोग करने हुए भीर इसने उसबढ अन सूची में विनिर्दिष्ट शती के फ्रमीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ने की अवधि के लिए उसन स्कीम के सभी उत्तर्थों के प्रवर्तन से छूट देनी है।

## अनुसूर्षाः

- 1 उक्त स्थापन के संबद्ध में निरोज्ञ प्रावेशिक पविषय निधि प्रायुक्त महाराष्ट्र बम्बई को ऐसी । यवर्राणयां भेजेगा घौर ऐसे लेखा रखेगा तया निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय मरकार, सभय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2. नियोधक, ऐसे निरीक्षण जवारी का प्रत्येक मान की पन िन ने 15 दिस के मीतर संधाप करेगा जो केन्द्रीय मराहार, उन्न ऋधिनिधम की बारा 17 की उपवारा (3क) के खंड (क) के भवीन सनय-समा पर निर्विष्ट करें।
- 3. सामृष्टिक बीमा स्कीभ के प्रशासन में, जिसके शंतर्गत लेखामों का रखा जा हा विवर्णियों का प्रत्युत किया जाता, बोला प्रोत्सवन का सदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरोक्षण प्रमारों का संदायं आदि भी है, होने याने सभी व्ययों का वहन (नयोग ह द्वारा किया अधिया।
- 4. नियोजन, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुनोदिन सामूहिक बीमा स्कीम के नियमी की एक प्रति, घीर अब कभी उन्में संशोधन किया जाए, तब उस संगोधन की प्रश्न तथा कर्में बारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य आतों का अनुवाद; स्थापत के भूचना-पद्द पर प्रदर्शित करेगा।
- 5, यदि कोई ऐसा फर्नेचारी, जो फर्मचारी भदिष्य निधि का या उक्त मंभिनियम के भवीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहीं ही संबद्ध है, उसके स्थापन में नियोजिय किया जाता है तो नियोजक साम् हेक बीमा स्कीम के सद्दा के का मैं बाहा तक्ष पुरन्त दर्श करे। बीर बाकी बाबत भावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीना निशम को भदत करेगा ।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उनलब्स फायदे बढ़ाए जाते, हैं तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायवीं में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे 'कि कर्मचारियों के जिए साम्हिक बीमा स्कीम के घर्धीन उपलब्ध फायदे उन कामदों से प्रक्रिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के प्रधीन अनुक्रेय हैं।

 मामृहिक वीमा स्कीम में किसी बाव के होते हुए भी, यदि किपी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीन के अधी। यदेव रहन 🗊 एतन के छन है, जो कर्मवारी को उस दशा में मंदेर हो भी, पत्र घर उस्त सकत्म के अप्रीर होला, सो नियोज ह कर्मवारी के जिल्हार व रिनानार्मानर्देशित को प्रिक्तर के क्ष्य में बोनो रहतो के अंभर के बराबर एएन है। बंदार हरता।

- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधी मंकोई भी संगीधन, प्रादेशिक परिषय निधि भागुम्त म पराष्ट्र बम्बई के पूर्व भनुगीवन के विना नहीं निया आयेगा घीर जहां किसी संगोधा ये कर्मवारियों के हि। पर प्रक्रिय प्रभाव पहने को सभावता हो वहा प्रादेशिक भविषा जि.ध प्रायुक्त, प्रवता प्रवृतीदत देने से पूर्व वर्मचारियो को प्रथमा दृष्टिकोण स्पट्ट फरने का युनितमुक्ता अवसर
- 9. यदि किमों कारणप्रमा, स्वापंत क कर्वजारी, भारतीय जीवत बीमा निगम की उन सामृद्धिः बीमा स्कीम के जिस स्थापन पहुँन धरता चुका है भधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्क्रीन के अबीन कर्मकारियों की प्राप्त होंने बाते फायदे जिने रीति से कम हो जाते है, तो यह छूट रह की आ मध्ती है।
- 10 याद किसी कारणांग नियोग्ह उस निजन नाराख क भावर, जो मार्रतात्र जीवन बीना निगम निनंत करें, ब्रीमिस्न का संदान करने मे भसफन रहना है, भीर पर्शासी को स्वान हो जनांदवा जना है, तो, छूट रहकी जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीनियन के तक्षण में छिए गए छिनः करतकन की दणा में उर गृत सदस्यों के तक्कानदेशियालयों या विधिक्त वर्गरक्षा को को यदि यह , छूट न की गई होती .तो अनत स्कीम के कंतर्गत होते, बीभा फायदों के सदाय का उत्तरदाबित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में निवागा, इस रहीन के प्रवीत ग्रान वाने किसी सदस्य की मृत्यू होते पर उत्तरे हुइइ,र न,च निर्दे(मादिया विविक वारिसो की कीमाइन रहम का मंदीन तरारता से घीर प्रस्वेक दशा में भारतीय जीवन बीमा निशन से कीमाइन्त रहन प्राप्त हाने के सान दित के भीतर सूनिश्चित करेगा।

[सक्या एम-35014/31:/83-पी ०एकः 1 I]

S.O. 4273.—Whereas Messrs Maharashtia State Handlooms Corporation Limited, 50, Central Avenue Road, Nagpur-18 (MH/2893) (herematter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter reteired to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hercinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

## SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premua, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient tentages thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund of the Provident Fund, of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be hable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premimum etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (332)/82-PF II]

कां बार 4274 ---मैंसर्स हिन्दुस्तान ऐरोनाटिक्स निमिटेब, नामिक डिनिजन, नामिक, डाल्डिंग ब्रोलार टाउनिधा नासिक जिलान्महाराष्ट्र/8266 (जिसे इसके प्रकार उन्हा स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी चिष्ठा निधि धौर पेकीण उपबंध क्रिकिंगमा, 1952 (1952 को 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जनत प्राधिनियम कहा गया है) की घारा 17 की उरवारा (2क) के अर्धान छुट दिए जाने के लिए प्रविदन किया है,

स्नीर फेल्क्रीय सप्तार का समाधान हा गरा है कि उस्त स्वारत के कर्मकारी, किसी पृथक श्रीमदाय या विभिन्न ता वैद्या किए शिना हो, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहित बीमा रहीन के स्वीत जीवन बीमा कि एमें कार्य डे उठा रहे हैं शौर ऐसे कर्मकारियों के लिए ये कायब उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मकारी निजेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चाम् उन्त स्कीम कहा गया है) के श्रयीन उन्हें अनुक्षेय हैं;

श्रतः केन्द्रीय गरकार, उक्त प्रश्नित्यम की घारा 17 की उभ्यास (2क) ब्रास प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करने हुए और इनसे उभवद प्रनु-सूची में विनिद्धित मानों के सबीन रहते हुए, उना स्थान को नीत वर्ष की धर्याध के लिए उक्त स्कीम के सभी उन्होंचों के प्रान्त में छुट देना है।

# अनुसूची

- 1 उक्त स्थापन के सर्वंत्र में नियानक प्रादेशिक भविष्यानिध प्रायुक्त महाराष्ट्र को ऐसी विवर्शणयां भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निराक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्वीय संस्कार सन्धासमध पर निविद्य करेगा
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येश मान की समाप्ति है, 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उस्त प्रीयानपत्र की बारा 17 की जायाग (3%) के खड़ (क) के सर्वीत गागर-समागपर निविद्य करें।
- 3. सामूहिक कीमा स्कीन के प्रतासन में, िभमक प्रतीप लेखाओं का रखा जाना, विषयणियों का प्रस्तुन किया जाता, बीमा प्रीमियम का मंदाय, नेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का सप्ताय प्रादि भी है, होने वाले सभी क्यमों का बहुन नियोजक द्वारा किया जीयेगा।
- 4 नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा यदा प्रद्युगीत्त सामूहिक बीस स्कीम के नियमी की एक प्रीप प्रीर जब कमी उन्नें सणीवन किया जाए तब उस संगोधन की प्रति तया कर्मकारियोंकी बहुनंख्या की माया में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के मूचना-पट्ट पर प्रदिशत करेगा।
- 5. यदि कोई ऐना कर्मचारी, जो कर्मचारी प्रविच्य निधि का या उन्स् प्रधिमयम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामू-. हिक बीमा स्कीन के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त वर्ज करेगा प्रीर उमकी बाबत ग्रावस्थक प्रीमियम मारनीय जीधन कीमा निगम को सदस्त करेगा।
- 6 यदि उन्त स्कीम के प्रशीन कर्मवर्गनों को उपनष्य फायदे नकाए जाते हैं तो, नियोज ह नामूहिक बीमा स्कीम के प्रशीन पर्मवास्थिते को उपलब्ध फायदों में समुखित कर में बूद्धि की आने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मभास्थिते के लिए नामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपनच्य फायदे उन फायदों से ब्रांबक ब्रम्कूल हो, जो उनन स्कीम के प्रधीन सनुनेय हैं।
- 7. सामृहिक बोभा स्कीन म किनी जात के होते हुए भी, यदि किस समंभारी की मृत्यु पर इस स्काम के भधीन सदय रक्तम उस रक्तम में कम है, जो कर्मचारी को उन दशा में संदेश होती, यह वह उस्त स्कीम के भजीन होता तो, नियोगिक कर्मचारी के जिधक वारिस/सामानिकीयती को प्रतिकार के रूप में दोना रक्तमी के भनर के बरुवर राज का मंद्राय करगा।
- 8. सामूहिक दीमा रुकीम के उपबद्या में कोई भी संबोधन, प्रादिशक भिविष्य निधि प्रायुक्त महाराष्ट्र, के पूर्व भनुमीदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संबोधन से अर्गवारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाष पहने की संभावता हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि धायुक्त, भवना भनुमीदन

येने से पूर्व कर्मचारियों को घरना कृष्टिकोण स्रख्ट करने का पृक्तितृतन अधमर दे॥।

- 9. यदि किसी कारणवर्ग, स्थानत के कर्नचारी, भारतीय जीवन श्रीमा नियम की उस साम् हक बीमा स्कीन क जिस स्थानन पहुँन अपना चुना है, श्रिकीन नहीं यह जाते हैं, या इस स्काम के प्रश्रीन कर्नचरियों का प्राप्त होने यान कापद किसी सीत से नाम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जै। सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवर्ग, नियान है है निया तार्थ को भीतर, जा भारतीय जीवन बीमा नियम नियन करें प्रतिभाग का मदाय करने में अनक्षत रहता है भीर पालिसी का व्यक्तान हो जाने दिना जाना है तो, छूट रह् की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमित्रम के सदाय में फिए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशातियों या विश्विक वर्शन्यों को जो यदि यह छूट न दी गई होति तो उक्त स्कीम के धनात होत, बोमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियाजक पर हागा।
- 12. उक्त स्थापन के मजध में नियानक इप स्कोन के स्रवात प्रान बाले किसी सदस्य का मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशणित्या। विधिक विशिद्यों का बीमाकृत रक्तम ना सदीय तत्ररता से और प्रत्येक दणा में भारतीय जावन बीमा निगम में बीमाकृत रक्तम प्राप्त होत के मात दिन के भीतर मुनि। स्वत करेगा।

{सद्या एस-35014/333/82-वी०एफ०-[I]

S.O. 4274.—Whereas Messis Hindustan Aeronautics Limited, Nasik Division, P.O. Ojha Township, Nasik (MH/8266) thereinafter referred to as the said establishment have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said(Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of the Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 thereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

# **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the sailent features threof, in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are necessary premium in Espect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reasoft, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (333)/82-PF, III

का० आ० 4275:— मैसर्स शिन्दुस्तान एण्टिबायाटिक्स, पिस्टर्ग, (पूता-411018) (महाराष्ट्र राज्य) (भहाराष्ट्र/1459) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मकारी भविष्य निधि और प्रकीणें उपबन्ध प्रधिनियम, 1953 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के ध्रधीन छूट दिए जाने के लिए धावेदन किया है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मजारी, किसी पृथक अभिवाय या श्रीमियम का सदाय किए जिसा ही भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृष्ठिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा निगम की सामृष्ठिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे है और ऐसे कर्मजारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकृष है जो कर्मजारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें असी पश्चाक् उत्तर क्वीम कहा गया है) के अधीन जन्हें अनुक्रेय है,

भन केंद्रीय मरकार, उस्त श्रधितियम की धारा 17 की उपधारा (2क) हारा प्रकल जोक्त्यों का प्रयोग करने हुए भीर इसमें उपायद अनुसूची में बिनिदिस्ट शर्नी के श्रधीन रहते हुए, उसन स्थापन ना तीन वर्ष की समित के लिए उसर स्वीम के सभी उपकर्शों के प्रवर्ग से छट देती है।

## अममची

- । उनने स्थापन के स्थान्य में नियोजक प्रादेशिक श्रीयर निधि झायक्त महाराष्ट्र की ऐसी विवर्णिया भेजेगा और ऐसे लेखा स्ट्रोसा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सृतिश्वाण प्रदान करेगा जो केस्ट्रीय संस्कार समय-समय पर गिविष्ट करें।
- ट नियोगक, ऐसे निरीक्षण प्रभाग का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सेदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधान समय-समय पर निर्दिग्ट करें।
- 3 सामृतिक कीमा स्कीम के प्रणासन में, जिसके प्रत्यांने लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, वीसा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का प्रत्नरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्यया का बहन नियोजक कार, किया आयेगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार हारा यथा धनुमंदित सामृहिक कीमा स्काम के नियमों का एक प्रति, और जब कभी उनमें संगोधन किया आए, तब उस संगोधन की प्रति तथा कर्मनारियों की बहुमंद्रया की भाषा में उनकी भूक बानों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रवृत्तित करेगा।
- 5 यदि कोई ऐसा कर्मवारी, जो कर्मवारी अविषय निधि का या उदन प्रधिनियम के भंधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भंविष्य निधि का पहले हो सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक साम्मिक सीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरस्त दर्ज करेगा श्रीर उसकी बावत प्राथण्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की मंदन्त करेगा।
- 6 यदि उतन स्कीम के भ्रधीन कर्मवारियों को उपलब्ध फायदे बढाए जाने है तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के भ्रधीन कर्मवारियों को उपलब्ध फायता में समृजित कप से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मवारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के भ्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से भ्रधिक श्रृतकृत हों, जो उक्त स्कीम के श्रधीन भ्रत्केय है।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किर्मा बात के द्वांत हुए भी, यदि किसी यर्मां कार्म की मृत्यू पर इस स्कीम के प्रधीन सन्देय रवम उस रकम से कम है, जो कर्मचारी का उस बजा में सदेय होती, जब बह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचांथी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिकी को प्रतिकर के रूप में दोशी रकमों के प्रत्तर के खराबर रकम का सदाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संगीधन, प्रादेशिक भिवल्य निधि माणुक्त महाराष्ट्र के पूर्व मतुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा भीर जहां किया संगीधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रशास पहने की मशाबना हो, यहां प्रादेशिक भिवल्य निधि माणुक्त, मपना मनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को भपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त भवमर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मजारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहेंने अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के धर्धान कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी जीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सफती है।
- 10 यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियन तारीख के भीतर, जा भारतीय जीवन बीमा निगम नियम करे, प्रीमियम का संदाय करने में प्रमंत्रक्ष

- रहता है, और पासिसों को कापमत हो जान दिया जाता है तो, छूट रहद की जा सकती है!
- 11 नियोजक द्वारा प्रमियम के सदाय में तिर्धागर किया व्यापना में की दला में उन मन सदस्या के नाम निर्देशिता। या विश्विक वारिसों का जो यदि यह छन्द न दें गई होती ना उक्त माँग या सक्तर्गत होते, वीमां फासदों के सदाय का उत्तरदायित्य नियोजिय पर होगा।
- 12 उन्त स्थापन के सबर्ग में नियोजक, इस रक्षा के प्रश्नीत प्राने विले किसी सदरण की मत्य हान घर इसके हकदार नीम निर्देशितिया/विधिक वारिसा की बीमाक्कत रकम का सदाय तत्वरका से और प्रत्येक दणा में जारते ये जीवन बीमा निगम से बीमाक्कत रकम प्राप्त हान के सत्त दिम के भारत ग्रामिकत करेगा।

[१० मस्- ४५०१ १/३३०/ ९४-पी० एफ०-11]

S.O. 4275.—Whereas Messis Hindustan Antibiotics, Pimpri, the emafter reterred to us the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) thereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees Depositinked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

## SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Maharashira, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the emyloyers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Remond Provident Lund Commissioner Maharishtta and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assuance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (339)/82-PF, III

का० आ० 4276 — मैसमें महाराष्ट्र स्टेट हेन्डल्म कारपारेणन लिमिटेड, 50-सैन्ट्रल एवेन्य, नारपुर-18 (सहाराष्ट्र/14704) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) से धर्मथारी भिविष्य निधि धौर प्रकीण उपबध्य संधिनियम 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चत् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17की उपवारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए धरवेन किया है,

धीर केन्द्रीय सरकार का नमाधान हो गया है कि छक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक आनिदाय या प्रीमियम का मदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समृष्टिक बीमा रुकीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सत्युद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे अपमें असके पण्यान् उक्त स्कीम कह गया है) के अधील उन्हें अनुजेश हैं;

श्रातः केन्द्रीय सरकार, उकत प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारः प्रदन्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इससे उप-बद्ध अनुसूची में यिनिदिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्षे की अविधि को निए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन ने छूट देती है।

## अनुसूची

- 1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक अविष्य तिधि प्रायुक्त महाराष्ट्र बः वर्ड को ऐसी विवरणियों भेजेगा ग्रीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निराक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समयस्मय पर निर्दित्व भने।
- 2 सियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रमारी का प्रत्येक साम की समापित के 15 दिन के भारत संदाय करेगा जी केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रश्ननियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के धार्धन समय-समय पर निर्दिष्ट करे

- र साम्बद्धि बोमा स्कीम के प्रणायन थे, जिसके घन्तरीत लेखाओं का रखा जाना, धिवरणिणा का प्ररान्त किया जाना, कोमा प्रतिस्था का संदय, लेखाओं का प्रारण, निराक्षण प्रभारी का संदेश प्रतिदर्भ है, होंगे काले सभी व्यापी का बहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4 निरागक, केन्द्रीय सरकार इतरा यमा अनुसोदित सामूहिक बामा सर्कम के नियमों के एक प्रति, श्रीर जब कमा उनमें संजीवन किया जाए, तब उस संशोधन को प्रति तथा कर्मचारियों की बहुएक्या को भाषा में उसकी मुख्य बाता का यनुष्य, स्थापन के सुचन'नारु पर प्रदिश्य करेगा।
- 5 यदि बाई ऐसा कमेंचार, जो कमेंचारों भविष्य निधि का या उक्त प्रधिनियम के प्रधान छूट प्राप्त किसी स्थापन का शविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियाजित किसा जाता है लो, नियोजक सामृद्रिक यीमा स्थीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त दर्ज करेगा और उसकी बावन धावणाह प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम का संद्रित करेगा।
- 6 विद उन्त सकीम के प्रवीन कमेव रियों को उपनाक्ष्य कायदे बढ़ाएं जाते हैं ती, नियोजक सामृहिक बामा स्कीम के प्रवीस कमें वारियों की उपलब्ध कायदों में मदिनत रूप में बृदि को जाते की व्यवस्था करेंगा जिससे कि कमेंच रियों के लिए सामृहिक बीसा स्कीम के प्रवीन उपनब्ध कायदे उन कायदों से अधिक अनुकृत हों, जो उनत स्काम के अधीन प्रमुक्तेय हैं।
- 7 सामृहिक श्रीमा स्कीम में किसी यात के होते हुए भी, यदि किसी समेंचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के श्रक्षीत सन्देय रकम उस रकम से कम है, जी कर्मचारा को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के श्रक्षीत होता, ता, तियाजक कर्मचारी के विधिक चारिस/नामनिर्देशिती का प्रतिचार के रूप में दाना रक्तमों के श्रव्यर के बराबर रकम का सदाय करेगा।
- 8. साय्द्रिक दीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भित्या निधि अत्युक्त महाराष्ट्र के पूर्व प्रमुमोदन के विना नहीं किया आयेगा और जहां किया संशोधन से कर्मकारियों के दिन पर प्रतिकृत प्रमान पड़ने की सभावना हो बहां, प्रावेशिक भित्रप्य निधि प्रायुक्त, अपना प्रमुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्रपता दिस्काण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त भवसर देगा!
- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मवारी, जारतीय जीवन वीसा निगम की उस सामृहिक वीसा रकीम के, जिसे स्थापन पहले भ्रपना चुका है मधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के भ्रामीत कर्मवारियों को प्राप्त होने बाने कायदे किसी रीति में कम हो जाने हैं तो यह छुट रव्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणजश, नियोजक उस नियन भारील के भीतर,जा भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम की संदाय करने में स्रमकल रहता है, सौर पालिसी को व्यवस्त ही जाने दिया जाता है तो, खूट रहद की जा सकती है।
- 11- नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गर किसी व्यक्तिश्रम की वणा में उन मून सदस्यों के नामनिर्देशितियों था विधिक वारिमों को जो यदि यह पूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्भात होते, बीमा पायदों के संदाय का उक्तरदायिन्व नियोजक पर होगा।
- 12. उनन स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, धन नकीम के अधीन धाने बाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हुकदार नाम निर्वेणितियों/ विधिक वारिसो की बीमाक्कन रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाक्कन राज प्रति होते के सातर सुनिधिनत करेगा।

[मंदमः एम०-35014/340/82-शिव एफः ३-2]

S.O. 4276.—Whereas Messrs Maharashtra State Handlooms Corpo ation Limited, 50. Central Averue Road, Nagpur-18 (MH/14704) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Emiloyees Provident Funds and Miscellaneous Provident Sub-section 4ct, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schidule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

### **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtia (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc shall be borne by the employers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme apporpriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enh need, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Maharashtia (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversaly the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their points of view
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adonted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10 Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc, within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

  1042 GI/82—12

- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased men bers who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S. 35014(340)/82-PF. II]

का० आ० 4277:--मैसर्स कामती द्युषम ति मटेड, लाल बड़ादर णास्त्री सार्ग, कुरला, बम्बर्ड-400070 (सहाराष्ट्र-5:91) (जिसे इसमें इसके पश्चाय उक्त स्थापन कहा भया है) ने कमैबारी प्रविष्य निधि और प्रकीणैं उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए अबियन किया है;

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान ही गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक भी दाय या प्रीमियम का सदाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीय के प्रधीन जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीय के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उटा रहे हैं भीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायटों से श्रधिक अनुकृल है जो कर्मचारी निश्चेष सहबाद बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पण्णास् उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें अनुषेय है;

यतः, केम्द्रीय सरकार, उमत प्रांधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) हारा प्रदत्न प्रांभनयों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद अन्सूची में विनिर्दिष्ट गतीं के अधीन रहते हुए, उनत स्थारन को तीन वर्ष की खबीध के लिए उपत स्कीम के सभी उपाबधों के प्रवर्तन से छूट देनी है।

## अमुसची

- उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक श्विष्य निधि प्राप्नुवत महाराष्ट्र (बम्बई) को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निविष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेग को केन्द्रीय सरकार, उक्त भ्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के श्रधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रणासन में , जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का प्रन्तरण, निरीक्षण प्रभारो का संवाय थादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा प्रनुभोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, भौर जब कभी उनमें संगोधन किया जाए तब उस संगोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाग में उसकी मुख्य बार्सों का प्रनुषाद, स्थापन के सुचना-पन्ट पर प्रविधित करेगा।
- 5 यदि बोर्ड ऐसा कर्मयारी, जो कर्मयारी भविष्य निधि का या उक्त यधिनियम के धर्धान छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले हैं सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक साम्हिक धामा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त वर्ज करेगा और उनकी बावन धायपक भीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संदश्त करेगा।
- त यदि उक्त स्कीम के बर्धान कर्मजारियों को उपलब्ध फायदे बहाए जाते हैं तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के ब्रधीन कर्मजारियों को उपलब्ध फायटों में समृजित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायडों में अधिक बनुकुल हों, जो उक्त स्कीम के ब्रधीन प्रमृक्षेय है।

- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीय के प्रधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी की उस बचा में संदेय होती जब बहु उस्त स्कीम के प्रधीन होता हो, नियोजक कर्मचारा के विधिक वारिस/नाम निर्वेणिती की प्रिनिश्द के रूप में दोना रकमीं के अन्तर के बणबर रकम का मवाय करेगा।
- ह सामूहिक वीमा एकाम के उपबन्धों में कोई भी संगोधन ; प्रादेशिक भियष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व प्रतुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संगोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाष पड़ने की नंशावना हो वहा, प्रादेशिक प्रविष्य निधि प्रायुक्त, प्रपता प्रतुमोदन देने से पूर्व पर्यचारियों को प्रपता वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त भ्रवसर वेगा ।
- 9 प्रवि किरों: कारण्यभा, स्थापना ने कर्मचारी, प्रार्ताय जीवन बीमा निगम की उस मामूहिक विभा स्कीम के, जिससे स्थापन पहले प्रपत्ता चुका है अर्धन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधित कर्मचारियो को प्राप्त होने वाले फायदे किस्प रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छट रह की जा सकती है ।
- 10. यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियत नारीख के भीनर, जा भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में मसकल रहता है, भीर पालिसी की व्यवस्थत हो जाने विमा जाता है तो. खट रह की आ सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियभ के संदाय में किए गए किसी व्यक्तित्रम की दणा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्वेणितियों या विधिक वारिसों को को, यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के भन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12 जनत स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के मधीन प्राने बाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीचाकुत रकम का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दक्षा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बीमाकुत रकम प्राप्त होने के सान दिन के भीतर मुनिधिवत करेंगा ।

[सं० एस०-35014/341/82-की०एक०2]

S.O. 4277.—Whereas Messrs Kamanl Tubes Limited, Lal Bahadur Shastri Marg, Kurla, Bombay-70 (MH/5291) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employers' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contributions or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Link Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

## **SCHEDULF**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.

- 4. The employer display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas the employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premimum in respect of him to the Life Insurance Corpotation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employers under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premimum within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in negment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt nayment of the sum assured to the nomineel lead heirs entitled for it and in any case within 7 days of the interest of the employees, the Regional Provident Fund Corporation of India.

[No. S-35014 (341)/82-PF, II]

कां आँ 4278--मर्ममं सलेम टेक्सटाइल्स हिसिटैंड, सिल्लिपालायाम, नारासिगाएरम, डाक्ष्यर अथुर, सलेम, जिला (निमलनाडु/6517) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भिषय निधि और प्रकीशं उपबन्ध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के सधीन कूट विए जाने के लिए माधेदन किया है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्वापन के कर्मचारी, किसी पृथक प्रधिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना हो, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन फायदों से प्रधिक प्रमुक्त हैं जो कर्मचारी निकीप सहबक्क बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके प्रश्वान उक्त स्कीम कहा गथा है) के प्रबीन उन्हें सन्त्रिय हैं ;

धत केन्द्रीय सरकार, उक्त शिधिनियम की धारा 17 की उपक्राका (2क) द्वारा प्रवत्त शिवितरों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाश्वक श्रानुसूची में वितिर्विष्ट शर्ती के भवीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की श्रविक्ष के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के श्रवतंन से कृट देती है।

## अनुसृची

- ा. उसत स्थापन के सबध में निकांत्रक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तिमिलनाडु को ऐसी विवर्णाया भेजेगा और ऐसे लेखा स्थेगा तथा निरक्षण के लिए ऐसी मृजिध एं प्रदान करेगा को केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निथिद्य करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निराक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाध्यि के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जा केन्द्रीय सरकार, उनन अधिनियम की धारा ,17 की उपधारा (कि) के खण्ड (क) के प्रधीन समय-समय पर निद्विष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीम. स्कीम के प्रणासन में, जिसके मन्तर्गत लेखाको का रखा जाता विवरणिया का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाको का प्रतरण, जिलेक्षण प्रभारों का संदाय मादि भी है, होने वाले सभी क्यायों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रमुमीवित सामूहिक शीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, ग्रीर जब कभी उनमें मंगोधन किया जाए, सब उस संगोधन की प्रति तथा कमैचारियां की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का प्रमुखाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी श्विष्य निधि का या जनत प्रक्षिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की श्विष्य निधि का पहले ही सवस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा भीर उमकी बाबत प्रावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संवत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के मधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अर्धान कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के ब्राधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक धनुकुल हों, जो उक्त स्कीम के मधीन प्रमुश्य है।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के मधीन संवेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, अब वह उक्त स्कीम के ध्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्वेणिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमो के अंतर के बराबर रकम का संवाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संगोधन, प्रादेशिक भिष्य निश्चि मायुक्त, तिमलनाइ के पूर्व मनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संगोधन से कर्मजारियों के हित पर प्रतिकृत मनाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निश्चि मायुक्त, धपना मनुभोधन देने से पूर्व कर्मजारियों को धपना दृष्टिकीण स्पष्ट करने का पिक्तवक्त भवनर देशा।
- 9 यदि फिसी कारणवा, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रपक्ष ज्ञा है मधीन मही रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रजीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, ता यह छूट खुद की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवंश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, तो पालिसी भी व्यपगत हो जाने दिया जाना है तो, छूट रह की जा सकती है।
- 11- नियोजफ द्वारा प्रीमियम के सवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम, की बना में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसी की भी यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के धन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सदाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उसत स्थापन के सबंघ में नियोजक, इस स्कीम के मधीन माने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकवार नामनिर्वीकितियों/ विधिक नारिसो की बीमाकृत रकम के मंदाय तत्परता से मौर प्रत्येक

भारताय जावन अभा निगम से बाम।कृत रक्तम प्राप्त होने के सान दिय के भातर सुनिश्चित करेगां।

[सं॰ एस-35014/342/82-पो एफ-2]

S.O. 4278.—Whereas Messrs Salem Textiles Limited, Salli-Faltayam, Natising apuram Post Office, Attur Salem District (1N/6517) (hereinatter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contributions or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Lite insurance which are more tavourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

### SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including Maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insutance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, to that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Groun Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to

- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insuance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is hable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefit; to the nominees or the legal heirs of deceased members who would, have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (342)/82-PF, III

का० भा० 4279 मिर्स होषस्ट डाइज एण्ड केमिकरूम लिमिटेड, होइजन्ट होऊज, नारोभन प्यइन्ट बम्बई-१1, (महाराष्ट्र/4527), जिमे इममें इसके प्रश्व त उपन स्थापन कहा गया है) ने कमंचारी भविष्य निधि और प्रकीणं उपबन्ध घिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पण्चात उक्त छोधनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के मधान छूट दिए जाने के लिए भावेदन किया है;

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मकारी, किस पृथा प्रिमिश्य या प्रीमिश्य का संदाय किए बिना ही, पारतीय जिवन बीमा निषम की सामूहिक बीमा स्क्रीम के अभीन जीवन शीमा के कर्प में कायदे उठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मवारियों के लिए ये कायदे उन कायदों से अधिक अनुहूल हैं जा कर्मवारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चास् उक्त स्कीम कहा गया है) के अर्धन उन्हें अनुजय हैं;

भतः केन्द्रीय संग्कार, उक्त श्रीधनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर इससे उपावत अनुसूर्ण में विनिदिष्ट शतौं के अधीन रहने हुए, उक्त स्थापन की त'न वर्ष की अवधि के मिए उक्त स्थाम के सभी उपवस्थों के प्रवर्तन से छूट देती हैं।

## अनुसूची

- उत्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक श्विष्य निधि प्रायुक्त महाराष्ट्र (ब बई) को ऐसा विवर्णायां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा सथा निरी-क्षण के लिए ऐसं। गुविकाए प्रदान करेगा जो केन्द्र य सरकार, समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरंक्षण प्रकारों का पत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के मीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की द्वारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समय-समय पर निदिष्ट करें ।
- 3. सत्यूहिक वीमा स्कीम के प्रकासन में, जिसके अन्तर्गत केखाओं का रखा जाना, पित्रर्राणयों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रकारों तो सदाय आदि भी है, होने, वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।
- 4. नियोजक, केन्द्रिय सरकार द्वारा अनुमीवित सामृहिक बीक्मा स्कीम के नियमों की एक प्रति, भीर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, सब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचाहिस्यों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

- 5 यदि कोई ऐगा कर्मेचारों, जो कर्मचारी प्रियण निधि का या उत्तत अधिनियम के अर्धन छूट प्राप्त किसी स्थापन को प्रियण निधि का पहले ही सदस्य हैं, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिय सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के खप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसको बाबन प्रावण्यक प्रामियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संवत्त करेगा !
- 6. यदि उत्तत स्कोम के प्रधान कार्य नारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मवारियों की उपलब्ध फायदों में सभुवित रूप से कृष्टि को जाने की व्यवस्था करेगी जिसमें कि कर्मजारियों के लिए सामृहिक बीमा स्काम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन कायरों से अधिक अनुकून हो, जो उत्तत स्कीम के प्रधीन अनु-क्षेय है।
- 7. सामूहिक बीमा रुक्षेम में किसी बात के होते हुए, भी, यदि किसी कार्मचारी को मृत्यू पर इस स्थीम के अर्धान सदेय रकम उम रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दणा में मदेय होती जब बह उक्त स्कीम के अर्धान होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के हप में दोनों एकमों के क्रतर के बराबर रकम का संदाय करेगा:
- 8. सामूहिन नीमा स्कीम के उपनन्धों में कोई भी सणोधन, प्रादेशिक भिवण्य निधि भागुक्त, महाराष्ट्र (बग्बई) के पूर्व भ्रानुमीवन के बिना नहीं किया जाएगा भीर जहां किसो मंगीधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की मणावना हो बहां, प्रादेशिक भ्रतिष्य निधि भ्रायुक्त, भ्रपना धनुभीदन देने से पूर्व कर्मचारियों को भ्रपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त भ्रवन देगा।
- 9. यदि किसी कारणवध्न, स्थापन के कमेचारी, भारतीय जीवन बौना निगम की उम सामूदिक बोमा स्काम के, जिसे स्थापन पहले प्रपना खुका है प्रधान नहीं रह जाते हैं, या इस स्कोम के प्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से अम हो जाते हैं, तो यह छूट रत्व भी जा सफती है।
- 10. यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियह कारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है, भीर पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छुट रदद का जा मकती है।
- 11 नियोजिक द्वारा प्रीतिभयम के सवाय में किए गए किसी व्यक्तिश्रम की वशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक बारिसों को जो, यदि यह छूट न दी गई होता तो उक्त कीम के धन्तमंत होते, बीगा फायदों के संदाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उनत स्थापन के संबंध में नियोजन, इस स्कीम के धार्यन धाने नाले किया सवस्य की मृत्यु होने पर उनके हरूवार नामनिव पितियों विश्वक वारिसों को बीमाकुत रकम का संदाय सत्परता से धीर प्रत्येक दशा में भारतीय जलन बोमा निगम से बीमाकुत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिम्बत करगा।

[सं॰एम-35014/343/82-भेर॰एफ-2]

S.O. 4279.—Whereas Messis Hoechst Dyes' and Chemicals Limited, Hoechst House, Nariman Point, Bombay-21, (MH/4527) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied tor exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than

the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked insurance Scheme, 1976, (hereinafter reterred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions apecufied in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years

#### SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Bangalore, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2 The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, parament of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Incurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwitherauding anythin, contained in the Group Insurance Scheine, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life In urance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled
- 10. Where for any reason, the empoyer feels to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for nayment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would, have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer

12 Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. 5-35014 (343)/82-PF. III

# नर्ष दिन्ही, १ दिनःबर, १०४१

कार आर०4280 -- मैं पर्स होटल कावरा ह टावस, नाहसन ज्याद्य ट प्रस्थित हो, (महाराष्ट्रे/15446), (जिसे क्ष्मिसे प्राप्ति प्रजान होता स्थापना कटा रजा है) न कि बारी जिन्छा निधि और प्रकीण उपवस्य कांस्तियम 1952 (1952को 19) जिस दमसे दमके परचार् को निधान स्वक्ता गया है की थारा 17 की उपधारा (उक्ष) के क्ष्मिन छट दिए जाने ने लिए आवेदन कार्य है ,

ग्रीर बंन्द्रीय सरकार का समाधान ता था। है कि उक्त स्थापन किसी पृष्क का ताय या प्रीतिस्था का सदाय किए विना है।, नार्काय जीवन वंतमा निश्म की सामूहित बीना स्कीम के पात्रान जावन वीसा के रूप में फायदे उठा रहें है ग्रीर ऐसे वर्षकारयों के थिए य फाएरे उन फायरों से ग्रीब ग्रमुकुन है ना कर्मचारी निक्षेप महबद्ध वीसा स्वीत, 1976 (जिसे एसने एसके पत्रान क्ष्य उक्षत रकीस कहा गर्भ दैं।) के प्रशीन उने ग्रमुकीय है

आ, फैक्ट संरागित, उसन आधानियम की धाटा 17 की उपधारा (2क) द्वारा पदल पास्तयों का प्रयोग करने हुए भीर इपने उपाबध अनसूची में किनति अर्थों के अधीन रहते हुए, उसन न्यापत को तीन वर्ष की साम के किन का पदी अपनेन किन्द्र देशी है।

## अनुसूची

- शत स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रार्थाणक श्रवण निश्च धायकत महाराष्ट्र को ऐसी विश्वरणिया भेजेगा ग्रीह ऐसे लेखा खोता हुना निर्धासक के लिए एसा सुन्तामण प्रदान करेगा जो केल्ब्रीय सम्बन्धिंस सम्बन्धिंस पर निर्दिष्ट करें।
- 2 नियोजा, ऐसं नर्रक्षण प्रभारो का प्रायेक सास की समात्ति के 15 दि। के भागर महाभ करेगा जो केन्द्रोयसक्तार, इका आंधिनिधम की शारा 17 की उपधारा (अक) का वाण्ड (का) का शारी गायव-मामय पर निविष्टकर।
- उसिक्ति वंगा रक्तिस के प्रणासन में, जिसके अन्तित लखामा वा जाना विवर्तणयों का प्रस्तुत किया जाना, र्यना प्रोमियन वा सवार, लेखाला का ब्राह्मण, निरीक्षण प्रधारों का सदाय यादि भी है, होने वासे सभी व्ययों का बलन नियोजक द्वारा किया जागेगा।
- ा नियोजक, केर्प्ताय गरकार द्वारा यथा श्रनुभोदित नामृहिक यं.भा रकीन के नियमों का एक प्रति, श्रीर अब कमी उनमें सणोधन किया जार, नब उम सणोधन का प्रति तथा कार्वास्थि की बहुसख्या की भाषा में उसकी भुष्य यानी का अनुवाद, स्थापन के सुचना-पट्ट पर प्रवर्शित करेगा।
- 5 प्रिंद कर्ड ऐसा कर्मनारी, जो सर्मचारी भिष्ठिण निश्च का या उक्त प्राधिनियम क प्रधीन छूट प्राप्त किमी स्थापन की भिष्ठिण निश्चिका पर्नेत हैं। सदश्य है उसके स्थापन में नियोजिय किया जाना है तो, निश्चिक पासूहिक विभा स्कान के नदुस्य के ख्या में उत्तरका नाम नुरस्त दर्ग करें का प्रीर उसकी बावन प्रायण्यक प्रीभिन्म भारतीय जीवन बोमा निगम को सदस करें।।
- 6 याँ र एक स्कीम के अक्षीन कार्नवारियों को अवज्ञ कार्य कार्य विवस्ते ज्ञाते हैं सो, निर्मालय सामृहिक बीमा स्कीम के ध्रधीन कर्मवारियों का उपलब्ध फायदों में समुचित रूप में पृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा

जियसे कि कर्नचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के प्रवीत उपलब्ध फायदे उन फायरी से प्राधिक प्रतुकृष हो, जी उपन स्तीम के प्रपीत प्रस्कीय है।

- 7. मार्गृहित बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी, याद किमी कर्मधारी की मृत्य पर इस स्कीम के प्रकीत सन्देय रकम उस रकम में कम है, जा कर्मचारी की उस दशा में सदेय होती, जब यह उसत स्कीम के प्रकीत होता की, नियोजन कर्मचारी की शाक्षिक वर्षरम/मामार्ग्यामार्गय की प्रतिकर के स्व में दोनों रक्षमां के प्रस्तर के बराबर रक्षम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा प्रकीत के उपबन्धों में कोई मी स्थायत, । विशेषक स्विष्य निश्च आयुक्त नहाराष्ट्र के पूर्व अनुसीदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी सशाधन से कर्नचारियों के हित पर प्रतिभूत प्रभाव परने की सनावता हो, वहा प्रावेशक भावण्य निश्च आयुक्त, अपना अनुसीदन देने से पूर्व कर्मचारियों का आता हास्टकीय स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देंगा।
- ग यदि (कर्न) कारमवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन कमा निगम की उस सामृहिक कीना स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रस्ता चुए। है प्रधीन नहीं रह जाते है, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने बाले फायदे किसी रोतन से कम हा जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।
- 10. याँ ।कमा कारणवजा, नियोकक उस नियन तारीख के भीनर, जो भारतीय जीवन बीमा नियन नियन करे, प्रीमायम का सदाय करने में श्रमफल रहना है, श्रीर पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छुट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक बारा प्रि. मथम के सदाय में किए, गए किसी व्यातकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नामानर्देशातिया या विधिक वारियों को जो यदि यह छट न दी गई होती ना उक्त स्कीम के प्रत्नर्गत होते, बीमा कायक्षी के संदाय का उत्तरदायित्य नियोजक पर होगा।
- 12 उनन स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के श्रधीन आने वाल किसी सदस्य की भृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निद्शालियों। विधिक बारिसो की बीमाकृत रकम का संवाय तत्परना से श्रीर प्रत्येक दण। में भारतीय जीवन बीमा निगन में बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिक्चिन करेगा।

[सब्या एस-35014/389/82-र्वा० एफ-2]

S.O. 4280.—Whereas Messrs Hotel Oberoi Towers, Nariman Point, Bombay-2, (MH/15448) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are move favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

### **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under

- clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month,
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be porne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the the said Scheme are enhanced, so that the benefits available Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the saliet features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where an employee, who is already a member of the Lmployees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heirs/nominees of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a ceasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased the exemption to liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

INo. S-35014(389)/82-PF.JII

ाकि आ० 4281.—कर्मचारी राज्य बीमा प्रधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा 5 दिसम्बर, 1982 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसकी उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 4 (धारा 41 प्रोर 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुर्क है) भीर अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77,78, 79 प्रोर 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, प्रथात :---

"कन्नानीर जिले के सेस्लिचेरी ताल्लुक में पाझासी राजस्व ग्राम के भ्रमर्गत ग्राने वाले क्षेत्र ।"

[सक्या एस-38013/38/82-एच० ग्राई०]

S.O. 4281.—In exercise of the powers conferred by subsection (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Ctntral Government hereby appoints the 5th December, 1982 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Kerala namely:—

"The areas within the Revenue village of Pazhassi in Tellicherry Taluk of Cannanore District."

INo. S-38013/39/82-H11

नई दिस्ली, १ दिसम्बर, 198१

का० आ० 4282. - केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठिन धारा 88 द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करने हुए अखिल भारतीय प्रायुधिकान संन्धान नई दिल्ली के पुनर्वास और कुल्लिम ग्रंग विभाग, केन्द्रीय कर्मणाला और लांडरी के नियमित कर्मचारियों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से, 10 मार्च, 1977 से 30 सितम्बर, 1982 तक की अवधि के लिए जिसमें यह नारीख की सम्मिलन है, छूट देनी है।

- े पूर्वोक्त छूट की मर्ते निम्नलिखित हैं, भ्रर्थात् ---
- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित है, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम ग्रीर पदाभिश्रान दिखाएँ जाएँगे ;
- (2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रमुविधाएँ प्राप्त करने रहेगें, क्विनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना ढारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की नारीख में पूर्व मन्दन अधिदायों के आधार पर हकदार हो जाते;
- (3) छृट प्राप्त स्रविधि के लिए यदि कोई स्रिभवाय पहले हो किए प्रा चुके हो तो वे बापम नहीं किए जाएंगे;
- (4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस प्रविध भी बायत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त प्रधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पण्वात् "उक्त प्रविध" कहा गया है), ऐसी विधरण्या ऐसे प्रारूप में और ऐसी विधिष्टियो यहित देगा जो कमें बारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के प्रधीन उसे उक्त प्रविध की बायत वेती थो ;
- (5) निगम ग्रांग उक्त प्रिधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अर्धन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी ——
- (1) धारा 14 की उप-धारा (1) के प्रधीन, उक्त प्रविध की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों की सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ
- (2) यह प्रिक्तिण्वित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा प्रपेक्षित रिजस्टर प्रीर प्रिक्तिच्या उपत श्रवधि के लिए रखे गये थे या नहीं ; या
- (3) यह प्रभिनिध्वित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मवारी, नियोजक द्वारा दिये गए उन फायदों की, जिसके प्रतिफल स्वत्र्य इस प्रिधसूचना के अर्धन छट दी जा रही है, नकद से और बस्तृ रूप में पाने का हकदार बना हुआ है वा नहीं , या
- (4) यह अि:िनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस ध्रवधि के दौरान जब उक्त कारखाने के सबंध में प्रधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्यकरने के लिए मणक्य होगा .---

- (क) प्रधान या श्रव्यवहित निर्योधक में श्रमेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे, उपरोक्त निर्यक्षक या अन्य पदधारी श्रायण्यक समझन। है ,
- (ख) ऐसे प्रधान या अञ्यविहत नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारकाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेण करना और उसके प्रभागी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के सदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पवधारी के रामक्ष प्रस्तुत करे और उसकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे. जिसे ये आवश्यक समझते है; या
- (ग) प्रधान या अध्यविह्न नियोजक की, उनके भ्रा कर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या भ्रत्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या भ्रत्य पवधारी के पास यह विभ्वास करने का मुक्तियक कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना , या
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या प्रन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या प्रन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेता।

### व्याख्यात्मकः ज्ञापन

इस मामलें में पूर्विपिक्षी प्रभाव से छूट देनी प्रावण्यक हो गई है, क्योंकि इट के लिए प्राप्त आवेदन-पत्न विलस्थ में प्राप्त हुआ, तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्विपिक्षी प्रभाव में छूट देन से किसो के हित पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पडेगा ।

> [स॰ ए-38014/26/80-एच॰आई०] ए**०के० भ**ट्टाराई, अवर सिध

New Delhi, the 2nd December, 1982

S.O. 4282.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the regular employees of the Central Workshop, Laundry and the Department of Rehabilitation and Artificial Limbs of the All India Institute of Medical Sciences, New Delhi from the operation of the said Act for a period with effect from 10th March, 1977 upto and inclusive of the 30th September, 1982.

The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

- The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations 1950;
- (5) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or

- (t) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
- (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
- (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in eash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to—
  - (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he nay consider necessary; or
  - (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and 1c quire any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating 10 the employment of persons and payment of wages or to

- furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/26/80-HI]

## EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the application for exemption was received late. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

### CORRIGENDUM

New Delhi, the 2nd December, 1982

S.O. 4283.—In the notification of the Government of India in the Ministry of I about No. S.O. 2599 dated the 21st Julie, 1982 published at page 2672 of the Gazette of India Part II, Section 3 Sub-section (ii) dated the 17th July, 1982, in line 3, for "Toyti" read "Ivoti"

[No. S-35019(98)/82-PF.II] A K. BHATTARAI, Under Secv.